सूर्योदय 5:39 सूर्यास्त 7:15

आज का तापमान

शिमला	17.5 न्यू	24.0 अधि
धर्मशाला	20.9 न्यू	28.0 अधि

बाजार

सेंसेक्स	80039.80
निफ्टी	24406.10
सोना 69,820	चांदी 83,481

www.anantgyaan.in

अनंत ज्ञान

आरएनआई नं. HPHIN01099 | कांगड़ा | शुक्रवार, 26 जुलाई 2024 | 11 श्रावण, विक्रमी संवत 2081 | वर्ष 1, अंक 219, कुल पृष्ठ 14 | मूल्य : 5 रुपए | follow us on: | 8894521702

न्यूज शॉर्ट्स

केजरीवाल की न्यायिक हिरासत 8 अगस्त तक बढ़ी

नई दिल्ली। दिल्ली शराब नीति से जुड़े भ्रष्टाचार मामले में राऊज एवेन्यू कोर्ट ने सीएम केजरीवाल की न्यायिक हिरासत 8 अगस्त तक बढ़ा दी। उन्हें तिहाड़ जेल से वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए कोर्ट में पेश किया गया। ईडी के मनी लॉन्ड्रिंग केस में भी उन्हें 31 जुलाई तक जेल में ही रहना होगा। दरअसल, 12 जुलाई को सुप्रीम कोर्ट ने केजरीवाल को जमानत दे दी थी, लेकिन उनकी तरफ से अभी तक बेल बॉन्ड नहीं भरा गया है।

मोदी आज कारगिल में वीरों को देंगे श्रद्धांजलि

श्रीनगर। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी कारगिल विजय दिवस की 25वीं वर्षगांठ पर शुक्रवार को कारगिल जाएंगे और कर्तव्य की राह पर सर्वोच्च बलिदान देने वाले वीरों को श्रद्धांजलि देंगे। वर्ष 1999 में कारगिल युद्ध में पाकिस्तान पर भारतीय सेना की जीत को 26 जुलाई को विजय दिवस के रूप में मनाया जाता है।

मानहानि मामले में आज कोर्ट में पेश होंगे राहुल

सुल्तानपुर (उप्र)। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी मानहानि के एक मामले में 26 जुलाई को सुल्तानपुर की सांसद-विधायक (एमपी/एमएलए) अदालत में हाजिर होंगे। भाजपा नेता विजय मिश्र ने राहुल गांधी पर बेंगलुरु में 2018 में भाजपा के तत्कालीन अध्यक्ष और वर्तमान गृह मंत्री अमित शाह के खिलाफ आपत्तिजनक टिप्पणी करने का आरोप लगाते हुए मामला दर्ज कराया था।

हरियाणा के फरीदाबाद में भूकंप से हिली धरती

फरीदाबाद। हरियाणा के फरीदाबाद जिले में वीरवार सुबह भूकंप के झटके महसूस किए गए। एक घंटे के अंदर 2 बार भूकंप आया, जिसके बाद लोग घरों से बाहर आ गए। नेशनल सिस्मोलॉजी सेंटर के अनुसार इसका केंद्र फरीदाबाद में ही जमीन के अंदर 5 किलोमीटर गहराई में रहा। सुबह 10:54 बजे और दूसरी बार 11:43 बजे भूकंप आया। रिक्टर स्केल पर दोनों बार भूकंप की तीव्रता 2.4 रही।

कांवड़ यात्रा: नेमप्लेट के समर्थन में याचिका दायर

नई दिल्ली। कांवड़ यात्रा रूट पर नेमप्लेट का मामला थमता नहीं दिख रहा है। सुप्रीम कोर्ट नेमप्लेट लगाने के आदेश को रद्द कर चुका है, लेकिन अब नेमप्लेट लगाने के आदेश के समर्थन में एक याचिका सुप्रीम कोर्ट में दाखिल की गई है।

अंदर के पन्नों पर पढ़ें

- अब 60 दिन नहीं, आधे घंटे में मिलेगा फूड सेफ्टी लाइसेंस -पेज 2
- कारगिल युद्ध में शहादत पाने वाले शहीदों को सलाम -पेज 3
- सुजानपुर की घोषणाओं को धरातल पर उतारें मुख्यमंत्री: राणा -पेज 6
- चीन कर रहा हिंद महासागर में घुसपैठः अमेरिकी सांसद -पेज 13
- पदकों की हैट्रिक बनाने को पीवी सिंधु तैयार -पेज 14

शिक्षकों के तबादलों पर लगी रोक, 99 स्कूल होंगे बंद

कैबिनेट के फैसले: पांच से कम बच्चों वाले 400 स्कूल होंगे मर्ज

रविंद्र जस्टा, शिमला

मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू की अध्यक्षता में वीरवार को हुई मंत्रिमंडल की बैठक में कई बड़े फैसले लिए गए। मंत्रिमंडल ने शिक्षकों के तबादलों पर रोक लगा दी है। अब शैक्षणिक सत्र के अंत में ही शिक्षकों के तबादले होंगे। बीच सत्र में तबादले नहीं होंगे।

मंत्रिमंडल ने शून्य विद्यार्थी संख्या वाले 99 स्कूलों को बंद करने का फैसला लिया है। वहीं, पांच से कम विद्यार्थी संख्या वाले करीब 400 स्कूलों को नजदीकी क्लस्टर विद्यालयों में मर्ज करने का फैसला लिया है। वहीं, स्कूलों में केंद्रीय मुख्य शिक्षक, मुख्य शिक्षक व प्रिंसिपल भी अपने विषयों को पढ़ाएंगे। मंत्रिमंडल ने निर्णय लिया कि यदि शराब ठेका संचालक ओवरचार्जिंग करेगा तो पहली बार 15 हजार, दूसरी बार 25 हजार, तीसरी बार 50 हजार और चौथी बार ओवरचार्जिंग पर एक लाख का जुर्माना वसूला जाएगा। पांचवीं बार शिकायत मिलने पर ठेका संचालक का लाइसेंस रद्द होगा। कैबिनेट ने तीन मंत्रिमंडलीय उप समितियों के गठन का निर्णय लिया। (अनंत ज्ञान)

- सीएचटी, मुख्य शिक्षक व प्रिंसिपल बच्चों को पढ़ाएंगे
- महंगी शराब बेचने पर एक लाख तक पेनल्टी

मंत्रिमंडल की बैठक की अध्यक्षता करते मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू।

विधानसभा का मानसून सत्र 27 अगस्त से

मंत्रिमंडल ने राज्यपाल से हिमाचल प्रदेश विधानसभा का मानसून सत्र 27 अगस्त से 9 सितंबर तक बुलाने की अनुशंसा की। मानसून सत्र के दौरान 10 बैठकें आयोजित होंगी।

देहरा को पुलिस जिला बनाकर भरेंगे 39 पद

मंत्रिमंडल ने पुलिस जिला देहरा बनाने का निर्णय लिया, जिसका मुख्यालय देहरा में होगा और विभिन्न श्रेणियों के 39 पद भरे जाएंगे। पुलिस चौकी डाडासीबा को एसडीपीओ देहरा और मझीन को पुलिस थानों के रूप में स्तरोन्नत व विभिन्न श्रेणियों के 17-17 पद भरने व पुलिस स्टेशन रक्कड़ के अधिकार क्षेत्र को एसडीपीओ ज्वालामुखी से एसडीपीओ देहरा को स्थानांतरित करने का फैसला लिया।

फलों का खरीद मूल्य 12 रुपए तय

सेब, किन्नू, माल्टा, संतरा और आम फलों की खरीद 12 रुपए और गलगल की खरीद दर 10 रुपए प्रति किलोग्राम करने को स्वीकृति दी। सेब की खरीद प्रक्रिया 20 जुलाई से 31 अक्तूबर तक और आम की खरीद 1 जुलाई से 31 अगस्त तक होगी।

विभिन्न विभागों में 200 पद भरे जाएंगे

विभिन्न विभागों में 200 से ज्यादा पद भरने और सृजित करने की मंजूरी दी गई। इसके अलावा टूरिज्म डिपार्टमेंट में 12 पद, 5 पद असिस्टेंट डिस्ट्रिक अटॉर्नी, 10 पद ट्रेजरी ऑफिसर, पीडब्ल्यूडी में 25 पद वर्क इंस्पेक्टर के भरे जाएंगे।

धर्मपुर में आईपीएच का डिवीजन बनाने को मंजूरी: मंडी के धर्मपुर में आईपीएच का डिवीजन और परवाणू में सबडिवीजन खोलने की मंजूरी प्रदान की है। ऊना के हरौली विधानसभा में बिजली विभाग का डिवीजन खोलने की भी मंजूरी दी गई।

स्व. जीएस बाली के जन्मदिन पर नगरोटा बगवां में रोजगार मेला

रोजगार मेले में 70 कंपनियों ने लिए इंटरव्यू, 339 की सिलेक्शन

नगरोटा बगवां में स्व. पिता जीएस बाली की याद में लगे रोजगार मेले में शिरकत करते पर्यटन निगम के अध्यक्ष आरएस बाली।

अनंत ज्ञान, नगरोटा बगवां

प्रदेश के पूर्व मंत्री स्व. जीएस बाली के जन्मदिन पर आयोजित रोजगार मेले के पहले दिन करीब 1200 युवाओं ने जॉब के लिए पंजीकरण करवाया। मेले में करीब 70 कंपनियों के प्रतिनिधियों ने अभ्यर्थियों का साक्षात्कार लिए। इनमें से केवल 524 ने ही इंटरव्यू दिए, जिनमें से 355 अभ्यर्थी शॉट लिस्ट किए गए और इनमें से 339 की जॉब के लिए सिलेक्शन हुई।

रोजगार मेले में आठवीं, दसवीं पास और जमा दो पास बेरोजगारों के साथ आईटीआई, डिप्लोमा धारकों, स्नातक, स्नातकोत्तर, फार्मा बीटेक, एमबीए, जीएनएम इत्यादि प्रशिक्षितों ने भाग लिया। रोजगार मेले में कई अभ्यर्थियों को ऑन स्पॉट जॉब लेटर भी प्रदान किए गए।

ऑन स्पॉट जॉब लेटर मिलने पर गदगद हुए अभ्यर्थी

मुंदला के अनिकेत, धर्मशाला की अक्षिता चौधरी, शाहपुर के सौरभ शर्मा का एकुलर डिवाइस कंपनी में चयन हुआ। इसके अलावा देहरा के अनीश, शाहपुर के सौरभ का फार्मा फोर्स लैब कंपनी चयन हुआ और मौके पर ही जॉब लेटर दिए गए। आन स्पॉट जॉब लेटर मिलने पर अभ्यर्थी गदगद हुए। युवाओं ने कहा कि पर्यटन निगम के अध्यक्ष कैबिनेट रैंक आरएस बाली ने नगरोटा बगवां में रोजगार मेला आयोजित करवाकर बेरोजगार युवाओं के लिए बेहतरीन पहल की है। (अनंत ज्ञान)

अभ्यर्थियों को कांगड़ी धाम परोसी

आरएस बाली ने रोजगार मेले के दौरान अभ्यर्थियों की सुविधा को देखते हुए कांगड़ी धाम की व्यवस्था भी की गई थी। इसके अतिरिक्त कतारों में खड़े अभ्यर्थियों को पेयजल और आइसक्रीम भी वितरित की गई। अभ्यर्थियों ने रोजगार मेले में कांगड़ी धाम की व्यवस्था करने व अन्य बेहतर सुविधाएं देने के लिए भी आयोजन समिति का आभार व्यक्त किया गया।

राज्यों को है खनिजों पर रॉयल्टी वसूलने का अधिकार: सुप्रीम कोर्ट

एजेंसी, नई दिल्ली

सुप्रीम कोर्ट ने करीब 35 साल पुराना एक फैसला पलटते हुए वीरवार को कहा कि रॉयल्टी कोई कर नहीं है और राज्यों के पास खनिजों और खदानों पर कर लगाने का अधिकार है।

नौ न्यायाधीशों की संविधान पीठ ने 8:1 के बहुमत से फैसला सुनाया कि खनिजों के बदले दी जाने वाली रॉयल्टी कर नहीं है। सीजेआई डीवाई चंद्रचूड़ ने अपनी और पीठ के सात न्यायाधीशों की ओर से फैसला पढ़ते हुए कहा कि संसद के पास संविधान की सूची दो की प्रविष्टि 50 के तहत खनिज अधिकारों पर कर लगाने का अधिकार नहीं है। संविधान की सूची-II की प्रविष्टि 50 खनिज विकास से संबंधित नियमों और खनिज अधिकारों पर करों से संबंधित है। सीजेआई ने कहा कि शीर्ष अदालत की सात सदस्यीय संविधान पीठ का 1989 का फैसला गलत है, जिसमें कहा गया था कि रॉयल्टी एक कर है। इससे पहले, सुनवाई शुरू होते ही प्रधान न्यायाधीश ने कहा कि पीठ ने दो अलग-अलग फैसले दिए और न्यायमूर्ति बीवी नागरत्ना ने इससे असहमति व्यक्त की।

जजों ने माना कि केंद्र और राज्य की विधायी शक्तियों से जुड़े संविधान के अनुच्छेद 246 को बारीकी से देखने पर यह साफ होता है कि राज्य विधानसभा को खनन पर टैक्स से जुड़े कानून बनाने का अधिकार है।

मनाली में बादल फटने से भारी तबाही, तीन घर बहे

दो मकान और एक दुकान क्षतिग्रस्त, पलचान पावर प्रोजेक्ट को भारी नुकसान

कमलेश वर्मा, मनाली

- मनाली-लेह मार्ग बंद, सड़क बहाली को लगेंगे 3 दिन
- अंजनी महादेव नाले में भारी मात्रा में मलबा और पत्थर आए

मनाली के सोलंगनाला के समीप पलचान में बुधवार रात को बादल फटने से भारी तबाही हुई है। अंजनी महादेव नाले में बाढ़ आने से तीन घर व 20 भेड़ें बह गईं।

वहीं, दो मकानों, एक दुकान और पलचान पावर प्रोजेक्ट को भारी नुकसान हुआ है। पलचान ब्रिज पर भारी मात्रा में मलबा और पत्थर आने से मनाली-लेह मार्ग अवरुद्ध हो गया है। इसके अलावा पलचान व सोलंग के समीप स्नो गैलरी में दो जगह मलबा आने से मनाली-लेह मार्ग भी बंद हो गया है। प्रशासन राहत कार्य में जुटा है। पुलिस व प्रशासन ने टूरिस्ट और आम लोगों को सावधानी बरतने की सलाह दी है। मनाली-लेह नेशनल हाईवे को बहाल करने के लिए बीआरओ की मशीनरी कार्य में जुटी हुई है, लेकिन सड़क को बहाल होने में तीन दिन लग सकते हैं। (अनंत ज्ञान)

> **मनाली** में पलचान के पास आई बाढ़ग्रस्त क्षेत्र का अधिकारियों ने जायजा लिया है। पलचान में कपिल मोहन हाईड्रो प्रोजेक्ट में मलबा घुसा है, जिसको भारी नुकसान पहुंचा है। बाढ़ से दो मकानों व एक दुकान क्षति पहुंची है। एक व्यक्ति की 20 भेडें भी बह गई हैं। जान की कोई हानि नहीं हुई है। बाढ़ से प्रभावित लगभग 19 लोगों का सरकारी भवन में ठहराया गया है। खाने-पीने की व्यवस्था की गई है।
>
> **-तोरुल एस रवीश डीसी, कुल्लू।**

राष्ट्रपति भवन के दरबार हॉल और अशोक हॉल के नाम बदले

अब गणतंत्र मंडप और अशोक मंडप होगा नाम

एजेंसी, नई दिल्ली

राष्ट्रपति भवन के दरबार हॉल और अशोक हॉल का नाम बदल दिया गया है। अब दरबार हॉल को 'गणतंत्र मंडप' और अशोक हॉल को 'अशोक मंडप' के नाम से जाना जाएगा। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने नाम में हुए बदलाव पर खुशी जाहिर की है।

दरबार हॉल वह जगह है, जहां राष्ट्रीय पुरस्कार प्रदान किए जाते हैं, जबकि अशोक हॉल मूल रूप से एक बॉलरूम था। राष्ट्रपति भवन की ओर से वीरवार को जारी बयान में कहा कि राष्ट्रपति भवन, भारत के राष्ट्रपति का कार्यालय और निवास, राष्ट्र का प्रतीक और लोगों की अमूल्य विरासत है। इसे लोगों के लिए अधिक सुलभ बनाने के लिए निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं। राष्ट्रपति भवन के माहौल को भारतीय सांस्कृतिक मूल्यों और लोकाचारों को प्रतिबिंबित करने वाला बनाने का लगातार प्रयास किया गया है।

कठुआ में जैश आतंकियों के दो सहयोगी गिरफ्तार

अशोक ठाकुर, जम्मू

- आठ जुलाई को कठुआ आतंकी हमले से है कनेक्शन
- आतंकियों को खिलाया खाना और भागने में की थी मदद

जम्मू-कश्मीर में सुरक्षाबलों को बड़ी कामयाबी मिली है। सुरक्षाबलों ने कठुआ के पहाड़ी इलाके से वीरवार को कठुआ आतंकी हमले में जैश-ए-मोहम्मद (जेईएम) के दो सहयोगियों को गिरफ्तार किया है। इन दोनों ने आतंकी हमले में जैश की मदद की थी और आतंकी संगठन जैश-ए-मोहम्मद से जुड़े हुए थे।

दोनों आतंकियों को खाने-पीने की चीजों के साथ वाई-फाई मुहैया कराते थे, ताकि आतंकी सीमा पार बैठे अपने हैंडलर से बातचीत कर सकें। दोनों की पहचान लियकत अली उर्फ पावु और कठुआ जिले के मल्हार तहसील से मूलराज उर्फ जेनजू के रूप में हुई है। पुलिस अधिकारी ने बताया कि हमने जैश के दो ओजीडब्ल्यू (ओवरग्राउंड वर्कर) को गिरफ्तार किया है। उन्होंने कबूल किया है कि उन्होंने 8 जुलाई को बदनोटा में सेना के ट्रकों पर हमला करने वाले आतंकियों को खाना और हॉटस्पॉट कनेक्शन मुहैया कराया था। इस हमले में पांच सुरक्षाकर्मी शहीद हुए थे। इस मामले में और लोगों को गिरफ्तार किए जाने की संभावना है। दोनों ने आतंकियों को रणनीतिक और लॉजिस्टिक सहायता भी मुहैया कराई थी। (अनंत ज्ञान)

न्यूज ब्रीफ

नेरवा में लगाया नि:शुल्क एक्यूप्रेशर शिविर

सपना सूद, नेरवा/चौपाल। प्राचीन पद्धति से कई असाध्य रोगों का इलाज संभव है। यह बात जोधपुर की आरोग्य मंदिर संस्था द्वारा नेरवा में हड्डियों और नसों के मरीजों के लिए लगाए गए नि:शुल्क शिविर में साबित हो रही है । इस शिविर में इलाज करवाने आ रहे अधिकांश मरीज एक्यूप्रेशर और कुदरती जडी बूटियों से इलाज की पद्धति से संतुष्ट नजर आ रहे है । यह शिविर 4 अगस्त तक रहेगा,जिसमे एक्यूप्रेशर थेरेपी से इलाज किया जा रहा है। शिविर का आयोजन ग्राम पंचायत नेरवा-चंदलोग की प्रधान बबिता के सहयोग से किया जा रहा है। बबिता रमचाईक एवं उनके पति पिंकू रमचाईक द्वारा शिविर के लिए स्थान, फर्नीचर एवं अन्य सुविधाएं उपलब्ध करवाई गई है। उधर तहसीलदार नेरवा विनोद कुमार एवं नायब तहसीलदार अर्जुन परमार ने शिविर का दौरा किया। (अनंत ज्ञान)

छात्राओं को बताई अंगदान की बारीकियां

अनंत ज्ञान, शिमला। सोटो हिमाचल प्रदेश व हमीरपुर मेडिकल कॉलेज की ओर से अंगदान जन जागरूकता अभियान के तहत वीरवार को मां जानकी नर्सिंग कॉलेज की छात्राओं को अंगदान व नेत्रदान के बारे में जानकारी दी गई। हमीरपुर मेडिकल कॉलेज के नेत्र रोग विभाग अध्यक्ष डॉक्टर अनिल ने पावरप्वाइंट प्रेजेंटेशन के जरिए छात्राओं को अंगदान की बारीकियों के बारे में बताया। उन्होंने बताया कि नेत्रदान करके दूसरों की जिंदगी में उजाला लाया जा सकता है।

रिज मैदान पर सेना के हथियारों की लगाई प्रदर्शनी

अनंत ज्ञान, शिमला। कारगिल विजय के 25 वर्ष पूरे होने पर देश में 'रजत जयंती महोत्सव' मनाया गया। इस उपलक्ष्य पर शिमला के ऐतिहासिक रिज मैदान पर भी कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस दौरान ऑपरेशन विजय में सर्वोच्च बलिदान देने वाले वीरों को याद किया जा रहा है। लेफ्टिनेंट जनरल देवेंद्र शर्मा ने कारगिल विजय के रजत जयंती कार्यक्रम में बतौर मुख्यातिथि शिरकत की। रिज मैदान पर आम लोगों के लिए सेना की वीरता और शौर्य को प्रदर्शित करती प्रदर्शनी लगाई गई है। इस कार्यक्रमों में सेना के हथियार और उपकरण प्रदर्शन, मुफ्त चिकित्सा शिविर, प्रेरणा और जागरूकता स्टॉल लगाए गए हैं।

डुंडी माता से लगाईं बारिश की गुहार

अनंत ज्ञान, नेरवा। पिछले दो महीने से बारिश न होने से परेशान स्थानीय व्यापारियों और लोगों ने नेरवा स्थित महामाई डुंडी मंदिर में भोग लगा कर पूरे बाजार में हलवा वितरित किया एवं माता डुंडी से क्षेत्र में बारिश करने की गुहार लगाईं। बता दें कि नेरवा में एकाध बार को छोड़ कर पिछले दो माह से बारिश नहीं हो रही है, जिस वजह से एक तरफ तो गर्मी का प्रकोप बढ़ गया है । इससे पूर्व भी बारिश न होने पर महामाई डुंडी और इंद्र देवता को भोग लगाने का चलन रहा है । जब भी सूखा पड़ता था तो नेरवा के बगासन निवासी मियां भगत सिंह नेरवा में महामाई डुंडी और इंद्र देवता को हलवे का भोग लगा कर लोगों को प्रसाद बांटा करते थे।

चमियाणा में होगी रोबोटिक व प्लास्टिक सर्जरी

रविंद्र जस्टा, शिमला

प्लास्टिक व रोबोटिक सर्जरी करवाने के लिए अब हिमाचल के मरीजों को पीजीआई चंडीगढ़ नहीं जाना पड़ेगा। अब सुपर स्पेशलिटी ब्लॉक चमियाणा में भी जल्द रोबोटिक व प्लास्टिक सर्जरी शुरू होगी। इसको लेकर प्रशासन ने तैयारियां शुरू कर दी है। इससे पहले प्लास्टिक सर्जरी की तो आईजीएमसी में सुविधा थी, लेकिन इसके डॉक्टरों की काफी कमी है। वहीं इस विभाग को चमियाणा में शिफ्ट किया जा रहा है।

ऐसे में इसका पूरा स्टाफ भी चमियाणा में ही बैठेगा और अब डॉक्टर भी वहां पर शीघ्र ही भर्ती किए जाएंगे। इससे मरीजों को काफी सुविधा मिलेगी। वहीं आईजीएमसी से यूरोलॉजी विभाग चमियाणा शिफ्ट होगा। मरीजों को अब चमियाणा ही यूरोलॉजी व प्लास्टिक सर्जरी का उपचार करना होगा। यहां पर ओपीडी शुरू हो चुकी है। अभी चमियाणा में जिस जगह पर सुपर स्पेशलिटी ब्लॉक बना है। वहां पर सड़क का कार्य अब पूरा हो गया है। ऐसे में अब यूरोलॉजी की ओपीडी यहां पर लगनी शुरू हो हो गई है।

आईजीएमसी यूरोलॉजी का स्टाफ भी यहीं पर ड्यूटी करेगा। वहीं प्लास्टिक सर्जरी के डॉक्टर भी सारे चमियाणा में ही बैठेंगे। न्यूरोलॉजी विभाग पहले ही चमियाणा में शिफ्ट हो चुका है। ऐसे में यहां पर ओपीडी भी लगती है। चमियाणा में जैसे ही सारी सुविधा शुरू हो जाएगी तो आईजीएमसी में भीड़ कम हो जाएगी, क्योंकि अब आधा स्टाफ भी चमियाणा में बैठेगा और मरीज भी डॉक्टर से चैकअप करवाने चमियाणा ही जाएंगे। (अनंत ज्ञान)

ब्लॉक में खुलेंगे 10 विभाग

सुपर स्पेशिलिटी ब्लॉक चमियाणा में कुल 10 विभाग खुलेंगे। यह भवन 9 मंजिला बनाया गया है। भवन कुल 22,238 सिक्यर मीटर भूमि पर बना है। इसमें न्यूरोलॉजी, न्यूरो सर्जरी, सीटीबीएस, मेडिकल कार्डियोलॉजी, नेफरोलॉजी, यूरोलॉजी, पिड्रीयटिक्स सर्जरी, इंडोकरोनोलॉजी, प्लास्टिक सर्जरी, गेस्ट्रोलॉजी आदि विभाग खुलेंगे।

9 ऑपरेशन थियेटर भी खुलेंगे

सुपर स्पेशिलिटी ब्लॉक में 9 ऑपरेशन थियेटर स्थापित होंगे। जिसमें कैमरे की सुविधा होगी। इसके अलावा ब्लॉक में बैड की सुविधा भी होगी। ब्लॉक में कुल 200 के करीब बैड लगाए जाएंगे। सुपर स्पेशिलिटी ब्लॉक के खुलने से मरीजों को किसी भी प्रकार की दिक्कतों का सामना नहीं करना पड़ेगा।

पटवारी-कानूनगो दो दिन में काम पर नहीं लौटे तो होंगे निलंबित

अनंत ज्ञान, शिमला। सरकार ने पटवारी और कानूनगो के मामले को गंभीरता से लिया है। अतिरिक्त मुख्य सचिव (राजस्व) ओंकार शर्मा ने गुरुवार को सभी डीसी को पटवारी-कानूनगो के प्रदर्शन के संबंध में सख्त निर्देश जारी किए हैं।

हिमाचल प्रदेश में पटवारी और कानूनगो ने स्टेट कैडर और दूसरी मांगों को लेकर ऑनलाइन काम बंद कर दिया है। इससे प्रदेश के जनता रोजाना परेशान हो रही है। उधर सरकार ने अब इस मामले को गंभीरता से लिया है। अतिरिक्त मुख्य सचिव राजस्व ओंकार शर्मा ने सभी डीसी को पटवारी-कानूनगो के प्रदर्शन के संबंध में सख्त निर्देश जारी किए हैं। यदि उन्हें सरकार के किसी फैसले से कोई शिकायत है तो बातचीत का सहारा लेना चाहिए और ऐसे कार्यों से बचना चाहिए। सभी डीसी को निर्देश दिए हैं कि उनके नियंत्रण में काम करने वाले ऐसे सभी पटवारियों-कानूनगो को ऑनलाइन कार्यों को तुरंत फिर से शुरू करने के लिए एक सख्त सलाह जारी की जाए।

हिमाचल प्रदेश प्रशासनिक सेवाएं संघ ने सीएम से की भेंट

अनंत ज्ञान ब्यूरो, शिमला

मुख्यमंत्री ठाकुर सुखविंद्र सिंह सुक्खू से हिमाचल प्रदेश प्रशासनिक सेवाएं अधिकारियों के एक प्रतिनिधिमंडल ने अध्यक्ष श्रवण मांटा के नेतृत्व में शिष्टाचार भेंट की। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश के लोगों को गुणवत्तापूर्ण सेवाएं प्रदान करने के लिए राज्य सरकार विभिन्न क्षेत्रों में निरंतर सुधार कर रही है।

सरकार की इन पहलों का लाभ आम जनता तक पहुंचाने में प्रदेश के प्रशासनिक अधिकारी महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार शिक्षा और स्वास्थ्य क्षेत्र को प्राथमिकता प्रदान कर रही है और जनता के हितों को ध्यान में रखते हुए इन क्षेत्रों में सुधार की दिशा में कदम उठाए जा रहे हैं। उन्होंने हिमाचल प्रदेश प्रशासनिक सेवाएं अधिकारियों को प्रदेश के लोगों की आशाओं और आकांक्षाओं को पूरा करने के लिए समर्पण भाव एवं कर्तव्यनिष्ठा से कार्य करने के लिए कहा।

हिमाचल प्रदेश प्रशासनिक सेवाएं संघ ने मुख्यमंत्री को आश्वस्त किया कि प्रदेश सरकार की कल्याणकारी नीतियों और कार्यक्रमों को सफलतापूर्वक लागू करने में वह तत्परता से कार्य करेंगे। इस अवसर पर उद्योग मंत्री हर्षवर्धन चौहान, मुख्यमंत्री के सचिव राकेश कंवर और संघ के पदाधिकारी उपस्थित रहे।

सीएम से बातचीत करते हुए हिमाचल प्रदेश प्रशासनिक सेवाएं संघ के सदस्य।

12वीं पास बच्चों को कॉलेज में भेजें अभिभावक : डॉ . दीप

कार्यक्रम के दौरान मौजद गणमान्य लोग।

अनंत ज्ञान, जुन्गा (शिमला)

डिग्री कॉलेज चायल कोटी में विद्यार्थियों की संख्या बढ़ाने के उद्देश्य से सामुदायिक ऑउटरीच कार्यक्रम रखा गया जिसमें जुन्गा तहसील की दस पंचायतों के प्रतिनिधियों ने इस कार्यक्रम में भाग लिया।

बता दें कि उच्च शिक्षा प्राप्त करने वाले बहुत कम युवा है, जिसके चलते प्रदेश के उच्च पदों पर इस क्षेत्र से बहुत कम लोग सेवारत है, अन्यथा अधिकांश अभिभावक अपने बच्चों को 12वीं कक्षा करने के उपरांत घर पर बिठा देते हैं। यही वजह है कि कॉलेज प्रशासन को लोगों को उच्च स्तर शिक्षा के महत्व बारे जानकारी देने के लिए सामुदायिक ऑउटरीच कार्यक्रम आरंभ की आवश्यकता पड़ी हैं।

कॉलेज प्राचार्या डॉ. दीपशिखा भारद्वाज ने प्रतिनिधियों से आग्रह किया कि यह महाविद्यालय इस क्षेत्र के लोगों के लिए एक वरदान है, जहां हर तरह की सुविधाएं घर के नजदीक प्रदान की जा रही है।

कृष्णा नगर में होगी मिट्टी की जांच

अनंत ज्ञान, शिमला। शिमला के कृष्णानगर में पिछले साल स्लॉटर हाउस गिर गया था। इसके बाद कई भवनों को असुरक्षित घोषित कर इन्हें खाली करवा दिया गया था, लेकिन अब आईआईटी रुड़की और केंद्र सरकार की टीम कृष्णा नगर पहुंचेगी। आईआईटी रुड़की और केंद्र सरकार की ये टीमें मिट्टी की जांच करेगी। इस जांच में मिट्टी की बियरिंग कैपेसिटी और अन्य मानदंडों की जांच की जाएगी।

जांच के बाद जो भी रिपोर्ट्स आएगी, उसके अनुसार नगर निगम और सरकार आगे की कार्रवाई करेगी। जांच के बाद यह तय हो पाएगा कि कृष्णानगर में कितने मंजिलों तक भवन बनाया जा सकता है या यहां किस स्तर की कंस्ट्रक्शन हो सकती है। यदि मिट्टी की जांच में खामियां पाई जाती है, तो यहां से लोगों को विस्थापित भी किया जा सकता है।

हिमाचल को 2698 करोड़ रुपए रेलवे विस्तारीकरण के लिए आवंटित : महाजन

अनंत ज्ञान, शिमला

भाजपा के राज्यसभा सांसद हर्ष महाजन में केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी के भेंट की। इस अवसर पर राज्यसभा सांसद की केंद्रीय मंत्री से हिमाचल प्रदेश को लेकर विस्तृत चर्चा हुई।

नितिन गडकरी के साथ हर्ष महाजन।

महाजन ने कहा कि हिमाचल को बजट में विशेष स्थान मिला है जिसमें माननीय वित्त मंत्री ने हिमाचल प्रदेश के आपदा को लेकर विशेष मदद का जिक्र भी किया है, इसके लिए केंद्र सरकार का दिल से धन्यवाद। उन्होंने कहा कि इस बार के रेल बजट में भी हिमाचल को रिकॉर्ड बजट प्राप्त हुआ है, वर्ष 2024-25 के बजट में हिमाचल के लिए 2698 करोड़ रुपए रेलवे विस्तारीकरण सहित अन्य विकासात्मक कार्यों के लिए आवंटित किए हैं।

हिमाचल प्रदेश में रेलवे विकास के लिए जारी बजट पूर्व की यूपीए सरकार से 25 गुणा ज्यादा है। यह हिमाचल में रेल इंफ्रास्ट्रक्चर को मजबूत करेगा। हिमाचल में नैरोगेज को छोड़कर रेलवे ने 100 प्रतिशत बिजलीकरण का काम पूरा कर लिया है। राज्य में शिमला सहित चार स्टेशनों को विश्वस्तरीय मानकों के आधार पर निर्मित किया जा रहा है।

रेल मंत्री ने कहा कि प्रदेश की भौगोलिक परिस्थिति काफी अलग हैं इसके लिए हिमालय टनलिंग मैथड के तहत कार्य किया जाएगा।

बजट किसानों के विकास की दिशा में नई उम्मीद की किरण : बिंदल

अनंत ज्ञान, शिमला। शिमला भाजपा प्रदेश अध्यक्ष डॉ. राजीव बिन्दल ने कहा कि केंद्रीय वित्त मंत्री सीतारमण द्वारा प्रस्तुत किया गया मोदी 3.0 का बजट किसानों के विकास की दिशा में नई उम्मीद की किरण साबित होगा। जहां कृषि विकास की दृष्टि से 1 लाख 51 हजार करोड़ रुपए का प्रावधान रखा गया है। मोदी 3.0 का बजट युवाओं के रोजगार सृजन की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम साबित होगा।

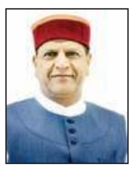

डॉ. बिंदल ने कहा कि ग्रामीण विकास इस बजट की अगली महत्वपूर्ण प्राथमिकता है जिस पर 2 लाख 65 हजार करोड़ रुपए व्यय किया जाएगा। वहीं हिमाचल प्रदेश में पुनर्निर्माण व पुनर्वास के लिए विशेष सहायता दी जाएगी।

एडीसी ने लिया श्रावण अष्टमी मेले की तैयारियों का जायजा

मुकेश गौतम, श्री नयना देवी जी

श्रावण अष्टमी मेले में माता श्री नैना देवी जी के दर्शनों के लिए आने वाले लाखों श्रद्धालुओं की सुविधा का पूरा ध्यान रखा जा रहा है। यह जानकारी एडीसी डॉक्टर निधि पटेल ने पत्रकारों को दी। वीरवार को विख्यात शक्तिपीठ श्री नैना देवी में जिला प्रशासन की मेले को लेकर की जा रही तैयारियों का जायजा लेने के लिए हुई बैठक की अध्यक्षता एडीसी ने की और मंदिर न्यास के अध्यक्ष एसडीएम धर्मपाल और मंदिर अधिकारी विपिन भी मौजूद रहे।

पत्रकारों से बातचीत करते हुए एडीसी ने कहा कि जिला प्रशासन और मंदिर न्यास श्रद्धालुओं की सुविधा हेतु कृतसंकल्प हैं। उन्होंने कहा कि श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की दिक्कत का सामना न करना पड़े इसको लेकर सभी विभागों को आवश्यक दिशा निर्देश जारी किए गए हैं। उन्होंने कहा कि जहां पर शहर की ट्रैफिक व्यवस्था में व्यापक सुधार लाया जा रहा है। वहीं, सीसीटीवी कैमरों की मदद से मंदिर क्षेत्र में हर गतिविधि पर पैनी नजर रखी जाएगी। उन्होंने कहा कि श्रद्धालुओं को मूलभूत सुविधाएं प्राप्त हों, इसका विशेष ध्यान रखा जा रहा है। पीने का पानी, विद्युत, परिवहन एवं स्ट्रीट लाइट की व्यवस्था की जा रही है। इसके अलावा मंदिर क्षेत्र में साफ सफाई का भी विशेष ध्यान रखा जाएगा, ताकि यह धार्मिक नगरी स्वच्छ नजर आए। इस मौके पर मंदिर न्यासी प्रदीप शर्मा, महेश शर्मा, कैलाश शर्मा, अमित शर्मा, राजेश शर्मा मौजूद रहे। (अनंत ज्ञान)

अब 60 दिन नहीं, आधे घंटे में मिलेगा फूड सेफ्टी लाइसेंस

हाई रिस्क कैटेगरी में तत्काल नहीं जारी किया जाएगा लाइसेंस

शुभम राही, बिलासपुर

फूड सेफ्टी विभाग का लाइसेंस बनाने के लिए अब 60 दिन का इंतजार नहीं करना होगा। एफएसएसएआई द्वारा अब तत्काल प्रभाव से फूड लाइसेंस मात्र 30 मिनट में दिया जा रहा है। इसके लिए बकायदा कुछ शर्तें रखी गई हैं, जिसके आधार पर ही यह लाइसेंस बनाए जा रहे हैं। विभाग की ओर से अभी तक आयात, थोक विक्रेता, डिस्ट्रीब्यूटर, रिटेलर, ट्रांसपोर्टर, मोबाइल फूड विक्रेता, पेटी स्नैक्स और चाय दुकानदार, खाद्य वेंडिंग एजेंसी, डायरेक्ट सेलर आवेदन कर सकते हैं। अगर आप इस तरह का कोई भी व्यापार करते हैं तो आपको आधे घंटे में लाइसेंस ऑनलाइन प्राप्त होगा। इसके लिए केंद्र सरकार की ओर से नोटिफिकेशन भी जारी हो गई है और हिमाचल प्रदेश की बात करें तो यहां पर लाइसेंस बनना भी शुरू हो गए हैं। खास बात यह है कि लाइसेंस प्राप्त करने के लिए अतिरिक्त कोई शुल्क भी नहीं लगेगा। खबर की पुष्टि फूड सेफ्टी ऑफिसर खगेंद्र सिंह ने की।

> एफएसएसएआई के आदेशानुसार अब तत्काल फूड सेफ्टी लाइसेंस बनाए जा रहे हैं। यह लाइसेंस मात्र 30 मिनट में बनकर तैयार हो रहे हैं। यह लाइसेंस बनाने के लिए कुछ शर्तें रखी गई हैं, उन्हीं के आधार पर लाइसेंस बन रहे हैं। बिलासपुर जिला में भी लाइसेंस बनना शुरू हो गए हैं।
>
> **- खगेंद्र सिंह, फूड सेफ्टी ऑफिसर, बिलासपुर।**

गौरतलब है कि इससे पहले दुकानदारों को फूड सेफ्टी लाइसेंस बनाने के लिए काफी औपचारिकताएं करनी पड़ती थीं, उसके बाद 60 दिन के भीतर लाइसेंस बनकर आता था। इससे कई बार दुकानदारों को अपना व्यापार शुरू करने में भी काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा था। अब इस तत्काव प्रभाव से लाइसेंस प्राप्त करने के चलते अपने दस्तावेज विभाग की वेबसाइट पर अपलोड करने पड़ेंगे और कुछ समय बाद ही दुकानदार घर बैठे अपना लाइसेंस प्राप्त कर सकता है। विभागीय जानकारी के अनुसार एफएसएसएआई के नियमों के अनुसार हाई रिस्क कैटेगरी में तत्काल लाइसेंस जारी नहीं होगा। इसमें न्यूट्रास्युटिकल बनाने वाली कंपनियों और बेचने वाले व्यापारी शामिल किए गए हैं। इसके अलावा मिल्क और मिल्क प्रोडक्ट, फिश, मीट और प्रोडक्ट यानी जल्द खराब होने वाले खाद्य पदार्थों को बेचने वाले व्यापारी इस सुविधा का फायदा नहीं ले सकेंगे। इन्हें सामान्य तौर पर ही आवेदन करना होगा। (अनंत ज्ञान)

रेलवे विस्तार के लिए 2698 करोड़ रुपए का स्वागत: जम्वाल

अनंत ज्ञान ब्यूरो, बिलासपुर। सदर विधायक त्रिलोक जम्वाल ने मोदी सरकार के 2024-25 के बजट में हिमाचल में रेलवे विस्तार के लिए 2698 करोड़ रुपए की राशि आवंटित करने का स्वागत किया है। उन्होंने कहा कि भानुपल्ली-बिलासपुर-लेह रेलवे प्रोजेक्ट के लिए 1700 करोड़ रुपए की राशि जारी की गई है। सामरिक महत्व का यह प्रोजेक्ट इस पर्वतीय राज्य के विकास में अहम भूमिका निभाएगा। उन्होंने इसके लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण व केंद्रीय रेल मंत्री अश्वनी वैष्णव के साथ ही भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जेपी नड्डा का आभार जताते हुए कहा कि केंद्र पर हिमाचल से भेदभाव के झूठे आरोप लगाने वाली प्रदेश की कांग्रेस सरकार को इससे सबक लेकर राजनीतिक द्वेष भावना से काम करने की अपनी मानसिकता बदलनी चाहिए। त्रिलोक जम्वाल ने कहा कि हिमाचल में कांग्रेस की सरकार होने के बावजूद केंद्र से इस पर्वतीय राज्य को हरसंभव मदद मिल रही है।

एसडीएम गर्ग ने दो चिकित्सा संस्थानों का किया निरीक्षण

अनंत ज्ञान ब्यूरो, बिलासपुर

एसडीएम सदर अभिषेक कुमार गर्ग की अध्यक्षता में जिला बिलासपुर के सदर क्षेत्र में 2 चिक्तिसा संस्थानों का संयुक्त निरीक्षण किया गया। यह निरीक्षण कमेटी सरकार हिमाचल प्रदेश द्वारा मल्टी वर्कर्स हेल्थ मेल पॉलिसी शुरू करने के लिए गठित की गई है।

इसमें संबंधित क्षेत्र के उपमंडलाधिकारी अध्यक्ष, मेंबर सेक्रेटरी, सेक्रेटरी, लाइट एंड हेल्थ केयर काउंसिल, बीएमओ संबंधित क्षेत्र के तथा विषय विशेषज्ञ शामिल है। बिलासपुर क्षेत्र के 2 चिकित्सा संस्थान को शुरू करने के लिए संयुक्त निरीक्षण किया गया। सयुंक्त निरिक्षण में अभिषेक कुमार गर्ग, उप मंडलाधिकारी नागरिक सदर विनोद कुमार सेक्रेटरी, लाईट एंड हेल्थ केयर काउंसिल, तथा डॉ. अनंत राम जिला प्रोगाम अधिकारी सीएमओ कार्यालय से तथा सुरेंद्र कुमार मेल हेल्थ वर्कर स्थानीय अस्पताल घुमारवीं से शामिल रहे। उप मंडलाधिकारी नागरिक सदर ने बताया कि सरकार द्वारा निरीक्षण कमेटी की निरीक्षण रिपोर्ट विभाग को आंकलन हेतु प्रस्तुत की जाएगी।

विद्युत पेंशनर्स ने मांगों पर की चर्चा

अनंत ज्ञान, घुमारवीं। हिमाचल प्रदेश राज्य विद्युत परिषद लिमिटेड पेंशनर्स वेलफेयर एसोसिएशन घुमारवीं इकाई द्वारा एक बैठक का आयोजन किया गया। इस बैठक में सर्वप्रथम लुहारवीं निवासी सेवानिवृत्ति सहायक अभियंता स्वर्गीय होशियार सिंह ठाकुर के आकस्मिक निधन पर 2 मिनट का मौन रखकर शोक संतृप्त परिवार के प्रति संवेदना प्रकट की गई। इस बैठक में चीफ इंजीनियर एचएस चंदेल व इंजीनियर अरविंद शर्मा ने बतौर मुख्य अतिथि शिरकत की। इन्होंने अपने संबोधन में पेंशनर्स की मांगों व संगठन को और अधिक मजबूत करने व मीटिंग में सभी को बढ़-चढ़कर भाग लेने का आग्रह किया। एसोसिएशन के अन्य पदाधिकारियों ने अपनी लंबित पड़ी मांगों पर चर्चा की।

बैडमिंटन स्पर्धा 28 जुलाई से

अनंत ज्ञान ब्यूरो, बिलासपुर। बिलासपुर जिला स्तरीय बैडमिंटन प्रतियोगिता 28 जुलाई से बिलासपुर के लुहनु स्थित इंडोर खेल परिसर में आयोजित की जाएगी। बिलासपुर जिला बैडमिंटन एसोसिएशन के अध्यक्ष सुनील गुप्ता ने कहा कि इस प्रतियोगिता के विजेता और उपविजेता खिलाड़ी राज्य स्तर पर बिलासपुर जिला का प्रतिनिधित्व करेंगे। सुनील गुप्ता ने बताया कि यह प्रतियोगिता अंडर-19 और प्रूव महिला वर्ग में आयोजित होगी। बैडमिंटन प्रतियोगिता का आयोजन लुहनु स्थित कहलूर इंडोर बैडमिंटन हॉल में 28 जुलाई को सुबह 9:30 किया जाएगा। प्रतियोगिता में मिक्सड डबल्स के मुकाबले भी आयोजित होंगे। हिमाचल प्रदेश बैडमिन्टन संघ के सयुंक्त सचिव विभोर शर्मा प्रतियोगिता के आयोजन सचिव होंगे। प्रतियोगिताओं में भाग लेने वाले सभी खिलाड़ियों को अपना जन्म प्रमाण पत्र व आधार कार्ड प्रतियोगिता के दौरान अपने साथ रखना होगा।

दधोल के छात्रों ने एक साल में लिया 33 राष्ट्रीय और राज्य स्तरीय खेलों में भाग

बलवंत कमल, दधोल

राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक पाठशाला दधोल के छात्रों ने 10 राष्ट्रीय स्तर खेलों और 33 राज्य स्तर खेलों मे भाग लिया। पाठशाला के प्रधानाचार्य सुरेश भारद्वाज ने बताया कि यह पाठशाला एवं इस क्षेत्र के लिए बहुत ही गौरव की बात है। उन्होंने बताया कि इसका श्रेय उनकी पाठशाला के शारीरिक प्राध्यापक अश्वनी शर्मा को जाता है। उनकी कड़ी मेहनत और बच्चों के कड़े परिश्रम का नतीजा है। इस बारे अश्वनी शर्मा से बात हुई तों उन्होंने बताया कि इस वर्ष में इस पाठशाला के बच्चों ने 10 राष्ट्रीय स्तर के बास्केटबाल प्रतियोगिताओं में भाग लिया। इसमें पांच स्कूल स्तर एवं पांच एसोसिएशन की तरफ से खेलों मे भाग लिया है। इसके अलावा 33 राज्य स्तर की प्रतियोगिताओं में भाग लिया है। इसमें 16 स्कूली एवं 17 एसोसिएशन की तरफ से बास्केटबाल प्रतियोगिताओं में भाग लिया। राष्ट्रीय स्तर की खेलों में इस पाठशाला की प्रियंका ने दो बार शाक्षी ने दो बार आयुष ने दो बार रितिका ने एक बार अभिषेक ने एक बार हर्ष राणा ने एक बार परीक्षित ने एक बार भाग लिया। (अनंत ज्ञान)

राष्ट्रीय बीच कबड्डी के लिए ट्रायल 28 को

अनंत ज्ञान ब्यूरो, बिलासपुर। अमेच्योर कबड्डी फेडरेशन ऑफ इंडिया द्वारा आयोजित 11वीं राष्ट्रीय बीच कबड्डी के लिए हिमाचल प्रदेश की टीम के चयन हेतु ट्रायल का आयोजन 28 जुलाई को जिला बिलासपुर के कोठी चैक व्यास अस्पताल के समीप किया जाएगा। यह जानकारी कबड्डी एसोसिएशन हिमाचल प्रदेश के महासचिव कृष्ण लाल ने दी। कृष्ण लाल ने बताया कि पुरुष और महिला दोनों टीमों में 6-6 खिलाड़ियों का चयन किया जाएगा। ट्रायल के लिए खिलाड़ियों को सुबह 9 बजे उपस्थित होने का निर्देश दिया गया है। ट्रायल में केवल ऑल राउंडर खिलाड़ियों को प्राथमिकता दी जाएगी क्योंकि बीच कबड्डी में प्रत्येक टीम के सिर्फ 4 खिलाड़ी ही खेलते हैं। सभी खिलाड़ियों से निवेदन किया गया है कि वे अपने साथ आधार कार्ड और दो फोटो अवश्य लाएं। प्रत्येक खिलाड़ी के लिए 500 रुपए पंजीकरण फीस अनिवार्य रहेगी।

कारगिल विजय दिवस | दुश्मनों को अपनी सरहदों से खदेड़कर बहादुरी की लिखी थी इबारत

बिलासपुर के सात वीर हुए थे वीरगति को प्राप्त

नीरज शर्मा, घुमारवीं

कारगिल युद्ध हुए आज पूरे 25 वर्ष हो चुके हैं, लेकिन आज भी इस युद्ध का अगर जिक्र किया जाता है तो उसमें हिमाचल प्रदेश के रणबांकुरों का नाम पहली श्रेणी में रखा जाता है, क्योंकि हिमाचल के रणबांकुरों ने कारगिल वार के दौरान दुश्मनों को अपनी सरहदों से खदेड़कर बहादुरी की इबारत लिखी थी। कारगिल युद्ध में हिमाचल के 52 रणबांकुरों ने शहादत का जाम पिया था।

कारगिल युद्ध में बिलासपुर जिले के सात वीरों ने वीरगति प्राप्त कर विजय गाथा लिखी। आज उनकी इस वीर गाथा को सुनकर बिलासपुर की जनता खुद को गौरवान्वित महसूस करती है। बिलासपुर के सात जवानों ने अपने प्राणों की आहुति देकर कारगिल में विजय दिलवाई थी। प्रदेश सरकार ने इन शहीदों के नाम पर कहीं सड़क तो कहीं स्कूल खोल रखे हैं। कारगिल युद्ध में देश के विभिन्न कोनों के जवानों ने अपने सीने पर दुश्मनों की गोलियां खाईं। 'ऑपरेशन विजय' में हिमाचल प्रदेश के जवानों ने भी अपनी बहादुरी के कारनामे दिखाकर दुनिया को दांतों तले अंगुली दबाने को मजबूर कर दिया था। कारगिल की पहाड़ियों में वीर जवानों की बहादुरी स्वर्ण अक्षरों में सदैव अंकित हो गई। शहीदों को श्रद्धांजलि देने व उनके जज्बे को सलाम करने के लिए 26 जुलाई को कारगिल विजय दिवस पर जिले में कई स्थानों पर कार्यक्रम आयोजित कर श्रद्धांजलि दी जाएगी।

24 वर्ष पूर्व पाकिस्तान सैनिकों ने कारगिल की पहाड़ियों पर अपना कब्जा जमा लिया था। भारतीय सेना ने पाकिस्तान की सेना को मुंहतोड़ जवाब दिया और 26 जुलाई 1999 को भारतीय सेना ने कारगिल की टाइगर हिल पर तिरंगा फहराकर पहाड़ियों को अपने कब्जे में लिया था। कारगिल आपरेशन में शहीद हुए रणबांकुरों को याद करने के लिए जिले के कई स्थानों पर कारगिल विजय दिवस मनाया जाएगा। जिले के सात रणबांकुरों ने शहादत का जाम पिया था।

घुमारवीं उपमंडल के चैहडी गांव के वीर चक्र विजेता हवलदार उधम सिंह, कोठी-कोसरियां गांव के नायक मंगल सिंह, मझधान-मोरसिंघी के हवलदार राजकुमार शहीद हुए थे। पट्टा-नसवाल के राइफलमैन विजयपाल, खतेर-झंडूता के हवलदार प्यार सिंह, डूहक-मन्नण के नायक मस्तराम तथा जेठवीं-झंडूता के नायक अश्विनी कुमार वीरगति को प्राप्त हुए थे। (अनंत ज्ञान)

संजय कुमार को मिला था परमवीर चक्र

कारगिल ऑपरेशन में अदम्य साहस का परिचय देते हुए बिलासपुर जिले के बकैण गांव के संजय कुमार को सेना के सर्वोच्च सम्मान परमवीर चक्र से नवाजा गया है। उन्होंने कारगिल युद्ध में अदम्य पराक्रम दिखाया था। परमवीर चक्र सेना में मिलने वाला सबसे बड़ा वीरता पुरस्कार है। यह सम्मान सेना के उन जांबाजों को दिया जाता है, जिन्होंने दुश्मन की उपस्थिति में वीरता, आत्म-बलिदान का साहसी कार्य किया हो। यह चक्र युद्ध के दौरान अदम्य साहस का परिचय देने पर प्रदान किया जाता है।

चिताओं पर क्या करने मेले, बेटे की शहादत की लड़ाई लड़ रहे अकेले बुजुर्ग मां-बाप

पुनीत शर्मा, धर्मशाला

शहीदों की चिताओं पर लगेंगे हर बरस मेले, वतन पर मिटने वालों का यही बाकी निशां होगा। इसे शब्दों का खेलभर ही न मानें तो क्या मानें! बुजुर्ग माता-पिता जवान बेटे की क्रूरतम हत्या के गुनहगारों को सजा के लिए लड़ी जा रही लड़ाई में अकेले खड़े हैं। 25 साल पहले कारगिल युद्ध के पहले शहीद सैन्य अधिकारी कैप्टन सौरभ कालिया के बुजुर्ग माता-पिता आज भी न्याय के इंतजार हैं।

कश्मीर में आतंकियों की मौत पर मानवाधिकार के नाम पर हो-हल्ला मचाने वाले तथाकथित एमनेस्टी इंटरनेशनल समेत कई मानवाधिकार संगठन एक सैन्य अधिकारी की यातनामय मौत को लेकर कुछ भी कर पाने में नाकाम साबित हुए हैं, तो वहीं सरकार भी आश्वासन देने के अलावा कुछ नहीं कर पाई है। कैप्टन सौरव कालिया 25 साल पहले 1999 के करगिल युद्ध में ऑपरेशन विजय के दौरान कारगिल में शहीद होने वाले पहले सेना के अधिकारी थे! कैप्टन सौरव कालिया और उनके 5 जवानों को 22 दिनों तक कैद में रखा गया था, जिसके बाद उन्हें यातना देकर शहीद किया गया। एमनेस्टी इंटरनेशनल समेत मानवाधिकार के पैरोकार बनने वाले कई मानवाधिकार संगठनों तथा सरकार के कई मंत्रियों को सैकड़ों पत्र लिख अपने दर्द को सामने रख चुके इस शहीद के मां-बाप को मलाल है कि शहादत के 25 बरस गुजर जाने के बाद भी उन्हें न्याय नहीं मिल पाया। सौरभ कालिया का जन्म 29 जनवरी 1976 में अमृतसर में हुआ था। वो मूल रूप से हिमाचल प्रदेश के पालमपुर के रहने वाले थे। पालमपुर के डीएवी पब्लिक स्कूल से स्कूली शिक्षा प्राप्त करने वाले सौरभ सीडीएसआर के माध्यम से सेना में शामिल हुए थे। सेना में वह 12 दिसंबर,

सरकारों से मायूस, नाम भर के हैं मानवाधिकार संगठन

1998 को 4 जाट में कमीशन अधिकारी के रूप में शामिल हुए और उन्हें करगिल में तैनात किया गया। इस युवा सैन्य अधिकारी ने 17000 फुट से अधिक की ऊंचाई पर बहरंग कॉम्प्लेक्स की सामान्य ड्यूटी संभाली और उन्हें काकसर सब सेक्टर में घुसपैठ की जांच करने का काम सौंपा गया। 15 मई, 1999 को उनकी बटालियन के पांच अन्य सेना जवानों के साथ नियमित गश्त पर निकले थे। दोपहर करीब एक बजे पाकिस्तानी सेना ने उन पर घात लगाकर हमला किया और उन्हें जिंदा पकड़ लिया। कैप्टन सौरभ कालिया और उनके पांच जवानों को 22 दिनों तक कैद में रखा गया था, जिसके बाद क्रूर यातनाएं देकर उन्हें शहीद कर दिया गया।

आतंकियों की मौत पर हो-हल्ला, शहादत पर चुप्पी

आज कारगिल युद्ध को 25 वर्ष हो गए हैं, लेकिन सौरभ और उनके पांच जवानों को दी गई अमानवीय यातनाएं आज भी सौरभ के मां-बाप को अंदर ही अंदर कचोटती हैं। बुजुर्ग बाप डॉक्टर एनके कालिया तथा मां विजया कालिया ने सौरभ के साथ हुए अमानवीय व्यवहार को लेकर लंबी लड़ाई लड़ी, लेकिन आज दिन तक कुछ हासिल नहीं हुआ। यही वजह है कि उनके मन में सरकारों के प्रति नकारात्मकता साफ झलकती है। इस मामले को लेकर वो सुप्रीम कोर्ट भी गए, लेकिन कोई निष्कर्ष नहीं निकला। उनके शब्दों में क्रूर पाकिस्तानी सेना के लिए अथाह नफरत साफ झलकती है। पाकिस्तान ने 22 दिनों तक बंधक बनाकर रखा और तमाम तरह की यातनाएं देकर मार डाला।

9 जून, 1999 को पाकिस्तानी सेना ने उनके शव को भारत को लौटा दिया था। आज भी सौरभ कालिया के घरवाले अपने बेटे के साथ हुए अमानवीय व्यवहार के लिए न्याय की लड़ाई लड़ रहे हैं, लेकिन सरकार ने अभी तक कोई कार्रवाई नहीं की। शहीद के पिता का मानना है कि पाकिस्तान की कार्रवाई ने जिनेवा कन्वेंशन और अंतरराष्ट्रीय कानूनों का उल्लंघन किया है और भारत को इस मामले को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर उठाना चाहिए। (अनंत ज्ञान)

सूरमाओं की शहादत से बची है हमारी आजादी

मंडी जिले में सबसे पहले पाई शहादत

कारगिल युद्ध में मंडी जिले में सबसे पहले शहादत का जाम पीने वाले सरवन कुमार हैं। द्रास सेक्टर में भयंकर गोलाबारी के दौरान सरवन कुमार की दोनों टांगें बुरी तरह से जख्मी हो गई, लेकिन सरवन कुमार ने हिम्मत नहीं हारी और अपने साथियों से बातें करते रहे। अस्पताल ले जाते समय रास्ते में ही वतन पर कुर्बान हो गए। सरवण का इकलौता बेटा ललित भी सेना में भर्ती हो गया है।

सरवन कुमार हवाणी
तहसील बल्ह

भर्ती होने के 4 साल बाद पाई शहादत

सेना में भर्ती होने के महज 4 साल बाद ही सिपाही राजेश कुमार देश पर कुर्बान हो गए। राजेश चौहान 26 अप्रैल 1995 को सेना में भर्ती हुए थे। कारगिल युद्ध में राजेश चौहान पूरी वीरता से लड़ते रहे और दुश्मन के दांत खट्टे करते-करते अंत में शहीद हो गए। बहुत दिनों से घर न आने पर परिजन इनकी राह ताक रहे थे। वहीं, कारगिल दिवस पर धनोटू चौक पर राजेश कुमार की प्रतिमा स्थापित की जा रही है।

सिपाही राजेश चौहान
धनोटू, महादेव

हंसते-हंसते कुर्बान हो गए टेकचंद

कारगिल युद्ध में 10 जून को सिपाही टेक चंद पलांह वाला सैक्टर में तैनात थे और दुश्मन की भयंकर गोलाबारी का जवाब देते हुए एक गोली इनकी कमर में आ लगी। पाकिस्तानी घुसपैठियों ने पीछे से इन गोली दागी गई, अस्पताल में ऑपरेशन से गोली निकाल दी, लेकिन यह शहीद हो गए। दुश्मन के दांत खट्टे करने वाले टेकचंद गोली लगने के बाद हंसते-हंसते वतन पर कुर्बान हो गए।

सिपाही टेक चंद
स्यांह, लोहारा बल्ह

टोलोलिंग को दुश्मन से छुड़ाया

सुंदरनगर धनेश्वरी के सिपाही नरेश कुमार को सेना में भर्ती हुए मात्र 3 वर्ष ही हुए थे कि कारगिल युद्ध छिड़ गया। नरेश कुमार टोलोलिंग पहाड़ी को दुश्मन से छुड़ाने के लिए आगे बढ़ रहे थे कि दुश्मन की तोपों के गोले इनकी राह रोक रहे थे, लेकिन नरेश आगे बढ़ते गए और अपने प्राणों की आहुति दे दी। शहीद नरेश चौक पर प्रतिमा स्थापित होने के साथ-साथ चौक का नाम भी नरेश चौक रखा गया है।

सिपाही नरेश कुमार
धनेश्वरी, सुंदरनगर

शहादत देने वाले एकमात्र सैन्य अधिकारी

जिले के एकमात्र सैन्य अधिकारी कैप्टन दीपक गुलेरिया ने कारगिल युद्ध में शहादत पाकर तिरंगे को झुकने नहीं दिया। दीपक गुलेरिया ने लॉ पास करने के बाद देश सेवा को चुना और सेना में भर्ती हो गए। दीपक गुलेरिया बास्केटबॉल के राष्ट्रीय खिलाड़ी भी रहे। देश की रक्षा करते हुए 18 जून को दुश्मन से लड़ते हुए शहीद हो गए। शहीद कै. दीपक गुलेरिया के नाम से चोलथरा के नाम से स्कूल का नाम दीपक गुलेरिया मैमोरियल सी.से. स्कूल रखा गया है।

कैप्टन दीपक गुलेरिया
चोलथरा, सरकाघाट

द्रास सैक्टर को छुड़ाने निकल पड़े

भारतीय जवानों द्वारा कारगिल युद्ध में द्रास सेक्टर को दुश्मन से आजाद करवा दिया, लेकिन दुश्मन से द्रास सैक्टर पर पुनः कब्जा कर लिया। भारतीय सेना पुनः इस सेक्टर को आजाद करवाने के लिए आगे बढ़ी और पूर्णचंद भी दुश्मन से लड़ते रहे, इस दौरान द्रास सैक्टर पर भारतीय सेना का कब्जा हो गया, इससे बौखलाए पाकिस्तान ने पुनः भारी गोलाबारी की, जिसमें पूर्णचंद शहीद हो गए।

सिपाही पूर्णचंद
दारन, चच्योट

टाइगर हिल के लिए लगा दी जान की बाजी

कारगिल की टाइगर हिल को दुश्मनों से बचाने के लिए भारतीय सेना द्वारा छेड़े गए अभियान में नायब सूबेदार खेमचंद ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई और दुश्मनों पर ताबड़तोड़ गोलाबारी की। इस दौरान खेमचंद को गोली लग गई, जिससे वह 1 जुलाई रात को शहीद हो गए थे। खेमचंद सीसे स्कूल साईगलू का नाम रखा गया है तथा स्कूल में शहीद स्मारक भी बना हुआ है और घर के पास सड़क भी बना दी गई है।

नायब सूबेदार खेम चंद
साईगलू, कोटली

हंसते-हंसते पी लिया शहादत का जाम

हवलदार कृष्ण चंद अपनी यूनिट के साथ टाइगर हिल को दुश्मनों से आजाद करवाने के लिए मोर्चा संभाले हुए थे। दोनों तरफ से भयंकर गोलाबारी हो रही थी, कृष्ण चंद और उनकी यूनिट दुश्मन से लोहा ले रही थी कि इस दौरान वह गोलियों का शिकार हो गए और देश की खातिर शहादत का जाम हंसते-हंसते पी लिया। पड्डल मैदान का नाम शहीद कृष्ण चंद के नाम से रखा गया है।

हवलदार कृष्ण चंद
रामनगर, मंडी

जन्मदिन से एक दिन पहले पाई शहादत

कारगिल युद्ध में लांस नायक अशोक कुमार ने अपने प्राणों का बलिदान दे दिया। लांस नायक अशोक कुमार वीरता के साथ लड़ रहे थे, लेकिन उन्हें यह भी ज्ञात नहीं था कि अगले दिन उनका जन्मदिन है। जन्मदिन से ठीक एक दिन पहले अशोक कुमार ने दुश्मन से लोहा लेते हुए शहादत का जाम पी लिया।

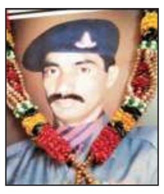

लांस नायक अशोक कुमार
सैहल, पैड़ी बल्ह

पहली ही पोस्टिंग में हो गए शहीद

जहल मंडी के शहीद हीरा सिंह की सेना में ट्रेनिंग के बाद पहली पोस्टिंग बटालिक सैक्टर में हुई थी और यहीं दुश्मन की भयंकर गोलाबारी में 30 जून को शहीद हो गए। कारगिल युद्ध में दुश्मन के छक्के छुड़ाने वाले हीरा सिंह 28 अगस्त 1997 को सेना में भर्ती हुए थे और ट्रेनिंग के खत्म होते हुए कारगिल युद्ध शुरू हो गया।

हीरा सिंह
जहल, मंडी

प्रस्तुति : अनिल शर्मा, मंडी

भारतीय सेना हर कठिन चुनौती का मुकाबला करने में सक्षम : देव प्रकाश

धुंदला गांव के वीर सपूत ने कारगिल के प्वाइंट 5140 को फतह करने का लक्ष्य बखूबी किया पूरा

राजेश शर्मा, ऊना

हिमाचल प्रदेश के वीर सपूतों ने वर्ष 1999 को हुए कारगिल युद्ध में सर्वोच्च बलिदान दिया वहीं, कुछ ऐसे जांबाज भी हैं जिन्होंने जीवित रहते हुए अदम्य साहस का परिचय देते हुए दुश्मनों को मार गिराया। ऊना जिले के बंगाणा उपमंडल के तहत आते धुंदला गांव के पूर्व सैनिक हवलदार देव प्रकाश आज भी उस समय को याद करते हुए कहते हैं कि पूरी दुनिया में अगर सेना में साहस है तो वह भारतीय सेना ही है। कम संसाधनों में भी कठिन से कठिन चुनौतियों से मुकाबला करने से पीछे नहीं हटते।

सेना की वर्दी में तथा (दाएं)सिविल ड्रेस में पूर्व सैनिक हवलदार देव प्रकाश।

उन्होंने देश के लिए अपने जीवन की परवाह किए बगैर दुश्मनों को सबक सिखाया। देव प्रकाश 13 जैक राइफल की जिस यूनिट में थे उसे कारगिल के प्वाइंट 5140 फतह करने का लक्ष्य मिला था जिसे उन्होंने बखूबी पूरा किया।

देव प्रकाश बताते हैं कि चुनौती कठिन थी। दुश्मन द्रास सेक्टर की प्वाइंट 5140 चोटी पर था। कारगिल के लिए इस प्वाइंट से दुश्मन को मारकर खदेड़ना था। जब उनकी यूनिट को यह काम सौंपा गया तो उनके कमांडर बुरी तरह जख्मी हो गए। बिलकुल चढ़ाई थी और दुश्मन ऊपर से आसानी से हमारी यूनिट को निशाना बना रहा था। रात का समय था। यूनिट के 10 से 12 लोग कमांडर सहित बुरी तरह जख्मी हो गए। जब देखा कि अब हम चोटी के काफी नजदीक हैं तो उन्होंने सभी सैनिकों में हौसला देते हुए भारत माता का नारा लगाकर आगे बढ़ने का फैसला किया। दोनों ओर से उन्हें सहयोगी अलग-अलग यूनिट कवरिंग फायर दे रही थीं। तीन तरफ से अलग-अलग यूनिट आगे जा रही थी। उन्होंने नेतृत्व संभाले रखा और अंत में प्वाइंट 5140 पर फतह हासिल की। देव प्रकाश कहते हैं कि भारत सरकार और राज्य सरकार ने उनका पूरा मान सम्मान किया। एक फौजी का फर्ज देश की रक्षा करने का होता है और हर सिपाही को देश सेवा के लिए हर समय तत्पर रहना चाहिए। (अनंत ज्ञान)

नायक मनोहर लाल के परिवार को मिला सम्मान

ऊना जिले से कारगिल युद्ध में तीसरे हीरो नायक मनोहर लाल राणा थे। कारगिल युद्ध के दौरान ऊना जिले के हरोली निवासी 23 वर्षीय राइफलमैन मनोहर लाल सेना की 13 जैक टुकड़ी का हिस्सा थे जिसे कैप्टन विक्रम बतरा लीड कर रहे थे। मनोहर लाल सात जुलाई को मशकोह घाटी में बलिदान हुए। बड़े भाई मोहन सिंह बीएसएफ में थे। इनके परिवार को भी केंद्र और राज्य सरकार की ओर से मान सम्मान दिया गया। मनोहर के मझले भाई यशपाल के लिए परिस्थिति संभालना मुश्किल था, लेकिन बलिदानी के परिवार को हौसला पहाड़ जैसा रखना पड़ा। मनोहर की माता कमला देवी व पिता ओम प्रकाश ने खुद को मजबूत बनाए रखा। पिता ओम प्रकाश का निधन वर्ष 2006 में हुआ। भाई यशपाल को मनोहर के बलिदान के बाद बलिदानी के आश्रितों को मिलने वाली सुविधाओं के तहत राजस्व विभाग में नौकरी मिली है।

कैप्टन अमोल कालिया के परिजन पहुंचे कारगिल

अमर शहीद बलिदानी कैप्टन अमोल कालिया के परिजन कारगिल युद्ध के तीन दिवसीय रजत जयंती समारोह में शामिल होने के लिए कारगिल पहुंच गए हैं। अमोल कालिया के पिता सतपाल कालिया ने कहा कि ऊना जिला प्रशासन उनके बेटे के बलिदान को याद रखने के लिए कोई कार्यक्रम तक आयोजित नहीं करता और न ही उन्हें किसी कार्यक्रम में आमंत्रित किया जाता है। मूल रूप से चिंतपूर्णी से संबंध रखने वाले कैप्टन अमोल कालिया कारगिल युद्ध के वह हीरो रहे हैं, जो खुद तो बलिदान देकर अमर हो गए, लेकिन अपनी शहादत के निशान सदा के लिए छोड़ गए हैं। ऐसे बलिदानियों पर हर किसी को नाज होना चाहिए जिन्होंने महज 25 वर्ष की आयु में देश के लिए हंसते-हंसते बलिदान दिया। मरणोपरांत वीर चक्र पाने वाले कैप्टन अमोल कालिया अविवाहित थे। हालांकि परिवार ने अमोल कालिया की पुरानी यादें घर में संजो कर रखी हुई हैं।

अगली पीढ़ी भी जाएगी सेना में

अमोल और उनके भाई अमन कालिया के भारतीय सेना में सेवा देने के बाद इनकी अगली पीढ़ी भी सेना में जाने की तैयारी में है। अमन कालिया के बेटे नमन कालिया भी भारतीय सेना में जाने के लिए एनडीए परीक्षा की तैयारी कर रहे हैं।

शहीद हवलदार राजकुमार के नाम पर की घोषणा आज भी अधूरी

बलवंत कमल, दधोल

कारगिल युद्ध के दौरान शहीद हुए बिलासपुर सदर विस क्षेत्र के मोरसिंधी पंचायत के मसधाण गांव के हवलदार राजकुमार का परिवार आज तक अपनी मांगों को सरकार के सामने रखते आ रहा है, लेकिन सरकार उनकी मांगों को अनदेखा करती हुई नजर आ रही है। कारगिल युद्ध में शहीद हुए हवलदार राजकुमार के परिवार वालों ने यहां पर स्थित राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक पाठशाला मोरसिंधी का नाम शहीद हवलदार राजकुमार के नाम पर रखा और यहां पर पर डिड़र-मोड से शहीद हवलदार राजकुमार के गांव मसधाण से होकर बाहरणौता, टिक्कर, कसौलिया सड़क पर स्मारक की पट्टिका में उनका नाम तक नहीं लिखा गया है जिसके चलते परिवार में इस बात काफी मलाल भी है। मात्र पेट्रोल पंप देकर सरकार ने अपनी घोषणाओं से मुंह फेर लिया। मसधाण गांव के जवान हवलदार राजकुमार ने वीरता से लड़ते हुए शहादत का जाम पिया था। युद्ध में 11 जुलाई, 1999 को सुबह शहीद हवलदार राजकुमार ने कारगिल के बटालिक सेक्टर के धनासक क्षेत्र में दुश्मनों की भारी गोलीबारी व तोपखानों के बौछारों के बीच जान की परवाह न करते हुए अपने साथियों तक हथियार व गोले पहुंचाए थे। हथियारों की कमी न होने के कारण ही हिंद सेना यहां से दुश्मनों को खदेड़ने में सफल हुई थी। राजकुमार जानते थे कि साथियों तक यदि गोले व हथियार नहीं पहुंचे तो यहां पर जीत हासिल करना कितना मुश्किल होगा। (अनंत ज्ञान)

शहीद कैप्टन विजयंत थापर की स्मृति में परिवार हर साल जाता है कारगिल

आर मोहन चौहान, कृष्ण रघुवंशी/सोलन

देश के लिए सर्वोच्च बलिदान देकर मात्र 22 साल में शहादत प्राप्त करने वाले कैप्टन विजयंत थापर का सोलन जिले के अर्की से गहरा नाता रहा है। बचपन में अर्की स्थित ननिहाल में उनका आना रहता था। कैप्टन विजयंत के मामा केके भारद्वाज भांजे की बहादुरी के किस्से सुनाकर गौरवान्वित हो जाते हैं। अर्की में कैप्टन विजयंत की स्मृति में कैप्टन थापर चौक और कन्या विद्यालय उन्हीं के नाम पर है। केके भारद्वाज बताते हैं कि कारगिल युद्ध में कैप्टन थापर ने ऐसी बहादुरी दिखाई कि दुश्मन को भागना पड़ा।

कैप्टन थापर के माता-पिता अब नोएडा में रहते हैं। उनके पिता का कहना है कि बच्चे हमेशा अपने माता-पिता के नाम और कामों से जाने जाते हैं, जबकि दुनिया हमें कैप्टन विजयंत थापर के माता-पिता के तौर पर जानती है जिससे बहुत गर्व महसूस होता है।

कैप्टन का परिवार अभी भी रुखसाना के संपर्क में है, जो छह साल की थी जब वह जम्मू और कश्मीर के कुपवाड़ा में उनसे मिली थी, जब आतंकवादियों द्वारा अपने पिता की हत्या के बाद उसने अपनी आवाज खो दी थी। परिवार ने रुखसाना की पढ़ाई का खर्च ही उठाया बल्कि उसकी शादी भी करवाई। उनके पिता कर्नल वीएन थापर का कहना है कि हम हर सुबह उसकी याद में एक छोटी सी प्रार्थना करते हैं और मानते हैं कि हमारे साथ जो भी अच्छा होता है, वह उसकी वजह से होता है। (अनंत ज्ञान)

नमन | **हमीरपुर के शहीदों के परिवारों को केंद्र व प्रदेश सरकार से मिली नौकरी व रोजगार**

कारगिल युद्ध में शहादत पाने वाले शहीदों को सलाम

अनिल कुमार, हमीरपुर

भारत और पाकिस्तान के बीच मई से जुलाई, 1999 के दौरान तीन माह तक हुए कारगिल युद्ध में 26 जुलाई, 1999 को भारत ने पाकिस्तान पर विजय हासिल की थी इसलिए इस दिन को विजय दिवस के रूप में मनाया जाता है आज फिर देश में जगह-जगह कारगिल युद्ध के वीर शहीदों को श्रद्धांजलि दी जाएगी।

24 साल पहले पाकिस्तान की नापाक हरकत ने कारगिल की पहाड़ियों पर कब्जा करने पर भारत की सेनाओं ने मुंहतोड़ जवाब दिया। इस युद्ध में देश के 527 जवान वीरगति को प्राप्त हुए थे और 1300 से अधिक घायल हुए थे। हिमाचल से भी कारगिल युद्ध में 52 सपूत वीरगति को प्राप्त हुए थे। (अनंत ज्ञान)

हमीरपुर जिले के आठ वीर जवानों ने पाई थी वीरगति

कारगिल युद्ध को ऑपरेशन विजय का नाम दिया गया था। इस दौरान हमीरपुर जिले के आठ जवान वीरगति पाकर देश के लिए शहीद हो गए थे। इनमें 14 जैक राइफल के हवलदार कश्मीर सिंह, 14 जैक राइफल के हवलदार राज कुमार, 3 पंजाब रेजिमेंट के सिपाही दिनेश कुमार, 13 जैक राइफल के राइफलमैन दीप चंद, 6 ग्रेनेडियर के हवलदार स्वामी दास चंदेल, 13 जैक राइफल के राइफलमैन प्रवीन कुमार, 28 आरआर, 20 जैक राइफल के राइफलमैन सुनील कुमार और 27 राजपूत रेजिमेंट के सिपाही राकेश कुमार ऑपरेशन विजय में शहीद हो गए थे। वीर भूमि हिमाचल प्रदेश के जवान देश की रक्षा करने में किसी से कम नहीं हैं। प्रत्येक जिले के युवाओं ने देश सेवा के लिए बलिदान की गाथा लिखी है जो इतिहास के पन्नों में अंकित है।

शहीदों परिवारों को मिल चुकी है नौकरी

कारगिल युद्ध के दौरान जिले में शहीद हुए आठ जवानों के परिवार के सदस्यों को नौकरी मिल चुकी है। वहीं, इनके परिवारों को गैस एजेंसी और पेट्रोल पंप भी मिल चुके हैं। शहीद के परिवारों के लिए की गई सभी घोषणाओं और वादों को पूरा कर दिया गया है। वहीं, हमीरपुर में तकरीबन 67 लाख रुपए से शहीदी पार्क का निर्माण गत वर्ष शुरू किया था, जिसके लिए पूर्व सैनिक कल्याण विभाग ने 15 लाख रुपए की राशि जारी की है। एक साल पूरा होने के बाद भी शहीदी पार्क का निर्माण पूरा नहीं हो पाया है। पूर्व सैनिक कल्याण विभाग के उपनिदेशक स्क्वाड्रन लीडर मनोज राणा ने बताया कि सरकार से शहीद पार्क निर्माण के लिए बजट की मांग की है जैसे ही बजट का प्रावधान होगा लोक निर्माण विभाग को जारी कर दिया जाएगा।

शहीद डोला राम को याद करना भूली सरकार

जितेंद्र गुप्ता, आनी

आनी विधानसभा क्षेत्र के निथर के शकरोली के कारगिल शहीद डोला राम कारगिल युद्ध के ऑपरेशन विजय के हीरो में से एक थे। उन्हें जिले का एकमात्र कारगिल शहीद होने का भी गौरव प्राप्त है।

उन्होंने कारगिल युद्ध में 17 खूंखार पाकिस्तानी आतंकी घुसपैठियों को बंकर में निहत्थे घुसकर मार गिराया था। इस दौरान हुई मुठभेड़ में 3 जुलाई, 1999 को वो शहीद हुए थे और एक अमिट शौर्य गाथा लिख गए थे। वह अपने पीछे पत्नी प्रेमा देवी और दो मासूम बच्चों अश्वनी कटोच और अंकुश कटोच को छोड़ गए थे।

शहीद की गौरवान्वित पत्नी को मलाल है कि सरकारें अब शहीदों की शहादत को भूलने लगी हैं। पूर्व भाजपा सरकार के विधायक रहे निथर क्षेत्र से संबंध रखने वाले किशोरी लाल सागर द्वारा 2022 से अब कारगिल विजय दिवस मनाने की परंपरा समाप्त कर दी गई है।

हालांकि निथर स्कूल की स्कूल प्रबंधन समिति, स्टाफ और क्षेत्र के प्रबुद्ध वर्ग की सहायता से बिना सरकारी फंड के उनका शहीदी दिवस आज भी मनाया जाता है।

इस वर्ष केवल कुल्लू की सोल्जर वेल्फेयर एसोसिएशन द्वारा ही उन्हें कारगिल विजय दिवस पर मनाए जाने वाले कार्यक्रम का निमंत्रण मिला, लेकिन निजी कारणों से वे इसमें जा पाने में असमर्थ हैं। उन्होंने भावुक होते हुए कहा कि शहीद की ऐसी अनदेखी से मन दुखी होता है। डोला राम के नाम तीन घोषणाएं की थी। शहीद डोला राम के नाम पर नित्थर के सीनियर सेकेंडरी स्कूल का नाम शहीद डोला राम मेमोरियल सीनियर सेकेंडरी स्कूल रखा, शहीद कोटे से एक पेट्रोल पंप दिया।

इसी पेट्रोल पंप से उनके दोनों बच्चों को रोजगार मिल पाया है। शहीद का शकरोली, शनाह और कुटी तीनों पुश्तैनी गांवों को आपस में जोड़ने के लिए कोयल से नित्थर सड़क बनाने की घोषणा की थी, जो बनकर तैयार है। लिंक रोड के नित्थर और कोयल दोनों छोरों पर एक एक बोर्ड लगाकर शहीद का नाम लिखा गया है। शहीद की पत्नी का कहना है कि शहीद के नाम के निथर स्कूल के प्रांगण में शहादत के 16 साल बाद 3 जुलाई 2015 को शहीदी दिवस के ठीक एक दिन पहले लंबी लड़ाई के बाद एक प्रतिमा स्थापित की लेकिन वह सीमेंट से बनाई हुई। उनकी मांग है कि निथर के स्कूल में भी संगमरमर या फिर धातु की बनी हुई प्रतिमा स्थापित की जाए। (अनंत ज्ञान)

न्यूज ब्रीफ

भंबेड में टेंपो पलटा, बाल-बाल बचा चालक

अनंत ज्ञान, पंचरूखी। ब्लॉक पंचरुखी की मकोल पंचायत के गांव भंबेड में टेंपो सड़क से नीचे लुड़क गया। गनीमत ये रही कि चालक को खरोंच तक नही लगी लेकिन टेम्पो का नुकसान हुआ है। स्थानीय लोगों ने कहा कि टेंपो में टाइलें लेकर आये थे, लेकिन जहां पर टाइलें उतारीं, वहां मुड़ने की जगह न होने से चालक टेंपो को पीछे ला रहा था और सड़क में फिसलन होने की वजह से नीचे लुड़क गया। मकोल पंचायत कर प्रधान जय चंद ने कहा कि जिस सड़क से टेंपो लकर गए थे अभी उसका कार्य अधूरा है, अभी इस सड़क को लोक निर्माण विभाग ने भी वाहनों के लिए पास नहीं किया है। बरसात मं इस सड़क मे बहुत फिसलन हो जाती है इसलिए इसमें कोई भी वाहन ले जाना रिस्की है। प्रधान ने लोगों से आग्रह किया है बरसात के दिनों में कोई भी इस सड़क से वाहन ले कर न जाए।

आकाशदीप मेहरा को चुना गया बेस्ट लिफ्टर

अनंत ज्ञान, डरोह। पालमपुर में पुरुष व महिलाओं की बेंच प्रेस व प्लैंक प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। महिला वर्ग में प्रथम स्थान पर अंशिका एवं द्वितीय स्थान पर अवनी और तृतीय स्थान पर पलक रही और पुरुष वर्ग जूनियर में प्रथम स्थान पर आयुष, द्वितीय स्थान पर अभ्युदय और तृतीय स्थान पर कपीश रहे। बेंच प्रेस प्रतियोगिता में पुरुषों के 50 से 59 भार वर्ग में प्रथम स्थान शोभित, द्वितीय स्थान प्रदीप और तृतीय स्थान पर तन्मय रहा। भार वर्ग 60 से 69 में प्रथम चंदन, द्वितीय रणवीर और तृतीय स्थान पर शुभम रहा। भार वर्ग 70 से 80 में प्रथम स्थान आकाशदीप मेहरा, द्वितीय स्थान पर मानव और तृतीय स्थान पर वंश रहा। गीतांजलि जिम में आयोजित प्रतियोगिता में आकाशदीप को बेस्ट लिफ्टर चुना गया। प्रतियोगिता में मुख्यातिथि के रूप में प्रसिद्ध वकील हिमांशु उपस्थित रहे। उन्होंने पदक विजेताओं को पुरस्कार बांटे । जिम के कोच ऋषि कपूर ने मुख्य निर्णायक की भूमिका निभाई तथा खिलाड़ियों को शुभकामनाएं दीं।

9.32 ग्राम हेरोइन के साथ एक गिरफ्तार

अशोक ठाकुर, इंदौरा। पुलिस जिला नूरपुर द्वारा नशे के खिलाफ चलाए गए अभियान के तहत एसपी नूरपुर अशोक रतन के दिशा-निर्देशानुसार थाना इंदौरा के अंतर्गत पुलिस चौकी ठाकुर द्वारा में एक व्यक्ति से 9.32 ग्राम चिट्टा पकड़ने में सफलता प्राप्त की है। इस संबंध में जानकारी देते हुए एएसपी धर्मचंद वर्मा ने बताया के ठाकुरद्वारा पुलिस चौकी के इंचार्ज चिमन लाल तथा उसके सहयोगियों द्वारा गांव धमोटा में छापेमारी के दौरान रोहित कुमार पुत्र मनजीत कुमार निवासी दमोता के घर से 9 .32 ग्राम हीरोइन पकड़ने में सफलता प्राप्त की है। आरोपी पर 21 एनडीपीएस अधिनियम के तहत मामला दर्ज करके आगामी कार्रवाई अमल में लाई जा रही है।

प्रदेश की शीतकालीन राजधानी में फायर ब्रिगेड में स्टाफ की कमी

चालक कम पंप ऑपरेटर और फायरमैन के कई पद रिक्त, चपरासी तक नहीं

पुनीत शर्मा, धर्मशाला

प्रदेश की शीतकालीन राजधानी धर्मशाला में राजनीतिक, सामरिक तथा ऐतिहासिक महत्व के कई भवन होने के बावजूद आग से निपटने के लिए स्टाफ की कमी है। धर्मशाला क्षेत्र में विधानसभा भवन, युद्ध तथा कला संग्रहालय, कांगड़ा हवाई अड्डा, अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम तथा निर्वासित तिब्बती सरकार के मुख्यालय के अलावा चामुंडा मंदिर आदि शक्तिपीठ होने के बावजूद अग्निशमन विभाग के पास अहम पदों का टोटा चल रहा है।

इसके कारण विभाग को अपने कार्यों में समस्या का सामना करना पड रहा है। जानकारी के अनुसार फायर ब्रिगेड के चालक कम पंप ऑपरेटर के 5 मंजूर पदों में से 3 पद रिक्त हैं, जबकि होमगार्ड चालकों के मंजूर 4 में से 2 पद रिक्त पड़े हैं। इसके अलावा अहम पदों में शुमार फायरमैन के मंजूर 15 में से 9 पद रिक्त हैं तथा होमगार्ड फायरमैन का मंजूर एक पद भी रिक्त है। यहां चपरासी का एक पद भी कहने को तो मंजूर है, लेकिन यह पद भी रिक्त पड़ा है। वहीं, चार शिफ्टों में प्रति शिफ्ट 4 फायरमैन के पद मंजूर हैं, लेकिन 16 में से मात्र 6 फायरमैन ही सेवाएं दे रहे हैं। इसके अलावा 9 चालकों में से मात्र 4 चालक कम पंप ऑपरेटर ही सेवाएं दे रहे हैं। ऐसे में कर्मचारियों के अवकाश पर जाने पर आग की घटनाओं से निपटना विभाग के लिए मुश्किल हो जाता है। (अनंत ज्ञान)

गगल एयरपोर्ट, क्रिकेट स्टेडियम व विधानसभा जैसे भवन हैं यहां

फायर सीजन में लगती रही आग, अहम हो गए चुनाव

विभागीय सूत्रों की मानें तो इस साल फायर सीजन के दौरान धर्मशाला में आग के रिकॉर्ड मामले सामने आए। बावजूद इसके चुनावी ड्यूटी के नाम पर यहां कुछ पदों पर तैनात होमगार्ड के जवानों को हटा लिया गया। इसके कारण आग के मामलों में मौजूद स्टाफ को काफी समस्या का सामना करना पड़ा। गौर रहे कि फायर सीजन में अग्निशमन विभाग के कर्मचारियों के अवकाश तक रद्द कर दिए गए थे तो वहीं चुनावी ड्यूटी के चलते होमगार्ड के कुछ जवानों को यहां से हटा कर चुनावों में तैनात कर दिया गया।

रिक्त पदों पर लगाए गए हैं होमगार्ड

इस बारे में जब फायर सब-ऑफिसर धर्म सिंह भाटी से संपर्क किया गया तो उन्होंने बताया कि इस बारे में विभाग के मुख्यालय को सूचित किया गया है, ताकि रिक्त पदों को भरा जा सके। उन्होंने बताया कि रिक्त पदों पर ड्यूटी के लिए होमगार्ड के कर्मचारियों की सेवाएं ली जाती हैं, ताकि किसी भी आपदा से निपटा जा सके।

संजय चौहान ने आशा वर्कर्स की समस्याएं एवं सुझाव सुने

प्रदेश कृषि एवं ग्रामीण विकास बैंक के चेयरमैन चौहान आशा वर्कर्स के साथ सामूहित चित्र में।

राकेश डोगरा, डरोह

हिमाचल प्रदेश कृषि एवं ग्रामीण विकास बैंक के चेयरमैन संजय सिंह चौहान ने अक्षैणा में आशा वर्कर्स की समीक्षा बैठक की। उन्होंने आशा वर्कर्स की समस्याएं व सुझाव सुने। संजय चौहान ने कहा कि आशा वर्कर्स जिस कर्मठता से काम कर रहीं हैं, वह एक सराहनीय कदम है।

उन्होंने कहा कि डॉक्टर लोग केवल उन्हीं मरीजों को देख सकते हैं, जो उन तक पहुंचते हैं और लगभग 60 से 70 प्रतिशत ऐसे रोगी होते हैं जो अस्पताल तक नहीं पहुंचते हैं उनके लिए आशा वर्कर्स ही उपचार का माध्यम होती हैं। संजय चौहान ने कहा कि मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू इस ओर विशेष ध्यान दे रहे हैं कि आशा वर्कर्स को मुख्यधारा के साथ जल्द ही जोड़ दिया जाए। उन्होंने कहा कि आधिकारिक तौर पर अभी कहना मुश्किल है, लेकिन जल्द ही मानदेय बढ़ोतरी पर निर्णय लिया जाएगा। आशा वर्कर्स के लिए पॉलिसी बनाने और मानदेय बढ़ाने को लेकर चौहान ने बताया कि आशा वर्कर्स की नियुक्ति आउटसोर्सिंग पर होती है। जहां तक मानदेय की बात है तो इतने निम्न मानदेय पर कार्य करना और परिवार चलाना काबिले तारीफ है। (अनंत ज्ञान)

गैस सिलेंडर के लिए एक दिन पहले करवानी पड़ेगी बुकिंग

अजय पाल, पंचरुखी

रसोई गैस सिलेंडर को भरवाने के लिए एक दिन पहले बुकिंग करवाना अनिवार्य होने जा रहा है। बहुत जल्द वितरकों के लिए मैनुअल रिफिल बुकिंग की सुविधा को बंद करने की योजना बनाई जा रही है।

चढ़ियार गैस एजेंसी के ऑनर सुशील कुमार ने कहा कि उपभोक्ता अपने पंजीकृत मोबाइल नंबर से 84549-55555 पर मिस्ड कॉल देकर डिलिवरी से एक दिन पहले अपना सिलेंडर बुक करवा लें। बुकिंग के दौरान मिले डिलीवरी प्रमाणिकरण कोड को सप्लाई करने आए व्यक्ति को दिखाकर सिलेंडर प्राप्त कर सकते हैं। अगर उपभोक्ता एक दिन पहले बुकिंग नहीं करवाते हैं तो उन्हें सिलेंडर नहीं मिलेगा। योजना बंद होने के बाद एक दिन पहले करवाई गई बुकिंग पर ही सिलेंडर मिलेगा। सुशील कुमार ने कहा कि सभी उपभोक्ता अपना मोबाइल नंबर अपडेट करवा लें तथा पारदर्शिता बनाए रखने के लिए डिजिटल भुगतान के माध्यम से ही पेमेंट करें। (अनंत ज्ञान)

कबीरपंथी समाज सुधार सभा के चुनाव 28 को

अनंत ज्ञान, लंबागांव। कबीरपंथी समाज सुधार सभा जिला कांगड़ा इकाई के चुनाव कबीर आश्रम भेडू महादेव (नागनी) में 28 जुलाई को होंगे। इसकी अध्यक्षता देवराज शांडिल करेंगे। यह जानकारी कबीरपंथी पंथी समाज सुधार सभा कांगड़ा इकाई के महासचिव शक्ति चंद ने दी है।

जोहड़ में करंट से तीन दुधारू पशुओं की मौत

अनंत ज्ञान, जयसिंहपुर। लोअर लंबागांव के वार्ड नंबर 5 में जोहड़ में बुधवार शाम के समय बिजली की तारों से करंट लगने से तीन दुधारू पशु करंट की चपेट में आ गए, जिसमें एक गाय और दो भैंसों की जान चली गई। जयसिंहपुर विद्युत विभाग के एसडीओ सुशील शर्मा से इस घटना के बारे में पूछा गया तो यह घटना बताया कि बिजली की तार टूट जाने के कारण यह दुखद घटना हुई है। सबसे पहले गाय घास चरते हुए करंट की चपेट में आई। इसके बाद पास में चर रही दो भैंसों को भी करंट लग गया। स्थानीय लोगों ने काफी उन्हें बचाने का काफी प्रयास किया, लेकिन करंट की चपेट में आ गईं। इन तीनों जान गंवाने वाले पशुओं का पोस्टमार्टम होगा उसके बाद पशु मालिकों को मुआवजा मिलेगा।

खड़ानाल के बाशिंदों ने नाले का बहाव बदलकर तबाही से बचाए कई मकान

सरकारी सहायता का नहीं किया इंतजार, खुद काम कर पेश की मिसाल

जितेंद्र कौशल, बैजनाथ

आज के दौर में कोई गांव हो या फिर इंसान हर कोई सरकारी योजनाओं या सरकारी सहायता पर ही निर्भर है। परंतु बैजनाथ विधानसभा क्षेत्र के छोटी सी पंचायत खड़ानाल के प्रधान रोहित जम्वाल तथा उनके गांववासियों ने ऐसा काम कर दिखाया है, जिसकी हर जगह तारीफ ही हो रही है। गांव के साथ लगते एक नाले में बरसात के दिनों में भारी पानी आने की वजह से कई मकानों को खतरा पैदा हो गया था। जब इस बारे गांव के प्रधान रोहित जम्वाल को इसकी सूचना मिली तो उन्होंने सरकारी कार्रवाई के लिए समय बर्बाद न करते हुए गांव के लोगों की मदद से पानी के बहाव को दूसरी तरफ मोड़ दिया। हालांकि इसके लिए सभी लोगों को बड़े-बड़े पत्थरों को किनारे लगाने के लिए कड़ी मेहनत करनी पड़ी। जब इस बारे प्रधान रोहित जम्वाल से बात की तो उन्होंने बताया कि जब गांववासियों के द्वारा उन्हें इस बारे सूचना मिली तो उन्होंने फैसला लिया कि जब तक हम सरकारी सहायता इंतजार करेंगे तब तक तो नाले का पानी प्रलय मचाकर कई घरों को अपनी चपेट में ले चुका होगा। उन्होंने लोगों को भी यह संदेश दिया है कि छोटे-छोटे कार्य के लिए सरकार की तरफ न देखकर खुद ही कर लिया करें। (अनंत ज्ञान)

बारिश के मौसम में लंबे बाल हो रहे फ्रिजी, तो ये उपाय अपनाएं

मौसम कोई भी हो बालों की उचित देखभाल करना बहुत जरूरी है, नहीं तो यह फ्रिजी हो जाते हैं और टूटने लगते हैं। खासतौर पर अगर आपके बाल लंबे हैं और उनका टेक्सचर ड्राई है तो बारिश के मौसम में आपको उनका बहुत अधिक ध्यान रखना जरूरी हो जाता है। इस मौसम में बाल पतले हो जाते हैं और ज्यादा ड्राई होने की वजह से उलझते भी ज्यादा है। लंबे बालों का इस मौसम में फ्रिजी होना एक आम समस्या है। इस समस्या को दूर करने के लिए आप कुछ उपाय अपना सकती हैं, इन उपायों के लिए आपको बहुत अधिक मेहनत करने की जरूरत नहीं। यह सभी प्राकृतिक उपाय हैं और यह सभी आपको घर की रसोई में ही मिल जाएगा। इन उपायों से, आपके बाल मुलायम, चमकदार और स्वस्थ बने रखेंगे।

हाइड्रेटिंग शैंपू का करें इस्तेमाल

बारिश के मौसम में बालों में नमी की मात्रा अधिक होती है, जिससे बालों में फ्रिजीनेस बढ़ जाती है। इस स्थिति से निपटने के लिए हाइड्रेटिंग शैंपू और कंडीशनर का इस्तेमाल करें। ये आपके बालों को मुलायम बनाए रखते हैं। शैंपू का चुनाव करते वक्त इस बात का भी ध्यान रखें कि उनमें आर्गन ऑल, शिया बटर और कोकोनट और कंडीशनर चुनें जिनमें प्राकृतिक तत्व जैसे आर्गन ऑयल, शिया बटर, और कोकोनट ऑयल शामिल हों। उसके बाद ही इसे प्रयोग करें।

सप्ताह में एक बार डीप कंडीशनिंग करें

सप्ताह में एक बार बालों की डीप कंडीशनिंग करें। इसके लिए आप मार्केट में मिलने वाले डीप कंडीशनर का उपयोग कर सकते हैं या घर पर ही बना सकते हैं। आप दूध, दही, शहद आदि से डीप कंडीशनर कर सकती हैं। यह बालों में फ्रिजीनेस को कम करता है। आप बालों में इनमें से जो भी लगा रही हैं उसके बाद 30 मिनट तक बालों में उसे लगा छोड़ दें और फिर बालों को धो लें। बालों को तौलिये से रगड़कर सुखाने के बजाय उन्हें प्राकृतिक रूप से सूखने दें।

एंटी फ्रिज सीरम का उपयोग करें

बाजार में आपको कई प्रकार के एंटी फ्रिज सीरम मिलेंगे। यह आपके बालों को नमी प्रदान करने के साथ-साथ फ्रिजीनेस को भी कम करते हैं। इस सीरम को आप बाल धोने के बाद लगा सकती हैं। सीरम बालों को मुलायम और चमकदार बनाता है और उन्हें फ्रिजी होने से बचाता है। बालों की नियमित देखभाल और सही उत्पादों का उपयोग करके आप इस मौसम में भी अपने बालों को मैनेज कर सकते हैं और लंबे बालों को फ्रिजी होने से बचा सकते हैं।

बादाम से बना फेस पैक करेगा आपकी त्वचा की देखभाल

बादाम सेहत के लिए काफी फायदेमंद होता है और इसका इस्तेमाल त्वचा की देखभाल के लिए किया जा सकता है। बादाम में कई सारे गुण होते हैं और ये सभी गुण त्वचा के लिए भी फायदेमंद हैं । वहीं बादाम का इस्तेमाल त्वचा की देखभाल के लिए किस तरह करें इसके लिए हमने ब्यूटी एक्सपर्ट रेनू माहेश्वरी से बात की और उन्होंने हमें बताया है कि किस तरह से त्वचा की देखभाल के लिए बादाम का इस्तेमाल किया जा सकता है। इसके इस्तेमाल से आपकी त्वचा में चमत्कारी निखार आ सकता है।

त्वचा के लिए फायदेमंद

बादाम कई सारे गुणों से भरपूर है । इसमें एंटी-इंफ्लेमेटरी, इम्यूनिटी-बूस्टिंग सहित कई गुण मौजूद होते हैं। ये सभी गुण जहां सेहत के लिए फायदेमंद हैं तो वहीं त्वचा से जुड़ी समस्य को कम करने के लिए भी ये सभी गुण सहायक है। ब्यूटी एक्सपर्ट रेनू माहेश्वरी ने बादाम को फेस पैक की तरह त्वचा की देखभाल के लिए इस्तेमाल किया जा सकता है। वहीं उन्होंन कुछ चीजों के बारे में बताया जिनकी मदद से भी यह बादाम का फेस पैक बनाया जा सकता है।

बादाम तेल और चंदन पाउडर से बनाएं यह फेस पैक

सामग्री:

दो चम्मच बादाम का तेल
दो चम्मच विटामिन ई तेल
एकचम्मच चंदन का पाउडर

इस तरह करें इस्तेमाल

सबसे पहले एक कटोरी में चंदन का पाउडर लें। इसमें बादाम तेल मिलाएं। इसके बाद विटामिन ई तेल मिलाएं। इस पेस्ट को चेहरे पर अप्लाई करें। फेस पैक सूख जाने के बाद चेहरे को साफ कर लें। इसके बाद चेहरे को मॉइस्चराइज करें।

बादाम तेल, चावल का आटा और शहद से बना फेस पैक

सामग्री:

दो चम्मच बादाम का तेल
दो चम्मच शहद
एक बड़ा चमच्च चावल का आटा

इस तरह करें इस्तेमाल

सबसे पहले एक कटोरी में चावल का आटा लें ।इसमें बादाम तेल मिलाएं। इसके बाद शहद मिलाएं। इस पेस्ट को त्वचा पर अप्लाई करें। पेस्ट के सूख जाने के बाद चेहरे को ठंडे पानी से धो लें। इसके बाद चेहरे को मॉइस्चराइज करें।

नोट : इस घरेलू नुस्खे को आजमाने से पहले पैच टेस्ट जरूर करें, ताकि स्किन पर किसी तरह का रिएक्शन न हो।

बरसात में कामकाजी महिलाओं के लिए सौंदर्य टिप्स

कामकाजी महिलाओं को अपने कार्य स्थल पर जाने के लिए ट्रैफिक जाम, वायु प्रदूषण तथा कालिख से प्रतिदिन जूझना पडता है। इन महिलाओं को अपने अंगों की स्वच्छता पर ज्यादा ध्यान देना चाहिए। कामकाजी महिलाओं को बरसात में सोने से पहले अपने सौंदर्य, प्रदूषण, गंदगी, पसीने की बदबू तथा तैलीय पदार्थो को अपने अंगों से छुड़ाने के लिए रात को अपनी त्वचा को ताजे स्वच्छ पानी से अवश्यक धोना चाहिए।

तुलसी तथा नीम: बरसात के मौसम में तुलसी तथा नीम फेशवाश सबसे उपयुक्त है। इससे मैलापन दूर करने में मदद मिलेगी तथा त्वचा को फोड़े-फुंसी, लाल चकत्तों आदि से संरक्षण तथा शांति मिलेगी।

शहनाज हुसैन

गुलाब जल: त्वचा को साफ करने के बाद ठंडे गुलाब जल से त्वचा की रंगत निखारिए। उसमें न केवल त्वचा में ताजगी तथा शीतलता आती है बल्कि इससे त्वचा में रक्त संचार को प्रवाह को नियमित करने में मदद मिलती है तथा चेहरे की चमक दमक बढ़ जाती है गर्म तथा आर्द्रता भरे मौसम में मैट माइस्चराईजर सबसे उपयुक्त माना जाता है।

फेशियल स्क्रब: इस मौसम में सप्ताह में दो तीन बार फेशियल स्क्रब का प्रयोग कीजिए। फेशियल स्क्रब से त्वचा में निर्जिव कोशिकाओं को हटाने में मदद मिलती है तथा त्वचा की गहरी सफाई होती है। इससे त्वचा में चमकीलापन तथा निर्मलता आती है, यदि आपकी त्वचा शुष्क है तो रात को इसे साफ करने के बाद पोषित कीजिए।

फेस मास्क: इस मौसम में हफ्ते में दो बार फेस मास्क का उपयोग कीजिए। फेस मास्क को होठों तथा आंखों के समीप के क्षेत्र को छोड़कर चेहरे पर लगाइए तथा जब यह शुष्क हो जाए तो इसे धो डालिए। अपने मेकअप में ताजगी लाने के लिए अपने हैंड बैग में कुछ सौंदर्य सामग्री जरूर रखिए। सुगंधित गीले टीशू काफी सफूर्तिदायक साबित हो सकते है। यह बाजार में आसानी से उपलब्ध हो जाते हैं। इन्हें त्वचा को साफ करने तथा पसीने की बदबू तथा मैल आदि की साफ करने में उपयोग में लाया जा सकता है।

पाउडर: सुगंधित पाउडर भी लाभदायक एवं असरदायक माना जाता है। इससे गर्मियों में तैलीय आकृति से छुटकारा पाने में मदद मिलती है। सबसे पहले त्वचा को टिशू से साफ कीजिए तथा बाद में पाउडर का उपयोग कीजिए।

(लेखिका अंतरराष्ट्रीय ख्याति प्राप्त सौंदर्य विशेषज्ञ हैं तथा हर्बल क्वीन के रूप में लोकप्रिय हैं)

बाल खुले छोड़ना उपयुक्त नहीं

हालांकि लंबे बालों का फैशन आम है, लेकिन जब आप कार्यस्थल पर हो तो इन्हें खुला छोड़ना उपयुक्त नहीं है। बालों के साथ उलझना आपके ध्यान को बार-बार भंग कर सकता है। बालों का जूड़ा बना लीजिए या इन्हें पिन से बांध लीजिए। बालों की चोटी बनाकर इन्हें पिछली ओर भी बांधा जा सकता है, वास्तव में बालों की चोटी बनाना आजकल फैशन बनता जा रहा है। आप ऊंची या नीची चोटी बनाकर उसे रिबन से बांध सकती हैं। वास्तव में रिबन का रंग आपकी पोशाक मिलता जुलता होना चाहिए। बाजार में विभिन्न प्रकार के बालों के उपसाधन उपलब्ध है। विभिन्न प्रकार के आर्कषक क्लिप या बालों के उपसाधन बाजार में आसानी से मिलते है। लेकिन कामकाजी महिलाओं को ज्यादा सजावटी उपसाधनों का उपयोग नहीं करना चाहिए। आप बालों को लच्छेदार भी बना सकती है तथा चोटी बनाकर क्लिप से बांध सकती है। कामकाजी महिलाओं को गुथे हुए बाल काफी सहायक सिद्ध हो सकते हैं हालांकि इसके लिए उन्हें थोड़ा समय देना पड़ेगा लंबे तथा मीडियम बालों को चोटी में बांधकर उपयुक्त तरीके से रखा जा सकता है। अपने बालों को तीन हिस्सों में बांटकर इसे रस्सी की तरह एक दूसरे से लिपटा दीजिए। चोटी के अंते में इलास्टिक बैंड या रिबन का उपयोग करके इसे दृढ़ता से बांध दीजिए। युवा महिलाओं पर चोटी काफी आकर्षक लगती है। बालों में नए फैशन ने भी दस्तक दी है। बालों को अपने चेहरे से दूर रखिए। यदि आपके बाल छोटे है तो इन्हें सादे ढंग से रखिए तथा प्रकृति परतें बनाकर रखिए। यदि आप बालों में कलर भी करती है तो हल्के रंगों को प्राकृतिक रूप में प्रयोग कीजिए।

सुख की सरकार घर-द्वार मुहैया करवा रही रोजगार के अवसर : बाली

पर्यटन निगम के अध्यक्ष एवं कैबिनेट रैंक मंत्री बोले, चरणबद्ध तरीके से राज्य में आयोजित किए जा रहे रोजगार मेले

पूजन भंडारी, नगरोटा बगवां

युवाओं को रोजगार उपलब्ध करवाने के लिए सुखविंद्र सिंह सुक्खू सरकार कृतसंकल्प है। इसी दिशा में चरणबद्ध तरीके से राज्य के अन्य क्षेत्रों में रोजगार मेले आयोजित किए जा रहे हैं। यह कथन पर्यटन निगम के अध्यक्ष, कैबिनेट रैंक मंत्री आरएस बाली ने स्वर्गीय जीएस बाली के जन्मदिन पर नगरोटा के ओबीसी भवन में आयोजित रोजगार मेले में युवाओं को संबोधित करते हुए व्यक्त किए। इस अवसर पर उपायुक्त हेमराज बैरवा ने बतौर मुख्यातिथि रोजगार मेले का शुभारंभ किया गया।

आरएस बाली ने कहा कि वर्ष-2022 को 27 जुलाई को नगरोटा से रोजगार संघर्ष यात्रा आरंभ की गई थी, उसी रोजगार संघर्ष यात्रा के दौरान युवाओं को रोजगार के अवसर उपलब्ध करवाने का संकल्प लिया गया था। इस दिशा में सरकार के गठन के आठ महीने के पश्चात पहला मेगा रोजगार मेला नगरोटा में आयोजित किया गया था और अब नियमित तौर पर रोजगार मेलों का आयोजन सुनिश्चित किया जा रहा है।

उन्होंने कहा कि युवाओं को स्वरोजगार आरंभ करने के लिए भी विकास कौशल निगम के माध्यम से प्रशिक्षण की सुविधा प्रदान की जा रही है इसके अलावा स्वयं सहायता समूहों की आर्थिक स्थिति सुदृढ़ करने के लिए उनके उत्पादों के विपणन की बेहतर व्यवस्था की जा रही है, ताकि ज्यादा से ज्यादा महिलाएं अपनी आमदनी में इजाफा कर सकें। (अनंत ज्ञान)

स्वर्गीय जीएस बाली और उनकी पत्नी को श्रद्धांजलि देते उनके बेटे आरएस बाली, डीसी हेमराज बैरवा और अन्य।

स्वर्गीय जीएस बाली के 70वें जन्मदिवस पर आयोजित रोजगार मेले में पंजीकरण करवाने पहुंचे युवा।

नगरोटा विधानसभा क्षेत्र में बनेगा देश का सबसे बड़ा फाउंटेन

आरएस बाली ने कहा कि नगरोटा विस क्षेत्र में टूरिज्म का होटल, देश का पहला सबसे बड़ा फाउंटेन भी स्थापित किया जाएगा, ताकि पर्यटन को बढ़ावा मिल सके। आरएस बाली ने कहा कि बिना किसी भेदभाव के विकास कार्यों को अमलीजामा पहनाया जा रहा है, ताकि नगरोटा का समग्र विकास सुनिश्चित किया जा सके। इससे पहले श्रम एवं रोजगार विभाग की ओर से विप्लव ने अतिथियों का स्वागत करते हुए रोजगार विभाग के माध्यम से युवाओं के लिए चलाई जा रही विभिन्न योजनाओं की जानकारी प्रदान की। इस अवसर पर एसडीएम मुनीष कुमार, रोजगार मेला के समन्वयक अमित सूद, क्षेत्रीय रोजगार अधिकारी अक्षय सूद सहित कांग्रेस के उपाध्यक्ष प्रताप करियाड़, कांग्रेस ब्लॉक कमेटी के अध्यक्ष मान सिंह, महिला जिला कांग्रेस कमेटी की अध्यक्ष रीता सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी उपस्थित थे।

विकास पुरुष जीएस बाली ने जननेता नहीं जनसेवक बनकर लोगों की सेवा की

आरएस बाली ने विकास पुरुष स्व. जीएस बाली को नमन करते हुए कहा कि नगरोटा विधानसभा क्षेत्र के विकास में उनका अहम योगदान रहा है, जिसको कभी भुलाया नहीं जा सकता है। उन्होंने कहा कि विकास पुरुष जीएस बाली ने एक जननेता नहीं, बल्कि जनसेवक बनकर लोगों समर्पण भाव के साथ ताउम्र कार्य किया है। उन्होंने कहा कि जीएस बाली के अधूरे सपनों को पूरा करने के लिए कारगर कदम उठाए जाएंगे।

रोजगार मेले में 'अनंत ज्ञान' दैनिक समाचार पत्र की टीम।

आज मेडिकल कैंप का शुभारंभ करेंगे मंत्री धर्माणी

पर्यटन निगम के अध्यक्ष आरएस बाली ने कहा कि नगरोटा के ब्वॉयज स्कूल में 26 जुलाई को मेगा मेडिकल कैंप का शुभारंभ तकनीकी शिक्षा मंत्री राजेश धर्माणी करेंगे।

मेगा मेडिकल कैंप में अपोलो, मैक्स, मेदांता, पीजीआई, फोर्टिज्स, डा राजेंद्र प्रसाद मेडिकल कालेज के विशेषज्ञ चिकित्सकों को आमंत्रित किया गया है इस दौरान टेस्ट तथा दवाइयां इत्यादि भी निशुल्क दी जाएंगे, जबकि आंखों के ऑपरेशन भी किए जाएंगे। उन्होंने कहा कि मेगा मेडिकल कैंप के लिए तैयारियां लगभग पूर्ण कर ली गई हैं। इसके साथ स्कूल के बच्चों के सांस्कृतिक कार्यक्रम भी आयोजित किए जाएंगे। इनमें एसपी शालिनी बतौर मुख्यातिथि शिरकत करेंगी।

न्यूज ब्रीफ

पुराना कांगड़ा ने साईं फुटबॉल अकादमी को हराया

अनंत ज्ञान, कांगड़ा। विकास खंड कांगड़ा के तहत पड़ती ग्राम पंचायत जमानाबाद में चल रहे सात दिवसीय मिंजर मेले के चौथे दिन वीरवार को फुटबॉल प्रतियोगिता के जूनियर वर्ग में पुराना कांगड़ा टीम ने साईं फुटबॉल अकादमी को 2-1 से हराया और सीनियर वर्ग 16 टीमों ने भाग लिया। मेले के चौथे दिन साई फुटबॉल अकादमी के अध्यक्ष एवं बेटियां फाउंडेशन के महासचिव संजीव गुप्ता ने बतौर मुख्यातिथि और सेवानिवृत्त सेक्शन अधिकारी बख्शी राम विशेष अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। मेला कमेटी द्वारा आए हुए अतिथियों का पुष्पगुच्छ देकर स्वागत किया गया और उन्हें पारंपरिक मिंजर, पगड़ी और स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया गया। इस खेल प्रतियोगिता में सीनियर वर्ग के फुटबॉल प्रतियोगिता के मैच खेले गए। इस प्रतियोगिता में पहला मैच साईं फुटबॉल क्लब-ए और पीकेएफसी ओल्ड कांगड़ा-बी में खेला गया। इसमें पीके एफसी ओल्ड कांगड़ा-बी की टीम विजेता रही। दूसरा मैच पनियारकड़ की टीम और पीके एफसी ओल्ड कांगड़ा के बीच खेला गया, इस में पीके एफसी ओल्ड कांगड़ा की टीम विजयी रही। इसके साथ ही शाहपुर फुटबॉल अकादमी और साईं अकादमी कांगड़ा-बी के बीच खेला गया, इस मैच में शाहपुर अकादमी विजयी रही।

प्रेस क्लब जवाली ने दिया पर्यावरण संरक्षण का संदेश

अनंत ज्ञान, जवाली। जय मां जालपा प्रेस क्लब जवाली द्वारा गुरुवार को मावा खड्ड किनारे प्रेस क्लब के अध्यक्ष मनजीत कौंडल की अध्यक्षता में पौधारोपण किया गया। जय मां जालपा प्रेस क्लब जवाली द्वारा 11 पौधे रोपित करके पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया गया। पदाधिकारियों द्वारा आंबल, जामुन, अर्जुन, कराल, संतरा, नींबू, पलाह प्रजाति के पौधे रोपित किए गए। जय मां जालपा प्रेस क्लब जवाली के अध्यक्ष मनजीत कौंडल ने कहा कि आज हम अपनी जरूरतों को पूरा करने के लिए पेड़ों का अंधाधुंध कटान कर रहे हैं, जिससे पर्यावरण का संतुलन बिगड़ रहा है। लगातार भूस्खलन हो रहे हैं। उन्होंने संदेश दिया कि हम प्रतिवर्ष कम से कम एक पौधा जरूर रोपित करें ताकि पर्यावरण का संतुलन बना रहे। इस मौके पर वरिष्ठ उपाध्यक्ष सुनील दत्त, प्रेस सचिव डॉ एनके शर्मा, कानूनी सलाहकार ललित शर्मा, कोषाध्यक्ष राम प्रकाश वत्स, कार्यकारिणी सदस्य राजेश कौंडल, अनिल छांगू, राजेश कतनोरिया, शिवू ठाकुर, चैन सिंह, संजू, रशपाल सिंह, विशेष आमंत्रित सदस्य कपिल मेहरा इत्यादि मौजूद रहे।

लंबित मांगों को लेकर निकाला रोष मार्च

अनंत ज्ञान ब्यूरो, धर्मशाला। हिमाचल पथ परिवहन निगम से सेवानिवृत्त कर्मचारियों ने वीरवार को धर्मशाला में अपनी लंबित मांगों को लेकर रोष मार्च निकाला। इस दौरान सरकार के खिलाफ जमकर नारेबाजी हुई। हिमाचल प्रदेश एचआरटीसी पेंशनर कल्याण संघ के प्रदेश अध्यक्ष बलरामपुरी ने इस मौके पर बताया कि उन्होंने 30-35 साल कठिन परिस्थितियों में एचआरटीसी के लिए काम किया है। एचआरटीसी पेंशनरों ने 25 फरवरी 2023 को सरकार को मांग पत्र सौंपा था तथा इसके बाद 3 रिमाइंडर दिए। मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू तथा परिवहन मंत्री से भी मुलाकात की लेकिन न तो उन्हें वार्ता के लिए बुलाया गया और न ही उनकी मांगों का अब तक कोई हल हो पाया है। उन्होंने बताया कि सरकार के ऊपर पेंशनरों की 300 करोड रुपए की देनदारियां बाकी है तथा यह उनका मांग पत्र नहीं बल्कि अधिकार पत्र है।

पठानकोट कैंट पर वंदे भारत एक्सप्रेस का ठहराव स्थायी

अनंत ज्ञान ब्यूरो, धर्मशाला। केंद्रीय रेलवे राज्य मंत्री रवनीत सिंह ने राज्य सभा सांसद इंदु बाला गोस्वामी को बताया कि नई दिल्ली से श्री माता वैष्णो देवी कटड़ा वंदे भारत एक्सप्रेस ट्रेन का ठहराव पठानकोट कैंट रेलवे स्टेशन पर स्थायी रूप से कर दिया है।

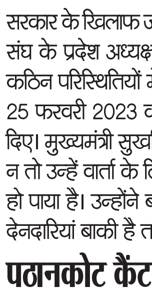

उन्होंने सांसद इंदु बाला गोस्वामी को बताया कि संसद में उनके द्वारा मुद्दा उठाएजाने के बाद इस रेलगाड़ी का पठानकोट कैंट रेलवे स्टेशन पर अस्थायी ठहराव किया गया था ताकि हिमाचल प्रदेश विशेषकर चंबा तथा कांगड़ा जाने वाले स्थानीय लोगों और पर्यटकों को सुविधा प्रदान की जा सके तथा इस स्टेशन पर इस ट्रेन के यात्रिओं के आबागामान का सर्वे किया जा सके और कहा कि इस स्टेशन पर पर्याप्त संख्या में चढ़ने और उतरने वाले यात्रियों की संख्या को देखने हुए अब इस ठहराव को स्थायी कर दिया गया है।

नाबालिग से दुष्कर्म करने पर आरोपी पर मामला दर्ज

अनंत ज्ञान, पठानकोट। पठानकोट जिले के तारागढ़ क्षेत्र में एक नाबालिग को आरोपी युवक 7 माह तक अपनी हवस का शिकार बनाता रहा। आरोपी की पहचान दीपक राज उर्फ दीपू पुत्र देवी दयाल निवासी गांव मलकाना के रूप में हुई है। यह पूरा मामला तब उजागर हुआ जब युवती बेहोश हो गई। आरोपी दीपक युवती को धमकियां देते हुए 7 माह तक गर्भवती बना गया। बताया जा रहा है कि आरोपी युवक शादीशुदा है और उसकी प ी उसे छोड़कर जा चुकी है। गर्भवती लड़की ने अपनी मां को आप बीती घटना बारे जानकारी दी। मामला उजागर होने के बाद पुलिस ने पीड़ित नाबालिग 15 वर्षीय लड़की के बयानों के आधार पर आरोपी के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है। आरोपी लड़की के परिवार की पहचान वाला है। पुलिस थाना तारागढ़ के प्रभारी मनजीत सिंह ने बताया कि नाबालिग लड़की के बयानों में कहा 25 दिसंबर 2023 को अपने घर पर अकेली थी इस दौरान आरोपी युवक उनके घर पर आ गया। उसे अकेली देखकर उसके साथ बलात्कार किया। आरोपी खिलाफ मामला दर्ज कर आगे की कार्रवाई पुलिस ने शुरू कर दी है।

बिलों का भुगतान नहीं किया तो कटेगा कनेक्शन

अनंत ज्ञान, जवाली। विद्युत उपमंडल जवाली के तहत जिन उपभोक्ताओं ने अपने बिजली बिलों का भुगतान नहीं किया है, वे तुरंत करवा दें अन्यथा उनके कनेक्शन काट दिए जाएंगे। सहायक अभियंता जसवीर सिंह ने बताया कि कई उपभोक्ता पिछले लंबे समय से बिलों का भुगतान नहीं कर रहे हैं, उन्हें अब अलग से नोटिस नहीं भेजे जाएंगे। इसलिए वह तुरंत बिलों की अदायगी करें। वहीं, विद्युत मीटर का कनेक्शन कटने पर दोबारा जोड़ने के लिए 250 से लेकर 1500 रुपए वसूल किए जाएंगे।

शहीद लवी कुमार की याद में मां सुरेखा देवी ने बनवाया रेन शेल्टर

एसडीएम और डीएसपी ने किया शहीद की मूर्ति का अनावरण

संजीव महाजन, नूरपुर

विधानसभा नूरपुर की पंचायत लौहारपुरा सुलयाली में शहीद लवी कुमार की याद में उनकी माता सुरेखा देवी ने एक रेन शेल्टर तथा शहीद लवी कुमार मूर्ति का अनावरण किया । शहीद लवी कुमार का जन्म अक्तूबर 1997 को हुआ था और इसे देश की सेवा का जज्बा बचपन से था 2016 को शहीद लवी कुमार ने डोगरा को ज्वाइन किया था सेना में सेवाएं देते हुए शहीद लवी कुमार ने हर जगह बेहतरीन काम किए। वह स्पेशल कमांडो ट्रेनिंग करके फैजाबाद से दिल्ली वापस आ रहा था कि रास्ते में एक ऐक्सिडेंट में इस संसार छोड़ कर चले गए। शहीद लवी कुमार 11-10-2022 को अपनी यादें छोड़कर सभी को अलविदा कर चले गए थे। शहीद लवी कुमार ने छह साल देश की सेवा की। उनकी याद में उनकी मूर्ति का अनावरण किया गया, जिसमें नूरपुर एसडीएम गुरसिमर सिंह, डीएसपी विशाल वर्मा ने मुख्यातिथि के रूप में शिरकत की। नूरपुर एसडीएम व नूरपुर डीएसपी ने रीत चढ़ाकर शहीद को श्रद्धांजलि दी और परिवार से मिलकर शोक जताया । इस मौके पर डोगरा रेजिमेंट से हवालदार अरुण, हवालदार प्रदीप, सिपाही अर्चित, अजय, सिपाही बब्लू, सिपाही हरदीप सिंह व पंचायत प्रधान कृष्ण हीर व गांवों के लोग तथा परिवार सदस्य विशेष रूप में उपस्थित रहे। इस मौके पर इनके सभी परिवार के सदस्य उपस्थित रहे सभी ने इन्हें याद किया तथा उन्हें फूल अर्पित करके श्रद्धांजलि दी। (अनंत ज्ञान)

शहीद लवी कुमार की मूर्ति का अनावरण करते नूरपुर के एसडीएम गुरसिमर सिंह और डीएसपी विशाल वर्मा।

कांगड़ा एयरपोर्ट को ग्राहक संतुष्टि सर्वे में दूसरा स्थान

अनंत ज्ञान, गगल

हाल ही में कांगड़ा हवाई अड्डे को ग्राहक संतुष्टि सर्वेक्षण में दूसरे स्थान पर रहने के लिए सम्मानित किया गया है। यह सर्वेक्षण जनवरी से जून 2024 तक की अवधि के बीच ग्राहक संतुष्टि के लिए किया गया, जिसमें देश के 61 हवाई अड्डों ने भाग लिया। राजमुंदरी हवाई अड्डे के बाद कांगड़ा हवाई अड्डा दूसरे स्थान पर रहा, जबकि लेह हवाई अड्डा तीसरे और मदुरै हवाई अड्डा चौथे स्थान पर रहे। ग्राहक सेवा संतुष्टि के आधार पर हवाई अड्डों की यह रैंकिंग भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण ने बुधवार शाम जारी की। इस बारे में जानकारी देते हुए कांगड़ा हवाई अड्डे के निदेशक धीरेंद्र सिंह ने बताया कि जनवरी से जून 2023 तक अवधि के सर्वेक्षण में कांगड़ा हवाई अड्डा 11वें स्थान पर था इससे स्पष्ट पता चलता है कि इस हवाई अड्डे पर ग्राहक सेवा अनुभव में बहुत सुधार हुआ है! धीरेंद्र सिंह ने कहा कि यह हवाईअड्डा भविष्य में भी अपने यात्रियों को सर्वोत्तम सेवा प्रदान करता रहेगा! उन्होंने कहा कि अब कांगड़ा हवाई अड्डे पर फ्लाइट की भी बढ़ोतरी आने वाले समय मे की जाएगी इसको लेकर भी हवाई अड्डे प्रशासन की और से हवाई अड्डे भवन के ऊपर एक और मंजिल तैयार करने की तैयारी की जा रही है ताकि फ्लाइट बढ़ने पर जब ग्राहकों की बढ़ोतरी होगी तो उन्हें किसी प्रकार की परेशानी का सामना ना करना पड़े। ज्ञातव्य है कि ग्राहक संतुष्टि सर्वेक्षण वर्ष में दो बार जनवरी से जून और जून से दिसंबर तक की अवधि की लिए किया जाता है। सर्वेक्षण के तहत हवाई अड्डे पर उपस्थित यात्रियों से फीडबैक लिया जाता है।

हैप्पी बर्थडे

गागल के मोक्ष रांगड़ा को जन्मदिन पर 'अनंत ज्ञान' परिवार की ओर से हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं।

बर्थडे व सालगिरह के फोटो भेजें

बर्थडे हो या शादी की सालगिरह। आपकी खुशियों में हम भी हैं शामिल। अपना फोटो अनंत ज्ञान में प्रकाशित करवाने के लिए नाम और पते सहित व्हाट्सऐप नंबर 88945-21702 पर भेजें।

गगल में 9000 मिलीलीटर देसी शराब पकड़ी

अनंत ज्ञान, गगल। पुलिस थाना गग्गल के तहत डोला (केटलू) में मोटरसाइकिल नंबर पीबी 10 एचके-1492 से 9000 मिलीलीटर देसी शराब बरामद की है। इस संदर्भ में निखिल पठानिया निवासी त्रैम्वला के विरुद्ध हिमाचल प्रदेश आबकारी अधिनियम में पुलिस थाना में दर्ज किया गया है। उधर एसएचओ नारायण सिंह ने मामले की पुष्टि की है।

दुकान से 6750 मिलीलीटर शराब बरामद

अनंत ज्ञान, मैक्लोडगंज। पुलिस थाना मैक्लोडगंज के अंतर्गत खड़ी बेई में बृज लाल निवासी खड़ी बेई वार्ड न. 2 डाकघर घेरा की दुकान से 6750 मिलीलीटर देसी शराब बरामद की गई है। इस संदर्भ में पुलिस थाना मैक्लोडगंज में हिमाचल प्रदेश आबकारी अधिनियम में पंजीकृत किया गया है। दुकान से शराब बरामद करने की एसएचओ यादेश ठाकुर ने पुष्टि की है।

युवा स्वरोजगार योजनाओं का लाभ उठाएं : उपायुक्त

अनंत ज्ञान, धर्मशाला। उपायुक्त हेमराज बैरवा ने कहा कि सरकार के माध्यम से स्वरोजगार के लिए चलाई गई विभिन्न योजनाएं का लाभ पात्र युवाओं तक पहुंचाने के लिए विभागीय अधिकारी कारगर कदम उठाएं ताकि ज्यादा से ज्यादा युवा इनसे लाभांवित हो सकें। उपायुक्त हेमराज बैरवा ने कहा कि राजीव गांधी स्वरोजगार योजना के तहत परिवहन विभाग की ओर से ई-टैक्सी स्कीम आरंभ की है जिसमें ई-टैक्सी खरीदने पर पचास फीसदी अनुदान दिया जाएगा इन्हीं ई-टैक्सियों को कम से कम चार वर्षों के लिए सरकारी विभागों द्वारा अनुबंध पर लिया जाएगा इसी तरह से बंजर भूमि पर सौर उर्जा संयंत्र स्थापित करने तथा मुख्यमंत्री स्वावलंबर योजना के तहत भी युवाओं को स्वरोजगार के लिए प्रेरित किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि बच्चे धन के अभाव में उच्च शिक्षा ग्रहण करने से वंचित न रहें इसके लिए प्रदेश सरकार ने महत्वाकांक्षी डॉ. यशवंत सिंह परमार विद्यार्थी ऋण योजना शुरू की है। योजना के अंतर्गत 28 वर्ष से कम आयु के पात्र विद्यार्थियों को एक प्रतिशत ब्याज की दर से बैंकों से 20 लाख रुपये का शिक्षा ऋण उपलब्ध करवाया जाएगा।

भारद्वाज ने संसद में उठाई नूरपुर में सैनिक स्कूल खोलने की मांग

पुनीत शर्मा, धर्मशाला

कांगड़ा के लोकसभा सदस्य डॉक्टर राजीव भारद्वाज ने कांगड़ा जिला के नूरपुर क्षेत्र में सैनिक स्कूल और चंबा जिला के चुराह में एक केंद्रीय विद्यालय खोलने की मांग संसद में उठाई। उन्होंने लोक सभा में शून्य काल में चंबा जिला में एक नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी संस्थान खोलने की मांग की तथा बताया की क्षेत्र में केंद्र सरकार के संस्थान एनएचपीसी के पास पर्याप्त मात्रा में भूमि सरप्लस है, जो कि एनआईटी संसथान खोलने के लिए पर्याप्त है। सांसद भारद्वाज ने लोकसभा में बोलते हुए कहा कि पिछड़ा जिला होने की बजह से केंद्र सरकार ने वर्ष 2018 में चंबा जिला को आकांक्षी जिला घोषित किया है, ताकि क्षेत्र में ढांचागत सुविधाओं को सुदृढ़ किया जा सके। केंद्रीय संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री गजेंदर सिंह शेखावत ने बताया कि केंद्र सरकार ने नेशनल मिशन ऑफ लाइब्रेरीज के अंतर्गत राजकीय जिला पुस्तकालय बिलासपुर और सेंट्रल स्टेट लाइब्रेरी सोलन को क्रमश: 86.87 लाख और 223.00 लाख रुपए की धनराशि स्वीकृत की है। (अनंत ज्ञान)

सुधीर शर्मा ने मंजूर किए 34 काम

कहा, धर्मशाला का थमने नहीं दिया जाएगा विकास, खर्च होंगे 80 लाख

अनंत ज्ञान ब्यूरो, धर्मशाला

भाजपा नेता व धर्मशाला से विधायक सुधीर शर्मा ने कहा है कि हलके का विकास थमने नहीं दिया जाएगा। अभी उन्होंने विधायक निधि से 34 काम मंजूर करवाए हैं। इन कार्यों पर 80 लाख रुपए खर्च किए जाएंगे। अगले चरण में छूटे कार्यों को जगह दी जाएगी। ये तमाम काम जनता की मांग पर मंजूर करवाए हैं।

सुधीर शर्मा ने बताया कि इन कार्यों के तहत निर्माण सामुदायिक भवन, सलेट गोदाम, ग्राम पंचायत रक्कड़ हेतु 4 लाख रुपए मंजूर करवाए हैं। सामुदायिक भवन तलंगेश्वर वार्ड नंबर 1 ग्राम पंचायत अंड्राड हेतु भी 4 लाख रुपए मंजूर करवाए हैं। उन्होंने बताया कि सामुदायिक भवन नजदीक कोटासनी माता मंदिर ग्राम पंचायत सोकनी दा कोट हेतु 4 लाख, निर्माण आंगनबाड़ी भवन वार्ड न 1 ग्राम पंचायत जुहल हेतु - 2 लाख, निर्माण सामुदायिक भवन नेतड़ वार्ड न 13 दाड़ी हेतु 4 लाख, निर्माण महिला मंडल भवन वार्ड 3 ग्राम पंचायत पद्दर हेतु 3 लाख रुपए मंजूर करवाए हैं। इसी तरह निर्माण सामुदायिक भवन वार्ड न 2 ग्राम पंचायत कन्द्रहेड़ हेतु 4 लाख रुपए मंजूर करवाए हैं। निर्माण संपर्क सडक् मुख्य सड़क से पीर बाबा मंदिर ग्राम पंचायत घना हेतु 1 लाख, निर्माण रास्ता मुख्य सडक् से सुभद्रा देवी , कमला देवी , बंटू राम और पंकज के घर की ओर वार्ड न 4 ग्राम पंचायत कण्ड कार्डियाना हेतु 1 लाख रुपए मंजूर करवाए हैं।

उन्होंने कहा कि प्रदेश की कांग्रेस सरकार धर्मशाला हलके से भेदभाव कर रही है। विकास कार्यों में अड़ंगा डाला जा रहा है। जनता समय आने पर कांग्रेस को माकूल जवाब देगी।

रक्तदान पूर्व विधानसभा अध्यक्ष बृज बिहारी लाल बुटेल के 84वें जन्मदिन पर रक्तदान शिविर का आयोजन

सीपीएस आशीष ने समर्थकों संग किया रक्तदान

गौरव कौंडल, पालमपुर

नागरिक अस्पताल पालमपुर में पूर्व विधानसभा अध्यक्ष बृज बिहारी लाल बुटेल के 84वें जन्मदिन पर रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। इस अवसर पर पूर्व विधानसभा अध्यक्ष के पुत्र मुख्य संसदीय सचिव, शहरी विकास एवं शिक्षा आशीष बुटेल ने उनके समर्थकों सहित रक्तदान किया।

आशीष बुटेल ने अस्पताल में उपचाराधीन मरीजों का कुशलक्षेम जाना और फल वितरित किए। आशीष बुटेल ने कहा कि उनके पिता बृज बिहारी लाल बुटेल के 84वें जन्मदिन के उपलक्ष्य में उनके समर्थकों द्वारा रक्तदान शिविर का आयोजन किया। उन्होंने कहा कि बृज बिहारी लाल बुटेल का पालमपुर निर्वाचन क्षेत्र के विकास में महत्वपूर्ण योगदान रहा है। उनके कार्यकाल में पालमपुर क्षेत्र विकासात्मक कार्यों को गति दी गई। पालमपुर में बड़ी-बड़ी योजनाएं उनके विधायक रहते ही आरंभ हुई हैं। उन्होंने कहा कि नागरिक अस्पताल पालमपुर के विस्तार में भी उनका ही योगदान रहा है।

उन्होंने समर्थकों को रक्तदान शिविर आयोजन करने के लिए आभार प्रकट किया। इस अवसर पर महापौर नगर निगम गोपाल नाग, निगम पार्षद, ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष त्रिलोक चंद, वरिष्ठ चिकित्सा अधिकारी एस. चक्रवर्ती, रोगी कल्याण समिति के सदस्य अजय सूद, आदित्य सलूजा, आयुक्त नगर निगम पालमपुर आशीष शर्मा, वन मंडल अधिकारी एसीएफ सहित वन विभाग के कर्मचारी और कार्यकर्ता मौजूद रहे। (अनंत ज्ञान)

शिविर में 33 यूनिट रक्त एकत्रित

रक्तदान शिविर में 33 यूनिट रक्त एकत्रित किया गया। सीपीएस ने नंदन पार्क पालमपुर में समर्थकों सहित पौधरोपण भी किया। सीपीएस ने चिनार का पौधा रोपित किया, जबकि अन्य प्रजातियों के लगभग 70 पौधे रोपित किए गए।

सीयू और आईआरसीटीसी के बीच समझौता ज्ञापन साइन

अनंत ज्ञान ब्यूरो, धर्मशाला

हिमाचल प्रदेश केंद्रीय विश्वविद्यालय के छात्रों और प्रतिनिधियों के लिए आईआरसीटीसी की ओर से रेल, हवाई या सड़क द्वारा शैक्षिक समूह यात्राओं सहित व्यापक पर्यटन और यात्रा सेवाएं प्रदान की जाएंगी।

इसी संबंध में हिमाचल प्रदेश केंद्रीय विश्वविद्यालय और आईआरसीटीसी लिमिटेड ने एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए। इस समझौते में आईआरसीटीसी की ओर से छात्रों के लिए इंटर्नशिप की सुविधा का प्रावधान भी शामिल है। आईआरसीटीसी केंद्रीय विश्वविद्यालय को आवश्यकतानुसार कॉर्पोरेट यात्रा सेवाएं भी प्रदान करेगा। आईआरसीटीसी के अध्यक्ष और प्रबंध निदेशक संजय कुमार जैन और हिमाचल प्रदेश केंद्रीय विश्वविद्यालय, धर्मशाला और हिमाचल प्रदेश विश्वविद्यालय, शिमला के कुलपति प्रो. एस. पी. बंसल ने कहा कि यह सहयोग केंद्रीय विश्वविद्यालय, हिमाचल प्रदेश की शैक्षिक यात्राओं और अन्य यात्रा और रसद आवश्यकताओं की योजना सुनिश्चित करने और सुचारू, किफायती और पारदर्शी तरीके से समय पर इसके निष्पादन की दिशा में एक कदम है।

न्यूज ब्रीफ

चोड़ू में 28 जुलाई को लगेगा रक्तदान शिविर

अनंत ज्ञान, बड़ा। उपमंडल नादौन के कस्बा चोड़ू में 28 जुलाई को इंकलाब संस्था रंगस एवं यूथ क्लब चोड़ू के सौजन्य से कौंडल सभा चैड़ू एवं समस्त क्षेत्रवासियों के जन सहयोग से रक्तदान शिविर का आयोजन किया जाएगा। इंकलाब संस्था के प्रधान पुनीत उप्पल ने बताया कि संस्था लोगों के जनसहयोग से अपना 12वां रक्तदान शिविर आयोजित करने जा रही है। गौर रहे कि इंकलाब संस्था रंगस इसके अतिरिक्त और कई प्रकार की सोशल गतिविधियों का आयोजन कर रही है। संस्था द्वारा चलाए जा रहे कार्यों की बुद्धिजीवी वर्ग द्वारा काफी सराहना की जा रही है।

मांगें पूरी करने को लेकर सौंपी चाबियां

ए कुमार, सुजानपुर। संयुक्त पटवार एवं कानूनगो महासंघ सुजानपुर ने एसडीएम डॉ. रोहित शर्मा को अपने कार्यालय की चाबियां सौंपने के साथ उनको ज्ञापन देकर अपनी मांगें दोहराईं। संयुक्त पटवार एवं कानूनगो संघ के अध्यक्ष राजेश बहल की अध्यक्षता में तहसील कार्यालय सुजानपुर के तहत कार्यरत कानूनगो, पटवारियों राजेश, अनिल, विशाल, अरुण प्रवीण, विकास, अविनाश, एकांश, सुनील, संजय, विपिन, पुण्य प्रिया आदि ने अपने-अपने पटवार सर्किल की चाबियां सौंप दीं। सुजानपुर महासंघ के अध्यक्ष राजेश बहल ने बताया कि प्रदेश पटवारी एवं कानूनगो महासंघ ने 17 जुलाई को कुल्लू में राज्य स्तरीय महासंघ की बैठक में सरकार से आग्रह किया था कि जो सरकार द्वारा निर्णय लिए हैं, उन पर पुनः विचार करके फैसले को बदला जाए, जिसमें जिला से राज्य स्तरीय तबादला करने की नीति न की जाए। इसके साथ स्वामी स्वामित्व योजना का कार्य बंदोबस्त विभाग से करवाया जाने आदि कुछ मांगें शामिल हैं, को लेकर अभी तक मांगें पूरी न होने के चलते महासंघ के आह्वान पर सुजानपुर तहसील के तहत पटवार सर्किल की चाबियां एसडीएम को सौंपने के साथ अन्य मांगों को पूरा करने का ज्ञापन सौंपा। (अनंत ज्ञान)

कारगिल शहीदों को मशाल जलाकर याद किया

शशि सोनल, नादौन। भारतीय जनता युवा मोर्चा द्वारा इंद्रपाल चौक पर मशाल जलाकर कारगिल विजय दिवस के उपलक्ष पर कारगिल के शहीदों को याद किया तथा शहीदों की शहादत को हमेशा याद रखने का संकल्प लेते हुए नारेबाजी की। इंद्रपाल चौक पर जलाई गई यह मशाल 25 घंटे तक जलाई जाएगी। इस अवसर पर भाजपा युवा मोर्चा के प्रदेश सचिव जगदीप शर्मा, जिला प्रवक्ता केशव गोस्वामी, मंडल युवा मोर्चा अध्यक्ष अक्षय शर्मा, निखिल के अलावा भाजपा मंडल नादौन के अध्यक्ष वीरेंद्र पठानिया, महामंत्री अजमेल वर्मा, सुरेंद्र छिंदा सहित कई कार्यकर्ता उपस्थित रहे। भाजयुमो के जिला प्रवक्ता केशव गोस्वामी ने बताया कि कारगिल युद्ध के 25 वर्ष पूरे होने पर मशाल जलाई गई जिसे 25 घंटे के लिए जलाया जाएगा। शुक्रवार को नादौन के राजेंद्र पैलेस गगाल में शहीदी दिवस के उपलक्ष्य पर कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है, जिसमें शहीदों को याद किया जाएगा। (अनंत ज्ञान)

महिलाओं से संबंधित अधिनियमों की दी जानकारी

अनंत ज्ञान, जाहू। महिलाओं की सुरक्षा, संरक्षण और सशक्तिकरण के लिए आरंभ की गई एक वृहद एवं समावेशी योजना 'मिशन शक्ति' के तहत 21 जून से 4 अक्तूबर तक चलाए जा रहे 100 दिवसीय जागरूकता अभियान 'संकल्प' के तहत जाहू कलां में जागरूकता शिविर आयोजित किया गया। महिला एवं बाल विकास विभाग के जिला कार्यक्रम अधिकारी कार्यालय की ओर से आयोजित इस शिविर में महिलाओं के अधिकारों की रक्षा के लिए बनाए गए विभिन्न अधिनियमों और कल्याणकारी योजनाओं की विस्तृत जानकारी दी गई। इस अवसर पर जिला कार्यक्रम अधिकारी कार्यालय की पैरा लीगल वालंटियर रविंद्रजीत कौर ने बताया कि घरेलू हिंसा से पीड़ित महिलाएं अपने निकटतम आंगनबाड़ी केंद्र में संबंधित संरक्षण अधिकारी के पास अपनी शिकायत दर्ज करवा सकती हैं। निशा ने संकल्प-हब की जानकारी दी। शिविर के दौरान चाइल्डलाइन संस्था की ममता ने 1098 नंबर पर उपलब्ध चाइल्ड हेल्पलाइन के बारे में बताया। जिला बाल संरक्षण अधिकारी कार्यालय से शशिपाल ने पोक्सो एक्ट की जानकारी दी। इस अवसर पर संरक्षण अधिकारी सुनील नड्डा, आंगनबाड़ी कार्यकर्ता और बड़ी संख्या में स्थानीय महिलाएं भी उपस्थित रहीं।

सिक्योरिटी गार्ड और सुपरवाइजर के साक्षात्कार 29 को

अनंत ज्ञान, बिझड़ी। एसआईएस इंडिया लिमिटेड शाहतलाई, बिलासपुर द्वारा सिक्योरिटी गार्ड और सुपरवाइजर के 100 पदों पर भर्ती के लिए 29 जुलाई को उपरोजगार कार्यालय बड़सर में साक्षात्कार लिए जाएंगे। जिला रोजगार अधिकारी सुरेंद्र शर्मा ने बताया कि इन पदों के लिए 19 से 40 वर्ष तक के पुरुष उम्मीदवार भर्ती किए जाएंगे। दसवीं फेल या पास तथा इससे अधिक शैक्षणिक योग्यता वाले उम्मीदवार, जिसकी लंबाई कम से कम 168 सेंटीमीटर है, इन पदों के लिए पात्र हैं। चयनित उम्मीदवारों को मौके पर ही ऑफर लैटर प्रदान किए जाएंगे तथा उन्हें 16,500 से लेकर 19,500 रुपए तक मासिक वेतन मिलेगा। जिला रोजगार अधिकारी ने इच्छुक उम्मीदवारों से साक्षात्कार के लिए 29 जुलाई को सुबह 11 बजे उपरोजगार कार्यालय बड़सर में उपस्थित होने की अपील की है। जिला रोजगार अधिकारी ने बताया कि अगर कोई युवा उपरोक्त योग्यता रखता है और उसका नाम किसी भी रोजगार कार्यालय में पंजीकृत है, तो वह अपने मूल प्रमाणों तथा हिमाचली प्रमाण पत्र के साथ साक्षात्कार में भाग ले सकता है।

नेत्रदान संबंधी जागरूकता शिविर आयोजित

रवि ठाकुर, हमीरपुर। सोटो हिमाचल प्रदेश व हमीरपुर मेडिकल कॉलेज की ओर से अंगदान जन जागरूकता अभियान के तहत मां जानकी नर्सिंग कॉलेज की छात्राओं को अंगदान व नेत्रदान के बारे में जानकारी दी गई। हमीरपुर मेडिकल कॉलेज के नेत्र रोग विभाग अध्यक्ष डॉ. अनिल ने पावरप्वाइंट प्रेजेंटेशन के जरिए छात्राओं को अंगदान की बारीकियों के बारे में बताया। उन्होंने बताया कि नेत्रदान करके दूसरों की जिंदगी में उजाला लाया जा सकता है। मरने के बाद शरीर को जलाया या दफनाया जाता है, ऐसे में व्यक्ति के नेत्र किसी जरूरतमंद मरीज के जीवन को रोशन कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि एक ब्रेन स्टेम डेड व्यक्ति आठ लोगों की जिंदगी बचा सकता है। एक व्यक्ति जिसकी उम्र कम से कम 18 वर्ष हो, वह स्वैच्छिक रूप से अपने करीबी रिश्तेदारों को देश के कानून और नियमों के दायरे में रहकर अंगदान कर सकता है और अंगदान करने की शपथ ले सकता है। अंगदान से संबंधित सही जानकारी वह भ्रम होने की वजह से अधिकतर लोग अंगदान करने से पीछे हट जाते हैं, इसीलिए अगर लोगों में पहले से अंगदान को लेकर पर्याप्त जानकारी होगी तभी ऐसे मौके जरूरतमंदों के लिए वरदान साबित हो सकते हैं। सोटो हिमाचल की ऑफिशल वेबसाइट पर अब कोई भी व्यक्ति घर बैठे बैठे अंगदान करने के लिए शपथ पत्र भर सकता है। मौजूदा समय में प्रदेश भर से करीब 1000 से अधिक लोगों ने अंगदान का शपथ पत्र भरा है। कार्यक्रम में कॉलेज की करीब 70 छात्र-छात्राएं व सोटो के विशेष स्वयंसेवी अमित शर्मा सहित शिक्षक वर्ग मौजूद रहा। (अनंत ज्ञान)

जिला परिषद की बैठक में अधिकारियों के न आने पर भड़के सदस्य, मीटिंग का बहिष्कार

बैठक में आय-व्यय और विकास कार्यों को लेकर करनी थी चर्चा, अब 7 अगस्त को दोबारा होगी आयोजित

अनिल कुमार, हमीरपुर

जिला परिषद की त्रैमासिक बैठक में सदस्यों के दो प्रश्नों पर चर्चा हुई और अधिकारियों के बैठक में न आने पर सदस्यों ने बैठक का बहिष्कार कर दिया। बैठक में अधिकारियों के न आने से जिला परिषद के अध्यक्ष, उपाध्यक्ष और सदस्यों ने रोष जताया और बैठक से उठकर चले गए।

हालांकि बहुत से अन्य विभागों के अधिकारी उपस्थित थे, लेकिन सदस्यों के उठकर जाने से किसी भी मुद्दे पर चर्चा नहीं हुई। बैठक का बहिष्कार करने के बाद जिला परिषद अध्यक्ष, उपाध्यक्ष व सदस्यों ने बैठक की और यह निर्णय लिया कि यदि जिला परिषद की अगली दो बैठकों में यदि अधिकारी स्वयं नहीं आए तो वे अपने पद से इस्तीफा दे देंगे, क्योंकि उनके जनता के लिए जाने वाले कार्य नहीं होंगे तो उन्हें पद पर बने रहने का कोई हक नहीं है।

गौर रहे कि जिला परिषद की बैठकों में सदस्यों द्वारा कई बार यह मुद्दा उठाया गया कि संबंधित विभाग के अधिकारी बैठकों में स्वयं नहीं आते व प्रतिनिधियों को बैठक में भेज देते हैं, जिससे उन्हें विकास कार्यों या समस्या के समाधान को लेकर संतुष्ट जवाब नहीं मिल पाता। जिला परिषद के सदस्य जनता से किए वादों को पूरा करने में नाकाम हो रहे हैं। फिर भी अधिकारी जिला परिषद की बैठक को अनदेखा कर रहे हैं और अपने प्रतिनिधि को बैठक में भेज रहे हैं।

इसी बात से गुस्साए जिला परिषद के सदस्यों ने बैठक का बहिष्कार किया और बैठक से उठकर बाहर चले गए। जिला परिषद के सदस्यों ने बैठक में उपस्थित एडीसी राहुल चौहान को भी इस समस्या से अवगत करवाया। बता दें कि वीरवार को भी जिला परिषद भवन हमीरपुर में त्रैमासिक बैठक रखी गई थी और इस बैठक के बारे में 9 जुलाई को ही सभी कार्यालयों को सूचना भेज दी थी, लेकिन फिर भी मुख्य विभागों के अधिकारी स्वयं नहीं पहुंचे और अपने प्रतिनिधियों को बैठक में भाग लेने के लिए भेज दिया। बैठक में अधिकारियों के न आने से दोबारा से बैठक की तिथि निर्धारित की गई। अब यह बैठक 7 अगस्त को आयोजित की जाएगी। (अनंत ज्ञान)

अधिकारियों के न आने से बैठक में खाली पड़ी कुर्सियां।

कौन अधिकारी नहीं आया

जिला परिषद की बैठक में जल शक्ति विभाग के बड़सर और भोरंज के अधिशाषी अभियंता नहीं आए, के अलावा लोक निर्माण विभाग मंडल हमीरपुर, टौणीदेवी के अधिशाषी अभियंता बैठक में नहीं पहुंचे। भोरंज से लोक निर्माण विभाग के कनिष्ठ अभियंता अधिशाषी अभियंता की जगह भाग लेने पहुंचे थे। इसके अलावा स्वास्थ्य विभाग से मुख्य चिकित्सा अधिकारी, उच्चतर शिक्षा विभाग से उपनिदेशक, प्रारंभिक शिक्षा विभाग से उपनिदेशक, वन मंडल अधिकारी भी बैठक में नहीं आए। खाद्य नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता मामले विभाग के जिला नियंत्रक की जगह फूड इंस्पेक्टर बैठक में आए। खनन अधिकारी की जगह माइनिंग इंस्पेक्टर बैठक में भाग लेने पहुंचे।

न लंबित प्रस्तावों के बारे में हुई चर्चा, न बजट हुआ पारित

वीरवार को आयोजित जिला परिषद की बैठक में 16 मार्च से पहले डाले गए प्रस्तावों की चर्चा होनी थी, क्योंकि आचार संहिता की वजह से इसकी प्रगति रिपोर्ट और कब कार्य पूरे होंगे। इसके बारे में अधिकारियों से चर्चा की जानी थी। जिला परिषद के सदस्यों द्वारा बैठक का बहिष्कार करने से न तो प्रस्तावों पर चर्चा हुई और नए कार्यों के लिए बजट पारित हो सका। इसके अलावा नए कार्यों को लेकर भी सदन में चर्चा की जानी थी, अब यह 7 अगस्त को होगी।

अविश्वास प्रस्ताव पर चर्चा से पहले कांग्रेस के नेताओं ने सौंपा निरस्त करने का पत्र

अनंत ज्ञान, हमीरपुर। नगर परिषद हमीरपुर में अध्यक्ष के खिलाफ दिए गए अविश्वास प्रस्ताव को लेकर शुक्रवार को आयोजित मासिक बैठक में चर्चा की जानी थी, लेकिन कांग्रेस के नेताओं ने नगर परिषद के अध्यक्ष पद पर कब्जा करने के लिए अविश्वास प्रस्ताव को निरस्त करने के लिए उपायुक्त अमरजीत सिंह को हस्ताक्षर सहित पत्र सौंपा है। इसमें वार्ड नंबर की नीना चौधरी, वार्ड नंबर 2 के राज कुमार, वार्ड नंबर 5 की राधा रानी, वार्ड नंबर 7 से मनोज कुमार, वार्ड नंबर 9 से पुष्पा शर्मा और वार्ड नंबर 10 से सुशील शर्मा ने हस्ताक्षर कर समर्थन किया है। इसके लिए मनोनीत पार्षद राकेश वर्मा, डॉ हर्ष कालिया, सुनील ठाकुर, निशांत शर्मा और पूर्व पार्षद राजेश चौधरी, अनिल चौधरी और सिटी प्रेसिडेंट शहशाह ने सहयोग के लिए धन्यवाद किया है। हालांकि नगर परिषद के अध्यक्ष पद पर भाजपा के पार्षद को बनाया गया था, लेकिन कांग्रेस सरकार आने के बाद अध्यक्ष ने पासा पलट लिया था।

पार्षदों द्वारा अविश्वास प्रस्ताव देने के बाद अध्यक्ष ने कांग्रेस पार्टी ज्वाइन कर ली थी, ताकि उसकी कुर्सी बची रहे। भाजपा समर्थित पार्षदों में विनय कुमार, संदीप भारद्वाज, वकील सिंह, डिम्पल बाला, पुष्पा शर्मा, सुदेश भारद्वाज ने भी उपायुक्त को पत्र सौंपा जिसमें लिखा है कि 2 मार्च को आपके कार्यालय में अविश्वास प्रस्ताव को लेकर पत्र सौंपा था, इस पर आज दिन तक हमें बैठक की सूचना तक नहीं मिली है। सभी पार्षद चाहते हैं कि शीघ्र बैठक की तिथि दी जाए। इस बारे में उपायुक्त हमीरपुर अमरजीत सिंह ने बताया कि कांग्रेस के नेताओं का प्रस्ताव तो आया है उसे पढ़ रहे हैं। उन्होंने बताया कि कानून को पढ़ने के बाद ही इस पर कोई फैसला लिया जाएगा।

माइक्रो टर्नर्स कंपनी ने किया 26 युवाओं का चयन

हमीरपुर। माइक्रो टर्नर्स प्राइवेट लिमिटेड कंपनी ने 24 जुलाई को औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान हमीरपुर में साक्षात्कार का आयोजन किया, जिसमें प्रदेश के विभिन्न जिलों के लगभग 55 आईटीआई डिप्लोमा धारक युवाओं ने भाग लिया। कंपनी ने इनमें से 26 अभ्यर्थियों का चयन कर लिया। औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान हमीरपुर के प्रधानाचार्य सुभाष चंद शर्मा ने बताया कि कंपनी ने 10 अभ्यर्थियों को पहली अगस्त से ज्वाइन करने के निर्देश दिए हैं, जबकि, 16 अभ्यर्थियों को द्वितीय वर्ष की परीक्षा पास करने के बाद ज्वाइन करने को कहा है।

प्रधानाचार्य ने बताया कि इन चयनित युवाओं को राष्ट्रीय प्रशिक्षुता संवर्धन योजना (एनएपीएस) के अंतर्गत एक वर्ष की अप्रेंटिसशिप ट्रेनिंग दी जाएेगी। ट्रेनिंग के दौरान उन्हें 11,600 रुपए के स्टाइपेंड के अलावा 50 रुपए प्रति घंटा की दर से ओवरटाइम भत्ता भी दिया जाएगा। कंपनी में नियमित रोजगार के बाद अभ्यर्थी की अच्छी परफॉर्मेंस, के बाद निर्धारित अंतराल पर 10 प्रतिशत बढ़ोतरी की जाएगी।

सुजानपुर की घोषणाओं को धरातल पर उतारें मुख्यमंत्री : राजेंद्र राणा

अनंत ज्ञान, सुजानपुर

पूर्व विधायक राजेंद्र राणा ने कहा है कि करीब डेढ़ साल पहले 5 मार्च 2023 को मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू ने अपने सुजानपुर दौरे के द्वारा उनके आग्रह पर सुजानपुर विधानसभा क्षेत्र के लिए कई घोषणाएं की थीं, जो आज भी अमलीजामा पहनाए जाने का इंतजार कर रही हैं और उन सभी घोषणाओं का यहां की जनता को अभी तक कोई लाभ नहीं मिल पाया है।

राजेंद्र राणा ने कहा कि मुख्यमंत्री ने टौणी देवी में डिग्री कॉलेज खोलने की घोषणा की थी और इस बारे नोटिफिकेशन भी हो गई थी, लेकिन अभी तक टेंडर करके इसका काम शुरू नहीं किया गया है। उन्होंने कहा कि सुजानपुर सिविल अस्पताल को 50 बेड से बढ़कर 100 बेड करने की घोषणा और नोटिफिकेशन भी हुई थी, लेकिन इस घोषणा को भी अभी तक पूरा नहीं किया गया है जिससे जनता में निराशा व्याप्त है। मुख्यमंत्री सुक्खू द्वारा सुजानपुर में बस अड्डे के निर्माण की घोषणा भी की गई थी, लेकिन यह मामला सरकार ने ठंडे बस्ते में डाल रखा है। सुजानपुर डिग्री कॉलेज में मुख्यमंत्री ने अंग्रेजी और अर्थशास्त्र में स्नातकोत्तर कक्षाएं शुरू करने की घोषणा भी की थी।

सुजानपुर में वर्तमान कांग्रेस सरकार द्वारा जल शक्ति विभाग और बिजली विभाग के डिवीजन बंद कर दिए गए थे और इन्हें दोबारा खोलने की मुख्यमंत्री की घोषणा भी सिर्फ छलावा साबित हुई है। इससे पहले प्रदेश में जितने भी मुख्यमंत्री हुए हैं, उनके द्वारा की गई घोषणाएं पत्थर की लकीर साबित होती थी, लेकिन मुख्यमंत्री सुक्खू को घोषणाएं करके भूल जाने की शायद आदत हो गई है। प्रदेश सरकार हर मोर्चे पर विफल साबित हो रही है।

महासंघ ने एसडीएम को दिया ज्ञापन

वाईके भारद्वाज, भरेड़ी

उपमंडल भोरंज के तहत संयुक्त पटवारी एवं कानूनगो महासंघ तहकील इकाई भोरंज ने एसडीएम भोरंज को ज्ञापन दिया। इसमें संयुक्त पटवार एवं कानूनगो महासंघ हिमाचल प्रदेश की राज्य स्तरीय बैठक जो कुल्लू में आयोजित हुई, जिसमें प्रदेश के सभी जिलों व तहसीलों के प्रतिनिधि उपस्थित थे।

बैठक में सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया था कि हिमाचल प्रदेश के सभी पटवारी एवं कानूनगो ऑनलाइन कार्य नहीं करेंगे और यदि 17 जुलाई, 2024 तक सरकार महासंघ के प्रति पटवारी कानूनगो की मांगों के बारे गंभीरता पूर्वक विचार नहीं करती है तो हिमाचल प्रदेश के समस्त पटवारी व कानूनगो अतिरिक्त कार्यभार वाले पटवार वृत्तों व कानूनगो वृत्तों की चाबियां संबंधित उच्च अधिकारियों को सौंप देंगे। संयुक्त पटवार एवं कानूनगो महासंघ जिला कार्यकारिणी द्वारा उपायुक्त हमीरपुर की सेवा में 24 जुलाई, 2024 को अतिरिक्त कार्यभार वाले पटवार वृत्तों की चाबियां सौंपने की पूर्व सूचना बारे ज्ञापन प्रस्तुत किया जा चुका है।

अतः संयुक्त पटवार एवं कानूनगो महासंघ हिमाचल प्रदेश की राज्य कार्यकारियों के दिशा निर्देशों की अनुपालना में संयुक्त पटवार एवं कानूनगो संघ तहसील भोरंज अतिरिक्त कार्यभार वाले पटवार वृत्तों खुथड़ी, ढुंगरी व बधानी की चाबियां भी एसडीएम को सपुर्द कर दीं परंतु आपदा राहत कार्यों को यथावत करते रहेंगे।

इस मौके पर संयुक्त पटवार एवं कानूनगो संघ तहसील इकाई भोरंज से आशीष कुमार, पंकज कुमार, रविंद्र कुमार, मनीष कुमार, बिनता, सुभाष कुमार, विवेक ठाकुर, राजेश कुमार, सपना, सपना कुमारी, विकास वर्मा, अभिषेक, कमल देव, अजय कुमार, विनोद कुमार, अंकुश शर्मा, सपना, राजेश शर्मा, तेज कुमार, अश्वनी कुमार, पुष्पलता इत्यादि उपस्थित रहे।

मांगें न मानने को लेकर ज्ञापन सौंपता संयुक्त पटवरी एवं कानूनगो महासंघ।

जिला स्तरीय मासिक मूल्यांकन बैठक में खंड चिकित्सा अधिकारियों को दिए निर्देश

परिवार नियोजन के लिए परामर्श सेवा को दिया जाए बढ़ावा

अनंत ज्ञान, हमीरपुर

जिला स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. संजय जगोता की अध्यक्षता में सीएमओ ऑफिस के कान्फ्रेंस हॉल में जिला स्तरीय मासिक समीक्षा बैठक का आयोजन किया गया। इसमें जिला कार्यक्रम अधिकारी डॉ. अजय अत्री व डॉ राकेश ठाकुर व सभी खंड चिकित्सा अधिकारी, लेखाकार, ब्लॉक कार्यक्रम प्रबंधक उपस्थित रहे।

इस अवसर पर जिला स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. संजय जगोता द्वारा सभी खंड चिकित्सा अधिकारियों को निर्देश दिए गए कि सभी गर्भवती महिलाओं के टीकाकरण व बच्चे के टीकाकरण का डाटा सही व समय पर एक्सेल शीट पर पंजीकृत करें। उन्होंने स्वास्थ्य अधिकारियों को निर्देश दिए कि जो बच्चे टीकाकरण से छूटे गए हैं, उन्हें समय पर टीकाकरण करवाएं और उच्च जोखिम वाली गर्भवती महिलाओं की सही समय पर पहचान व जांच करें और जरूरत पड़ने पर उन्हें आगे रेफर करें।

प्रधानमंत्री सुरक्षित मातृत्व अभियान के दौरान हर महीने की 9 तारीख को गर्भवती महिला की सही तरीके से जांच होनी चाहिए और इसकी रिपोर्टिंग भी समय पर की जानी चाहिए। उन्होंने खंड चिकित्सा अधिकारियों को यह भी निर्देश दिए गए कि परिवार नियोजन के लिए परामर्श सेवा को बढ़ावा दिया जाए जिससे लोगों को परिवार नियोजन के उपायों के बारे में जानकारी मिल सके।

उन्होंने कहा कि उपलब्ध स्वास्थ्य संबंधी आंकड़ों का गहन विशलेषण करें तथा आवश्यक सुधारात्मक कदम तत्काल उठाएं तथा विभिन्न कार्यक्रमों के अंतर्गत आबंटित धनराशि का समय पर खर्च करना भी सुनिश्चित करें।

जिला स्तरीय मासिक समीक्षा बैठक में मौजूद गणमान्य।

स्नातक कक्षाओं में 31 तक ले सकेंगे छात्र दाखिला

सुजानपुर। राजकीय उत्कृष्ट महाविद्यालय सुजानपुर टीहरा में प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय वर्ष की शिक्षण प्रक्रिया 22 जुलाई से प्रारंभ हो गई है। महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. अजायब सिंह बन्याल ने नए छात्रों को एनएसएस, एनसीसी, रोबर रेंजर्स तथा महाविद्यालय की संपूर्ण शैक्षणिक गतिविधियों में बढ़-चढ़कर भाग लेने के लिए प्रोत्साहित किया और महाविद्यालय के अनुशासन संबंधी जानकारी से छात्रों को अवगत कराया। प्राचार्य एवं प्राध्यापक वर्ग ने महाविद्यालय में प्रवेश लेने वाले छात्रों से यह आग्रह किया कि वे शीघ्र अपनी कक्षाओं में आएं जिससे शिक्षण प्रक्रिया सुचारु रूप से चल सकें।

प्रदेश विश्वविद्यालय के निर्देशानुसार स्नातक कक्षाओं की दाखिला प्रक्रिया 31 जुलाई तक पुनः बढ़ा दी गई है जिससे दिए प्रथम, द्वितीय तथा तृतीय वर्ष की कक्षाओं में प्रवेश लेने वाले छात्र महाविद्यालय की साइट पर ऑनलाइन माध्यम से प्रवेश प्रक्रिया को पूर्ण कर सकते हैं। प्राचार्य ने महाविद्यालय में स्नातकोत्तर कक्षाओं के बारे में जानकारी देते हुए कहा कि यदि संभव हुआ तो प्रदेश विश्वविद्यालय से निरीक्षण एवं संबद्धता प्रक्रिया के उपरांत इसी सत्र से एमए अंग्रेजी तथा एमए अर्थशास्त्र की कक्षाएं आरंभ कर दी जाएंगी। इसके लिए इच्छुक अभ्यर्थी 3 अगस्त तक ऑफलाइन माध्यम से प्रवेश फॉर्म जमा करवा सकते हैं।

केंद्र सरकार ने बजट में हिमाचल का विशेष ध्यान रखा है : प्रकाश

अनंत ज्ञान, सुजानपुर। सुजानपुर भाजपा शहरी इकाई सचिव प्रकाश ने कहा है कि वित्तमंत्री निर्मला सीतारमण द्वारा प्रस्तुत बजट गरीब कल्याण का बजट है। बजट में महिलाओं, युवाओं और कल्याण का बजट है। बजट में शहर और गांव के विकास का अनूठा संगम किया है। 152000 करोड़ रुपए का बजट शिक्षा और रोजगार की दृष्टि से उपलब्ध करवाया है। वहीं, एक करोड़ युवाओं को प्रशिक्षण की दृष्टि से 5000 रुपए प्रति माह देना सुनिश्चित किया है ताकि युवा स्वरोजगार की तरफ बढ़ सकें। बजट में हिमाचल का विशेष ध्यान रखा है। फोरलेन और ग्रामीण सड़कों का जाल हिमाचल में बिछ रहा है, बजट का बड़ा लाभ हिमाचल को होगा।

कारगिल दिवस की 25वीं वर्षगांठ पर शहीद सम्मान समारोह बड़सर में

अनंत ज्ञान, बिझड़ी। विधायक इंद्रदत्त लखनपाल ने बताया कि 26 जुलाई को कारगिल दिवस की 25वीं वर्षगांठ के उपलक्ष्य पर बड़सर कोर्ट के पास शहीद सम्मान समारोह का आयोजन किया जाएगा। इस मौके पर कारगिल युद्ध मे वीरगति को प्राप्त वीर सैनिकों के परिजन शामिल होंगे। विधायक इंद्रदत्त लखनपाल ने स्थानीय लोगों से भी इस कार्यक्रम में हिस्सा लेने का आग्रह किया है। इस अवसर पर कारगिल शहीद के परिवारजनों को स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया जाएगा।

स्नेक हैंडलिंग के ऊपर वर्कशॉप का किया आयोजन

सुजानपुर। डिस्ट्रिक्ट डिजास्टर मैनेजमेंट अथॉरिटी कांगड़ा (धर्मशाला) द्वारा स्नेक बाइट अवेयरनेस और स्नेक हैंडलिंग के ऊपर रखी गई वर्कशॉप में सुजानपुर के स्नेक मैन माथुर धीमान ने सांपों के बारे में जानकारी दी। इस अवसर पर डीडीएमए के प्रोजेक्ट डायरेक्टर हरजीत भुल्लर द्वारा माथुर और उनकी बेटी खुशी धीमान को सर्टिफिकेट देकर सम्मानित किया। इस वर्कशॉप में लगभग 40 वॉलिंटियर्स को सांपों से कैसे बचें, सांप घरों में न आएं, सांप अगर बाइट कर जाए तो क्या करें, कितने सांप हमारे परिवेश में पाए जाते हैं, कौन-कौन सांप जहरीले हैं, आदि बातों के साथ तमाम फैली भ्रांतियों के ऊपर प्रशिक्षण दिया गया।

टौणी देवी मंदिर में कारगिल विजय दिवस पर कार्यक्रम आज

सुजानपुर। ब्लॉक कांग्रेस कमेटी सुजानपुर द्वारा कारगिल विजय दिवस सुजानपुर विधानसभा के टौणी देवी देवी मंदिर में सुबह 10:30 बजे मनाया जाएगा। सुजानपुर ब्लॉक कांग्रेस कार्यकारी अध्यक्ष राजेंद्र वर्मा ने बताया कि कार्यक्रम के मुख्य अतिथि सुजानपुर विधानसभा क्षेत्र के विधायक कैप्टन रंजीत सिंह होंगे। उन्होंने लोगों से निश्चित समय पर पहुंचकर इस कार्यक्रम में भाग लेने की अपील की है।

आयोजन विधायक सुरेश ने राज्य स्तरीय सब-जूनियर बैडमिंटन प्रतियोगिता का किया शुभारंभ, कहा-

प्रतिभाशाली खिलाड़ियों को प्रोत्साहित कर रही प्रदेश सरकार

अनंत ज्ञान, हमीरपुर

लड़कों और लड़कियों की राज्य स्तरीय सब-जूनियर (अंडर-15 एवं अंडर-17) बैडमिंटन प्रतियोगिता वीरवार को यहां अणु के साई स्पोर्ट्स सेंटर में आरंभ हुई। इस प्रतियोगिता में 10 जिलों के कुल 148 खिलाड़ी भाग ले रहे हैं। भोरंज के विधायक सुरेश कुमार ने प्रतियोगिता का शुभारंभ किया।

इस अवसर पर सभी प्रतिभागियों को शुभकामनाएं देते हुए सुरेश कुमार ने कहा कि खेलकूद प्रतियोगिताएं बच्चों और युवाओं का सर्वांगीण विकास सुनिश्चित करती हैं और उन्हें देश के अच्छे नागरिक बनने के लिए प्रेरित करती हैं। उन्होंने कहा कि बच्चों और युवाओं को अपनी आम दिनचर्या में कोई न कोई खेल अवश्य खेलना चाहिए। इससे वे शारीरिक और मानसिक रूप से फिट रहेंगे तथा उनके व्यक्तित्व को भी नए आयाम मिलेंगे।

राज्य स्तरीय प्रतियोगिता के आयोजन के लिए हिमाचल प्रदेश बैडमिंटन एसोसिएशन और जिला बैडमिंटन एसोसिएशन के पदाधिकारियों को बधाई देते हुए सुरेश कुमार ने कहा कि मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू के नेतृत्व में प्रदेश सरकार खेलों के ढांचे में व्यापक सुधार और प्रतिभाशाली खिलाड़ियों को प्रोत्साहित करने की दिशा में कई बड़े निर्णय ले रही है।

प्रदेश सरकार ने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पदक जीतने वाले हिमाचल के खिलाड़ियों की पुरस्कार राशि में भारी वृद्धि की है। प्रदेश के सभी जिलों में खेल के मैदानों और स्टेडियमों के निर्माण के लिए बजट का प्रावधान किया जा रहा है।

इस अवसर पर जिला बैडमिंटन एसोसिएशन के अध्यक्ष सुशील सोनी, महासचिव शम्मी सोनी और हिमाचल प्रदेश बैडमिंटन एसोसिएशन के पूर्व महासचिव राजेंद्र शर्मा ने मुख्य अतिथि, अन्य अतिथियों और सभी प्रतिभागियों का स्वागत किया तथा प्रतियोगिता के संबंध में विस्तृत जानकारी दी। उद्घाटन अवसर पर कांग्रेस के वरिष्ठ नेता डॉ. पुष्पेंद्र वर्मा, भोरंज के ब्लॉक अध्यक्ष विजय बन्याल, हिमाचल प्रदेश बैडमिंटन एसोसिएशन के महासचिव रमेश ठाकुर, अन्य पदाधिकारी संजय कालिया, चंद्रशेखर, ज्ञान चंद, बलवीर पटियाल, प्रदीप ठाकुर और अन्य गणमान्य लोग भी उपस्थित थे।

लड़कों और लड़कियों की राज्य स्तरीय सब जूनियर प्रतियोगिता के शुभारंभ पर मौजूद गणमान्य।

न्यूज ब्रीफ

किसानों के लिए अनुदान की सुविधा उपलब्धः जितेंद्र

अनंत ज्ञान, भरमौर। विषय वाद विशेषज्ञ कृषि विभाग भरमौर जितेंद्र वर्धन ने बताया कि कृषि विभाग द्वारा संचालित किसानों के लिए विभिन्न योजनाओं पर अनुदान की सुविधा उपलब्ध है। उन्होंने बताया कि मुख्यमंत्री खेत संरक्षण योजना के अंतर्गत किसानों को 70 प्रतिशत का अनुदान विभाग द्वारा दिया जा रहा है। इसी तरह मुख्यमंत्री कृषि संवर्धन योजना के अंतर्गत 50 प्रतिश का अनुदान, मुख्यमंत्री फसल बीमा योजना के अंतर्गत कृषक किस्सा बीमित राशि का अधिकतम 2 प्रतिशत शेष केंद्र व प्रदेश सरकार द्वारा आधा-आधा वहन सहित अनुदान किसानों को उपलब्ध करवाया जा रहा है।

वॉलीबॉल प्रतियोगिता का आयोजन 3 अगस्त से

अनंत ज्ञान, भरमौर। स्व. श्री रांझा राम मेमोरियल वॉलीबॉल प्रतियोगिता का आयोजन 3 अगस्त से लेकर 4 अगस्त तक किया जाएगा। इसकी जानकारी देते हुए युवक मंडल खणी बिहाट के प्रधान आर्यन सिंह ठाकुर ने कहा है कि इस वालीवाल प्रतियोगिता में हिमाचल प्रदेश के खिलाड़ियों को ही शामिल किया जाएगा। उन्होंने कहा है कि 2 दिन तक चलने वाली इस प्रतियोगिता में विजेता को 15000 रुप नगद और उप विजेता को 9000 के नगद तक मोमेंटम के साथ सम्मानित किया जाएगा।

डॉक्टर की टीम ने लिया जोगिंद्रनगर सिविल अस्पताल का जायजा

अभिषेक शर्मा, जोगिंद्रनगर। पीलिया रोग की रोकथाम बारे में जिला स्वास्थ्य विभाग की रैपिड रिस्पांस टीम की नींद भी टूटी है। डॉ. दिनेश ठाकुर के नेतृत्व में जिला के चिकित्सकों का एक

दल जोगिंद्रनगर सिविल अस्पताल पहुंचा जहां टीम ने मौका हालात का जायजा लिया तथा मरीजों से बातचीत की। डॉ. दिनेश ठाकुर ने बताया कि अब तक सिविल अस्पताल में करीब 84 मरीज पीलिया का उपचार करवा चुके है जिसमें कुछ दाखिल भी है। उन्होंने कहा कि बरसात के समय ऐसे मामले आते है इसले पैनिक होने की जरूरत नहीं है। लोगों से अपील की वह खुले में शौच न करें इससे वायरस पानी में चला जाता है। पानी को उबालकर ठंडा करके पिएं जिससे कीटाणु मर जाते हैं। यह संक्रमित रोग है जिसको लेकर साफ सफाई रखें।

पुलिस से सेवानिवृत सहायक निरीक्षक की हार्ट अटैक से मौत

सुनील शर्मा, गोहर। चच्योट गांव निवासी प्रेम सिंह की वीरवार को दिल का दौरा पड़ने से मौत हो गई। प्रेम सिंह पुलिस में सहायक उप निरीक्षक के पद पर अपनी सेवाएं दे चुके हैं। जानकारी के अनुसार वे सुबह सैर के लिए अपने घर से निकले लेकिन रास्ते में अचानक दिल का दौरा पड़ गया, जिससे मौके पर ही उनकी दुखद मौत हो गई। वीरवार शाम को उन्हें अंतिम विदाई देते हुए गोहर पुलिस भी मौके पर पहुंची। दिवंगत आत्मा को थाना प्रभारी लाल चंद ठाकुर व उनकी टीम ने सलामी दी।

भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा प्रदेश भर में करेगा कार्यक्रम

अनंत ज्ञान, शिमला। भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा हिमाचल के लोगों को महान वैज्ञानिक और पूर्व राष्ट्रपति स्वर्गीय अब्दुल कलाम आजाद की जीवनी बताएगा। उनका सम्पूर्ण जीवन किस तरह से भारत देश के काम आया और उन्होंने कैसे मानवता की सेवा की इसकी पूरी जानकारी अल्पसंख्यक समुदाय को दी जाएगी। इसके लिए भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा पूरे प्रदेश में 27 जुलाई को विशेष कार्यक्रम करेगा। दिल्ली से अल्पसंख्यक मोर्चा के प्रदेश प्रभारी और राष्ट्रीय कार्यकारिणी सदस्य डॉ असलम प्रदेश स्तरीय कार्यक्रम के लिए शिमला आएंगे। अध्यक्ष बिलाल अहमद शाह ने बताया कि प्रदेश प्रभारी डॉ असलम शिमला में होने वाले कार्यक्रम में शिरकत करेंगे। अल्पसंख्यक मोर्चा के जिला पदाधिकारी सभी जिलों में डॉ. कलाम के जीवन पर आधारित कार्यक्रमों का आयोजन करेंगे।

भरमौर में एक ही अधिकारी के हवाले कई विभागों के कार्यभार

विकास खंड अधिकारी का पद खाली

अनंत ज्ञान, भरमौर

विधानसभा क्षेत्र भरमौर में लगभग सभी विभागों में स्टाफ की कमी चल रही है जिस कारण यहां के विकास कार्य बुरी तरह प्रभावित हो रहे हैं। यहां तक कि सिंगल लाइन एडमिनिस्ट्रेशन के मुखिया एडीएम का पद पिछले कई महीनों से खाली है तो अन्य विभागों की क्या हालत होगी। यही कारण है कि वर्तमान समय में भरमौर के एसडीएम के हवाले ही ये कार्यभार चल रहा है, यही नहीं पिछले कई महीनों से रिक्त चल रहे विकास खंड अधिकारी का कार्यभार भी एसडीएम ही देख रहे हैं।

गत फरवरी में यहां से खंड विकास अधिकारी का तबादला हो गया था जिसके बाद अभी तक सरकार द्वारा यह पद नहीं भरा गया है। इसके अतिरिक्त एसडीएम भरमौर के पास अन्य कई विभागों के भी कार्यभार हैं, जिसमें उच्च शिक्षा,पर्वतारोहण संस्थान, खाद्य एवं आपूर्ति, कराधान तथा सिंगल लाइन एडमिनिस्ट्रेशन के तहत वे सभी विभाग जो यहां कार्यरत हैं। एक ही अधिकारी के पास इतने अधिक विभागों का भार होने के कारण कार्य की अधिकता बहुत ज्यादा है। विकास खंड जैसे अति महत्वपूर्ण विभाग में खंड विकास अधिकारी न होने के कारण यहां पर पंचायत के विकास कार्य भी बुरी तरह से प्रभावित हो रहे हैं। खंड विकास अधिकारी का पद पिछले 6 माह से खाली चलने के कारण यहां पर पंचायत के विकास कार्यों पर भी बुरा असर पड़ रहा है। जिस कारण पंचायत में विकास कार्य भी ठप्प गए हैं। इसकी अतिरिक्त विधानसभा क्षेत्र भरमौर में दूसरे विभाग जिसमें शिक्षा विभाग, स्वास्थ्य विभाग, जल शक्ति विभाग पशुपालन, विभाग कृषि विभाग सहित कई दूसरे विभागों में भी स्टाफ की भारी कमी चल रही है।

लोग हो रहे परेशान : शिशु

भरमौर के स्वयंसेवी कुगति निवासी शिशु कुमार का कहना है कि यहां पर स्टाफ की कमी के चलते क्षेत्र के लोगों को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। उनका कहना है कि यहां पर मणिमहेश सीजन आने वाला है और स्टाफ की भारी कमी है।

यहां पर खंड विकास अधिकारी का पद पिछले 6 महीने से खाली चला हुआ है जिसके कारण पंचायती राज व पंचायत में विकास कार्य ठप पड़े हुए हैं।

विकास की गति पड़ी धीमी : श्याम

प्रधान संघ भरमौर के अध्यक्ष श्याम ठाकुर का कहना है कि भरमौर में स्टाफ की कमी के चलते लोगों को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। पंचायती राज संस्थाओं के द्वारा लोगों को रोजगार दिया जाता है और लोगों को घर द्वार पर रोजगार मिलता है, लेकिन विकास खंड अधिकारी का पद खाली होने के चलते पंचायतों को भी काफी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है और पंचायत में विकास कार्य की गति धीमी पड़ गई है।

सरकार लोगों को कर रही प्रताड़ित : जनकराज

सरकार जनजातीय लोगों को प्रताड़ित करने के सिवाय और कुछ नहीं कर रही। इस विषय को कई बार सरकार और सरकार के मंत्रियों के समक्ष उठाया पर इस भेदभाव और तुष्टिकरण करने वाली सरकार है जो केवल सत्ता सुख भोगने और बदले की भावना के साथ काम तानाशाही रवैये के साथ काम कर रही है।

शिक्षक सुभाष चंद को मिला नेशनल एक्सीलेंस टीचर्स अवार्ड

अनंत ज्ञान, चंबा। जिला चंबा के शिक्षा खंड गैहरा राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय लड्डा में कार्यरत टीजीटी हिंदी शिक्षक सुभाष

चंद को वैलरेड फाउंडेशन पश्चिमी बंगाल की ओर से नेशनल एक्सीलेंस टीचर्स अवार्ड से सम्मानित किया गया है। वहीं टीजीटी हिंदी शिक्षक सुभाष चंद को जगह-जगह से शुभकामनाएं मिलने दौर शुरू होने सहित तमाम शिक्षा विभाग अधिकारियों ने उन्हें इस उपलब्धि के बधाई दी है।

गौर हो कि गत वर्ष 2023 में उम्मीदों तक प्रयास नामक एक एकल काव्य संग्रह का प्रकाशन भी किया है जिसमें हिन्दी व गदियाली भाषा में इनकी लगभग 40 कविताएं हैं। कुल मिलाकर अब तक लगभग 300 से अधिक कविता लिख चुके हैं। इसके अतिरिक्त काव्य कोकिला तथा ज्ञान सरिता नामक 2 साझा काव्य संग्रह में भी इन्होंने काम किया है। विश्व हिंदी रचनाकार मंच आगरा की ओर से हिंदी भाषा के प्रचार प्रसार के लिए हिंदी सागर सम्मान से भी सम्मानित किया जा चुका है। शिक्षक सुभाष चंद अध्यापक के साथ-साथ एक कवि, लेखक व शिक्षा विद भी हैं।

होली-नयाग्रां रोड पर पिकअप दुर्घटनाग्रस्त, चालक की मौत

अनंत ज्ञान, भरमौर

होली नयाग्रां सड़क पर कबाड़ से लदी पिकअप दुर्घटनाग्रस्त होने से चालक की मौत हो गई है। गाड़ी में सवार दो अन्य लोग हादसे में दो लोग घायल हुए हैं जिन्हें सीएचसी होली में प्राथमिक उपचार के बाद चंबा रेफर कर दिया है।

जानकारी के अनुसार पिकअप कबाड़ का सामान लोड करके नयाग्राम से चंबा की तरफ जा रही थी। कुलेठ घार में चढ़ाई होने पर गाड़ी अनियंत्रित होकर गहरी खाई में जा गिरी। हादसे में चालक विवेक कुमार उर्फ बॉबी 25 निवासी रूणहकोठी (जगत) की मौत हो गई है। जबकि एक घायल गौरव पुत्र मदन का उपचार चल रहा है।

जुब्बल के दोची में ट्रैक्स दुर्घटनाग्रस्त, 15 सवारियां चोटिल

दशमी रावत, जुब्बल

जुब्बल के दोची में वीरवार दोपहर शिमला से रोहड़ू की ओर सवारियों को लेकर आ रही ट्रैक्स एचपी 01ए 4405 दुर्घटनाग्रस्त हो गई। पुलिस के अनुसार ट्रैक्स में उस समय 15 व्यक्ति सवार थे जिसमें 12 सवारियां 2 बच्चे व एक चालक था।

ट्रैक्स चालक ने पुलिस को बताया कि दोची के पास एक बस व एक आल्टो कार ने ट्रैक्स को ओवरटेक किया, उसी वक्त सिधी तरफ के टायर का चक्का खुल गया और गाड़ी अनियंत्रित होकर सड़क पर ही 4-5 बार पलट गई। कुछ सवारियों को हल्की व कुछ को गंभीर चोटें आई है और उन्हें उपचार के लिए सिविल अस्पताल रोहड़ू पहुंचाया गया। घायल व्यक्तियों में रमेश (34) गांव चिडगांव, विक्रम (30) गांव हांऊचली, मोहन सिंह (45) गांव टिक्कर बल्ह मंडी, कपिल चौहान (40) गांव खिलाडगी, विशन देवी (54) गांव बटाडी, प्रदीप (50) गांव अंबोटा ऊना, हेमा (24) गांव झलवाडी, उर्मिला (23) गांव डोडरा क्वार, शारुन (4) गांव डोडरा क्वार, नरेशी (28) गांव रामपुर, रिया (5) गांव रामपुर, सुरेश चंद (45) जुब्बली चौपाल, सुषमा (48) गांव धगोली, दीवान सिंह (49) गांव झटवाडी व वाहन चालक गौरव (32) कृष्णा काटेज नाभा हाऊस शिमला शामिल है। एसडीपीओ रविंद्र नेगी ने बताया कि मामले की जांच की जा रही है्।

कियाणी में लगाया पशु स्वास्थ्य जांच शिविर

अनंत ज्ञान, चंबा

शिविर के दौरान मौजूद गणमान्य।

आश्रय फाउंडेशन और एचडीएफसी बैंक परिवर्तन के तत्वावधान में समग्र ग्रामीण विकास कार्यक्रम के तहत पशुपालन विभाग के सहयोग से कियाणी में पशु स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन किया गया ।

आश्रय फाउंडेशन से सहायक कार्यक्रम प्रबंधक सुरभि महाजन ने जानकारी देते हुए बताया कि शिविर में पशु चिकित्सक डॉ. शिवानी ने पशुओं की स्वास्थ्य जांच करने के साथ लोगों को जानवरों को दवाओं की मात्रा, उचित चारा और जानवरों की बीमारियों को रोकने के तरीकों के बारे में जानकारी प्रदान की।

शिविर में 35 पशुओं की स्वास्थ्य जांच की गई तथा 12 लोगों के घरों में जाकर भी उनके माल-मवेशियों के स्वास्थ्य को जांच कर आवश्यक दवाइयां वितरित की गई। फार्मासिस्ट अक्षय कुमार आश्रय फाउंडेशन से खुशी और अनिल कुमार ने हिस्सा लिया ।

सेना में भर्ती की जानकारी के लिए मेले में लगेगा स्टॉल

अनंत ज्ञान, चंबा। भारतीय सशस्त्र सेना में भर्ती से संबंधित संपूर्ण जानकारी के लिए अंतर्राष्ट्रीय मिंजर मेला- 2024 में एक स्टॉल लगाया जा रहा है।

उपनिदेशक सैनिक कल्याण कैप्टन अनुमेहा पराशर ने जानकारी देते हुए बताया कि सेना भर्ती कार्यालय पालमपुर के निदेशक कर्नल मनीष शर्मा की अगुवाई में अंतर्राष्ट्रीय मिंजर मेले के दौरान 28 जुलाई से 04 अगस्त तक युवाओं को सेना में भर्ती होने से संबंधित संपूर्ण जानकारी उपलब्ध करवाई जाएगी। उन्होंने सेना में भर्ती के इच्छुक युवाओं से इस दौरान जानकारी प्राप्त करने का आग्रह किया है ।

मिंजर मेले की तैयारियों को लेकर डीसी ने व्यवस्थाओं का लिया जायजा

अनंत ज्ञान, चंबा

अंतरराष्ट्रीय मिंजर मेला-2024 के तहत उपायुक्त मुकेश रेपसवाल ने आज चंबा के ऐतिहासिक चौगान में मेले के सफल आयोजन को लेकर की जा रही विभिन्न तैयारियों एवं व्यवस्थाओं का जायजा लिया तथा अधिकारियों को सभी प्रबंध-व्यवस्थाओं को जल्द पुरा करने को कहा।

उपायुक्त ने संबंधित अधिकारियों को मेले के दौरान चौगान में बेहतर साफ-सफाई व्यवस्था सुनिश्चित बनाने के निर्देश देते हुए सिंगल यूज प्लास्टिक पर पूर्ण प्रतिबंध सुनिश्चित बनाने

निरीक्षण करने के दौरान डीसी व अन्य अधिकारी।

को भी निर्देशित किया । उपायुक्त के साथ इस दौरान अतिरिक्त ज़िला दंडाधिकारी अमित मैहरा, एसडीएम चंबा अरुण शर्मा, सहायक आयुक्त पीपी सिंह उपस्थित रहे।

सैहली में एक वर्ष से विकास कार्य ठप

अनंत ज्ञान, भरमौर

विकास खंड भरमौर की ग्राम पंचायत सैहली के वार्ड नंबर 5 सुनकर में पिछले 1 साल से पंचायत के सभी विकास कार्य ठप पड़े है। विकास कार्य बंद होने के चलते यहां ग्रामीणों में भारी आक्रोश है। केंलग बजीरी युवक मंडल सुनकर के अध्यक्ष प्रवीण कुमार ने कहा है कि उनके वार्ड नंबर 5 सुनकर में पिछले एक साल से पंचायत के द्वारा कोई भी विकास कार्य नहीं करवाया गया है। उन्होंने कहा है कि यहां पर रोजगार का कोई अन्य साधन नहीं है। पिछले 1 वर्ष से यहां पर पंचायत के द्वारा एक भी विकास कार्य नहीं करवाया गया है।

ग्रामीणों में महालों राम चमन कुमार, प्रवीण कुमार, जनक राज,

एसडीएम को ज्ञापन सौंपने के दौरान स्थानीय लोग।

नाराज लोगों ने एसडीएम को सौंपा ज्ञापन

पूजा कुमारी, देशराज, रोशन कुमार, विजय कुमार सहित तमाम ग्रामीणों ने एडीएम भरमौर से गुहार लगाई है कि उनके पंचायत के वार्ड नंबर पांच सुनकर में जल्द से जल्द विकास कार्य व पंचायती राज के कार्य को शुरू किए जाए ताकि लोगों को घर द्वार पर रोजगार मिल सके। उधर इस विषय पर कार्यकारी एडीएम भरमौर कुलबीर सिंह राणा ने कहा कि वार्ड में विकास कार्य रुके होने की शिकायत की है। इस विषय पर जल्द से जल्द उचित कदम उठाए जाएंगे ।

उप प्रधान ग्राम पंचायत सैहली सुभाष कुमार ने कहा कि इस वार्ड के लोगों की मांग बिल्कुल जायज है और यहां पर पिछले 1 वर्ष से कोई भी विकास कार्य नहीं हो पाया है।

पटवारी-कानूनगो महासंघ ने दफ्तर की सौंपी चाबियां

रितेश चौहान, सरकाघाट

उपमंडल सरकाघाट के पटवारी-कानूनगो महासंघ का एक प्रतिनिधिमंडल ब्लाक अध्यक्ष हंसराज की अध्यक्षता में अपनी मांगों को लेकर एसडीएम सरकाघाट स्वाति डोगरा से मिला और उन्हें ज्ञापन सौंपा।

इसके अलावा संघ ने आपदा के अलावा ऑनलाइन कार्य करने बंद किए जाने एवं पटवार सर्कल व कानूनगो सर्कल के अतिरिक्त कार्यभार वाले कार्यालयों की चाबियां तहसीलदार मनीष शर्मा को सौंपी, जिसके कारण आज से प्रतिनियुक्ति पर चल रहे पटवार सर्कलों पर ताले लग गए हैं। पटवार कानूनगो महासंघ के जिला सचिव अभिषेक ने बताया कि पटवारी-कानूनगो के लिए जिला केडर से स्टेट कैडर किए जाने व पटवार कानूनगो के रिक्त पदों वाले कार्यालय का अतिरिक्त कार्यभार दिए जाने पर विरोध स्वरूप यह कदम उठाया गया है। उन्होंने कहा कि ऐसी कई मांगों को पूरी नहीं किए जाने पर संगठन द्वारा विरोध का बिगुल बजाया गया है, इसलिए अतिरिक्त कार्यभार वाले कार्यालयों की चाबियां सौंपी गई हैं।

मांग रखी गई है कि पटवार कानूनगो संगठन द्वारा रखी गई मांगों को जल्द पूरा किया जाए ताकि सभी कार्य सुचारू रूप से चल सकें। इस मौके पर उपप्रधान नंद लाल, अनिल कुमार, जगदीश चंद्र, प्रशांत कुमार, अल्पना और दलीप सिंह उपस्थित रहे।

लोगों ने सेल्फी प्वाइंट की मरम्मत करने की उठाई मांग

अनंत ज्ञान, भरमौर

भरमौर व थाना प्रभारी भरमौर को शरारती तत्वों द्वारा सेल्फी प्वाइंट को तोड़ने को लेकर ज्ञापन सौपा। ज्ञापन में मुख्य रूप से मांग उठाई गई की बीते कुछ दिन पहले भरमौर में एक सौंदर्य करण की जगह है जिसमें काफी बड़े-बड़े अक्षरों में आई लव भरमौर लिखा हुआ था, जिसको बीते कुछ दो से तीन दिन पहले शरारती तत्वों ने रात को तोड़फोड़ दिया ।

सेल्फी प्वाइंट को लेकर ज्ञापन सौंपते हुए गणमान्य।

फाउंडेशन ने मुख्यतः रूप से एसडीम महोदय से मांग की वहां पर जो जमीन सतह थी वह भी लगभग पिछले एक साल से धंस चुकी है उसकी प्राथमिकता के आधार पर रिपेयर की जाए । झोंलग फाउंडेशन के अध्यक्ष शिशु कुमार ने कहा है मणिमहेश की प्रसिद्ध यात्रा शुरू होने के पहले उसको पुनः बनाया जाए। एसडीएम भरमौर द्वारा इस समस्या को तत्काल प्रभाव से निवारण करने के लिए निवेदन किया तथा थाना प्रभारी से यह निवेदन किया कि जिन भी शरारती तत्वों ने यह हरकत की है सीसीटीवी कैमरा में जो भी पाए जाते हैं उन पर कड़ी से कड़ी कारवाई होनी चाहिएं।उधर इस विषय पर एएसआई भरमौर यशपाल शर्मा ने कहा है कि उन्हें इस विषय को लेकर एक शिकायत पत्र मिला है जिस पर तुरंत कार्यवाही की जाएगी।

भरमौर के विधायक डॉक्टर जनक राज ने कहा है कि उन्होंने परियोजना सलाहकार समिति की बैठक में इस मुद्दे को मंत्री के सामने उठाया था और इसके लिए बजट का प्रावधान भी कर दिया है। संबंधित विभाग को जल्द से जल्द इसे बनाने की निर्देश भी दे दिए गए हैं।

सूडोकु 0007 (कठिन)

					1	4		
	9					5	8	
			7	9				
			2				6	7
4								3
5	8				9			
				8	5			
	7	6					1	
		9	3					

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं।
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3 गुणा 3 के वर्ग में पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें।
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते।
- पहेली का केवल एक ही हल है।

सूडोकु 0006 का हल

7	8	9	2	3	1	6	5	4
3	2	4	6	5	9	7	8	1
6	5	1	8	4	7	2	9	3
5	1	7	3	9	8	4	6	2
4	6	8	5	1	2	9	3	7
9	3	2	4	7	6	8	1	5
1	4	6	9	2	3	5	7	8
2	9	3	7	8	5	1	4	6
8	7	5	1	6	4	3	2	9

जीवन ठाकुर ने सिविल अस्पताल का दौरा कर जानी समस्याएं

अनंत ज्ञान, जोगिंद्रनगर

जीवन ठाकुर मरीजों का हाल-चाल पूछते हुए।

जोगिंद्रनगर में फैले पीलिया के रोग को लेकर प्रदेश कांग्रेस सचिव जीवन ठाकुर ने सिविल अस्पताल का दौरा किया तथा मरीजों का हालचाल जाना तथा जल शक्ति विभाग को आवश्यक आदेश जारी किए। उन्होंने कहा कि मरीजों से बातचीत में पाया गया है जिन युवाओं ने पुलिस थाना चौक तथा बस अड्डा में स्थापित वाटर कूलरों से पानी का सेवन किया है, वह इस रोग की चपेट में ज्यादा आए हैं। जीवन ठाकुर ने कहा कि अस्पताल में बिस्तरों की कमी को देखते हुए 30 बैड अस्पताल प्रशासन को मुहया करवा दिए जाएंगे।

विधायक को विधायक निधि के तौर पर हर वर्ष 2 करोड़ 20 लाख रुपये मिलते है लेकिन वह बताएं कि उन्होंने इस राशि को कहां व्यय किया। जीवन ठाकुर ने विधायक पर पलटवार करते हुए उनसे पूछा कि जोगिंद्रनगर में जल शक्ति विभाग के तहत 600 से 700 करोड़ रू खर्च किए गए विधायक बताये कि यहां पर फिल्टर टैंक क्यों नहीं बनाए गए।

बेटी ने की मनमर्जी से शादी परिवार ने जलाई सभी निशानियां

अनंत ज्ञान, सुंदरनगर

मंडी जिला के सुंदरनगर उपमंडल की ग्राम पंचायत महादेव के एक गांव में एक परिवार ने अपनी बेटी की सभी निशानियां जलाकर राख कर दी। क्योंकि उक्त 25 वर्षीय बेटी ने अपनी मर्जी से इंटरकास्ट मैरिज कर ली। जिसके बाद बेटी का परिवार गुस्से में था।

उक्त परिवार ने गांव के एक खेत में बेटी का पुराना सामान इकट्ठा किया और उसे आग के हवाले कर दिया। जानकारी के अनुसार बीते 15 जुलाई 2024 को महादेव क्षेत्र के एक गांव की लड़की ने अपने ही गांव के एक लड़के से इंटर कास्ट मैरिज कर ली जिसके बाद लड़की के परिजन भड़के उठे।

हालांकि कानूनी तौर पर लड़की ने बिलासपुर कोर्ट में शादी करने के बाद फोटो और कागज अपनी मासी की लड़की को भेज दिए थे ताकि परिवार को पता चल सके कि उसने शादी कर ली है।

अनंत ज्ञान — आज का राशिफल

बॉबी गोस्वामी, पुजारी,श्री चामुंडा नंदीकेश्वर धाम

आज का पंचांग

26 जुलाई, 2024, शुक्रवार

विक्रमी संवत : 2081, **शक संवत :**1946 (क्रोधी), **मास :** आषाढ़, **तिथि** षष्ठीः (11:32) : **नक्षत्र :** उत्तराभाद्रपद (2:31), **पक्ष :** कृष्ण, **योगः** सुकर्म (1:31) **शुभ मुहूर्त :** अभीजित (12:00-12:54), **राहुकाल** (10:45 -12:27 ।

विशेष दिन

- कारगिल विजय दिवस आज।
- 27 जुलाई 2024 : शीतला सप्तमी (उड़ीसा) में कल।

मेषः जो भी काम लगन के साथ करेंगे उसका फल उसी समय मिल सकता है। बिजनेस के मामले में थोड़ा सा जोखिम उठाएं तो बड़ा लाभ होने की आशा है।

वृषभः ध्यान नई योजनाओं में लगेगा। किसी देवस्थान की यात्रा से मन को सुकून मिलेगा। कानूनी विवाद में सफलता, स्थान परिवर्तन की योजना सफल हो सकती है।

मिथुनः किसी रचनात्मक और कलात्मक काम को पूरा करने में आप दिन बिता सकते हैं। जो काम आपको सबसे प्रिय है आज वहीं करने को मिलेगा।

कर्कः आज का दिन काफी सृजनात्मक है, जो भी काम लगन के साथ करेंगे आज उस का फल उसी समय मिल सकता है। अधूरे काम निपट जाएंगे, महत्वपूर्ण चर्चाएं होंगी।

सिंहः आज का दिन वैसे तो काफी व्यस्त रखने वाला है, लेकिन धर्म-आध्यात्म के मामले पढ़ाई लिखाई के लिए थोड़ा समय निकाल लेना ही अच्छा होगा।

कन्याः आज आपसी वार्ता व्यवहार में संयम व सावधानी बरतें। आसपास के लोगों से टकराव की नौबत न आए इस बात का ध्यान रखें। किसी शुभ मंगल कार्य की चर्चा हो सकती है।

तुलाः कार्य व्यवहार से जुड़े सभी विवाद आज सुलझ सकते हैं। नए प्रोजेक्ट पर भी कुछ काम शुरु हो सकता है। जायदाद के मामले में लोग कुछ परेशानी पैदा करने की कोशिश करेंगे।

वृश्चिकः माली हालात को लें तो आज का दिन काफी मजबूत है। दिन भर लाभ के अवसर प्राप्त होंगे। अतः प्रयत्नशील रहें। परिवार में सुख शांति और स्थिरता का आनंद उठाएं।

धनु : आज का दिन सावधानी और सतर्कता का है। बिजनस के मामले में थोड़ा सा जोखिम उठाएं तो बड़ा लाभ होने की आशा है। रोजमर्रा के कामों से परे कुछ नए कामों में हाथ आजमाएं।

मकरः आज का दिन सामान्य है। भागीदारी-साझे में किया व्यापार काफी फायदा पहुंचाएगा। रोजमर्रा के घरेलू कामों को निबटाने का आज सुनहरा मौका है।

कुंभः स्वास्थ्य के प्रति सावधानी बरतें। मौसम परिवर्तन से शीतोष्ण विकार उत्पन्न हो सकते हैं। खान-पान में लापरवाही न बरतें। व्यापार के मामले में दिन सुखद व्यतीत होगा।

मीनः व्यापार में जोखिम उठाने का परिणाम आज हितकर होगा। परेशानियों को धैर्य और अपने मृदु व्यवहार से सुधार कर ठीक किया जा सकता है। बुद्धि का प्रयोग कर आप वह सब कुछ पा सकते हैं।

ऑनलाइन काम रोकने से लटके हजारों युवाओं के प्रमाण पत्र : जयराम

अनंत ज्ञान, शिमला

नेता प्रतिपक्ष जयराम ठाकुर ने कहा कि प्रदेश में पटवारी द्वारा ऑनलाइन काम रोक दिया गया है। जिसके कारण प्रदेश भर के युवाओं के प्रमाणपत्र नहीं बन पा रहे हैं।

युवा अपने प्रमाण पत्रों के लिए दर दर भटकने को मजबूर हैं लेकिन सरकार को इससे कोई फर्क नहीं पड़ रहा है। सरकार किसी भी मुद्दे पर भीरता दिखने से परहेज कर रही है। सरकार किसी भी प्रकार की अव्यवस्था की स्थिति में त्वरित समाधान निकालने की दिशा में कोई काम नहीं करती है। सरकार के कुप्रबन्धन का नुकसान प्रदेश के लोगों को उठाना पड़ता है। सरकार जनता के सरोकारों से बहुत दूर हो गई है। अन्यथा इतने महत्वपूर्ण विषय के समाधान का कोई न कोई प्रयास अवश्य करती। उन्होंने कहा कि जल्दी से जल्दी सरकारी सुनिश्चित करेगी युवाओं को आवश्यक प्रमाणपत्र अति शीघ्र मिल सके। नेता प्रतिपक्ष ने कहा कि पटवारी द्वारा ऑनलाइन काम नहीं किया जा रहा है। जिसके कारण युवाओं के विभिन्न प्रमाण पत्रों के सत्यापन का कार्य रुका हुआ है। शैक्षणिक क्षेत्रों में हर जगह प्रवेश प्रक्रिया चल रहे हैं।

इस दौरान युवाओं को विभिन्न प्रकार के प्रमाण पत्रों की आवश्यकता होती है।

हिमाचल में कई जगह नहीं हो रही बारिश, सूखे से लोग परेशान

अनंत ज्ञान, शिमला

हिमाचल में कई जगह पर अभी भी बारिश नहीं हो रही है। ऐसे में लोग परेशान है। मौसम विभाग द्वारा बार बार बारिश का अलर्ट जारी किया जा रहा है, लेकिन उस हिसाब से बारिश नहीं हो रही है। कई जगह पर मौसम विभाग की भविष्यवाणी फेल हो रही है। अब 27 से 30 जुलाई तक कई क्षेत्रों में भारी बारिश का येलो अलर्ट जारी हुआ है।

प्रदेश में मानसून कमजोर पड़ गया है। अब तक मानसून सामान्य से 40 फीसदी कम बरसा है। 27 जून से 24 जुलाई तक प्रदेश में 293 मिलीमीटर बारिश को सामान्य माना गया है, लेकिन इस अवधि में 177 मिलीमीटर बारिश ही दर्ज हुई है। प्रदेश के सभी जिलों में सामान्य से कम बारिश होने के चलते कई क्षेत्रों में सूखे जैसे हालात बन गए हैं। मैदानी और मध्य पर्वतीय क्षेत्रों में नदी-नाले सूखने लगे हैं। बावड़ियों में भी पानी की मात्रा कम हो गई है। मौसम विज्ञान केंद्र शिमला के अनुसार मानसून कुछ दिन सक्रिय होने के बाद अब कमजोर पड़ गया है। इस कारण पूरे प्रदेश में सामान्य बारिश नहीं हो रही है। आने वाले दिनों में मानसून के सक्रिय होने का पूर्वानुमान है।

प्रदेश में बीते एक माह के दौरान लाहौल-स्पीति में सामान्य से सबसे कम 76, सिरमौर में 59, किन्नौर में 52, ऊना में 50 और चंबा में 49 फीसदी बारिश दर्ज हुई। बिलासपुर में सामान्य से 33, हमीरपुर में 40, कांगड़ा में 15, कुल्लू में 36, मंडी में 23, शिमला में 25 और सोलन में 44 फीसदी कम बारिश हुई है। जुलाई में प्रदेश भरे में सामान्य से 32 फीसदी कम बादल बरसे हैं। सिर्फ जिला कांगड़ा में सामान्य से 6 फीसदी अधिक बारिश हुई। 1 से 24 जुलाई तक प्रदेश में 131 मिलीमीटर बारिश रिकॉर्ड हुई। इस अवधि में 192 मिलीमीटर बारिश को सामान्य माना गया है। प्रदेश में 27 जून को मानसून ने प्रवेश किया था। बीते करीब एक माह के दौरान सिर्फ दो से तीन बार ही प्रदेश में अच्छी बारिश हुई। अधिकांश क्षेत्रों में अभी तक मानसून पूरी तरह सक्रिय नहीं हुआ है। मैदानी जिलों में बारिश कम होने के चलते मौसम में उमस बढ़ गई है।

यदि हमारे मन में शांति नहीं है तो इसकी वजह है कि हम भूले चुके हैं कि हम एक-दूसरे के हैं। -मदर टेरेसा

संपादकीय

पर्यटकों की बहार

हिमाचल प्रदेश में इस बार पर्यटकों की बहार आ गई है। पर्यटकों का बड़ी तादाद में हिमाचल आना शुभ संकेत है। निश्चित रूप से इससे राज्य के पर्यटन कारोबार को पंख लगेंगे, जिससे प्रदेश की आर्थिकी को बल मिलेगा। सैलानियों को हिमाचल की वादियां इतनी भा गई हैं कि इस साल के पिछले छह महीनों में हिमाचल प्रदेश में 1.87 करोड़ पर्यटक पहुंच चुके हैं। कुल्लू में सबसे अधिक 473737 और शिमला में 448392 पर्यटकों ने भ्रमण किया। हिमाचल में पर्यटकों का भारी रश होने के पीछे बहुत बड़ी वजह यह है कि एक तो हिमाचल प्रदेश की वादियां बेहद खूबसूरत हैं और दूसरा यहां प्रदूषण दूसरे राज्यों की अपेक्षा कम है। यहां का प्राकृतिक सौंदर्य और खुशनुमा आवोहवा ही कुछ ऐसी है कि यहां पर्यटक खुद व खुद खिंचा चला आता है। हिमाचल प्रदेश की प्राकृतिक सौंदर्य बेहद मनमोहक है, जिसमें हरे-भरे वन, बर्फ से ढके पहाड़ और सुंदर झीलें शामिल हैं। यहां पहुंचकर पर्यटकों को शांत और शीतल वातावरण नसीब होता है। देवभूमि में 'अतिथि देवो भव' की परंपरा भी पर्यटकों को आकर्षित करती है। हिमाचल में साहसिक खेलों के लिए कई अवसर हैं, जैसे कि स्कीइंग, ट्रैकिंग और पैराग्लाइडिंग, जो साहसिक खेल प्रेमियों को आकर्षित करते हैं। इसके अलावा हिमाचल प्रदेश में पर्यटन सस्ता और सुलभ है। पर्यटकों को यहां के लोगों का व्यवहार भी बहुत अच्छा लगता है।

हिमाचल के लोगों में प्रेम-भाव तथा एक-दूसरे की सहायता करने का जज्बा कूट-कूट कर भरा होता है जिसके फलस्वरूप पर्यटक यहां अपने आप को सुरक्षित महसूस करते हैं। उन्हें किसी भी तरह की दिक्कत यहां नहीं होती है। हर चीज मौके पर ही उपलब्ध हो जाती है। हिमाचल में धार्मिक पर्यटन भी काफी विकसित हो चुका है। यहां स्थापित पांच शक्तिपीठों मां चामुंडा, ज्वाला जी, बज्रेश्वरी, नयना देवी और मां चिंतपूर्णी के दर्शन पाने और आशीर्वाद लेने के लिए भी श्रद्धालु तथा पर्यटक खिंचे चले आते हैं। गर्मियों में मैदानी इलाके काफी गर्म हो जाते हैं और ऐसे में पर्यटक सुकून पाने के लिए हिमाचल की वादियों की ओर रुख कर लेते हैं। ऐसा नहीं है कि गर्मियों में ही हिमाचल पर्यटक आते हैं, बल्कि सर्दियों में भी पर्यटक हिमाचल की ओर आते रहते हैं।

पर्यटन हिमाचल की रीढ़ है और इस रीढ़ को मजबूत करने के लिए प्रदेश की कांग्रेस सरकार भरपूर प्रयास कर रही है। सुक्खू सरकार पर्यटकों को ज्यादा से ज्यादा सुविधाएं मुहैया करवाने के लिए तत्पर रहती है। चाहे पर्यटन निगम के होटलों में कमरा बुक करने की छूट हो या फिर उनकी सुरक्षा और सुविधाओं की बात हो। सरकार पर्यटन स्थलों का विकास करवा रही है। परिवहन की सुविधाओं को दुरुस्त कर रही है और विशेष पैकेज ऑफर भी दे रही है। सीएम सुक्खू ने सैलानियों का आह्वान किया है कि वे हिमाचल की नैसर्गिक सुंदरता को निहारने के लिए बेफिक्र होकर पहाड़ों की ओर रुख कर सकते हैं। उन्हें हिमाचल आने पर किसी भी तरह की दिक्कत नहीं होगी, क्योंकि सरकार ने उनके रहने तथा उन्हें सुरक्षित रखने के हर तरह के इंतजाम कर रखे हैं। बेशक आजकल मानसून का सीजन चला हुआ है और बरसातें भी खूब हो रही हैं, लेकिन हिमाचल के रोड पूरी तरह से खुले रहेंगे, ऐसा हिमाचल के सीएम ने वादा किया है। निश्चित रूप से सीएम की इस अपील का पर्यटकों पर भी खासा प्रभाव पड़ेगा तथा इसके बाद और ज्यादा तादाद में पर्यटक हिमाचल की ओर रुख करेंगे, ऐसी कामना की जानी चाहिए। दूसरी ओर सरकार ने सेब सीजन के दौरान बाहरी राज्यों के ट्रकों को विशेष पथकर कर से छूट दे दी है।

बागवानों और किसानों के हितों के संरक्षण के लिए सरकार पूरी तरह से प्रतिबद्ध दिख रही है। मानसून और सेब सीजन के दृष्टिगत परिवहन विभाग ने सभी तैयारियां समय पर पूर्ण कर ली हैं और इस दौरान सुरक्षा के मद्देनजर भी सभी एहतियाती उपाय पूरे कर लिए हैं। सरकार पर्यटकों की हर सुविधा का ध्यान रख रही है, लेकिन पर्यटकों को भी चाहिए कि वह हिमाचल में आएं तो यहां हो-हल्ला न करें तथा ट्रैफिक नियमों का सख्ती से पालन करें ताकि न उन्हें परेशानी हो और न प्रशासन को। माहौल जब सौहार्दपूर्ण बना रहेगा तो निश्चित रूप से पर्यटकों का विश्वास भी सरकार के प्रति बना रहेगा और सरकार को भी उन्हें सुविधाएं प्रदान करने में कोई दिक्कत नहीं होगी। जब यह सारी परिस्थितियां अनुकूल रहेंगी तो निश्चित रूप से हिमाचल का पर्यटन और ज्यादा फलेगा फूलेगा। ■

आज के दिन की प्रमुख हस्ती

भारतीय स्वतंत्रता सेनानी और गांधीवादी

मालती देवी चौधरी भारतीय स्वतंत्रता सेनानी तथा गांधीवादी थीं। उनका जन्म पूर्वी बंगाल में हुआ था। उनके पिता बैरिस्टर कुमुद नाथ सेन की मृत्यु तब हुई, जब वह केवल ढाई साल की थीं। उनकी मां स्नेहलता सेन एक अच्छी लेखिका थीं, जिन्होंने 'जुगलंजलि' लिखी और रवींद्रनाथ टैगोर की कुछ कृतियों का अनुवाद किया। उन्होंने नबाकृष्णा चौधरी से विवाह किया था, जो बाद में ओडिशा के मुख्यमंत्री बने। 16 साल की उम्र में मालती चौधरी को शांति निकेतन भेजा गया, जहां उन्हें टैगोर द्वारा स्थापित 'विश्वभारती' में भर्ती कराया गया। वह बहुत भाग्यशाली थीं कि उन्हें शांतिनिकेतन में रवींद्रनाथ टैगोर से सीधे ज्ञान प्राप्त करने का मौका मिला। शांति निकेतन में मालती ने न केवल डिग्री प्राप्त की, बल्कि विभिन्न प्रकार की कला और संस्कृति में भी विशाल ज्ञान प्राप्त किया। मालती चौधरी टैगोर के सिद्धांतों, शिक्षा और विकास और देशभक्ति के विचारों से बेहद प्रभावित थीं। मालती चौधरी को राष्ट्र के प्रति समर्पण के लिए कई पुरस्कार मिले। ■

मालती देवी चौधरी
जन्म : 26 जुलाई, 1904
मृत्यु : 15 मार्च, 1998

कविता

मौन मुखरित हो गया है

सरिता मलिक

मौन मुखरित हो गया है
वक्त चिंतित हो गया है ।
उठ चुके सब स्पन्दनों से,
झूठ के अभिनंदनों से,
कर्ण हैं मेरे व्यथित अब,
सिसकियों से, क्रंदनों से
रोम रोम पीड़ा में है
और भाल क्रोधित हो गया है,
मौन मुखरित हो गया है।
मिट गई माथे की लाली,
बच्चा बच्चा है सवाली,
पसरी क्यों मेरे ही आँगन,
घोर पीड़ा की रात्रि काली,
काल भी शायद कहीं अब
खुद अचंभित हो गया है,
मौन मुखरित हो गया है।
लाठी कहीं टूटी पड़ी है,
गोद में रुलाई जड़ी है,
सूनी और पथराई आंखें
द्वार पर कब से खड़ी हैं,
घर के कोने कोने में अब
शोक बिंबित हो गया है,
मौन मुखरित हो गया है।
गलियों में पसरे सन्नाटे,
उठते गम के ज्वार भाटे,
गहन उदासी है फिजा में,
दर्द दिल का कौन बांटे,
टूटे हारे मूक मन में,
गम ही संचित हो गया है,
मौन मुखरित हो गया है।

पाठकों से अनुरोध है कि वे अपनी प्रतिक्रिया, सुझाव, आलेख कविताएं और अपनी बात कॉलम के लिए सामग्री *editoranantgyaan@gmail.com* पर या व्हाट्सऐप नंबर 8894521702 पर भेज सकते हैं।

कारगिल विजय दिवस के अमर शहीदों को शत्-शत् नमन

कारगिल विजय दिवस पर विशेष

देश में राष्ट्रभक्ति का गजब का माहौल था। ऐसा लगता था सारा भारत एक है, देश एकता, अखंडता, सर्वभौमिकता को बचाए रखने के लिए कुछ भी कर गुजरने को तैयार था। कारगिल का संघर्ष क्या शुरू हुआ ऐसा लगा जैसे सारा राष्ट्र और प्रत्येक नागरिक देश के लिए कोई भी कुर्बानी देने को तैयार था। विश्व के इतिहास में पहली बार हुआ जब देशभक्ति से ओत-प्रोत विश्व के सबसे बड़े लोकतंत्र के प्रधानमंत्री अटल जी सभी चुनौतियों, चेतावनियों और व्यक्तिगत सुरक्षा के खतरों को नजरअंदाज करते हुए 2 जुलाई 1999 को सीमा पर तैनात युद्धरत सैनिकों की पीठ थपथपाने के लिए स्वयं सीमा पर जा पहुंचे। आप अनुमान लगा सकते हैं कि प्रधानमंत्री को अपने साथ सीमा पर खड़ा देखकर सैनिकों का साहस तो सातवें आसमान पर पहुंचना स्वाभाविक था।

5 जुलाई 1999 को कारगिल के युद्ध क्षेत्र में जाने के बाद श्रीनगर के सैनिक अस्पताल में उपचाराधीन घायल सैनिकों को दैनिक उपयोग का आवश्यक सामान दे रहे थे, एक जवान चादर ओढ़े हुए लेटा था। उसने सामान पकड़ा नहीं, हमने विस्तर के साइड टेबल पर सामान रखा और आगे बढ़ने लगे तभी डॉक्टर ने कहा कि माइन ब्लास्ट में इस वीर सैनिक के दोनों हाथ और दोनों पैर चले गए थे। हम फिर मुड़े और पूछा, "बहुत दर्द होता होगा", सैनिक ने उत्तर दिया, " कल शाम से नहीं हो रहा है"। हमने पूछा क्या कोई (पेन किलर) दर्द निवारक दवाई ली या टीका लगा? उसने उत्तर दिया "नहीं, कल शाम (4 जुलाई को) टाइगर हिल वापस ले लिया और तिरंगा फहरा दिया, मेरा दर्द चला गया। राष्ट्रभक्ति और मातृभूमि के प्रति समर्पण की भावना को शत्-शत् नमन।

आजकल एक और विवाद मीडिया में देखने को मिला यहां शहीद की नौजवान विधवा ने मरणोपरांत मिलने वाले सम्मान को शहीद के मां-बाप के साथ साझा करना उचित नहीं समझा ऐसी समस्याएं ऑपरेशन विजय के बाद भी आई थीं, अधिकतर विधवाएं नवविवाहिता थीं और उनका पुनर्विवाह होना स्वाभाविक और न्यायोचित भी था, परंतु बुजुर्ग मां-बाप का सहारा भी तो शहीद जवान ही होता था इसलिए पुनर्विवाह के समय प्रदेश और केंद्र सरकार की ओर से मिली सारी की सारी अनुदान राशि, पेट्रोल पंप या गैस एजेंसी आदि सभी को साथ ले जाना मां-बाप के साथ अन्याय था, क्योंकि अधिकतर मामलों में गरीब मां-बाप ने अपना पेट काटकर बेटे को पाला पोसा होता था और बुढ़ापे में नौजवान बेटे की शहादत और बहू का सब कुछ अपने साथ ले जाना उनके लिए दोहरा अघात होता था।

लेखक : प्रो. प्रेम कुमार धूमल
पूर्व मुख्यमंत्री, हिप्र

इसलिए हमने प्रदेश कैबिनेट की बैठक में सारी परिस्थितियों को ध्यान में रखते हुए निर्णय लिया कि अगर तो पुनर्विवाह उसी परिवार में होता है तो सब कुछ वैसे ही रहेगा, लेकिन यदि वीर नारी कहीं दूसरी जगह शादी करती है तो सरकार की ओर से मिली राशि दो हिस्सों बांट दी जाएगी। आधी राशि उस युद्ध विधवा को और आधी राशि बूढ़े मां-बाप को दी जाएगी और यदि शहीद के बच्चे शिक्षा ग्रहण कर रहे हों और मां तथा दादा-दादी से अलग रहते हों तो राशि तीन भागों में बांटी जाएगी और एक-तिहाई बच्चों को दी जाएगी। इस निर्णय से सभी की समस्या का समाधान हो गया।

राष्ट्रभक्ति के साथ साथ एक-दूसरे के प्रति संवेदनशीलता के भी कई उदाहरण देखने को मिले, शिमला जिले का एक अनुसूचित जाति से संबंध रखने वाला जवान शहीद हुआ था, घर की अर्थिक स्थिति भी कमजोर थी। जब हमने अनुग्रह राशि उन्हें दी तो उस गरीब परिवार ने कहा- हमें आधी राशि ही दीजिए, अभी युद्ध चल रहा है और शहीद हो रहे हैं और आपको कई और परिवारों की सहायता करनी है, हमें आधी राशि दे दो बाकि किसी और परिवार के काम आ जाएगी। शहीद की शहादत को तो नमन था ही पर गरीब परिवार की संवेदनशीलता और दूसरों के प्रति समर्पण की भावना से हम सभी द्रवित हो गए और उन्हें धन्यवाद देते हुए हमने कहा कि राशि आपके लिए ही है और आवश्यकता होगी तो लोग योगदान दे ही रहे हैं। पालमपुर में तो जहां एक ओर प्रथम परमवीर चक्र विजेता मेजर सोमनाथ शर्मा वहीं, कारगिल युद्ध के नायक कै. विक्रम बतरा परमवीर चक्र विजेता का भी घर है, उस दिन हम कै. विक्रम बतरा के पार्थिव शरीर का इंतजार कर रहे थे वहीं पर कारगिल युद्ध के प्रथम शहीद कै. सौरभ कालिया की माता जी, श्रीमति विजय कालिया और कै. विक्रम बतरा की माता जी साथ साथ बैठी थीं। श्रीमति विजय कालिया श्रीमति बतरा को ढांढस बंधा रही थीं, एक महान मां दूसरी महान माता को साहस बंधा रही थी, शायद यही जीवन है।

जिला हमीरपुर के बमसन क्षेत्र में पहाड़ी के ऊपर एक बगलू गांव है, यहां से राज कुमार सुपुत्र श्री खजान सिंह शहीद हुए थे। चढ़ाई चढ़ते मैं सोच रहा था कि शहीद के बुजुर्ग पिता जी से कैसे बात करूंगा। मैं उनके आंगन में पहुंच गया और इससे पहले कि मैं कुछ बोलता, श्री खजान सिंह बोले, "धूमल साहब, बेटे तो पैदा ही इसलिए किए जाते हैं कि पढ़ें, लिखें और बड़े होकर फौज में भर्ती हों और देश की रक्षा करें। उन्होंने अपने दोनों पोते मुझे मिलाए और कहा-ये भी पढ़कर फौज में भर्ती होंगे और देश की सेवा करेंगे। उन्होंने मुझे कहा-आप दिल्ली जाएंगे तो प्रधानमंत्री, वाजपेयी जी को कहना कि जवानों की यदि कमी हो तो 82 वर्ष का हवलदार खजान सिंह आज भी हथियार उठाकर देश की रक्षा करने के लिए तैयार है। शहीदों का अदम्य साहस, परिवारों का संपूर्ण समर्पण, अटल जी का दृढ़निश्चयी नेतृत्व सदियों तक देश के लिए प्रेरणा रहेगा।

5 जुलाई को जब अमेरिका के तत्कालीन राष्ट्रपति बिल क्लिंटन ने आदरणीय अटल जी को फोन करके कहा कि पाकिस्तान के प्रधानमंत्री नवाज शरीफ इनके पास पहुंच गए हैं और अटल जी से आग्रह किया कि वे भी युद्ध विराम की घोषणा कर दें और अमेरिका आ जाएं ताकि समस्या का सर्वमान्य हल निकाला जा सके। उस ऐतिहासिक क्षण में श्रद्धेय अटल बिहारी वाजपेयी का यह कथन "जब तक एक भी घुसपैठिया कारगिल में है, तब तक न युद्ध विराम होगा और न मैं देश छोड़कर कहीं जाऊंगा" इतिहास के स्वर्ण अक्षरों में लिखा जाएगा। प्रधानमंत्री के इस दृढ़संकल्प को देखते हुए सारे राष्ट्र में एक नई ऊर्जा आ गई और सैनिकों में यह संकल्प और दृढ़ हो गया और भारत की वीर सेना ने निर्णायक विजय प्राप्त की। यह उचित ही है कि 26 जुलाई को प्रतिवर्ष हम कारगिल विजय दिवस मनाते हैं और उन शहीदों को श्रद्धासुमन अर्पित करते हैं। ठीक ही कहा है "शहीदों की चिताओं पर लगेंगे हर वर्ष मेले, वतन पर मिटने वालों का यही निशां होगा।"

(ये लेखक के निजी विचार हैं)

नजरिया

कारगिल युद्ध का महानायक कैप्टन सौरभ कालिया

मां भारती का अमर सपूत ,देवभूमि व वीर भूमि हिमाचल प्रदेश का गौरव ,भारतीय स्थल सेना का एक जांबाज अफसर, कारगिल युद्ध का पहला शहीद महानायक कैप्टन सौरभ कालिया जिनका बलिदान भुलाया नहीं जा सकता। आज कारगिल दिवस पर पूरा भारत इन्हें नमन कर रहा है। महज 22 साल की कच्ची उम्र में देश के लिए प्राण न्योछावर कर, शहीदों की फेहरिस्त में अपना नाम लिखवा गया।

मात्र 4 महीने पहले जिस युवा ने सेना में अपनी सेवा शुरू की थी, जिसे उसके माता-पिता ने वर्दी में देखा भी नहीं था, कल्पना कीजिए उसकी शहादत से माता-पिता के दिल पर क्या गुजरी होगी और शहादत की दास्तान इतनी दर्दनाक कि इंसान तो क्या फरिश्तों की रूह भी कांप उठे । सौरभ कालिया की प्रथम नियुक्ति कारगिल सेक्टर में हुई थी। वह जाट रेजिमेंट का हिस्सा बने और फिर मिशन कारगिल का। देश सेवा का जुनून उनमें कूट-कूट कर भरा था। कैप्टन सौरभ को पांच और जवानों के साथ पेट्रोलिंग की ड्यूटी सौंपी गई। अपनी टीम के साथ वे काकसर लंगापा के लिए निकल गए। वहां पहुंचकर उन्होंने पाकिस्तानी सैनिकों को पहले से ही खड़े पाया ।

लेखिका : धीरजा शर्मा
डिडवी, जिला हमीरपुर

फायरिंग शुरू हो गई। सौरभ इसके लिए तैयार नहीं थे उन्होंने तुरंत बेस कैंप में सहायता के लिए सूचना प्रेषित की। लेकिन पाकिस्तानी सैनिकों ने उन्हें कैद कर लिया। पाकिस्तान के रेडियो से यह खबर मिली कि कैप्टन सौरभ कालिया और उनके साथी पाक के कब्जे में है। सभी को यह डर सता रहा था कि कैप्टन कम उम्र का है और अनुभवहीन है। सौरभ कालिया तो न जाने किस मिट्टी के बने थे। पाकिस्तान ने हैवानियत की हदें पार कर दी। 22 दिन तक सौरभ को इतनी यातनाएं दी गईं कि लिखते हुए भी हाथ कांप रहे हैं। लेकिन सौरभ की रगों में खून नहीं देशभक्ति बह रही थी। वे सहते रहे पर टूटे नहीं। उनकी आंखें निकाल ली गई। कानों को गर्म लोहे की रोड से छेद दिया गया। शरीर की एक-एक हड्डी तोड़ दी गई, उनके निजी अंग भी काट दिए गए।

सौरभ ने सारी यातनाएं हंसते-हंसते झेली और जब उन्होंने कोई राज नहीं उगला तो उन्हें गोली मार दी गई। जब पाक ने सौरभ का शव लौटाया तो चेहरे पर सिर्फ आइब्रो बचे थे। अपनी पहली सैलरी आने से पहले ही कैप्टन सौरभ कालिया कारगिल युद्ध में शहीद हो गए। नौकरी पर जाते समय सौरभ ने अपनी मां से कहा था ,'देखना मां ,एक दिन ऐसा काम कर जाउंगा कि पूरी दुनिया में मेरा नाम होगा।'
और सौरभ का यह कहा सत्य सिद्ध हुआ।

ऋणी है पूरा भारतवर्ष उस मां का, जिसकी कोख से ऐसा रणबांकुरा सपूत पैदा हुआ! धन्य है यह भारत भूमि जिस पर सौरभ कालिया सरीखे जांबाज ने जन्म लिया! धन्य है हिमाचल प्रदेश की पावन मिट्टी जिसमे लोट-लोट कर यह बालक बड़ा हुआ। पूरा भारत वर्ष आज सौरभ कालिया की याद में नत मस्तक है।

(ये लेखिका के निजी विचार हैं)

कविता

कारगिल के योद्धा

वसुंधरा धर्माणी
घुमारवीं, बिलासपुर

कारगिल के वीर शहीदो
सहस्त्रनमन है तुम्हें हमारा
प्राणों की आहुति देकर
तिरंगा ऊंचा रखा हमारा
मां भारती के सपूत हो तुम
संकट के जब बादल छाए
सिर पर कफन बांधकर
तुम भारत मां को बचाने आए
धरती मां को रक्त रंजित कर
'ऑपरेशन विजय' साकार किया
खून का कतरा-कतरा बहा कर
शहादत को अंगीकार किया
नाज है हमें इन जवानों पर
जिन्होंने सर्वोच्च बलिदान दिया
भारत मां का मस्तक ऊंचा कर
मां के दूध का फर्ज अदा किया।

शहीदों की वीरता और बलिदान को बयां करता कारगिल विजय दिवस

26 जुलाई भारतीय सैनिकों की वीरता और साहस का दिन है क्योंकि यह कारगिल युद्ध के दौरान शहीदों की वीरता और गाथा को बाय करता है। कारगिल विजय दिवस 1999 के भारत पाकिस्तान युद्ध में शहीद हुए सैनिकों की कुर्बानियों की याद में मनाया जाता है पूरे विश्व में भारत अपने साहस और वीरता के लिए पहचाना जाता है क्योंकि भारत-पाकिस्तान के बीच कारगिल युद्ध किसी से छिपा नहीं है। कारगिल युद्ध वह लड़ाई थी जिसमें पाकिस्तानी सेना ने द्रास की कारगिल पहाड़ियों पर कब्जा करने की कोशिश की थी जो कि कारगिल युद्ध पाकिस्तान के गलत इरादों का परिणाम था।

भारत की सीमा में आने की कोशिश की थी लेकिन भारत ने बहादुरी से लड़ाई लड़ी और पाकिस्तान को हरा दिया कारगिल युद्ध पाकिस्तान की हार का परिणाम है भारत ने अपने कई वीर योद्धाओं को खोया जिनका बलिदान देश के लिए एक मिसाल बन गया देश इन वीरों के बलिदान को कभी नहीं भूलेगा इसलिए हर साल 26 जुलाई को कारगिल दिवस मनाया जाता है।

इस युद्ध के दौरान भारत-पाकिस्तान के इरादों से अनजान था लेकिन पाकिस्तान हमेशा छिपकर युद्ध करता आया है इस युद्ध के दौरान एक चरवाहे ने कारगिल की पहाड़ियों पर पाकिस्तान सेना के कदमों की जानकारी दी थी, जब भारत को इसकी सूचना मिली तो उन्होंने तुरंत गस्त तेज कर दी गई और कई जगह घुसपैठियों की छिपे होने की खबर भारतीय सैनिकों को मिली।

लेखक : डॉ. मनोज डोगरा
प्राध्यापक, राजकीय कॉलेज बड़सर

भारतीय सैनिकों ने एक योजनाबद्ध तरीके से इस ऑपरेशन को सफल बनाया और इस ऑपरेशन विजय को शुरू किया जिसमें लगभग 30000 भारतीय सैनिक शामिल थे। 1999 में भारत और पाकिस्तान के बीच हुए युद्ध में कम से कम 550 भारतीय सैनिक शहीद हुए थे और 1300 सैनिक घायल हुए इतने संघर्षों के बाद हमने इस लड़ाई को जीत और अपनी जीत का झंडा फहराया।

हमारे देश के लिए अपने प्राणों की आहूति देने वाले उन विशेष सैनिकों की याद में कारगिल विजय दिवस हर साल बड़े सम्मान और गर्व के साथ मनाया जाता है। इस ऑपरेशन के नाम के अनुसार 26 जुलाई को कारगिल दिवस घोषित किया गया, ताकि आने वाली पीढ़ियां भी उन देशभक्तों की वीरतापूर्ण कहानियों के बारे में जानने और उन वीरों को याद करें। कारगिल विजय दिवस भारत में कारगिल युद्ध की जीत का एक स्मारक है।

युद्ध की जीत की याद में हम हर साल इसे मानते हैं और भारत के सभी हिस्सों में सैनिकों और शहीदों को लोग सच्ची श्रद्धांजलि देते हैं। भारत के प्रधानमंत्री नई दिल्ली में अमर जवान ज्योति जाते हैं और वहां सैनिकों को श्रद्धांजलि देते हैं। इस दिन स्कूल और अन्य शैक्षिक संस्थानों में भी सैनिकों को याद किया जाता है और पूरा भारत हमारे सैनिकों की वीरता और बलिदान को नमन करता है। इस युद्ध के दौरान जो सैनिक शहीद हुए थे, उन के आंगन में रोने चिल्लाने की आवाजें आज भी कानों में सुनाई देती हैं। जब कोई मां-बाप, भाई-बहन, पत्नी और बच्चे विलाप करके उन्हें सलाम करते थे, ये दृश्य तो उस समय इतने मार्मिक थे कि देखने वालों के रोंगटे खड़े हो जाते थे।

जब एक सुहागन का अभी सुहाग का चूड़ा भी नहीं उतरा था कि पति का सुहाग उजड़ गया। इस ऑपरेशन में बहुत सी घटनाएं ऐसी घटी थी कि कई परिवारों में दुखों का पहाड़ टूट पड़ा था, जिनके जख्म अभी तक भी नहीं भर पाए हैं। देशभर में कारगिल विजय ऑपरेशन में शहीद होने वाले सैनिकों के परिवारजनों को सरकार द्वारा सहायता की गई है और कई शिक्षा संस्थानों और मार्गों के नाम उनके नामकरण से किए गए हैं, लेकिन देशभर में कुछ परिवार ऐसे भी है, जिनके सदस्यों का मानना है कि उनकी यादगार में अभी तक स्मारक नहीं बने हैं।

भारत सरकार को चाहिए कि इस कारगिल विजय ऑपरेशन के दौरान जो भी योद्धा शहीद हुए हैं और उन्होंने दुश्मनों से लोहा लेते हुए भारत की सीमाओं पर कब्जा किया था चाहे वे सीमाएं बर्फीली थी या मरुस्थल से भरी थी उन सब की जीवन गाथा को नई शिक्षा प्रणाली में अवश्य बच्चों को पढ़ाया जाए ताकि उन्हें पता चले देश की सरहदों पर जो वीर सैनिक मातृभूमि की रक्षा करते हैं, वे जवान कैसे होते हैं, उनसे आगामी पीढ़ी को प्रेरणा मिले। आज तक के इतिहास को देखा जाए तो शिक्षा नीति में बाबर और हुमायूं के इतिहास को ही पढ़ा और पढ़ाया जाता रहा है, लेकिन कारगिल विजय ऑपरेशन की गाथाओं को शिक्षा प्रणाली में जरूर शामिल किया जाए, ताकि तमाम शहीदों की कुर्बानियां और गाथाएं अमर रहे।

(ये लेखक के निजी विचार हैं)

भारतीय सेना के जांबाज सैनिकों ने कारगिल युद्ध में हंसते-हंसते प्राण न्योछावर कर दिए

आज भी याद है जब टेलीविजन पर ये खबरें आनी शुरू हुईं कि पाकिस्तान से कुछ घुसपैठ हो रही है, जिसे रोकने के लिए हमारी सेना मुस्तैद है और जल्दी ही इन हालातों पर काबू पा लिया जाएगा।

धीरे-धीरे पता चलना शुरू हो गया कि यह मामूली घुसपैठ नहीं बल्कि पाकिस्तानी सेना और कश्मीरी उग्रवादियों का नियंत्रण रेखा पार कर भारतीय हिस्से को कब्जाने का सशस्त्र प्रयास है। कारगिल की ऊंची पहाड़ियों पर लगभग 5000 सैनिकों के साथ घुसपैठ कर कब्जा करने का दुस्साहस किया और इसकी सूचना हमारे देश के एक जागरूक चरवाहे ने सेना को दी थी।

5 मई को पाकिस्तानी सेना ने पेट्रोलिंग टीम के 5 भारतीय सैनिकों को पकड़ कर मार दिया । उसके बाद पाकिस्तानी सेना ने कारगिल पर मौजूद गोला बारूद नष्ट कर दिया, फिर तो द्रास,काकसार ,मुश्कोह आदि अलग-अलग क्षेत्रों से आती खबरों से दिल डरने लगता, घबराहट होने लगती कि भारतीय सेना ने हर युद्ध में पाकिस्तान को मात दी है, अब भी भारत की जीत निश्चित है, बस यह इच्छा थी कि भारतीय सेना के जवानों का बाल भी बांका न हो। हम अपने घरों में चैन की नींद सोते हैं, सुकून से परिवार के साथ जीवन बिताते हैं, साधारण परिवारों में पिता दफ्तर जाते हैं, शाम को लौटते हैं, तो बच्चों के लिए कुछ न कुछ जरूर अपने थैले में भरकर लाते हैं, रात को बच्चे पिता के साये में सुरक्षित महसूस करते हैं। वहीं सैनिक परिवारों के घर उनकी प्रतीक्षा में दिन गुजारते हैं, फोन पर बातें करते हुए घर परिवार की बातें सांझा करते हैं, फोन पर बच्चों से मिलते हैं।

लेखिका : सीमा गुप्ता
साहित्यकार, पंचकूला

भारतीय सेना के जांबाज सैनिकों जिन्होंने कारगिल के इस भयंकर युद्ध में हंसते-हंसते प्राण न्योछावर कर दिए। कैप्टन विक्रम बतरा जो कहते थे 'या तो मैं तिरंगा फहराकर आउंगा या उसमें लिपटा हुआ आउंगा लेकिन मैं वापस जरूर आउंगा'। सबसे कठिन युद्ध जिसकी शुरुआत 3 मई,1999 को हुई और अंत 26 जुलाई को भारतीय सेना द्वारा पाकिस्तानी सेना को खदेड़ कर दुर्गम चोटी पर तिरंगा विजय पताका लहराने से हुआ ।

तब से हर वर्ष 26 जुलाई को विजय दिवस के रूप में मनाया जाता है। मरणोपरांत भारत के सर्वोच्च पुरस्कार परमवीर चक्र से सम्मानित किया गया । ग्रेनेडियर योगेंद्र सिंह यादव सर्वोच्च सम्मान परमवीर चक्र प्राप्त करने वाले सबसे कम उम्र के सैनिक थे, जिनका जज्बा ,हिम्मत और बहादुरी उनकी उम्र से कहीं अधिक थी।

राइफलमैन संजय कुमार को भी परमवीर चक्र से सम्मानित किया गया। सैनिक निःस्वार्थ योद्धा होते हैं, जो देश सेवा के लिए प्राणों का नहीं बल्कि देश की सुरक्षा का सोचते हैं। लेफ्टिनेंट बलवान सिंह, मेजर राजेश सिंह अधिकारी, मेजर विवेक गुप्ता, कैप्टन एन कैंगुरूसे, लेफ्टिनेंट कीशिंग क्लिफोर्ड नोंग्रम , नायक दिगेंद्र कुमार को महावीर चक्र से सम्मानित किया गया। कैप्टन अमोल कालिया को वीर चक्र से सम्मानित किया गया। भारतीय सेना के जांबाज, साहसी, निडर महान सैनिकों के अदम्य साहस और वीरता की असंख्य कहानियां हैं, जो भारत के हर बच्चे, नौजवान को जाननी चाहिएं, जिन्होंने कारगिल युद्ध के दौरान शहादत दी,'दिल मांगे मोर ' 'मैं परमवीर चक्र जीतना चाहता हूं ' जैसी बातें वो अक्सर कहा करते थे।

भारतीय सेना के सेनाध्यक्ष जनरल वीपी मलिक के नेतृत्व में कारगिल युद्ध को जीत लिया गया, विजय पताका फहराने का फिर गौरव प्राप्त हुआ। हाल ही में जनरल वीपी मलिक से एक कार्यक्रम में मुलाकात का अवसर प्राप्त हुआ, सेनाध्यक्ष जो बड़ी ही सादगी, खामोशी से कार्यक्रम में मौजूद रहे। उन्हें देखकर सीना गर्व से चौड़ा हो रहा था। कारगिल का युद्ध एक भयंकर युद्ध था, उस वक्त सेना के पास न तो पर्याप्त हथियार थे न उचित कपड़े । बावजूद, इसके सैनिकों ने संघर्ष को जीतने के लिए सराहनीय दृढ़ता, दृढ़ संकल्प, साहस और वीरता का प्रदर्शन किया। पहाड़, ऊंचाई, बर्फ से ढके क्षेत्र थे, ड्रोन, राडार जैसे उपकरण नहीं थे, लेकिन इस युद्ध के बाद रक्षा संबंधी प्रौद्योगिकियों, क्षमताओं और सिद्धांतों में भी जबरदस्त बदलाव हुए हैं।

आज भारतीय सेना पहले से कहीं अधिक शक्तिशाली हथियारों, लड़ाकू जहाजों से लैस है। अब पाकिस्तान या कोई अन्य देश ऐसा दुस्साहस करने का सोच भी नहीं सकता। कारगिल युद्ध में शहीद हुए जवानों के सम्मान में विजय दिवस हर वर्ष 26 जुलाई को मनाया जाता रहेगा ताकि आने वाली पीढ़ियां उनकी कुर्बानी को याद रखे।

(ये लेखिका के निजी विचार हैं)

अनंत ज्ञान
प्रकाशक एवं मुद्रक डॉ. दिलीप धाकड़ द्वारा फोकस हिमाचल मीडिया प्रा. लि. के लिए बायोसर्ट इंटरनेशनल प्रा. लि. प्लॉट नंबर 8, फेज-2 इंडस्ट्रियल एरिया, नगरोटा बगवां, जिला कांगड़ा (हि.प्र.), पिन नंबर-176047 से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक समरजीत, समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन के लिए पीआरबी एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी
आरएनआई संदर्भ संख्या-HPHIN01099
ई-मेल : anantgyaanmedia@gmail.com
फोन नंबर : 01892-299098

न्यूज ब्रीफ

उत्कृष्ट कार्यों के लिए मिलेगा पुरस्कार : डॉ. मदन

अनंत ज्ञान, मंडी। अतिरिक्त जिला दंडाधिकारी डॉ. मदन कुमार ने बताया है कि केंद्र सरकार ने राष्ट्र स्तर पर व्यक्तियों और संस्थाओं द्वारा आपदा प्रबंधन में किए उत्कृष्ट कार्यों जैसे रोकथाम, शमन, तैयारी, बचाव, प्रतिक्रिया, राहत और पुनर्वास, अनुसंधान/नवाचार या पूर्व चेतावनी को मान्यता देने के लिए सुभाष चंद्र बोस आपदा प्रबंधन पुरस्कार की शुरुआत की है। उन्होंने बताया कि पुरस्कार के लिए पोर्टल पर ऑनलाइन आवेदन करना आवश्यक है। कोई भी नागरिक या संस्था किसी भी नागरिक या संस्था को इस अवार्ड के लिए नॉमिनेट कर सकती है। वर्ष 2025 के लिए सुभाष चंद्र बोस आपदा प्रबंधन पुरस्कार के लिए नागरिक या संस्थान 31 अगस्त 2024 तक ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं। पुरस्कारों की घोषणा नेता जी सुभाष चंद्र बोस की जयंती 23 जनवरी को होगी। पुरस्कार बारे अधिक जानकारी और आवेदन पोर्टल *https://awards.gov.in/* पर किया जा सकता है।

आईटीआई में 31 को होगी आवेदकों की काउंसिलिंग

अनंत ज्ञान, मंडी। आईटीआई मंडी में दालिखा लेने के लिए सत्र 2024-25 के प्रथम चरण की दाखिला प्रक्रिया समाप्त हो गई है। जिन भी अभ्यर्थियों ने दाखिला प्रक्रिया में आवेदन किया था उन्हें ईमेल या मोबाइल पर मैसेज के माध्यम से सुचित कर दिया जाएगा जिसमें ऑनलाइन काउंसिलिंग 31 जुलाई को की जाएगी। वीरवार को आईटीआई मंडी के प्रधानाचार्य रविंद्र सिंह बनयाल ने बताया कि जिन्होंने भी प्रथम चरण में आवेदन भरा है वे अपने ईमेल और मोबाइल के मैसेज को चेक करते रहें। उन्होंने बताया कि जिन अभ्यर्थियों को संदेश मिलता है वे सभी अपने मूल दस्तावेज लेकर 5 अगस्त तक संबंधित संस्थान में पहुंचे। उन्होंने जानकारी देते हुए बताया दाखिला प्रक्रिया के बाद जो भी रिक्त स्थान रहते है उन्हें 6 अगस्त को हिमाचल प्रदेश तकनीकी शिक्षा बोर्ड की साइट पर अपलोड कर दिया जाएगा।

पौधरोपण अभियान की शिलहा कीपड़ से शुरुआत

अनंत ज्ञान, मंडी। हर घर लगाएगा एक पौधा अभियान के अंतर्गत वीरवार को नगर निगम नेला वार्ड के शिलहा कीपड़ गांव से इस अभियान के प्रथम चरण की शुरुआत निगम के सह आयुक्त विकास शर्मा ने महिला मंडल शिलहा कीपड़ के सदस्यों को 150 नींबू के पौधे वितरित किए। नेला वार्ड के पार्षद राजेंद्र मोहन ने बताया कि यह पौधे निगम ने बागवानी विभाग से खरीदें गए हैं। राजेंद्र मोहन ने बताया कि वार्ड के हर घर तक बरसात के मौसम में एक फलदार पौधा वितरित किया जाएगा।

क्रयाश एनजीओ ने छात्रों को भेंट की नीट की किताबें

अनंत ज्ञान, सुंदरनगर। क्रयाश एनजीओ ने बीएसएल राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय सुंदरनगर की लाइब्रेरी में मेडिकल छात्रों को नीट तैयारी की पुस्तकों का सेट भेंट किया। यह कार्यक्रम प्रातःकालीन सभा के दौरान एक प्रेरणादायक व्याख्यान से चिह्नित हुआ। इस दौरान एनजीओ के सदस्य डॉ. धर्मेश शर्मा, आकांक्षा शर्मा और अक्षिता जोशी ने विद्यार्थियों को पर्यावरण सहयोग के लिए आवश्यक व्यवहार परिवर्तन करने बारे समझाया और बच्चों से अपने सपनों को साकार करने के तरीकों बारे चर्चा की। टीम के सदस्य साई शिवम और हंसराज भी इस कार्यक्रम में उपस्थित रहे, जिन्होंने प्रेरणादायक माहौल को और भी ऊर्जावान बनाया।

प्रशिक्षण पाठ्यक्रम के लिए आवेदन आमंत्रित

अनंत ज्ञान, मंडी। हिमाचल प्रदेश के मूल निवासियों से एक वर्षीय औद्यानिकी प्रौद्योगिकी प्रशिक्षण पाठ्यक्रम (स्वरोजगार) के लिए सादे कागज पर आवेदन आमंत्रित किए जाते हैं। प्रशिक्षण डॉ यशवंत सिंह परमार औद्यानिकी एवं वानिकी विवि नौणी के क्षेत्रीय औद्यानिकी अनुसंधान एवं प्रशिक्षण केन्द्र मशोबरा में 16 सितम्बर से आरम्भ होगा। प्रवेश हेतु आवेदन साधारण कागज पर सह निदेशक क्षेत्रीय औद्यानिकी अनुसंधान एवं प्रशिक्षण केंद्र मशोबरा के कार्यालय में 20 अगस्त तक पहुंच जाने चाहिए। प्रवेश के लिए साक्षात्कार 5 सितम्बर को 10:30 बजे सह निदेशक के कार्यालय में होगा। आरक्षित जातियों एवं महिला उम्मीदवारों को नियमानुसार आरक्षण दिया जाएगा। प्रशिक्षण के लिए प्रशिक्षणार्थियों की संख्या 20 निर्धारित है। प्रशिक्षण में प्रवेश के लिए उम्मीदवार ने कम से कम दसवी या समकक्ष स्तर की परीक्षा उत्तीर्ण की होनी चाहिए।

पुरानी मंडी में वार्ड सभा 28 को

मंडी। पुरानी मंडी में वार्ड सभा का आयोजन नगर निगम के महापौर वीरेंद्र भट्ट की अध्यक्षता में 28 जुलाई को शीतला माता मंदिर के प्रांगण में होगा। वार्ड सभा में प्रधानमंत्री आवास योजना व सामाजिक सुरक्षा पैंशन के अधीन लाभान्वित अभ्यर्थियों की सूची, विकास कार्यो व वार्ड से संबंधित समस्याओं पर चर्चा तथा आपदा प्रबंधन के लिए चर्चा व आपदा प्रबंधन कमेटी के गठन बारे विचार विमर्श किया जाएगा।

9 ग्राम हेरोइन के साथ युवक गिरफ्तार

अनंत ज्ञान, मंडी। बल्ह थाना कि टीम ने एक युवक से पीएनबी बैंक भंगरोटू के समीप 9 ग्राम हेरोइन बरामद की है। आरोपी की पहचान अमन उम्र 29 साल गांव नौरू डाकघर भंगरोटू के रूप में की गई है। मामले की पुष्टि करते हुए एएसपी मंडी सागर चंद्र ने बताया कि आरोपी के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला दर्ज कर लिया गया है और आगामी कार्यवाही जारी है।

खुलासा : अज्ञात नंबर से आए 'ऐपीके' लिंक से पीड़ित व्यक्ति को लगा था 7.44 लाख का चूना

बिना कॉल और ओटीपी के भी लुट रहे लोग

उमेश भारद्वाज, सुंदरनगर

हिमाचल प्रदेश में ऑनलाइन धोखाधड़ी के मामले लगातार बढ़ते जा रहे हैं। इसके अंतर्गत पुलिस थाना सदर मंडी में दर्ज 7.44 लाख रूपए ऑनलाइन धोखाधड़ी मामले की जांच के दौरान एक बड़ा खुलासा हुआ है। पुलिस ने जांच में पाया है कि मंडी सदर के व्यक्ति के साथ 7.44 लाख रुपए की धोखाधड़ी के लिए उसके व्हाट्सएप पर एक अज्ञात नंबर से मेसेज प्राप्त हुआ था। इस मेसेज में एपीके फाइल यानी एंड्रॉइड डिवाइस के लिए एप्लिकेशन एक्सटेंशन मौजूद थी। इसका नाम 'पीएनबी ई-केवाईसी अपडेट [3].एपीके' था। पीड़ित व्यक्ति द्वारा जैसे ही इस फाइल को क्लिक किया तो उसके खाते से दो ट्रांजैक्शन के माध्यम से कुल 7.44 लाख रुपए ट्रांसफर हो गए। वहीं अब इस मामले पर अब मंडी जिला पुलिस द्वारा अपने अधिकारिक सोशल मीडिया अकाउंट के माध्यम से भी लोगों के लिए एक महत्वपूर्ण एडवाइजरी जारी की है।

एएसपी मंडी सागर चंद्र ने बताया कि मंडी में सामने आए लाखों रूपए की ऑनलाइन धोखाधड़ी मामले में जांच के दौरान पीड़ित व्यक्ति को उसके व्हाट्सएप पर एक अज्ञात नंबर से एक मैसेज प्राप्त हुआ पाया गया था। इस कारण व्यक्ति शातिरों द्वारा ऑनलाइन धोखाधड़ी का शिकार बनाया गया है। सागर चंद्र ने लोगों से इस प्रकार के लिंक से सतर्क और किसी भी अज्ञात नंबर से आए लिंक पर क्लिक न करने की अपील की है। उन्होंने बताया कि कोई भी बैंक ग्राहकों के व्हाट्सएप पर अपने एप्लिकेशन अपडेट ऑनलाइन नहीं भेजता है।

धोखाधड़ी के मामलों को लेकर मंडी पुलिस ने जारी की एडवाइजरी

बता दें कि पीड़ित बालम राम निवासी बनानु तहसील सदर मंडी का पंजाब नेशनल बैंक की मोती बाजार शाखा में खाता है। इस खाते से शातिरों ने कुल 7.44 लाख रुपए निकाल लिए है। शातिरों ने पीड़ित के खाते से पहली बार में 5 लाख और दूसरी बार में 2.44 लाख रुपए निकाले गए। इसका पता चलने पर बालम राम ने इसकी शिकायत संबंधित बैंक प्रबंधक और पुलिस को दी गई। इस पर पुलिस थाना सदर मंडी ने अज्ञात आरोपियों के खिलाफ एफआईआर दर्ज कर आगामी जांच की जा रही है।(अनंत ज्ञान)

आखिर क्या है 'ऐपीके' फाइल

एपीके (एंड्रॉइड पैकेज किट) प्राथमिक तौर पर इस प्रकार का एक प्रारूप है जिसका उपयोग एंड्रॉइड डिवाइस पर एंड्रॉइड एप्लिकेशन वितरित और इंस्टॉल करने के लिए किया जाता है। इसमें एक पैकेज फाइल के माध्यम से ऐप का कोड, संसाधन और एंड्रॉइड डिवाइस पर ऐप चलाने के लिए आवश्यक अन्य फाइलें शामिल हैं। एपीके फाइलें मैन्युअल रूप से भी सांझा और इंस्टॉल की जा सकती हैं। लेकिन इसके लिए एंड्राइड डिवाइस की सिक्योरिटी सेटिंग्स में जाकर थर्ड पार्टी या अज्ञात सोर्स से ऐप को इंस्टाल करने की परमिशन देना पड़ता है।

ऑनलाइन धोखाधड़ी के शातिरों ने बदले तरीके

ऑनलाइन धोखाधड़ी की घटना को अंजाम देने के लिए अब ठगों द्वारा नए-नए तरीके अपनाए जा रहे हैं। पुलिस और विभिन्न सामाजिक संगठनों द्वारा समय-समय पर ऑनलाइन धोखाधड़ी से लोगों को सचेत करने के लिए चलाए जागरूकता अभियान के कारण अब इन शातिरों ने भी अपनी कार्यशैली में बदलाव कर दिया है। इसका खुलासा इस मामले में हुआ है क्योंकि पीड़ित व्यक्ति को ठगों की ओर से न कोई फोन कॉल और न ही कोई ओटीपी शेयर किया गया है। लेकिन इसके बावजूद भी व्यक्ति ऑनलाइन धोखाधड़ी का शिकार हो गया।

बिना परमिट सवारी ढोने वालों के खिलाफ हो कारवाई : टैक्सी ऑपरेटर

अनंत ज्ञान, मंडी

क्षेत्रीय परिवहन अधिकारी को सौंपा ज्ञापन

वीरवार को देवभूमि टैक्सी ऑपरेटर यूनियन का जनरल हाउस का आयोजन किया गया। जिसकी अध्यक्षता यूनियन के प्रधान भूपेश ठाकुर द्वारा की गई। जनरल हाउस का मुख्य उद्देश्य निजी वाहनों का टैक्सी के रूप में प्रयोग करना और ब्ला ब्ला के माध्यम से चल रहे वाहनों का विरोध करना रहा जिससे कि टैक्सी ऑपरेटर का धंधा राम-भरोसे हो गया और हिमाचल पथ परिवहन निगम की बसों को भी करोड़ों रुपए का नुकसान झेलने पड़ रहा है।

जनरल हाउस समाप्त होने के उपरांत सभी सदस्यों ने क्षेत्रीय परिवहन अधिकारी को ज्ञापन प्रेषित किया। ज्ञापन के माध्यम से टैक्सी ऑपरेटर ने अपनी मांगें रखी जिसमें ऐसे वाहनों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाए जो बिना टैक्सी नंबर सवारियों को ढो रहा है।

क्षेत्रीय परिवहन अधिकारी नरेंद्र सिंह ने यूनियन के सदस्यों को आश्वासन दिया कि जल्दी ही ऐसे वाहनों की धरपकड़ शुरू की जाएगी और उन्हें जब्त किया जाएगा।

इस दौरान यूनियन कार्यकारिणी के सदस्य एवं अध्यक्ष पवन ठाकुर, सह अध्यक्ष राकेश शर्मा, प्रधान भूपेश ठाकुर, सेक्रेटरी जीत सिंह, कोषाध्यक्ष जोगिंदर पाल, उप प्रधान निशांत गुलरिया, मुख्य सलाहकार भवानी सेन, अड्डा प्रभारी खेम सिंह, हंसराज, मीडिया प्रभारी प्रवीण शर्मा एवं अन्य सदस्य उपस्थित रहे।

क्षेत्रीय परिवहन अधिकारी नरेंद्र सिंह को टैक्सी ऑपरेटर ज्ञापन प्रेषित करते हुए।

घर के गेट पर खड़ी स्कूटी दिनदहाड़े उड़ा ले गए चोर

अनंत ज्ञान, मंडी

मंडी-कुल्लू मार्ग पर बिंदरावणी में पुराने वन चेक पोस्ट के पास हेत राम पटयाल ने बताया कि अपने घर के गेट के पास रोजाना की तरह स्कूटी एचपी 33 सी 2284 खड़ी कर रखी थी। साथ में ही उसके परिवार के अन्य लोगों की दुकानें भी हैं। कुछ देर बाद जब वह गेट से बाहर आया व कहीं जाने के लिए स्कूटी को देखने लगा तो वह वहां से गायब थी।

इसकी सूचना सदर थाना पुलिस को भी दे दी। पुलिस ने उनके घर के पास ही फोरलेन पर लगे हाई रेजोलेशन वाले कैमरों की सीसीटीवी फुटेज में देखा तो पाया कि एक व्यक्ति जिसने अपने सिर पर पटका बांध रखा है सुबह 9 बजकर 27 मिनट पर उसकी स्कूटी को तेजी से भगाते हुए ले जा जा रहा है। पुलिस ने शिकायत दर्ज करके स्कूटी की तलाश शुरू कर दी है।

स्कूटी लेकर जाता हुआ आरोपी।

रोजगार मेले में 75 प्रशिक्षुओं का चयन

अनंत ज्ञान, सरकाघाट। सरकाघाट उपमंडल की औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान पपलोग में एचआरवीएस इंडिया प्राइवेट लिमिटेड द्वारा सुजुकी मोटर गुजरात प्राइवेट लिमिटेड कंपनी के लिए कैंपस साक्षात्कार का आयोजन किया गया। कंपनी की ओर से एचआर मोनांक मालवीय सहित एचआरवीएस एचआर प्रियांक चौहान व करुणानिधान उपस्थित रहे।

एचआर द्वारा 75 अभ्यर्थियों का चयन किया गया, जिन्हें फाइनल सिलेक्शन हेतु मेडिकल परीक्षा से गुजरना होगा। संस्थान के प्रधानाचार्य ने एचआर का साक्षात्कार आयोजित करवाने हेतु धन्यवाद किया

जल शक्ति विभाग का खुले में जलाया रिकॉर्ड

भगत सिंह गुलेरिया, मंडी

गत बरसात में शहर की टारना पहाड़ी पर जमींदोज हुए जल शक्ति विभाग के कार्यालय के आसपास के रिहायशी घरों के लिए परेशानियां अभी तक जारी है। आरंभ में जब उस भवन में दरारें आई तो आसपास के घरों के लिए आतंक जैसा माहौल बन गया।

जानकारी के अनुसार बुध व वीरवार को जल शक्ति विभाग के कर्मचारियों द्वारा जमींदोज हुए भवन के पास खुले में ही बनाई गई एक मंदिर नुमा भट्टी में रिकॉर्ड को जलाना जारी रखा। इससे उठता हुआ काला धुआं आसपास के घरों में बच्चों, महिलाओं व बुजुर्गों के लिए परेशानी का सबक बन गया। वहीं सरकारी कर्मचारी वहां पर दोबारा रिकॉर्ड जलाने लगे तो स्थानीय नागरिकों के द्वारा रोकने पर उन्होंने विभाग का एक पत्र भी दिखाया। जिसमें रिकॉर्ड को जलाने की बात कही गई थी। उन कर्मचारियों ने स्थानीय वाशिंदों को कहा कि वे चाहें तो उपायुक्त से बात कर लें। इस पर स्थानीय वाशिंदों ने साइट पर प्रदूषण कंट्रोल बोर्ड का दूरभाष नंबर ढूंढ कर शिकायत की तब जाकर कहीं इस गंदे धूएं से निजात मिली।

वहीं सरकारी रिकॉर्ड को खत्म करना हो तो बाकायदा तौर पर एक कमेटी के समक्ष उसे खत्म किया जाता है। यहां केवल दो कर्मचारियों की ड्यूटी लगा देना यह भी अपने आप में विभागीय कार्य प्रणाली पर एक तीखा सवाल है। इस तरह के रिकॉर्ड को जलाने के लिए सीमेंट फैक्ट्री एसीसी बरमाना में जलाने का प्रावधान है। अभी इस पर सभी विभाग कितना अमल करते हैं यह भी अपने आप में एक बहुत बड़ा प्रश्न है। इसके साथ ही ऐसे दस्तावेजों या अन्य वस्तुओं को खुले में जलाने पर 25000 तक का जुर्माना किया जा सकता है लेकिन सरकारी विभागों द्वारा इस तरह की कार्यवाही करने पर नर्मी बरती जाती है।

दुष्कर्म के आरोप में मामला दर्ज

अनंत ज्ञान, मंडी। मंडी पुलिस ने नाबालिग के साथ दुष्कर्म करने पर मामला दर्ज किया है।

जानकारी के अनुसार पीड़िता ने पुलिस में शिकायत दर्ज करवाई है मार्च महीने में कालू नाम के एक व्यक्ति ने उसके साथ दुष्कर्म किया और धमकी दी कि किसी को न बताए। पीड़ित द्वारा शिकायत देने पर पुलिस ने मामला दर्ज किया है। इस संबंधी एसपी मंडी साक्षी वर्मा ने मामले की पुष्टि की है।

बीमारियों से बचने के लिए पानी उबालकर पिएं : मनीश

अनंत ज्ञान, जोगिंद्रनगर

मानसून के दौरान जल जनित रोगों की रोकथाम के लिए एसडीएम ने लोगों से उबालकर पानी पीने का आह्वान किया।

उन्होंने बताया की पिछले कुछ दिनों में पीलिया के मामले तेजी से बढ़े हैं, जिनको ध्यान में रखते हुए लोगों से आह्वान किया है कि वे अपने घरों में साफ सफाई बनाये रखें, तथा पीलिया के कोई भी लक्षण होने पर डॉक्टर की सलाह जरूर लें।

सभी पंचायतों और नगर परिषद की नालियों तथा टैंकों को किया जा रहा साफ जल जनित रोगों को ध्यान में रखते हुए पंचायतों व नगर परिषद में पानी के सार्वजनिक टैंक व नालियों की भी पूरी तरह से सफाई की जा रही है। साथ ही उन्होंने कहा कि जोगिंद्रनगर के लोग भी अपने अपने घरों के टैंक व नालियों को पूरी तरह साफ करके ही पुनः प्रयोग करें। एसडीएम ने बताया कि आज स्वास्थ्य विभाग की तरफ से जोगिंद्रनगर नागरिक अस्पताल में रैपिड रीस्पोंस टीम आई थी।

इस टीम ने आज जोगिंद्रनगर नागरिक अस्पताल में पीलिया के मरीजों के बढ़ते मामलों को जाँचा तथा मरीजों को रोकथाम के उपाय बताए।

पीलिया की शिकायतें बढ़ने पर घरों की टंकियां साफ करते लोग।

संयुक्त पटवार एवं कानूनगो महासंघ के सदस्यों ने एसडीएम को सौंपा ज्ञापन

अनंत ज्ञान, जोगिंद्रनगर

जोगिंद्रनगर में संयुक्त पटवार एवं कानूनगो महासंघ इकाई जोगिंद्रनगर के प्रधान रणजीत सिंह की अगुवाई में संघ ने पटवारी एवं कानूनगो का राज्य स्तर पर तबादला नीति के विरोध में उपमंडलाधिकारी नागरिक जोगिंद्रनगर को ज्ञापन दिया कि आपदा को छोड़कर कोई भी ओनलाइन राजस्व कार्य नहीं किया जाएगा और शुक्रवार से अतिरिक्त कार्यभार की चाबियां संबंधित उच्चाधिकारी को सौंप दी जाएगी।

इस मौके पर सचिव तिलक राज, उप प्रधान अवतार सिंह, हरीश कुमार, श्याम सिंह, लोकेश बिष्ट, राकेश कुमार आदि मौजूद रहे।

एसडीएम जोगिंद्रनगर को ज्ञापन प्रेषित करते हुए।

बिंदर बने माता जालपा सरोआ के प्रधान

सुनील शर्मा, गोहर

मंडी जिला के सरोआ स्थित माता जालपा के गूर की ताजपोशी वीरवार को माता के सरोआ मंदिर में विधिवत की गई। फंनगयार गांव के बिंदर कुमार उर्फ बिन्दरू को बड़ा देव कमरुनाग के गूर देवी सिंह उर्फ देबू की मौजूदगी में गूर बनाया गया। इस मौके पर माता के मंदिर में सैकड़ों देवलुओं और तीनों हार के हारियानों ने इस पावन बेला पर अपनी हाजरी भरी।

बड़ा देव कमरुनाग के गूर देवी सिंह ने गूर बिन्दरू को देवी की माला पहनाई और उनकी विधिवत गूर के पद पर ताजपोशी की गई। इससे पूर्व नए गूर से पुजारी यशपाल शर्मा ने हवन करवाया और उनका काहुली के पानी से पवित्र स्नान करवाया। जालपा माता बड़ा देव कमरुनाग की बहन मानी जाती है और देवी का कमरुघाटी में सभी देवताओं से बड़ा देव कमरुनाग के बाद दूसरा स्थान है। मंदिर कमेटी के प्रधान लीला प्रकाश ठाकुर ने बताया कि माता के नए गूर की ताजपोशी का कार्यक्रम श्रद्धा और उत्साह के साथ संपन्न किया गया। इस मौके पर माता के प्रमुख कारदारों और देवलुओं ने शिरकत की।

बड़ा देव कमरुनाग के गूर के साथ नवनियुक्त गूर बिंदर कुमार।

वनखंड अधिकारी ने पर्यावरण बचाने के लिए करवाया पौधारोपण

अनंत ज्ञान, लेदा

पर्यावरण को बचाने के लिए बरसात में पौधारोपण किया जा रहा है।

इसी कड़ी में वन विभाग व ग्राम पंचायत लुहाखर के सामूहिक कार्यक्रम में पौधारोपण का आयोजन किया गया, जिसमें वन विभाग से वनखंड अधिकारी लेदा प्रकाश चंद, वनरक्षक विजय कुमार प्रभारी बल्हडा बीट, वनरक्षक सुनीता देवी प्रभारी लेदा बीट, स्वास्थ्य विभाग से सीएचओ अंकिता, स्वास्थ्य कार्यकर्ता पूनम आशा वर्कर, महिला एवं बाल विकास परियोजना विभाग से आंगनबाड़ी कार्यकर्ता, महिला मंडल व स्वयं सहायता समूह के सदस्यों युवक मंडल व स्थानीय लोगों द्वारा भाग लिया।

पौधारोपण करने के दौरान अधिकारी व पंचायत प्रतिनिधि।

विधायक को भ्रामक बयानबाजी से बचना चाहिए : परमार

अभिषेक, जोगिंद्रनगर

जोगिंद्रनगर में जिला मंडी कांग्रेस कमेटी के उपाध्यक्ष गुरु शरण परमार ने पिछले कुछ दिनों से जोगिंद्रनगर में आ रहे पीलिया के ज्यादा मामलों बारे में पत्रकार वार्ता का आयोजन किया।

परमार ने पिछले कल विधायक प्रकाश राणा के द्वारा अस्पताल का दौरा करने के बाद दिये गए ब्यान बारे अपनी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए कहा कि जिस तरह की मनगढ़ंत बातें विधायक प्रैस को सम्बोधित करते हुए कर रहे थे उन्हें ऐसी बयानबाजी से बचना चाहिए। जल शक्ति विभाग, जोगिंद्रनगर प्रशासन व अस्पताल के डॉक्टर पूरी मुस्तैदी से लोगों की सेवा में जुटे हुए हैं। जल शक्ति विभाग स्वच्छ जल की आपूर्ति पूरे जोगिंद्रनगर में कर रहा है।

विधायक तो लोक सभा चुनावों के बाद कल पहली बार देखे गए उनको क्या पता यहां क्या हो रहा है। हम यहाँ रहते हैं पानी पीते हैं हमें तो कुछ नहीं हुआ तो उनको कैसे पता चला कि पानी खराब आ रहा है, बस विरोध के लिए कुछ भी कह देना और कर्मचारियों पर बेवजह आरोप लगाकर उनका मनोबल गिराना सही नहीं है व पानी बारे भी भ्रामक बयानबाजी करके लोगों को बोतल बंद महंगा पानी पीने के लिए मजबूर करना सही नहीं है।

परमार ने विधायक से निवेदन किया कि वह अस्पताल में जो बोतल बंद पानी पीने की सलाह दे रहे थे, उसका इंतजाम भी करें वह एक जनप्रतिनिधि हैं लोगों को उनसे समस्या का समाधान चाहिए सलाह तो कोई भी दे सकता है।

जानकारी देते गुरु शरण परमार व अन्य।

पहल स्कूलों में रजिस्ट्री का काम बंद, ऑनलाइन रोजाना शिक्षकों की हाजिरी होगी अपडेट

ऐप के माध्यम से लगेगी शिक्षक और शिक्षार्थियों की हाजिरी

पुष्पराज, मंडी

जहां देश डिजिटल इंडिया की ओर बढ़ रहा है वहीं अब स्कूलों में भी रजिस्ट्री काम बंद होने जा रहा है। हिमाचल प्रदेश के सभी सरकारी पाठशालाओं में अब शिक्षकों और शिक्षार्थियों की हाजिरी ऑनलाइन लगने की कवायद शुरू हो गई है और यह हाजरी मोबाइल सिफ्ट चैट पर एप के माध्यम से लगाई जा रही है।

हालांकि प्रदेश के ग्रीष्मकालीन सत्र के स्कूलों में इन दिनों मानसून की छुट्टियां जारी है। जिसके चलते मोबाइल एप से ऑनलाइन हाजिरी कम हो रही है। लेकिन स्कूल खुलने के उपरांत शिक्षकों व विद्यार्थियों की हाजिरी लगाने की प्रक्रिया सुचारु रुप से शुरू हो जाएगी। वहीं प्रारंभिक शिक्षा विभाग ने समस्त स्कूल के प्रधानाचार्य एवं मुख्य अध्यापकों को निर्देश दिए हैं कि स्कूलों में शिक्षकों व विद्यार्थियों की ऑनलाइन हाजिरी के लिए सिफ्ट चैट ऐप को मोबाइल में डाउनलोड करें ताकि उक्त प्रक्रिया को पूरी तरह धरातल पर उतारा जा सके।

इसमें स्कूल मुखिया को अपने मोबाइल फोन में सिफ्ट ऐप डाउनलोड करना होगा। इस एप में आगे फीचर है, जिसमें हाजरी का विकल्प है। उसमें रोजाना शिक्षकों की हाजिरी को अपडेट किया जाएगा। स्कूल में हर रोज ऐप को अपडेट करना होगा। इसमें कितने शिक्षक आए हैं, कितने अवकाश पर है, कितने टूअर पर है। इसकी मॉनिटरिंग एसएसए के राज्य परियोजना निदेशालय से ऑनलाइन हो जाएगा। इसके अलावा स्कूल में विद्यार्थियों के लिए भी ऑनलाइन हाजिरी का विकल्प है।

इसके अलावा ऐप के माध्यम से बच्चों के मूल्यांकन, मिड-डे मील की रिपोर्ट, निपुण कार्यक्रम सहित अन्य गतिविधियां शिक्षा विभाग को भेजी जाएगी। उक्त प्रक्रिया को सफल बनाने के लिए प्रारंभिक शिक्षा उपनिदेशक मंडी के सभागार में 26 जुलाई को मंडी जिला के समस्त खंड शिक्षा अधिकारियों की बैठक आयोजित की जा रही है। इसमें शिक्षा निदेशालय की विशेष टीम ऑनलाईन हाजिरी बारे अवगत करवाएगी। विभाग ने समस्त बीईईओ को बैठक में भाग लेना सुनिश्चित किया है।

इस बारे में प्रारंभिक शिक्षा उपनिदेशक विजय गुप्ता का कहना है कि स्कूलों के शिक्षकों व विद्यार्थियों की हाजिरी अब ऑनलाइन लगने की प्रक्रिया शुरु कर दी गई है। शिक्षक व विद्यार्थी अब सिफ्ट चेक के माध्यम की मोबाइल एप के जरिए हाजिरी लगाएगें। उन्होंने बताया कि इस बाबत मंडी कार्यालय में विशेष बैठक बुलाई गई है। (अनंत ज्ञान)

समस्याओं के समाधान के लिए जारी हो सख्त निर्देश : आकाश

अनंत ज्ञान ब्यूरो, मंडी। जिला शिकायत निवारण कमेटी की बैठक लोक निर्माण मंत्री शहरी विकास प्राधिकरण मंत्री विक्रमादित्य सिंह की अध्यक्षता में की जाएगी।

हिमाचल कांग्रेस के मुख्य प्रवक्ता आकाश शर्मा ने नगर निगम में मंडी क्षेत्र में उत्पन्न समस्याओं के अतिशीघ्र निवरण के लिए संबंधित विभागों के विभाध्यक्ष प्रशासन को नगर निगम मंडी को सख्त निर्देश पारित करने का आग्रह किया है। शहरी क्षेत्र में गंदगी आवारा पशु, बंदर सड़कों की दुर्दशा गड्ढे, दिन प्रतिदिन चोरी की घटनाएं हो रही हैं। एनएचएआई से सट्टे ग्रामीण क्षेत्रों और स्कूल बाजार सकोड़ी, सुकेती पुलों पर अतिक्रमण से लोग परेशान हैं।

विपक्षी गठबंधन को मजबूत करेगी माकपा : डॉ. शाद

पुष्पराज, मंडी

मार्कसवादी कम्युनिस्ट पार्टी मंडी जिला कमेटी की बैठक वीरवार को कामरेड तारा चंद भवन मंडी में कामरेड भूपेंद्र सिंह की अध्यक्षता में आयोजित की है, जिसमें पार्टी के राज्य के सचिव डॉ. ओंकार शाद व जिला सचिव कुशाल भारद्वाज सहित अन्य कमेटी सदस्यों ने भाग लिया। डॉ. ओंकार शाद ने कहा कि लोकसभा चुनावों में भाजपा द्वारा 400 पार और हिमाचल में भाजपा सरकार को जनता ने नकार दिया है और उसमें माकपा ने भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। उन्होंने कहा कि माकपा विपक्षी गठबंधन को मजबूत करेगी।

हिमाचल प्रदेश में भाजपा द्वारा धनबल और केंद्र सरकार की एजेंसियों का दुरुपयोग करते हुए सत्ता हथियाने के लिए षड्यंत्र रचा गया था जो जनता ने असफल कर दिया है। उन्होंने कहा कि भाजपा अभी भी अपने सांप्रदायिक एजेंडे को लागू करने के लिए काम कर रही है जिसका ताजा उदाहरण कावड़ यात्रा के दौरान मुस्लिमों को निशाना बनाते हुए दुकानों के बाहर नाम पटिकाएं लगाने के लिए आदेश जारी कर दिए जिसके ऊपर सुप्रीम कोर्ट में कड़ा संज्ञान लेते हुए हस्तक्षेप किया है।

उन्होंने ये भी कहा कि पिछले कल पारित केंद्रीय बजट में आम आदमी के लिए कोई राहत नहीं दी गई है और उसमें राजनीतिक आधार पर बजट बांटा गया है जिसमें हिमाचल प्रदेश की पूरी तरह से उपेक्षा हुई है। जिला सम्मेलन 9, 10 नवंबर को पंजाई-बालीचौकी में आयोजित जाएगा।

न्यूज ब्रीफ

जिले से कबीर पंथी सुधार सभा के प्रधान बने सुरेश

अनंत ज्ञान, अंब। उपमंडल अंब से संबंध रखने वाले सुरेश कुमार मियां को कबीर पंथी समाज सुधार सभा का जिला प्रधान चुना गया। हिमाचल प्रदेश की कबीर पंथी समाज सुधार सभा की जिला बैठक देवी मंदिर अंब में संपन्न हुई, जिसकी अध्यक्षता प्रवेश चुनाव अधिकारी प्रदेश अध्यक्ष मास्टर भाग सिंह ने की। इस दौरान जिला ऊना की कार्यकारणी गठित की गई। इसमें सर्वसम्मति से सुरेश कुमार मियां को सातवीं बार जिला प्रधान चुना गया, महासचिव देवराज शांडिल, वित्त सचिव जगदीश राम, वरिष्ठ उपप्रधान जसवंत राय, उपप्रधान सोमदत्त, सिंकदर नाथ, प्रेस सचिव पवन कुमार, संयुक्त सचिव सुरेश कुमार, संगठन सचिव हंसराज, मुख्य सलाहकार मास्टर किकर सिंह, सलाहकार परसन लाल और शिक्षक दर्शन लाल को सर्वसम्मति से चुना गया। जिला प्रतिनिधि के रूप में राज कुमार, ब्रह्म दास, वित्त सिंह, किशन चंद, जगदेव शास्त्री, दुर्गा दास, शाम लाल, हंसराज, दर्शन लाल, मनोहर लाल, बुधदेव भाटिया, नानक चंद, सोमदत्त, वलराज, कर्म चंद, ओम प्रकाश, फौजी कुलदीप कुमार मास्टर हंसराज को आज जिला बैठक में दायित्व दिए गए। प्रस्ताव पारित करते हुए महासचिव देव राज शांडिल ने कहा कि मुख्यमंत्री हिमाचल प्रदेश कबीर पंथी कल्याण बोर्ड की बैठक शीघ्र बुलाए ताकि इस समाज के रुके कामों का निपटारा जल्द हो सके।

टटेहड़ा में करंट लगने से एक की मौत

सन्नी पुरी, गगरेट। उपमंडल गगरेट के टटेहड़ा गांव में एक 37 वर्षीय युवक की बिजली की तारों से करंट लगने पर मौत हो गई। करंट लगने के बाद अर्धचेतन अवस्था में उसे सिविल अस्पताल गगरेट लाया गया, जहां पर डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। घटना की जानकारी मिलते ही पुलिस ने मामला दर्ज कर आगामी कार्रवाई शुरू कर दी है। टटेहड़ा गांव में नंगल जरियालां गांव का 37 वर्षीय सतनाम सिंह पुत्र रघुवीर सिंह एक निर्माणाधीन शेड पर एक इलेक्ट्रिशियन के साथ कार्यरत था। वीरवार को वह शेड पर पाइप डालने के कार्य में व्यस्त था कि पाइप ऊपर से गुजरती सर्विस वायर से टकरा गई। इसके चलते वह करंट की चपेट में आ गया। इससे वह अर्धचेतन अवस्था में चला गया। उसे तत्काल सिविल अस्पताल गगरेट लाया गया, जहां पर डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। एएसपी संजीव भाटिया ने बताया कि पुलिस ने मामला दर्ज कर घटना के कारणों की जांच शुरू कर दी है।

समनाल में करंट लगने से एक की मौत

नरेश सिंघा, टाहलीवाल। पानी के कूलर से करंट लगने के कारण एक व्यक्ति की मौत हो गई। मृतक की पहचान कुलदीप कुमार पुत्र पुरुषोत्तम सिंह गांव समनाल डाकघर हरोली तहसील ऊना के तौर पर हुई है, जो कि 41 वर्ष का था। जानकारी के मुताबिक सीएचसी हरोली से पुलिस थाना हरोली को सूचना मिली कि एक व्यक्ति को इलाज के लिय कुछ लोग सीएचसी अस्पताल हरोली लाए थे, जिसे डॉक्टर ने मृत घोषित कर दिया है। सूचना पर पुलिस थाना के थाना प्रभारी सुनील कुमार टीम सहित वहां पहुंचे तथा जांच करने पर पाया कि मृतक मजदूरी का काम करता था और अपने घर में ही बिजली से संबंधित कोई कार्य कर रहा था। जहां पर उसे अचानक से करंट लग गया और करंट लगने के कारण उसकी मौत हो गई। पुलिस ने मृतक की शव को कब्जे में लेकर ऊना अस्पताल में पोस्टमार्टम करवाकर परिजनों को सौंप दिया है। पुलिस ने मामला दर्ज करके आगामी जांच शुरू कर दी है। यह भी बताया गया है कि पानी के कूलर से करंट लगने से व्यक्ति की मौत हुई है। कुलदीप अपने पीछे पत्नी और दो बच्चों को छोड़ गया है। (अनंत ज्ञान)

गृह मंत्रालय के अधिकारियों ने किया निरीक्षण

अनंत ज्ञान, हमीरपुर। पीएम श्री केंद्रीय विद्यालय हमीरपुर में नरेंद्र मेहरा सह-निदेशक, राजभाषा विभाग, गृह मंत्रालय भारत सरकार द्वारा विद्यालय राजभाषा हिंदी के कार्यान्वयन का निरीक्षण किया। केंद्रीय विद्यालय संगठन गुरुग्राम संभाग द्वारा निरीक्षण में सहयोग हेत नियुक्त अधिकारी प्रवीण भी इस अवसर पर उपस्थित थे। विद्यालय प्राचार्य सुनील चौहान ने विद्यार्थियों द्वारा निर्मित शुभकामना संदेश कार्ड प्रदान कर उनका स्वागत किया। नरेन्द्र मेहरा ने विद्यालय में राजभाषा हिंदी से संबंधित हो रहे समस्त कार्यों का निरीक्षण किया। इस अवसर पर विद्यालय द्वारा अध्यापकों व विद्यार्थियों द्वारा बनाए गए साहित्यकारों के चित्रों, हिंदी से संबंधित कलाकृतियां और हिंदी राजभाषा के क्षेत्र में किए जा रहे कार्य से संबंधित प्रदर्शनी का आयोजन किया गया। उन्होंने संपूर्ण विद्यालय का निरीक्षण किया और विद्यालय द्वारा हिंदी में किए जा रहे उत्कृष्ट कार्य की प्रशंसा की। उन्होंने विद्यालय के राजभाषा अधिकारी अरविंद कुमार व सदस्यों देकित, सुरेंद्र और कमल किशोर को हिंदी में किए जा रहे शत-प्रतिशत कार्य के लिए बधाई दी और इसे भविष्य में भी जारी रखने के लिए प्रेरित किया। इस अवसर पर विद्यालय प्राचार्य सुनील चौहान ने निरीक्षक महोदय द्वारा हिंदी के कार्य को और बेहतर करने के लिए दिए गए सुझावों और आश्वासनों को समय पर पूर्ण करने के लिए आश्वस्त किया।

भदसाली में महिला ने लगाया फंदा, मौत

अनंत ज्ञान, हरोली। भदसाली हार में एक महिला ने अपने घर के अंदर अपने दुप्पटे का फंदा बनाकर आत्महत्या कर ली। भदसाली के प्रधान ने पुलिस को सूचना दी कि भदसाली में एक महिला ने आत्महत्या कर ली है। इस पर पुलिस चौकी पंडोगा के इंचार्ज गुरध्यान शर्मा तथा सहायक उपनिरीक्षक सुशील पुलिस टीम के साथ मौका पर पहुंचे तथा पुलिस थाना हरोली से भी थाना प्रभारी सुनील संख्यान मौका पर हाजिर आए मौका के हालात को जांचने के बाद महिला के शव को पोस्टमार्टम के लिए ऊना अस्पताल भेजा गया, जहां पर पोस्टमार्टम रिपोर्ट से फंदा लगाकर आत्महत्या करने के मामले की पुष्टि हुई है। पुलिस ने शव मृतका के घर वालों को सौंप दी है। मृतका के पति फौज में पंजाब में कार्यरत थे। घर पर उसका एक बेटा और एक बेटी मौजूद थे। महिला ने रात के समय अपना फोन लेकर बरामदे में एक स्थान पर अपने दुपट्टे की सहायता से फंदा बनाकर आत्महत्या कर ली थी और बच्चों के कमरे को बाहर से लॉक लगा दिया था। बताया जा रहा है कि महिला कुछ समय से मानसिक रूप से परेशान चल रही थी, जो किसी बीमारी से ग्रस्त थी । पुलिस ने मामला दर्ज कर आगामी जांच शुरू कर दी है।

गमगीन हो उठी पूरी की पूरी रामगढ़ धार

शहीद दिलावर खान राजकीय सम्मान के साथ सुपुर्द-ए-खाक, हर शख्स की आंखों में आए आंसू

गमगीन मां और पत्नी शहीद बलिदानी दिलावर खान के चेहरे को अंतिम बार निहारती हुईं। (मध्य) एडीसी ऊना महेंद्र पाल गुर्जर दिलावर खान को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए। (दाएं) शहीद बलिदानी दिलावर खान को अंतिम विदाई देने के लिए पहुंचे लोग।

राजेश शर्मा, ऊना

जिले की रामगढ़ धार वीरवार को गमगीन थी। यहां का लाडला देश की रक्षा करते हुए वीरगति को प्राप्त हो गया। हालांकि, उसकी वीरता पर सबको फख्र था लेकिन भीतर बदले की आग भी धधक रही थी।

अमर शहीद बलिदानी दिलावर खान को अंतिम विदाई देने वाला हर कोई खून का बदला खून से लेने की मांग कर रहा था। ताबूत आंगन में पहुंच देख दिलावर की पत्नी और माता पर मानो दुखों का पहाड़ टूट पड़ा। अभी तक वे अपने सूरमे के इस दुनिया से रुखसत होने की खबर पर यकीन नहीं कर पा रहे थे। बेटा जुनैद तीन साल का है, जो कि टकटकी लगाए सब देख रहा था। यह दृश्य देख हर किसी का दिल पसीज रहा था।

श्रीनगर के कुपवाड़ा में आतंकियों से लड़ते हुए अपनी मातृभूमि के लिए सर्वोच्च बलिदान देने वाले 28 आरआर के नायक दिलवर खान (28 वर्ष) को गुरुवार को पूरे राजकीय सम्मान के साथ अंतिम विदाई दी गई। शहीद की पार्थिव देह दोपहर करीब 2 बजे बंगाणा उपमंडल में उनके पैतृक गांव घरवासड़ा लाई गई।

गांव में हर दिल गमगीन और हर आंख नम थी। बता दें, वर्ष 1996 में जन्मे दिलवर महज 18 साल की उम्र में सेना में भर्ती हुए थे। उनका सपना था देश की सेवा करना और इस सपने को पूरा करते हुए उन्होंने अपने प्राणों की आहुति दी। शहीद जवान के परिवार में उनके कृषक पिता कर्मदीन, माता भोला बीबी, एक भाई, एक बहन, पत्नी जमीला और 3 साल का बेटा जुनैद हैं।

हर आंख में थे आंसू, लेकिन दिल में भरा था गर्व

इस मौके पर विधायक विवेक शर्मा, अतिरिक्त उपायुक्त महेंद्र पाल गुर्जर, एएसपी संजीव भाटिया, एसडीएम सोनू गोयल सहित भारतीय सेना, पुलिस व प्रशासन के आला अधिकारियों ने घरवासड़ा पहुंचकर शहीद की पार्थिव देह पर पुष्प चक्र अर्पित कर श्रद्धांजलि दी. गांववासियों ने अपने वीर बेटे की अंतिम यात्रा में भारी संख्या में शामिल होकर उन्हें विदाई दी हर आंख में आंसू थे, लेकिन दिल में गर्व भरा था। सेना के जवानों ने राजकीय सम्मान के साथ शहीद को सलामी और गार्ड ऑफ ऑनर दिया। इस दौरान नमाज-ए-जनाजा अदा करके शहीद को सुपुर्द-ए-खाक किया गया। पूरे वातावरण में शहीद दिलवर खान के बलिदान की गूंज थी।

विधायक ने दिया शहीद के परिवार की हरसंभव सहायता का भरोसा

विधायक विवेक शर्मा ने श्रद्धासुमन अर्पित करते हुए कहा कि हिमाचल प्रदेश के जवान देश की सीमाओं की रक्षा के लिए हमेशा आगे रहकर लड़े हैं। उन्होंने कहा कि शहीद दिलवर खान के सर्वोच्च बलिदान को देश हमेशा याद रखेगा। प्रदेश सरकार की ओर से शहीद के परिवार को यथासंभव सहायता उपलब्ध करवाई जाएगी। यह वादा ही नहीं, हमारा कर्तव्य है।

विधायक विवेक शर्मा विक्कू शहीद बलिदानी दिलावर खान को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए। (दाएं) सेना की टुकड़ी शहीद बलिदानी दिलावर खान को सलामी देती हुई।

अनुराग की बदौलत हिमाचल रेल विकास को मिले 2698 करोड़ : अरुण कौशल

अनंत ज्ञान ब्यूरो, ऊना

बजट में हिमाचल रेलवे विकास के लिए 2698 करोड़ रुपए मंजूर होने पर भाजयुमो नेता अरुण कौशल ने केंद्रीय नेतृत्व का आभार जताया है। वर्ष 2024-25 के बजट में हिमाचल प्रदेश को रेल इंफ्रास्ट्रक्चर के विकास के लिए 2,698 करोड़ रुपए आवंटित होने पर अरुण कौशल ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, गृहमंत्री अमित शाह, केंद्रीय रेलमंत्री अश्वनी वैष्णव, हमीरपुर लोकसभा से सांसद अनुराग ठाकुर और राज्यसभा सांसद सिकंदर कुमार का आभार व्यक्त किया है।

अरुण कौशल ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी हिमाचल को अपना दूसरा घर मानते हैं, ऐसे में रेल विकास के लिए इतना बड़ा बजट जारी होना कोई मामूली बात नहीं है। यह हिमाचल की जनता के लिए उनके द्वारा भेजा बड़ा तोहफा है। केंद्र में मोदी के प्रधानमंत्री बनते ही हिमाचल की कई परियोजनाओं पर युद्धस्तर पर कार्य चल रहा है, जिसका पूरा श्रेय हमीरपुर संसदीय क्षेत्र से लोकप्रिय सांसद अनुराग ठाकुर को जाता है। उनकी कड़ी मेहनत और अनगिनत प्रयासों से ही आज हिमाचल रेल के माध्यम से अनेक राज्यों से सीधे तौर पर जुड़ा है।

उन्होंने कहा कि सारा क्षेत्र जानता है कि अनुराग ठाकुर के सांसद बनने के बाद ही अंब अंदौरा- दौलतपुर चौक- तलवाड़ा रेल समेत अन्य परियोजना को गति मिली है। पूर्व मनमोहन सरकार द्वारा जहां मात्र 108 करोड़ का हल्का सा बजट हिमाचल प्रदेश को दिया जाता था, वहीं आज ये बजट उस से 25 गुना बड़ा है। यह साफ तौर पर दर्शाता है कि प्रधानमंत्री मोदी और गृह मंत्री अमित शाह और सांसद अनुराग ठाकुर की तिकड़ी जोड़ी हिमाचल प्रदेश के विकास में कोई कमी नहीं छोड़ना चाहती है।

हमीरपुर के प्रवीण कुमार ने कारगिल युद्ध में पाई थी शहादत

प्रवीण कुमार की शहादत को याद कर परिजनों की आंखें होती हैं नम, किरण कुमारी को अपने पति की शहादत पर है नाज

रवि ठाकुर, हमीरपुर

हमीरपुर के बड़सर उपमंडल के सुनहाणी गांव के प्रवीण कुमार ने कारगिल युद्ध में अपने प्राणों की आहुति देकर देश की रक्षा की थी। कारगिल विजय दिवस के मौके पर प्रवीण की शहादत से आज भी परिजनों की आंखें नम हो जाती हैं, लेकिन प्रवीण की शहादत पर उनकी पत्नी किरण कुमारी और बेटी निशा कुमारी आज भी नाज करती हैं।

निशा पिता की तरह सेना में भर्ती होना चाहती हैं। शाहिद प्रवीण कुमार की पत्नी किरण कुमारी ने बताया कि जब उन्हें अपने पति की शहादत का पता चला तो वह चक्कर खाकर गिर गई थी, लेकिन पति के शहीद होने बहुत दुख हुआ। उनकी कमी कभी भी पूरी नहीं हो सकती है, लेकिन उनकी शहीदी पर आज वह फख्र करती हैं कि उनके पति ने देश के लिए अपने प्राणों की आहुति दी है।

प्रवीण कुमार की शहादत को याद करती पत्नी व बेटी (दाएं) अमर शहीद प्रवीण कुमार का फाइल फोटो।

शहीद की बेटी निशा कुमारी ने बताया कि उस समय वह बहुत छोटी थी, जब उनके पिता ने शहादत पाई थी, लेकिन आज वह अपने पिता की शहादत पर नाज करती हैं। वह बीएससी नर्सिंग की पढ़ाई कर भारतीय सेना में भर्ती होकर देश की सेवा करना चाहती हैं। शहीद प्रवीण कुमार का जन्म 21 जून, 1970 को माता सत्या देवी एवं पिता स्व. ईश्वर दास के घर गांव सुन्हाणी, तहसील बड़सर, जिला हमीरपुर में गरीब परिवार में हुआ था। प्रवीण ने अपनी पढ़ाई सीनियर सेकेंडरी स्कूल कुल्हेडा से की। प्रवीण शुरू से ही देश की सेवा करना चाहते थे। 26 अक्तूबर, 1990 को 21 वर्ष की आयु में 13 जेक राइफल्स में भर्ती हुए। 28 वर्ष की आयु में किरण कुमारी से विवाह हुआ। विवाह के दो वर्ष बाद ही प्रवीण कुमार ने 6, जुलाई 1999 में कारगिल युद्ध में वीरगति पाई। जब प्रवीण कुमार की शहादत हुई, तो उनकी बेटी मात्र एक वर्ष की थी। (अनंत ज्ञान)

आयोजन हरोली में डिजिट साक्षरता पर जागरूकता शिविर

फेक न्यूज बारे जागरूक किए लोग

अनंत ज्ञान ब्यूरो, ऊना

हरोली के कौशल विकास केंद्र पालकवाह में एसडीएम हरोली राजीव ठाकुर की अध्यक्षता में डिजिटल साक्षरता पर जागरूकता शिविर आयोजित किया गया।

शिविर में साइबर क्राइम, फेक न्यूज, विज्ञापन, सोशल मीडिया शिष्टाचार, साइबर बुलिंग, ऑनलाइन सुरक्षा, ई-सर्विसिज, ऑनलाइन बैंकिंग सहित विभिन्न सरकारी योजनाओं के लिए डिजिट प्लेटफॉर्मों बारे विस्तारपूर्वक जानकारी दी। एसडीएम ने बताया कि वर्तमान समय में जैसे-जैसे इंटरनेट का प्रचलन बढ़ रहा है, वैसे-वैस लोग भी इंटरनेट के माध्यम से धोखाधड़ी का शिकार होते जा रहे हैं। हर रोज किसी न किसी रूप में सुनते हैं कि किसी ने गवाए 50,000 या एटीएम का पिन बदलकर उड़ाए हजारों रुपए। उन्होंने कहा यह जिस भी कारण हो रहा है, उसमें कहीं न कहीं हमारी भी गलती है कि हम लालच में आकर अपने निजी जानकारी दूसरों के साथ शेयर कर देते हैं, जिस कारण दिन-प्रतिदिन यह अपराध बढ़ता जा रहा है। इस अपराध को रोकने के लिए सरकार द्वारा एक महत्वपूर्ण कदम उठाया गया है कि जन-जन को साइबर क्राइम के बारे में संदेश दिया जाए और इससे बचने के सुझाव लोगों तक पहुंचाएं जाएं, ताकि ज्यादा से ज्यादा लोग साइबर के बारे में जागरूक रहें और और इससे बचें। साइबर क्राइम एक ऐसा अपराध है, जिसमें कंप्यूटर या मोबाइल का उपयोग करके ऑनलाइन निजी जानकारी को प्राप्त करते हैं और उसका गलत इस्तेमाल करते हैं।

हरोली में डिजिटल जागरूकता शिविर में उपस्थित सदस्य।

साइबर क्राइम से कैसे बचें : किसी भी वेबसाइट पर अपनी पर्सनल डिटेल शेयर न करें। अपनी पर्सनल जानकारी को ऑनलाइन पब्लिश करने से बचना चाहिए। किसी भी सॉफ्टवेयर या ऐप को डाउनलोड करने से पहले अच्छे से कंफर्म कर लें कि वह सही है या कोई फेक ऐप तो नहीं है।

साइबर क्राइम होने के बाद क्या करें

अगर किसी के साथ साइबर क्राइम होता है, तो वह सबसे पहले 1930 नंबर डायल कर कॉल करें और वहां पर शिकायत करें तथा जिस नंबर से आपको फोन आया है वह फोन नंबर और यूआरआईडी जिससे अपने पैसे ट्रांसफर किए हैं तथा उसका स्क्रीनशॉट अपने पास जरूर रखें या फिर भारतीय साइबर क्राइम के फोन नंबर 1800 209 6789 पर अपनी शिकायत दर्ज करवा सकते हैं।

नादौन में अतिक्रमण करने वाले दुकानदारों के नप ने काटे चालान

नगर पंचायत प्रशासन ने दुकानदारों के चालान काटे।

शशि सोनल, नादौन

नादौन शहर के विभिन्न बाजारों में उस समय हड़कंप मच गया, जब नगर पंचायत प्रशासन की टीम ने नगर पंचायत सचिव के नेतृत्व में नादौन बस स्टैंड पर स्थित मार्केट में अतिक्रमण करने वालों के चालान काटने शुरू कर दिए। भनक लगते ही कई दुकानदारों ने दुकानों के बाहर रखे समाने को आनन-फानन में हटा दिया। वीरवार सांय नगर पंचायत ने सचिव रमन शर्मा के नेतृत्व में करीब आधा दर्जन चालान काटे हैं।

इस दौरान कई दुकानदार उलझते भी दिखे। समाचार लिखे जाने तक नगर पंचायत की यह कार्रवाई जारी थी। इस अवसर पर नगर पंचायत सचिव रमन शर्मा के साथ सीनियर क्लर्क कुलदीप कुमार, जेई कनिष्ठ अभियंता के अलावा किशोरी लाल, सोनू आदि कर्मचारी भी उपस्थित रहे। नगर पंचायत सचिव रमन शर्मा ने अतिक्रमण करने वाले दुकानदारों को हिदायत दी कि वह अपनी दुकानों के बाहर सामान आदि न रखें अन्यथा उनके खिलाफ कड़ी कार्रवाई अमल में लाई जाएगी।

अतिक्रमण की वजह से लोगों को शहर में आने जाने में मुश्किल होती है इससे दुकानदारों को भी नुकसान होता है लेकिन वे फिर भी बाजार की सड़कों पर अतिक्रमण करने से गुरेज नहीं करते हैं, जो सही नहीं है। उन्होंने दुकानदारों से आह्वान किया है कि वह शहर को अतिक्रमण मुक्त करने में नगर पंचायत का सहयोग करें क्योंकि यह शहर उनका अपना शहर है। यदि ग्राहकों को आने जाने में सहूलियत होगी, जिससे दुकानदारों को भी कारोवार में बढ़ोतरी होगी। (अनंत ज्ञान)

न्यूज ब्रीफ

बंजार कॉलेज में प्रथम वर्ष के छात्रों के लिए इंडक्शन

बंजार। बंजार कॉलेज के बहुउद्देश्य हॉल में वीरवार को प्रथम वर्ष के छात्रों के लिए एक इंडक्शन और प्रिंसिपल एड्रेस कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का संचालन डॉ. श्रवण कुमार ने किया और मुख्यातिथि के रूप में कॉलेज की प्राचार्य डॉ. रेणुका थपलियाल उपस्थित रहीं। कार्यक्रम का उद्देश्य छात्रों को उनके शैक्षणिक जीवन और कॉलेज जीवन के बारे में महत्वपूर्ण जानकारी प्रदान करना था। कार्यक्रम के दौरान, कॉलेज प्रशासन ने छात्रों को उनकी संबंधित कक्षाओं और विभिन्न धाराओं-मानविकी, वाणिज्य और विज्ञान में उपलब्ध विषय संयोजनों के बारे में जानकारी दी। विभिन्न कॉलेज समितियों और मूल्यांकन प्रक्रिया के बारे में भी विस्तार से बताया गया। छात्रों का परिचय संकाय और स्टाफ सदस्यों से करवाया गया, ताकि वे अपने शिक्षकों और मार्गदर्शकों को जान सकें। इस अवसर पर डॉ. दीपक कुमार ने च्वाइस बेस्ड क्रेडिट सिस्टम (सीबीसीएस) और इसके अंतर्गत होने वाले दो प्रकार के मूल्यांकन-सतत व्यापक मूल्यांकन सीसीए और अंतिम वर्ष परीक्षा ई वाय ई-के बारे में विस्तार से समझाया। डॉ. सिंह ने छात्रों को विषय संयोजनों और तीन वर्ष की अवधि में पूरी की जाने वाली क्रेडिट्स के बारे में भी जानकारी दी। रैगिंग के बारे में जागरूकता और इसे रोकने के लिए उठाए गए उपायों पर भी चर्चा की गई।

आशा कार्यकर्ताओं को छह दिनों तक किया जाएगा प्रशिक्षित

कुल्लू। जिला मुख्यालय में स्थित क्षेत्रीय अस्पताल कुल्लू में विभिन्न्र रोगों से संबंधित प्रशिक्षण शिविर का शुभारंभ हुआ। छह दिवसीय इस प्रशिक्षण शिविर में जिला स्तरीय स्वास्थ्य खंडों के प्रशिक्षकों के लिए मानसिक एवं नशे संबंधी (एमएनएस) विकार, वृद्धावस्था तथा वृद्धावस्था में होने वाले रोगों की पहचान एवं देखभाल तथा प्रशामक देखभाल बारे आशा वकर्स को प्रशिक्षण दिया जाएगा। क्षेत्रीय अस्पताल के मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉक्टर नागराज की अध्यक्षता में शुरू हुए इस प्रशिक्षण शिविर में प्रशिक्षक (टीओटी) खंड स्तरों पर आशा कार्यकर्ताओं को प्रशिक्षण देंगे। इस अवसर पर मुख्य चिकित्सा अधिकारी नागराज ने बताया कि इस प्रशिक्षण के बाद सभी प्रशिक्षित आशा कार्यकर्ता घर-घर जाकर ऐसे रोगियों की पहचान सीआईडीटी टूल यानी कम्युनिटी इंफॉर्मेशन डिटेक्शन टूल के माध्यम से करेंगी, जिसमें उन्हें सीबीएसी फॉर्मेट दिया जाएगा, जिसके आधार पर वह देख सकेंगे कि किसे क्या-क्या बीमारियां हैं। इसके साथ इस बारे में यह जानकारी आगे स्वास्थ्य कार्यकर्ता को बताएंगे और उन्हें उचित स्वास्थ्य सेवाएं विशेषज्ञ चिकित्सक के द्वारा प्रदान की जाएंगी। क्षेत्रीय अस्पताल कुल्लू में इसका प्रशिक्षण जिला ट्रेनर के द्वारा दिया जा रहा है।

ड्रोन से जारी रहा लापता जितेंद्र पॉल का सर्च अभियान

केलांग। लाहौल घाटी के स्टिंगरी के पास सड़क हादसे में लापता यांगला गांव के जितेंद्र पॉल की तलाश जारी है। वीरवार को भी सर्च अभियान जारी रहा। जिप लाहौल-स्पीति की अध्यक्ष बीना देवी ने बताया कि सर्च ऑपरेशन में खुद एसपी मयंक चौधरी, डीएसपी और एसएचओ पुलिस जवानों के साथ फील्ड पर डटे रहे। वीरवार को पुलिस ने सर्च ऑपरेशन के लिए ड्रोन की भी मदद ली। एसपी लाहौल-स्पीति मयंक चौधरी ने बताया कि तलाश अभियान में पुलिस स्टेशन केलांग, डिस्ट्रिक्ट क्विक रेस्पोंस, आईटीबीपी और अग्निश्मन विभाग कि टीम शामिल है। वहीं, विधायक अनुराधा राणा सड़क हादसे के बाद लगातार प्रशासन और पुलिस के संपर्क में है और सर्च ऑपरेशन को लेकर अपडेट ले रही हैं। जिप अध्यक्ष बीना देवी ने इसके लिए विधायक अनुराधा राणा, एसपी मयंक चौधरी, डीएसपी राजकुमार, एसएचओ अर्जुन के साथ सर्च टीम में जुटे जवानों का आभार जताया है।

कुट्टीआगे में 247 ग्राम चरस के साथ एक गिरफ्तार

कुल्लू। कुल्लू के भुंतर में एक व्यक्ति को 247 ग्राम चरस के साथ गिरफ्तार किया है। पुलिस की जानकारी के अनुसार गत दिन जब पुलिस थाना भुंतर की टीम गश्त पर थी, तो दियार चौक कुट्टीआगे के समीप एक व्यक्ति को शक के आधार पर तलाशी के लिए रोका। तलाशी के दौरान व्यक्ति के कब्जे से 247 ग्राम चरस बरामद हुई। पुलिस ने आरोपी को चरस के साथ गिरफ्तार कर आगामी कार्रवाई शुरू कर दी है। आरोपी की पहचान सर्व दयाल (46 वर्ष) पुत्र आले राम निवासी हवाई डाकघर शियाह जिला कुल्लू के रूप में हुई है। उधर, एसपी कुल्लू डॉ. कार्तिकियन गोकुलचंद्रन ने मामले की पुष्टि करते हुए बताया कि आरोपी के खिलाफ पुलिस थाना भुंतर में धारा 20 एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला दर्ज कर गिरफ्तार किया गया है। मामले की जांच जारी है।

ग्रामीणों की मांग पर बन रहा संलग्रा सड़क पर क्रैश बैरियर

केलांग। लाहौल-स्पीति के संलग्रा गांव में ग्रामीणों के द्वारा लंबे समय से चले आए रहे क्रैश बैरियर को बनाने की मांग पर अमल करते हुए प्रशासन ने निर्माण कार्य शुरू कर दिया है। संलग्रा गांव के निवासी लंबे समय से क्रैश बैरियर की मांग कर रहे थे, ताकि सर्दियों के समय में सुरक्षा के मद्देनजर वाहन चालकों को किसी अप्रिय घटना से परिचित न होना पड़े। इसलिए अब संबंधित विभाग ने ग्रामीणों की मांग को पूरा करते हुए क्रैश बैरियर का निर्माण कार्य शुरू कर दिया है। इस संदर्भ में लाहौल-स्पीति की नवनिर्वाचित विधायिका अनुराधा राणा ने भी ग्रामीणों की मांग पर बन रहे क्रैश बैरियर का जिक्र कर जानकारी को साझा कर इस निर्माण कार्य पर हर्ष जताया है। बेहरहाल क्रैश बैरियर के निर्माण कार्य शुरू से समस्त संलग्रा वासी गदगद हो चुके हैं।

उम्रभर की कमाई को एक पल में बहाकर ले गई बाढ़

कमलेश वर्मा, मनाली

मनाली के पास लगते सोलंग नाला के अंजनी महादेव नाले में रात के समय बादल फटने से मची तबाही के कारण जनजीवन अस्त-व्यस्त हो गया है।

बुधवार आधी रात को घटी इस घटना में बादल फटने से आई बाढ़ से पलचान, रुआड व कुलंग गांव में अफरा-तफरी मच गई और नदी से आ रही भयंकर आवाज से हर कोई सहम गया। घरों में रह रहे लोगों ने भागकर जान बचाई, लेकिन उनके खून पसीने से बनाए आशियाने बाढ़ की चपेट में आ गए। बाढ़ उनकी उम्र भर की कमाई को एक पल में बहा कर ले गई और अगर कुछ बचा तो सिर्फ तन पर पहने कपड़े। वहीं, बाढ़ प्रभावितों के अनुसार बीते रात को वे अपने परिवार के साथ अपने घर में सो रहे थे और इस दौरान उन्हें अचानक जोरों की आवाज सुनाई दी, जिसके बाद उनकी नींद चली गई और उन्होंने देखा कि पानी का स्तर लगातार बढ़ता जा रहा था और ऐसे में वे अपने परिवार को लेकर जल्द घर से बाहर भागे और सुरक्षित स्थान पर जा पहुंचे। लिहाजा, आधी रात को आई इस तबाही ने तीन घरों के परिवारों का जहां सब कुछ तबाह कर दिया। वहीं, कपिल मोहन हाइड्रो प्रोजेक्ट प्रबंधन को भी भारी नुकसान हुआ है। साथ ही एक घर को भी क्षति पहुंची है, जबकि 20 भेड़ें भी बाढ़ की चपेट में आने से बह गई हैं। बहरहाल, बादल फटने से आई बाढ़ से मलबा व पत्थर आने के चलते पलचान पुल भी क्षतिग्रस्त होने के साथ ही मलबे व पत्थरों से ऐसे भरा है, जैसे मानों यहां कभी रास्ता था ही नहीं।

इस कारण मनाली-लेह सड़क मार्ग भी पूरी तरह से बंद हो गया था, लेकिन प्रशासन और बीआरओ के द्वारा मशीनरी को लगाकर शाम तक वाहनों की आवाजाही के लिए वन-वे इस पुल को बहाल कर दिया है। डीसी कुल्लू तोरुल एस रविश ने भी घटनास्थल पर पहुंचकर बाढ़ के कारण हुए नुकसान का जायजा लिया। इस दौरान डीसी कुल्लू ने कहा कि मनाली के सोलंग नाला के समीप अंजनी महादेव के नाले में बादल फटने से अचानक बाढ़ आ गई। इस बात के कारण यहां पर करोड़ों की संपत्ति को नुकसान पहुंचा है। यह घटना देर रात को हुई हालांकि इसमें किसी तरह का कोई जानी नुकसान नहीं हुआ है, लेकिन संपत्ति को भारी नुकसान पहुंचा है और जो परिवार प्रभावित हुए हैं उनका रहने का फिलहाल इंतजाम नजदीकी स्कूल के भवन में किया गया है और इनको जरूरत का सामान भी उपलब्ध करवाया जा रहा है। (अनंत ज्ञान)

अनंत ज्ञान साइड स्टोरी

मनाली-लेह सड़क मार्ग पर स्नो गैलरी में घुसा मलबा।

बाढ़ के कारण कपिल मोहन पावर प्रोजेक्ट की मशीनरी को पहुंचा नुकसान।

प्रभावित परिवारों को राहत सामग्री बांटी

उधर, मनाली विधानसभा के विधायक भुवनेश्वर गौड़ ने बाढ़ क्षेत्र का दौरा किया। इस दौरान उन्होंने सरकार की ओर से प्रभावित परिवारों को राहत सामग्री बांटी और 25-25 हजार रुपए देने का भी ऐलान किया। वहीं, प्रदेश भाजपा उपाध्यक्ष एवं पूर्व मंत्री भी सुबह ही घटना की सूचना मिलते ही घटनास्थल पर पहुंचे और उन्होंने जहां हालातों का जायजा लिया। वहीं, प्रभावित परिवारों से मिलकर उनका दुख साझा किया और हर संभव मदद का आश्वासन दिया।

ब्यास की बेतरतीब तरीके से की ड्रेजिंग की खुली पोल

मोहन कपूर, पतलीकूहल

वीरवार सुबह पलचान में फटे बादल से ब्यास नदी में बाढ़ आ गई, जिससे मनाली से पतलीकूहल तक आतंक मचाया। मनाली पुलिस प्रशासन से सूचना मिलने के बाद पतलीकूहल पुलिस की जीप सायरन बजाकर सुबह करीब दो बजे ब्यास किनारे बसे पतलीकूहल वासियों को सचेत रहने की चेतावनी देती नजर आई।

पतलीकूहल में ब्यास का जलस्तर देखकर स्थानीय लोगों में दहशत का माहौल छा गया है। इस दौरान पतलीकूहल में ब्यास की बेतरतीब तरीके से की गई ड्रेजिंग की पोल भी खुल गई। ड्रेजिंग कर ब्यास को बीच से खाली कर नदी से निकले मलबे को किनारों पर रखने के बजाए नदी को छोटी-छोटी नालियां बनाकर बीच में ही ऊंचा ढेर लगा दिया, जिसके चलते बाढ़ का पानी बस्ती को बचाने को मुहाने पल लगाई गई रोक को तोड़कर तेज प्रवाह के साथ बस्ती और बाजार किनारों के साथ बहने लगा। हालांकि बाढ़ से किसी जान माल का नुकसान नहीं हुआ, लेकिन लोगों में दहशत का माहौल बना रहा। (अनंत ज्ञान)

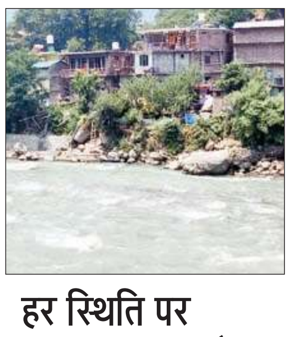

नग्गर पुल पर बढ़ा खतरा

गत वर्ष बाढ़ की भेंट चढ़ने से बचे नग्गर पुल ब्यास नदी में मलबा आने के कारण कुछ फीट की ऊंचाई पर ही रह गया है। जटेहड़ बिहाल के लोगों ने मांग की है कि जिस तरह पुल के दूसरे किनारे पर आरसीसी की दीवार लगाई गई है वैसी दीवार यहां भी लगाई जाए।

हर स्थिति पर नजर बनाए हुए हैं

एसडीएम रमन ने ब्यास नदी में बाढ़ के बाद से बढ़े जलस्तर के बारे में बताते हुए कहा है कि वे हर स्थिति पर पूरी तरह से नजर बनाए हुए हैं।

आरसीसी दीवार लगाई जा रही

मनाली के विधायक भुवनेश्वर गौड़ ने कहा कि बाढ़ से बचाव को पतलीकूहल में ब्यास पर आठ करोड़ रुपए की लागत से आरसीसी दीवार लगाई जा रही है।

कांग्रेस की मांग, सीपीएस को मंत्री बनाकर मंडी संसदीय क्षेत्र को दिया जाए अधिमान

अनंत ज्ञान ब्यूरो, कुल्लू

ब्लॉक कांग्रेस कमेटी की विशेष बैठक कुल्लू ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष हेम सिंह ठाकुर की अध्यक्षता में सर्किट हाउस कुल्लू में हुई।

उन्होंने बताया कि बैठक में आगे आने वाले समय में हर बुथ को सुदृढ़ करने के लिए चर्चा हुई। इसके अलावा जो बुथ निष्क्रिय चल रहे हैं उनके प्रभारी से चर्चा करने के बाद उन्हें नया स्वरूप देने का भी निर्णय लिया गया। बैठक में यह भी निर्णय लिया गया कि नए सदस्य जोड़े जाएंगे और आने वाले समय में हर कार्य बूथ कमेटी को विश्वास में लेकर किए जाएंगे। जिला कांग्रेस मुख्यमंत्री से आग्रह करेगी कि मंत्रिमंडल में जो खाली पद हैं, उन पर सीपीएस सुंदर को जल्द मंत्री बनाकर मंडी संसदीय क्षेत्र को अधिमान दिया जाए। इस बैठक में हिमाचल प्रदेश कांग्रेस कमेटी के सचिव उत्तम शर्मा, सुरेंद्र कुमार चौधरी, पूर्व जिला परिषद अध्यक्ष सेस राम चौधरी, जिला कांग्रेस उपाध्यक्ष एवं ऑफिस इंचार्ज संजीवधर आदि मौजूद रहे।

कुल्लू ब्लॉक कांग्रेस की बैठक के दौरान पदाधिकारी व सदस्य चर्चा करते हुए।

श्रीखंड यात्रा: मार्ग में न फैलाएं कूड़ा

अनंत ज्ञान, आनी

डीसी कुल्लू एवं श्रीखंड महादेव यात्रा ट्रस्ट की अध्यक्ष तोरुल एस रवीश ने श्रीखंड यात्रा के दौरान स्वच्छता का विशेष ध्यान रखने तथा यात्रा के मार्ग में कूड़ा न फैलाने की अपील की।

हिमालयन ट्राइब फाउंडेशन के स्वयंसेवकों ने श्रीखंड टॉप पर डंपिंग साइट की सफाई की। तोरुल एस रवीश ने श्रीखंड यात्रा के दौरान सभी यात्रियों से स्वच्छता का विशेष ध्यान रखने तथा यात्रा के मार्ग में कूड़ा न फैलाने की अपील की है। 22 जुलाई को हिमालयन ट्राइब फाउंडेशन के स्वयंसेवकों द्वारा श्रीखंड टॉप पर डंपिंग साइट की सफाई की गई, जो कि बहुत प्रशंसनीय कार्य है। डीसी कुल्लू ने निरमंड के सिंघगाड से श्रीखंड यात्रा को हरी झंडी दिखाई थी तथा श्रीखंड यात्रा के पहला जत्था रवाना किया था। उन्होंने सभी श्रद्धालु यात्रियों से अपील करते हुए कहा कि प्रशासन के दिशा-निर्देशों का पालन कर इस दौरान यात्रा पर जाने वाले श्रद्धालुओं से कूड़ा-कचरा विशेषकर प्लास्टिक का कचरा जंगल में न फेंकने का आग्रह किया है। उत्तर भारत की सबसे कठिनतम धार्मिक यात्राओं में शुमार श्रीखंड महादेव यात्रा आधिकारिक तौर पर रविवार 14 जुलाई से शुरू हुई थी। यह यात्रा 14 से 27 जुलाई तक चलेगी। यात्रा के समापन पर राजस्व अधिकारी के साथ पोर्टर की टीम को श्रीखंड टॉप पर सफाई के लिए भेजा जाएगा, ताकि इन पवित्र स्थलों को साफ-सुथरा रखा जा सके। इसके अलावा सभी निजी टेंट मालिकों को भी लिखित निर्देश जारी किए जाएंगे कि वे भी अपने आसपास पूर्ण स्वच्छता सुनिश्चित करेंगे।

हिमालयन ट्राइब फाउंडेशन के स्वयंसेवक श्रीखंड टॉप पर डंपिंग साइट की सफाई करते हुए।

28 जुलाई को होगा फिटनेस टेस्ट

कुल्लू। लाहौल-स्पीति में जल्द ही 12 से 14 वर्ष के बच्चों में साइकिलिंग की प्रतिभा को उभारने और उन्हें अभी से मंच देकर प्रतिस्पर्धा की भावना को पैदा करने के उद्देश्य से प्रतिभा पहचान प्रोग्राम का आयोजन किया जाएगा। रविवार यानी 28 को लाहौल-स्पीति साइलिकिंग एसोसिएशन के द्वारा साइकिलिंग फेडरेशन ऑफ इंडिया के दिशा-निर्देशानुसार जमीनी स्तर पर प्रतिभा पहचान कार्यक्रम यानी टेलेंट आइडेंटिफिकेशन प्रोग्राम के तहत 12 से 14 वर्ष के बच्चों का फिटनेस टेस्ट करवाने जा रही है, जो कि 28 को पुलिस ग्राउंड केलंग में सुबह 10 बजे आयोजित किया जाएगा।

इस टेलेंट आइडेंटिफिकेशन प्रोग्राम में लड़के और लड़कियां दोनों ही वर्ग के प्रतिभागी भाग ले सकेंगे। इस दौरान बच्चों को विभिन्न प्रकार के गतिविधियों के बारे में प्रशिक्षण दिया जाएगा और साइकिलिंग से संबंधित बारीकियों से अवगत करवाया जाएगा। प्रतिभा पहचान कार्यक्रम जुलाई, 2024 के चौथे रविवार तक पूरा हो जाएगा। परीक्षण में भाग लेने वाले एथलीटों को हल्का नाश्ता और पानी आदि उपलब्ध करवाया जाएगा।

छह महीने से माल रोड मनाली और शहर में लगी हाई मास्ट लाइटें बंद

अनंत ज्ञान ब्यूरो, मनाली

पर्यटन नगरी मनाली जो अपने आकर्षक स्थलों और प्राकृतिक सौंदर्य के लिए प्रसिद्ध है। आलम यह है कि यहां माल रोड और शहर में लगी हाई मास्ट लाइटें लगभग 6 माह से बंद पड़ी हैं, जिन्हें ठीक करने में प्रशासन दिलचस्पी नहीं ले रहा है।

यह बात भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष एवं पूर्व मंत्री गोविंद सिंह ने जारी प्रेस बयान में कही। यह स्थिति पर्यटन विकास परिषद द्वारा बिजली बिल का भुगतान न किए जाने के कारण उत्पन्न हुई है। गोविंद ने बताया कि पर्यटन विकास परिषद ने लगभग पौने दो लाख रुपए का बिजली बिल छह महीने से जमा नहीं किया है, जिसके चलते अप्रैल से जून तक के पर्यटन सीजन में मनाली का मुख्य मार्ग और कई अन्य प्रमुख स्थान अंधेरे में डूबे रहे हैं। इस कारण पर्यटकों और स्थानीय लोगों को रात के समय भारी परेशानियों का सामना करना पड़ा। मनाली, जो एक प्रमुख पर्यटन स्थल है, उसकी सुंदरता और सुरक्षा पर इस तरह की स्थिति से बुरा प्रभाव पड़ता है। बिजली की आपूर्ति में इस तरह की लापरवाही से न केवल पर्यटकों की संख्या में कमी आ सकती है, बल्कि स्थानीय व्यापारियों और व्यवसायियों को भी नुकसान उठाना पड़ सकता है। गोविंद ने जिला प्रशासन से अति शीघ्र बकाया बिजली बिल का भुगतान करने का आग्रह किया, ताकि मनाली का माल रोड और अन्य प्रमुख स्थान पुनः अच्छे प्रकाश से सुसज्जित हो सके। यह कदम न केवल पर्यटकों के लिए आकर्षण का केंद्र बनेगा, बल्कि स्थानीय लोगों की सुरक्षा और सुविधा भी सुनिश्चित करेगा। प्रशासन को इस मामले को गंभीरता से लेते हुए भविष्य में ऐसी स्थिति न उत्पन्न हो, इसके लिए ठोस कदम उठाने चाहिए।

फाइल फोटो।

दिव्यांगता पर किया जागरूक

अनंत ज्ञान ब्यूरो, कुल्लू

सांफिआ फाउंडेशन कुल्लू द्वारा वीरवार को राजकीय आदर्श वरिष्ठ माध्यमिक पाठशाला कटराईं में राष्ट्रीय सेवा योजना के सात दिवसीय शिविर के दौरान समावेशी कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस दौरान विद्यालय के छात्रों को विभिन्न सत्रों के माध्यम से दिव्यांगता तथा युवा नेतृत्व के बारे में जानकारी दी गई।

सांफिया फाउंडेशन के कार्यक्रम प्रबंधक बीजू ने पहले सत्र में सांफिआ फाउंडेशन के उद्देश्य एवं कार्यप्रणाली पर प्रकाश डालते हुए फाउंडेशन के द्वारा दिव्यांगता के क्षेत्र में दी जाने वाली तीन तरह की सेवाओं के बारे में विस्तार से जानकारी दी। इसके बाद दूसरे सत्र में आश बाल विकास केंद्र की समाज सेविका धनेश्वरी ने भी युवा स्वयं सेवियों को बताया कि सांफिआ फाउंडेशन दिव्यांगता के क्षेत्र में तीन तरह के विशेष कार्यक्रम चला रही है, जिसमें अर्ली इंटरवेंशन प्रोग्राम, थेरेपी ऑन व्हील्स एवं समावेशी कार्यक्रम, जो कि मुख्य रूप से सम्मिलित हैं उनसे सांफिया फाउंडेशन की सभी गतिविधियां करवाई गईं, जिसका उद्देश्य उन्हें दिव्यांगता का एहसास दिलाना रहा। धर्म चंद कार्यक्रम अधिकारी, राष्ट्रीय सेवा योजना, राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय कटराईं ने आश बाल विकास द्वारा दी जाने वाली सेवाओं की सराहना की और कहा कि स्कूल प्रशासन आने वाले समय में दिव्यांगता के क्षेत्र में हर संभव सहयोग करने के लिए तैयार रहेगा।

हिमाचल जैसे राज्यों के लिए बजट होगा महत्वपूर्ण साबित : अमित सूद

अनंत ज्ञान ब्यूरो, कुल्लू

प्रदेश भाजपा सह मीडिया प्रभारी अमित सूद ने कहा कि केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमन द्वारा प्रस्तुत बजट उन्नत भारत का मार्ग प्रशस्त करेगा।

उन्होंने कहा कि हिमाचल जैसे राज्यों के लिए यह बजट महत्वपूर्ण साबित होगा। हिमाचल प्रदेश का विशेष ध्यान रखने के लिए केंद्र सरकार का धन्यवाद किया। उन्होंने कहा कि 12 हजार करोड़ का राहत पैकेज जारी होने से प्रदेश सरकार के कुप्रबंधन से ग्रस्त प्रदेश में पुनर्वास और निर्माण कार्यों को गति मिलेगी और प्रदेश की जनता को राहत मिलेगी, जब भी केंद्र में कांग्रेस सरकार होती थी हिमाचल में रेलवे विस्तारीकरण केवल दूर की कोड़ी होती थी और केवल झूठे वादे ही हिमाचल को मिलते थे। मोदी सरकार के बजट में रेलवे बजट में 25 गुणा बढ़ोतरी बताती है कि हिमाचल जैसे छोटे राज्य के विकास के लिए भी केंद्र सरकार गंभीर है। हिमाचल के विभिन्न क्षेत्रों तक रेलवे विस्तारीकरण के लिए 2698 करोड़ का आवंटन मील का पत्थर साबित होगा।

केंद्र सरकार के सहयोग से प्रदेश में नैरोगेज को छोड़कर शत प्रतिशत रेलवे का विद्युतीकरण का कार्य पूरा हो चुका है और शिमला सहित चार रेलवे स्टेशनों को विश्वस्तरीय मानकों के आधार पर बनाया जा रहा है। चंडीगढ़-बद्दी रेल लाइन के लिए 300 करोड़, भानुपल्ली बिलासपुर बैरी रेल लाइन के लिए 1700 करोड़, नंगल तलवाड़ा के लिए 500 करोड़ और अन्य के लिए 198 करोड़ की राशि से हिमाचल में रेलवे के विकास की नई गाथा शुरु होगी।

पटवारी एवं कानूनगो संघ के सदस्यों ने बंजार नायब तहसीलदार को सौंपी चाबियां

शीला कौल, बंजार

कानूनगो व पटवारियों की मांगों पर सरकार द्वारा विचार न करने पर संघ में सरकार के प्रति भारी रोष है।

वीरवार को बंजार तहसील के पटवारी एवं कानूनगो महासंघ के निर्णय अनुसार अपने सभी अतिरिक्त कार्यभार की ऑफिस चाबियां नायब तहसीलदार कर्म चंद के माध्यम से एसडीएम नागरिक पंकज शर्मा को सौंप दी। बंजार के पटवारियों एवं कानूनगो पर पटवार वृत्त नोहांडा, कार्यालय कानूनगो बजार, उपमंडलीय कानूनगो, रिकॉर्ड कार्यालय बंजार व पीएम किसान का अतिरिक्त कार्यभार है।

पटवारी एवं कानूनगो महासंघ के प्रधान महेश्वर राणा ने बताया कि सरकार उन की मांगों पर विचार नहीं कर रही है, जिस पर निर्णय लिया गया था कि अगर मांगों पर विचार नहीं किया गया, तो सभी पटवारी एवं कानूनगो अतिरिक्त कार्यभार छोड़ देंगे। हिमाचल प्रदेश सरकार के मध्य एवं कानूनगो संघ के महासंघ की मांगों पर विचार करने के पश्चात ही अगला निर्णय लिया जाएगा। (अनंत ज्ञान)

रिपोर्ट राजकीय महाविद्यालय कुल्लू में नैक पीयर टीम ने दो दिनों तक किया निरीक्षण

एग्जिट मीटिंग में बंद लिफाफा देकर लौट गई नैक टीम

अनंत ज्ञान ब्यूरो, कुल्लू

राष्ट्रीय मूल्यांकन एवं प्रत्यायन परिषद (नैक) की पीयर टीम ने दो दिनों तक राजकीय महाविद्यालय कुल्लू का निरीक्षण किया। विभिन्न कमेटियों व प्रकोष्ठों के पदाधिकारियों के साथ अलग-अलग बैठक कर गोपीनीय रिपोर्ट तैयार की।

एग्जिट मीटिंग के दौरान बंद लिफाफे में गोपनीय रिपोर्ट प्राचार्या को देकर पीयर टीम लौट गई। अब कॉलेज प्रशासन को नैक मुख्यालय से मिलने वाले ग्रेड का इंतजार है। इससे पहले कुल्लू कॉलेज की ग्रेडिंग बी प्लस थी। राजस्थान के बनस्थली विद्यापीठ स्थित रसायन विज्ञान विभाग की प्रो. जया द्विवेदी नैक पीयर टीम की चेयरमैन थी, जिसके साथ संगीत विभाग के प्रो. ईश्वर चंद्र पंडित (गुजरात) को सदस्य समन्वयक और प्राचार्य कैप्टन राजीव सिंह (महाराष्ट्र) बतौर सदस्य उपस्थित रहे। प्राचार्या डॉ. ब्रिजबाला और आईक्यूएसी प्रभारी डॉ. बिंता के साथ बैठक के बाद नैक पीयर टीम ने कॉलेज प्राध्यापकों के साथ एग्जिट मीटिंग की। इस दौरान प्रो. जया द्विवेदी ने कॉलेज प्रबंधन की तैयारियों की सराहना की। चेयरमैन ने कहा कि राजकीय महाविद्यालय अध्ययन और अध्यापन में अव्वल है। अनुसंधान के क्षेत्र में भी कार्य करे, तो प्रदेश का अव्वल कॉलेज बन सकता है। एग्जिट मीटिंग में नैक पीयर टीम के अन्य सदस्यों ने भी कॉलेज प्रबंधन के सामने अपना दो दिनों का आर्ब्जवेशन रखा।

अंत में पीयर टीम ने उच्चतर शिक्षा विभाग द्वारा नियुक्त आर्ब्जवर डॉ. मनदीप शर्मा की उपस्थिति में अपनी गोपनीय रिपोर्ट को बंद लिफाफे में प्राचार्या ब्रिजबाला को सौंप दिया। साथ ही नैक मुख्यालय से ग्रेड मिलने के बाद बंद लिफाफा खोलने का आग्रह किया। कॉलेज से जाते समय पीयर टीम के सदस्यों ने कहा कि कुल्लू बहुत ही खूबसुरत है, यहां की यादों को अपने साथ लेकर जा रहे हैं। इस दौरान महाविद्यालय के समस्त प्राध्यापक एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

नैक की पीयर टीम राजकीय महाविद्यालय कुल्लू के निरीक्षण के दौरान।

न्यूज ब्रीफ

'विकसित भारत' की आधारशिला रखने वाला बजट

नाहन। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र की एनडीए सरकार के तीसरे कार्यकाल का पहला बजट 2024-25 'विकसित भारत' की आधारशिला रखने वाला बजट है। यह दूरदर्शी बजट सर्व-स्पर्शी व सर्व-समावेशी होने के साथ गरीब, महिला, युवा एवं अन्नदाता वर्ग के कल्याण को चरितार्थ करने और उद्योग व अधोसंरचना को मजबूती प्रदान करने वाला है। पूर्व मंत्री एवं पांवटा साहिब के विधायक सुखराम चौधरी ने नाहन में बताया कि आपदाएं कुछ समय के लिए होती हैं, मगर उनका असर हमें सालों तक सताता रहता है। पिछले साल देवभूमि हिमाचल ने अपने इतिहास की सबसे भयावह आपदाओं में से एक का सामना किया। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने हिमाचल प्रदेश को सहायता देने की घोषणा की, जिसके तहत केंद्र सरकार बहुपक्षीय विकास सहायता के माध्यम से पुनर्निर्माण और पुनर्वास के लिए राज्य को सहायता प्रदान करेगी। देवभूमि ने हमेशा से ही प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के दिल में विशेष स्थान रखा है। यह सहायता हिमाचल प्रदेश के लोगों के साथ उनके प्यार और लगाव को दर्शाती है।

नाहन के दो डिप्टी रेंजर बने सहायक प्रबंधक

नाहन। हिमाचल प्रदेश वन निगम के ऐतिहासिक बिरोजा व तारपीन फैक्टरी नाहन के दो डिप्टी रेंजर को सहायक प्रबंधक पद पर पदोन्नति मिली है। प्रदेश भर में वन निगम के तहत आठ डिप्टी रेंजर पदोन्नत हुए हैं, जिसमें दो डिप्टी रेंजर वन निगम नाहन के बिरोजा व तारपीन कारखाना के शामिल हैं। वन निगम के बिरोजा व तारपीन फैक्टरी में महाप्रबंधक व डीएम वन निगम सिरमौर एके वर्मा की अध्यक्षता में पाइपिंग इन सेरेमनी कार्यक्रम संपन्न हुआ, जिसमें डिप्टी रेंजर जगमोहन व रामसिंह नेगी को सहायक प्रबंधक पद पर पाइपिंग इन सेरेमनी में सम्मानित किया गया। वन निगम के तारपीन व बिरोजा उद्योग में लगभग दो वर्षों के बाद यह पदोन्नति हुई है। इस दौरान जीएम व डीएम वन निगम सिरमौर एके वर्मा ने बताया कि प्रदेश भर में आठ डिप्टी रेंजर इस वर्ष पदोन्नति हुए हैं, जिसमें दो डिप्टी रेंजर की पदोन्नति केवल वन निगम नाहन के बिरोजा व तारपीन उद्योग से हुई है।

वैज्ञानिकों से सीखीं बागवानी की आधुनिक तकनीकें

नाहन। क्षेत्रीय बागवानी अनुसंधान एवं प्रशिक्षण केंद्र धौलाकुआं (सिरमौर) के वैज्ञानिकों ने किसानों के लिए एकदिवसीय प्रशिक्षण (सह-एक्सपोजर विजिट) का आयोजन किया। इस प्रशिक्षण में बिरला पंचायत के 29 किसान-बागवानों ने हिस्सा लिया, जिसमें अधिकांश महिला किसान मौजूद रहीं। इस मौके पर क्षेत्रीय बागवानी अनुसंधान एवं प्रशिक्षण केंद्र धौलाकुआं की एसोसिएट डायरेक्टर डॉ. प्रियंका ने अनुसंधान स्टेशन की कार्यप्रणाली और गतिविधियों के बारे में किसानों को परिचित करवाया। इसके बाद फील्ड विजिट का आयोजन किया, जहां वैज्ञानिक डॉ. संजीव सान्याल ने लीची, अमरूद, नींबू की एयर लेयरिंग और आम की साइड ग्राफ्टिंग पर किसानों को बारीकी से प्रशिक्षित किया। इस दौरान किसानों को खुले और संरक्षित क्षेत्रों में प्राकृतिक खेती और सब्जी उत्पादन को भी दिखाया गया, जिसे सीएसके एचपीकेवीवी पालमपुर के वैज्ञानिकों द्वारा लगाया गया है।

100 से अधिक लोगों का जांचा स्वास्थ्य

रेणुका जी। मैनकाइंड फार्मा के सहयोग से ममता हेल्थ इंस्टीट्यूट की ओर से हेल्थ ब्लॉक धगेड़ा के प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र शंभूवाला में डॉ. वाईएस परमार मेडिकल कॉलेज के साथ मिलकर स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया, जिसमें मेडिकल कॉलेज से आए विभिन्न विभागों के स्पेशलिस्ट डॉक्टरों ने लोगों के स्वास्थ्य की पूरी जांच की और साथ में आए लैब टेक्नीशियन, फार्मासिस्ट और स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं ने डॉक्टर के निर्देशानुसार खून की जांच, ब्लड प्रेशर आदि की जांच की। बच्चों और महिलाओं की बीमारी जांच संबंधित डॉक्टर भी इस शिविर का विशेष हिस्सा रहे। इस शिविर का उद्घाटन डॉ. राजीव तुली प्रिंसिपल मेडिकल कॉलेज नाहन के द्वारा डॉ. मनीषा अग्रवाल खंड चिकित्सा अधिकारी धगेड़ा की मौजूदगी में किया गया। स्वास्थ्य शिविर में 100 से ज्यादा लोगों के स्वास्थ्य की जांच की गई, जिसमें बच्चे, महिलाएं, बुजुर्ग आदि शामिल रहे। मेडिकल कॉलेज से आए प्रशिक्षुओं ने आसपास के गांवों में जाकर लोगों को डेंगू के बारे में जागरूक किया।

युवाओं, उद्यमियों को स्टार्टअप के लिए किया प्रेरित

बीबीएन। उद्योग विभाग हिमाचल प्रदेश ने स्टार्टअप योजना के तहत बद्दी में एकदिवसीय कैपेस्टी बिल्डिंग वर्कशाप का आयोजन किया, जिसका उद्देश्य निवेशकों के लिए संभावनाएं पैदा करना व उनको इस योजना से सफल होकर मुकाम हासिल करने वालों से परिचित करवाना था। कार्यक्रम का आयोजन एचपी सेंटर एंटरप्रनयोरशिप डिवैल्पमेंट और क्षेत्रीय केंद्रीय उद्यमिता विकास ने मिलकर किया, जिसमें मुख्यातिथि के तौर पर उद्योग विभाग की संयुक्त निदेशक दीपीका खत्री मौजूद रहीं। कार्यक्रम में बद्दी-बरोटीवाला नालागढ़ के वर्तमान उद्यमियों के अलावा युवा उद्यमियों व विभिन्न कॉलेज व शिक्षण संस्थानों के छात्रों ने भाग लिया। कार्यक्रम में हिमाचल प्रदेश के अलग-अलग कोनों में स्टार्टअप योजना तहत स्थापित चार नव उद्यमियों ने अपनी-अपनी प्रेरणादायक कहानी सुनाई कि कैसे उन्होंने इस योजना का लाभ लेकर अपना उद्यम स्थापित किया। इसमें कोटगढ़ की युवती की सैनेटरी पैड कंपनी, ऊना के पंडोगा के ई-व्हीकल व मंडी के युवा की प्रदूषण नियंत्रण डिवाइस बनाने की कहानी लोगों ने स्क्रीन पर देखी। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए संयुक्त निदेशक उद्योग दीपीका खत्री ने कहा कि स्टार्टअप इंडिया भारत सरकार की एक प्रमुख पहल है।

नौणी की कृषि पारिस्थितिकी पहल पर डाला प्रकाश

सोलन। डॉ. यशवंत सिंह परमार औद्यानिकी एवं वानिकी विश्वविद्यालय, नौणी के कुलपति प्रो. राजेश्वर सिंह चंदेल ने वैश्विक पर्यावरण सुविधा और संयुक्त राष्ट्र औद्योगिक विकास संगठन की भारत में कृषि रसायन न्यूनीकरण एवं प्रबंधन क्षेत्रीय परियोजना के शुभारंभ पर एक विशिष्ट वक्ता रहे। इस कार्यक्रम में संयुक्त राष्ट्र सहित वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय, पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय, कृषि और किसान कल्याण मंत्रालय, रसायन और पेट्रोकेमिकल्स विभाग और अन्य सरकारी निकायों और शैक्षणिक संस्थान के प्रतिनिधियों ने भाग लिया। प्रो. चंदेल ने कृषि पारिस्थितिकी में विश्वविद्यालय के काम पर अंतर्दृष्टि साझा की और कैसे एक्रोपिक्स परियोजना, जिसका सदस्य विश्वविद्यालय है, उसके लक्ष्यों को भारत में फार्म परियोजना के साथ जोड़ा जा सकता है उस पर अपने विचार रखे। फार्म कार्यक्रम का मिशन कृषि रसायन के उपयोग को कम करने की दिशा में नीति और वित्तीय संसाधनों को पुनः उंमुख कर कृषि क्षेत्र को बदलना है।

औद्योगिक संस्थाओं ने किया पौधरोपण

बीबीएन। बद्दी की सामाजिक व औद्योगिक संस्थाओं ने हिमुडा इंडस्ट्रियल पार्क भटौलीकलां में पौधरोपण किया। कारगिल विजय दिवस के अवसर पर बद्दी शहर की सामाजिक संस्था हिमालय जनकल्याण समिति के तत्वाधान में इस कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसमें एक दर्जन औद्योगिक व स्थानीय संस्थाओं ने सहयोग किया व फलदार व छायादार पौधे रोपित किए। देश के वीर जवानों व शहीदों को समर्पित इस कार्यक्रम का शुभारंभ उद्योग विभाग के उपनिदेशक योगेश गुप्ता ने दीप प्रज्वलित कर व पौधा रोपित कर किया। बीबीएन को हरा-भरा बनाने के लिए हम सबको सामूहिक प्रयास करने होंगे। वहीं, समापन समारोह पर मुख्यातिथि बीबीएनडीए की सीईओ सोनाक्षी तोमर रहीं। उन्होंने कहा कि पहली बार बद्दी में इतना बड़ा कार्यक्रम हुए, जिसमें हर संस्था के सदस्य अपनी जिम्मेदारी तो निभा ही रहे हैं साथ में दिल से पर्यावरण संरक्षण की मुहिम चलाए हुए हैं।

चौक बाजार में बना नगर निगम का व्यावसायिक भवन जर्जर हालत में

निगम ने की अनसेफ घोषित करने की तैयारी, दर्जनों दुकानदारों पर संकट

आर मोहन चौहान, सोलन

शहर में जर्जर और खंडहर हो चुके दर्जनों भवन लोगों के लिए खतरा बन चुके हैं। ऐसा ही एक भवन नगर निगम का चौक बाजार में बना व्यावसायिक भवन है, जो जर्जर हालत में है। इसमें दर्जनों दुकानें चल रही हैं। खतरा होते हुए भी दुकानदार इससे खाली नहीं कर रहे हैं। इससे हमेशा जानमाल का खतरा रहता है।

भवन की जर्जर हालत को देखते हुए नगर निगम ने इसे अनसेफ घोषित करने की तैयारी कर ली है। इसको लेकर जनरल हाउस में प्रस्ताव लाया जाएगा। ऐसे में दुकानदारों से दुकानें खाली करवाई जाएंगी। भवन को डिस्मेंटल कर इसे नए सिरे से बनाया जाएगा। इस कारण दर्जनों दुकानदारों पर आजीविका का संकट खड़ा हो जाएगा। (अनंत ज्ञान)

सोलन के चौक बाजार में बना नगर निगम का व्यवसायिक भवन।

कई भवन जर्जर हालत में

शहर में कई भवन ऐसे हैं, जो कि जर्जर हालत में हैं। नगर निगम ने कई भवनों को अनसेफ घोषित किया है, लेकिन इसमें अभी भी लोग जान जोखिम में डाल कर रह रहे हैं। इसमें अधिकतर ऐसे हैं जिसमें संपत्ति को लेकर विवाद है। यही कारण है कि नगर निगम भी इससे डिस्मेंटल करने से कतराता है। शहर के गंज बाजार, अप्पर बाजार, चौक बाजार, धोबीघाट, शिल्ली रोड, चंबाघाट रोड समेत अन्य कॉलोनियों में ऐसे दर्जनों भवन हैं, जो जर्जर हालत में हैं।

चौक बाजार में बना निगम का व्यावसायिक भवन काफी पुराना है। भवन पूरी तरह जर्जर हो चुका है। इसलिए इसे अनसेफ घोषित किया जाना है। इसको लेकर हाउस में प्रस्ताव लाया जाएगा।

एकता कापटा, आयुक्त नगर निगम सोलन।

भूकंप व आग की दृष्टि से संवेदनशील

शहर में आवासीय कॉलोनी के बीच खड़े जर्जर भवन आगजनी व भूकंप की दृष्टि से संवेदनशील हैं। आपदा की स्थिति में भवन में रह रहे लोगों के साथ स्थानीय निवासियों की जान भी खतरे में पड़ जाएगी। कई भवन तो ऐसी जगहों पर हैं, जहां फायरब्रिगेड का पहुंचना भी मुश्किल है। इससे आपदा की स्थिति से निपटना आसान नहीं होगा। शहर के बीचो-बीच भी इस तरह भवन हैं, जो पुराने होने के साथ जर्जर हालत में हैं। खासबात है कि अधिकर भवनों में पुरानी लकड़ी लगी है, जो आग की स्थिति में बारूद का काम करेगी। इन भवनों के आसपास बहुमंजिला इमारतें खड़ी हैं। ऐसे में यदि आगजनी की घटना हो जाए, तो पास के भवनों को भी नुकसान उठाना पड़ेगा।

संयुक्त पटवारी-कानूनगो महासंघ ने छोड़ा अतिरिक्त कार्यभार

संघ के पदाधिकारी मांगों के तहत अतिरिक्त कार्यभार की चाबियां नायब तहसीलदार को सौंपते हुए।

अनंत ज्ञान, बीबीएन

संयुक्त पटवारी एवं कानूनगो महासंघ ने अपने मुद्दे को लेकर अतिरिक्त प्रभारों को छोड़ दिया है।

महासंघ ने मुख्यमंत्री व राजस्व मंत्री को भेजे ज्ञापन में महासंघ बद्दी ने कहा कि हिमाचल की राज्य स्तरीय बैठक 17 जुलाई को कुल्लू में आयोजित की गई थी, जिसमें राज्य कार्यकारिणी ने प्रदेश सरकार द्वारा पटवारी एवं कानूनगो के कैडर को जिला से बदल कर राज्य स्तरीय करने के कैबिनेट के फैसले का विरोध करते हुए 24 तक इस फैसले को वापस लेने का आग्रह किया था। साथ ही राज्य कार्यकारिणी द्वारा यह निर्णय लिया गया कि 25 से राज्य कैडर के फैसले का विरोध करते हुए अतिरिक्त प्रभार पर कार्य कर रहे सभी पटवारी व कानूनगो, अतिरिक्त प्रभार का कार्य करना बंद कर अतिरिक्त प्रभार वाले कार्यालयों की चाबियां अपने संबंधित तहसीलदार को सौंप देंगे।

बद्दी इकाई के प्रधान जय प्रकाश, सचिव दिनेश कुमार, कोषाध्यक्ष गुरमीत कौर, अरुण कुमार दफ्तर कानूनगो, बलविंद्र सिंह आदि ने कहा कि उसी निर्णय के तहत बद्दी इकाई ने अपनी चाबियां तहसीलदार व नायब तहसीलदार को सौंप दी व स्वयं को अतिरिक्त कार्यों से मुक्त कर लिया। इकाई के प्रधान जय प्रकाश ने कहा कि जब तक सरकार द्वारा पटवारी व कानूनगो के कार्यालय में स्थायी इंटरनेट ब्रॉडबैंड व प्रिंटर आदि की सुविधाएं उपलब्ध नहीं करवाई जाती, तब तक ऑनलाइन होने वाला कार्य पूर्ण रुप से बंद रहेगा।

पंचायत सचिव संघ नालागढ़ इकाई की कमान ओमप्रकाश को सौंपी

पंचायत सचिव संघ नालागढ़ इकाई की बैठक में हिस्सा लेते हुए।

अनंत ज्ञान, बीबीएन

पंचायत सचिव संघ नालागढ़ इकाई की कमान ओमप्रकाश को सौंपी गई। बीडीओ कार्यालय सभागार में कार्यकारी अध्यक्ष सीता राम की अध्यक्षता में सर्वसम्मति से नई कार्यकारिणी का चुनाव किया गया, जिसमें ओमप्रकाश को अध्यक्ष, ज्योति शर्मा को वरिष्ठ उपाध्यक्ष, राम लाल को वरिष्ठ महासचिव, देशराम को महासचिव, दर्शन सिंह को कोषाध्यक्ष, सह कोषाध्यक्ष रामजी दास, कपिल देव को मुख्य सलाहकार, प्रेस सचिव किशन चंद, सह-प्रेस सचिव राम कर्ण, सुरजीत बंसल को सलाहकार, सीता राम शर्मा मुख्य संरक्षक व श्याम लाल को संरक्षक की जिम्मेदारी सौंपी गई। इसके अलावा मीना कुमारी, मोहन लाल, गुरदयाल सिंह, ललीता शर्मा, शाममूर्ति, धर्मेंद्र कुमार, हंसराज, महिंद्र पाल, सुरेंद्र पाल, अनोखी राम, नीरज भंडारी को कार्यकारी सदस्य बनाया गया। नवनियुक्त अध्यक्ष ओमप्रकाश ने कहा कि उन्हें जो जिम्मेदारी मिली है, उसका पूरी ईमानदारी के साथ निर्वाहन किया जाएगा। पंचायत सचिवों की जो समस्याएं हैं, उन्हें प्रमुखता के साथ सरकार के समक्ष उठाया जाएगा। इस मौके पर सभी पंचायतों के सचिव उपस्थित रहे।

उद्योग विभाग में रेशम कीट पालन अधिकारी बने पंकज रघुवंशी

दाड़लाघाट। अर्की उपमंडल की घनागुघाट पंचायत के गांव बैहली (छायणू) शेरपुर निवासी पंकज रघुवंशी ने उद्योग विभाग में रेशम कीट पालन अधिकारी बनकर क्षेत्र का नाम रोशन किया है। पंकज रघुवंशी पुत्र सीस राम रघुवंशी की रेशम कीट पालन अधिकारी के रूप में नियुक्ति हुई है। पंकज की प्रारंभिक शिक्षा लक्ष्य पब्लिक स्कूल अर्की व जमा दो तक की शिक्षा राजकीय छात्र सीनियर सेकेंडरी स्कूल अर्की से हुई है। इसके अलावा स्नातक की शिक्षा बायोटेक्नोलॉजी शूलिनी इंस्टिट्यूट ऑफ लाइफ साइंस और बिजनेस मैनेजमेंट सोलन स्नातकोत्तर की शिक्षा मॉलिक्यूलर बायोलॉजी एवं बायोटेक्नोलॉजी डॉक्टर यशवंत सिंह परमार औद्यानिकी एवं वानिकी विश्वविद्यालय नौणी सोलन से हुई है। उनकी नियुक्ति से समस्त क्षेत्रवासियों में खुशी की लहर है। वर्तमान में उनकी नियुक्ति जिला मंडी के संधोल में हुई है। पंकज रघुवंशी ने अपनी इस सफलता का श्रेय अपने परिवार, अध्यापक व मित्रों को दिया है।

रेणुका में पांच हजार पौधे किए जाएंगे रोपित : विनय कुमार

अनंत ज्ञान, नाहन

उपाध्यक्ष विधानसभा विनय कुमार ने वन महोत्सव के अवसर पर पंचायत खाला क्यार के चुलडिया धार में अर्जुन का वृक्ष रोपित किया। इस अवसर पर लोगों को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि पेड़ प्रकृति के अनमोल उपहार है, जो पृथ्वी पर जीवन को बनाए रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

वृक्ष पर्यावरण को संतुलित और स्वस्थ रखने में मदद करते हैं इसलिए पेड़-पौधे हमारे जीवन के लिए नितांत महत्वपूर्ण है। हम सभी को अपने जीवन में वृक्ष जरूर रोपित करने चाहिए साथ ही युवा पीढ़ी को भी पौधरोपण के लिए प्रेरित करना चाहिए, ताकि हमारा प्रदेश सुंदर, हरा-भरा और स्वस्थ बना रहे। इस वर्ष युवा कांग्रेस द्वारा रेणुका जी विधानसभा क्षेत्र में पांच हजार पौधे रोपित किए जाएंगे। उपाध्यक्ष विधानसभा ने चुलडिया धार में विभिन्न विभागों के अधिकारियों के साथ लोगों की समस्याएं सुनीं, जहां प्रतिनिधिमंडलों ने उनके समक्ष विशेष तौर पर धार तारन के लिए बस एवं सिंचाई योजना तथा बड़ोन में गिरि नदी के साथ ढंगे लगाने की मांग रखी, जिसके लिए विनय ने क्षेत्र के लोगों को आश्वस्त किया की सभी औपचारिकताएं पूर्ण करने के उपरांत जल्द धार तारन के लिए बस एवं सिंचाई योजना तथा ग्राम बडोन में गिरि नदी के साथ ढंगे लगाने का कार्य किया जाएगा, ताकि इनके क्रियान्वयन के उपरांत क्षेत्र के लोग इनका लाभ प्राप्त कर सकें। उन्होंने कहा कि वह समय-समय पर रेणुका विधानसभा क्षेत्र का दौरा कर लोगों से मिलेंगे तथा जो भी समस्या उनके संज्ञान में लाई जाएंगी वह तत्परता के साथ उनका समाधान करने के लिए हर संभव प्रयास करेंगे।

विधानसभा उपाध्यक्ष विनय कुमार खाला क्यार पंचायत के चुलडिया में पौधरोपण करते हुए।

शूलिनी में कृषि-उत्पादन पर पाठ्यक्रम शुरू

अनंत ज्ञान, सोलन

कृषि-उत्पादन के उत्पादन और मूल्यवर्धन पर दस दिवसीय कौशल विकास प्रमाणपत्र पाठ्यक्रम (एसडीसीसी) आज शूलिनी विश्वविद्यालय में शुरू हुआ।

यह पाठ्यक्रम विस्तार शिक्षा निदेशालय, डॉ. वाइएस परमार बागवानी और वानिकी विश्वविद्यालय नौणी और शूलिनी विश्वविद्यालय में एमएस स्वामीनाथन स्कूल ऑफ एग्रीकल्चर द्वारा भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद (आईसीएआर)-राष्ट्रीय कृषि अनुसंधान प्रबंधन अकादमी हैदराबाद के सहयोग से आयोजित किया जा रहा है। उद्घाटन सत्र मुख्यातिथि चांसलर, शूलिनी विश्वविद्यालय, प्रो. पीके खोसला के संबोधन के साथ शुरू हुआ, जिन्होंने छात्रों को नौकरी चाहने वालों के बजाय नौकरी प्रदाता बनने के लिए प्रोत्साहित किया और कृषि क्षेत्र में कौशल विकास के महत्व पर भी प्रकाश डाला। शूलिनी विश्वविद्यालय के रजिस्ट्रार प्रो. सुनील ने कृषि विकास को बढ़ावा देने के लिए उन्नत अनुसंधान की आवश्यकता पर प्रकाश डाला और हाल के केंद्रीय बजट से अपडेट साझा किए। प्रो. पुरी ने कृषि क्षेत्र को प्रभावित करने वाली बजट बाधाओं और मुद्रास्फीति के मुद्दों को भी बताया, प्रतिभागियों से पाठ्यक्रम पूरा करने के बाद उद्यमशीलता के लिए अपने नए कौशल का लाभ उठाने का आग्रह किया।

शूलिनी विवि में कृषि-उत्पादन पर कौशल विकास कार्यक्रम में पहुंचे प्रतिभागी।

26 वर्षीय युवक ने की आत्महत्या

पांवटा साहिब। पांवटा साहिब उपमंडल में 26 वर्षीय युवक ने फंदा लगाकर आत्महत्या कर ली। मृतक की पहचान ऋषभ देव दुआ पुत्र सुरेंद्र कुमार निवासी मकान नंबर-157, वार्ड नंबर 3 आदर्श कालोनी, बद्रीपुर पांवटा साहिब के तौर पर हुई है। जानकारी के अनुसार पुलिस टीम को सूचना मिली कि युवक ने फंदा लगाकर आत्महत्या कर ली है। सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची और सिविल अस्पताल पांवटा साहिब में पोस्टमार्टम करवा शव परिजनों को सौंप दिया है। उधर, डीएसपी अदिति सिंह ने घटना की पुष्टि की है। उन्होंने बताया कि मामला दर्ज कर पुलिस जांच में जुट गई है।

नशे के खिलाफ करवाया अवगत

राजकीय महाविद्यालय रेणुका जी में ओरिएंटेशन प्रोग्राम के दौरान छात्र व शिक्षक।

अनंत ज्ञान, रेणुकाजी

राजकीय महाविद्यालय रेणुकाजी बीए प्रथम वर्ष के विद्यार्थियों के लिए ओरिएंटेशन प्रोग्राम का आयोजन किया गया।

डॉक्टर मिल्ला राम और प्रो. बबीता मेहता ने कॉमर्स के महत्व, करियर काउंसलिंग के महत्व के बारे में बताया। प्रो. नीलम कुमारी ने हिंदी की उपयोगिता, रैगिंग और अनुशासन, प्रो. रमेश ने राजनीतिक विज्ञान के विषय तथा नशे के बारे में अवगत कराया। प्रो. सुरम्या गुसाई ने अंग्रेजी विषय के महत्व तथा रेड रिबन क्लब के बारे में, प्रो. अशोक ने अर्थशास्त्र के महत्व खेलकूद गतिविधियों के बारे में जानकारी दी। इसके पश्चात कॉलेज के प्राचार्य डॉ. पवन ने नए विद्यार्थियों को कॉलेज में प्रवेश लेने के लिए शुभकामनाएं दीं।

केंद्रीय बजट में रखा हर वर्ग के हितों का ध्यान : बलदेव तोमर

अनंत ज्ञान, नाहन

प्रदेश भाजपा प्रवक्ता बलदेव तोमर ने कहा कि केंद्रीय बजट में हर वर्ग के हितों को ध्यान में रखा गया है।

बलदेव ने कहा कि केंद्रीय बजट में युवा व रोजगार पर फोकस किया गया है। उन्होंने केंद्रीय बजट में हिमाचल को भू-स्लखन और बाढ़ नियंत्रण परियोजनाओं को केंद्रीय सहायता प्रदान करने की घोषणा का स्वागत किया। इससे पर्वतीय राज्य में बाढ़ नियंत्रण परियोजनाओं को तेजी से कार्यान्वित करने में मदद मिलेगी। साथ ही हर साल बाढ़ से करोड़ों रुपए की सार्वजनिक और निजी संपत्ति को होने वाले नुकसान को रोका जा सकेगा। बलदेव ने कहा कि बजट में किसानों का खास ध्यान रखा है और किसानों की कमाई में इजाफा करने के लिए कई कदम उठाए गए हैं। बजट-2024 में कृषि क्षेत्र को 1.52 लाख करोड़ रुपए आवंटित कर किसानों के हित में अनेक योजनाओं की घोषणा की हैं, जिससे आने वाले समय में देश के किसान आर्थिक व सामाजिक तौर पर मजबूत होंगे। सरकार की योजना लगभग 20 लाख युवाओं को रोजगार के लिए ट्रेनिंग देने की है। साथ ही एक करोड़ युवाओं को इंटर्नशिप योजना के साथ जोड़ा जाएगा, जो युवा हायर एजुकेशन करना चाहता है, उनके लिए 10 लाख तक का लोन

हर्षवर्धन मेडिकल डिवाइस पार्क का आज करेंगे निरीक्षण

बीबीएन। हिमाचल क उद्योग, संसदीय कार्य एवं रोजगार मंत्री हर्षवर्धन चौहान 26 जुलाई को सोलन जिले के प्रवास पर रहेंगे। हर्षवर्धन चौहान 26 को सुबह 10 बजे बद्दी के राजकीय प्राथमिक पाठशाला दसोरा माजरा के भवन का उद्घाटन करेंगे, उसके बाद साढ़े ग्यारह बजे कारगिल विजय दिवस के अवसर पर नालागढ़ के चौंकीवाला में रक्तदान शिविर का उद्घाटन करेंगे और फिर मेडिकल डिवाइस पार्क नालागढ़ का निरीक्षण करेंगे।

गर्भवती महिलाएं समय पर करवाएं अपनी स्वास्थ्य जांच : डॉ. नीना

अनंत ज्ञान, नाहन

सिरमौर के विकास खंड नाहन की देवनी पंचायत में महिलाओं के लिए एकदिवसीय संवेदीकरण संवाद शिविर का आयोजन किया गया, जिसमें आसपास के इलाकों की 100 के करीब महिलाओं ने अपनी उपस्थिति दर्ज करवाई। पंचायत प्रधान चिंता देवी शिविर में बतौर मुख्यातिथि मौजूद रहीं।

विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग के अंतर्गत एनएसटीसी की द्वारा संपोषित की जा रही परियोजना हिम प्रोडक्टिव सोसायटी ऑफ सोशल वेलफेयर सोलन की ओर से आयोजित शिविर का मुख्य मकसद मां और बच्चे के लिए समुदाय में अपनाई जा रही जीवन शैली का आकलन करना था। इस मौके पर स्थानीय महिलाओं से संवाद कर उनकी जीवन शैली के बारे में तर्क-वितर्क किए गए।

स्वास्थ्य विभाग की कम्युनिटी हेल्थ ऑफिसर डॉ. नीना ने महिलाओं से बातचीत कर पाया कि गर्भवती महिलाएं सही समय पर अपनी स्वास्थ्य जांच नहीं करवाती क्योंकि वे गर्भधारण करने के बाद तीन से चार महीने तक अपने इसकी किसी को खबर नहीं होने देतीं, इससे उनको फोलिक एसिड वाली गोली समय से नहीं मिल पाती और बच्चे का संपूर्ण विकास नहीं हो पाता।

देवनी पंचायत में एकदिवसीय संवेदीकरण संवाद शिविर में हिस्सा लेने पहुंची महिलाएं।

संबोधन सूखी जोहड़ी-कंडा काटल के बाग संपर्क सड़क के उन्नयन पर व्यय होंगे 10 करोड़ रुपए

पहाड़ी क्षेत्र के विकास में सड़कों का महत्वपूर्ण योगदान : राम

अनंत ज्ञान, नालागढ़

मुख्य संसदीय सचिव (उद्योग, राजस्व एवं नगर नियोजन) राम कुमार चौधरी ने कहा कि बिना किसी भेद-भाव के प्रत्येक व्यक्ति को विकास की धारा से जोड़ना प्रदेश सरकार का उद्देश्य है।

राम कुमार चौधरी आज दून की पंचायत गांगुड़ी के गांव चनहोल में सूखी जोहड़ी-कंडा काटल के बाग संपर्क मार्ग के उन्नयन कार्य का भूमि पूजन करने के उपरांत उपस्थित जनसमूह को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि सूखी जोहड़ी-कंडा काटल का बाग संपर्क मार्ग लगभग 15.500 किलोमीटर लंबा होगा। मार्ग का विस्तारीकरण नाबार्ड के माध्यम से लगभग 10 करोड़ रुपए की लागत से किया जाएगा। इस सड़क मार्ग के बनने से पंचायत गुलाड़ी, हुडंग, कोट व गांगुड़ी के हजारों ग्रामीणों को लाभ मिलेगा। उन्होंने कहा कि सड़कें आवाजाही का मुख्य साधन हैं। सड़कें जितनी बेहतर होंगी, क्षेत्र उतना ही विकसित होगा। सड़कों का बिछता जाल क्षेत्र की मजबूत आर्थिकी और खुशहाली की दिशा में एक मील पत्थर साबित होगा। पहाड़ी क्षेत्र के विकास में सड़कों का महत्वपूर्ण योगदान है, जिसके लिए वर्तमान सरकार द्वारा सड़क मार्गों के उन्नयन का कार्य प्राथमिकता के आधार पर किया जा रहा है। युवाओं को रोजगार उपलब्ध करवाने के दृष्टिगत नए उद्योग स्थापित किए जाएंगे तथा स्टार्टअप योजना आरंभ करने पर भी कार्य किया जा रहा है। शिक्षित युवाओं को रोजगार प्रदान करने के लिए सरकार प्रतिबद्ध है। बाग्गी मार्ग को पक्का करने के लिए पांच लाख रुपए देने तथा चनहोल गांव के रास्ते में टाइल लगाने के लिए 2 लाख रुपए देने की घोषणा भी की।

बाग संपर्क मार्ग विस्तारीकरण के भूमिपूजन के दौरान सीपीएस राम कुमार चौधरी।

नवभारत निर्माण की दिशा तय करने वाला बजट : रावत

नाहन। सिरमौर भाजपा के जिला सह मीडिया प्रभारी प्रताप सिंह रावत ने केंद्रीय बजट की सराहना करते हुए कहा है कि नवभारत निर्माण की दिशा तय करने वाला है उन्होंने केंद्रीय बजट पर अपनी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए बताया कि वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने अपने इस बजट में देश के किसान, युवा एवं महिलाओं का सम्मान करते हुए बजट में सभी वर्गों का विशेष ध्यान रखा गया है। केंद्रीय बजट में सबका साथ सबका विकास दिखाई दे रहा है।

वित्त मंत्री ने अपने बजट भाषण में हिमाचल में पिछले वर्ष प्राकृतिक आपदा से हुए नुकसान की भरपाई करने के लिए पूर्व मुख्यमंत्री जयराम ठाकुर ने केंद्र सरकार से हिमाचल को वित्तीय सहायता मांगी थी, जिसको प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी एवं वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने स्वीकार करते हुए प्राकृतिक आपदा से निपटने के लिए केंद्र सरकार हिमाचल को हर संभव सहायता करेगी।

न्यूज ब्रीफ

हिजबुल्लाह के इशारे पर फोड़ी सलमान रुश्दी की आंख

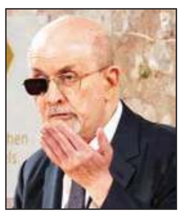

वाशिंगटन। लेबनान मूल के 26 साल के अमेरिकी हादी मतार पर पहले सलमान रुश्दी पर चाकू से हमला करने का आरोप लगाया गया था। अब ग्रैंड ज्यूरी ने उस पर आतंकवाद से जुड़े तीन आरोप लगाए हैं, जिसमें एक विदेशी आतंकी समूह को सहायता पहुंचाना भी शामिल है। मशहूर लेखक सलमान रुश्दी की हत्या का प्रयास करने वाले आरोपी पर अब एक आतंकवादी संगठन का समर्थन करने का आरोप लगाया गया है। बुधवार को सामने आए दस्तावेजों के अनुसार आरोपी पर कथित तौर पर आतंकी समूह हिजबुल्लाह के इशारों पर काम करने के लिए आतंकवाद के आरोप लगाए गए हैं।

अल्पसंख्यकों को बताएंगे कलाम की जीवनी

शिमला। भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा हिमाचल के लोगों को महान वैज्ञानिक और पूर्व राष्ट्रपति स्वर्गीय अब्दुल कलाम आजाद की जीवनी बताएगा। उनका संपूर्ण जीवन किस तरह से भारत देश के काम आया और उन्होंने कैसे मानवता की सेवा की इसकी पूरी जानकारी अल्पसंख्यक समुदाय को दी जाएगी। इसके लिए भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा पूरे प्रदेश में 27 जुलाई को विशेष कार्यक्रम करेगा। दिल्ली से अल्पसंख्यक मोर्चा के प्रदेश प्रभारी और राष्ट्रीय कार्यकारिणी सदस्य डॉ. असलम प्रदेश स्तरीय कार्यक्रम के लिए शिमला आएंगे।

नीट-यूजी का संशोधित रिजल्ट जारी

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट के आदेश के बाद नेशनल टेस्टिंग एजेंसी (एनटीए) ने वीरवार को नीट-यूजी का संशोधित परिणाम जारी कर दिया है। यह फैसला कोर्ट की ओर से परीक्षा प्रक्रिया में कुछ अनियमितताओं और तकनीकी खामियों को ध्यान में रखते हुए लिया था। सुप्रीम कोर्ट के आदेश के बाद एनटीए ने रिवाइज्ड रिजल्ट घोषित किया है। 23 जुलाई को मामले में सुप्रीम कोर्ट ने फैसला सुनाते हुए कहा था कि नीट यूजी री-टेस्ट का आयोजन नहीं किया जाएगा।

विमान किराये की जांच करवाइए : बिरला

नयी दिल्ली। लोकसभा के कुछ सदस्यों द्वारा बृहस्पतिवार को अधिक हवाई किराये का मुद्दा उठाए जाने पर अध्यक्ष ओम बिरला ने नागर विमानन मंत्री राममोहन नायडू से कहा कि वह इसकी जांच कराएं क्योंकि पैसा संसद से जाता है जो चिंता की बात है। नायडू ने कहा कि वह इस शिकायत की जांच कराएंगे। सदन में प्रश्नकाल के दौरान नागर विमानन मंत्रालय से जुड़ा पूरक प्रश्न पूछते हुए द्रमुक सांसद दयानिधि मारन ने एक निजी विमानन कंपनी का उल्लेख करते हुए अत्यधिक किराये का विषय उठाया। उन्होंने कहा कि चेन्नई से दिल्ली की एक उड़ान का टिकट बुक कराते समय किराया पहले करीब 33 हजार रुपये दिखाया गया और जब भुगतान करने का प्रयास किया गया तो 'ऐरर' आ गया और कुछ देर बाद विमानन कंपनी द्वारा किराया तीन गुना तक अधिक दिखाया जाने लगा। मारन ने इस संबंध में विमानन कंपनी के सॉफ्टवेयर की कार्यप्रणाली पर भी सवाल उठाया। इस पर बिरला ने कहा, 'माननीय मंत्री जी, सदस्य ने गंभीर विषय उठाया है। इसकी जांच होनी चाहिए।

सिल्क्यारा घटना के दोषियों पर होगी कार्रवाई: गडकरी

नई दिल्ली। सरकार ने लोकसभा में बताया कि उत्तराखंड में सिल्क्यारा सुरंग ढहने की घटना के लिए जिम्मेदार ठेकेदार और अधिकारियों के खिलाफ अंतिम कार्रवाई विशेषज्ञ समिति की सिफारिशों के आधार पर की जाएगी। गत वर्ष 12 नवंबर को निर्माणाधीन सुरंग का हिस्सा ढहने के बाद कुल 41 श्रमिक फंस गए थे। श्रमिकों को 28 नवंबर को सुरंग से सुरक्षित निकाल लिया गया था। सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने लोकसभा में एक प्रश्न के लिखित उत्तर में कहा कि राष्ट्रीय राजमार्ग और अवसंरचना विकास निगम लिमिटेड द्वारा सिल्कयारा-बरकोट सुरंग के निर्माण से जुड़े ठेकेदारों और सलाहकार को ''कारण बताओ नोटिस'' जारी किए गए हैं।

ताइवान में तूफान से डूबा मालवाहक जहाज

बीजिंग। ताइवान में आए तूफान गेमी ने तबाही मचा दी है। इससे आम जन जीवन अस्त-व्यस्त हो रहा है। तूफान के चलते दो लोगों की मौत हो गई और 26 लोग घायल हैं, जगह-जगह बाढ़ आ गई है। तूफान के ताइवान जलडमरूमध्य से चीन के पूर्वी समुद्री तट से टकराने की उम्मीद जताई जा रही है। बता दें कि चीन की ओर बढ़ने से पहले एक मालवाहक जहाज डूब गया। साथ ही और अधिक मूसलाधार बारिश होने की आशंका है। गेमी ने बुधवार रात को यिलान काउंटी में ताइवान के उत्तरपूर्वी तट पर खूब तबाही मचाई। केंद्रीय मौसम प्रशासन के अनुसार, यह आठ सालों में द्वीप पर आया सबसे शक्तिशाली तूफान है और 227 किलोमीटर प्रति घंटे (141 मील प्रति घंटे) की रफ्तार से चल रहा था। दोपहर 12:15 बजे तक (स्थानीय समय अनुसार), गेमी ताइवान जलडमरूमध्य में था और चीन के फुजियान प्रांत में फूजौ की ओर जा रहा है।

जमानत न मिलने पर सुप्रीम कोर्ट पहुंचे बिभव

नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी (आप) की राज्यसभा सांसद स्वाति मालीवाल के साथ मारपीट मामले में आरोपी बिभव कुमार ने हाईकोर्ट से जमानत न मिलने पर सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाया है। हाईकोर्ट ने 12 जुलाई को जमानत देने से इनकार करते हुए कहा था कि उनका 'काफी प्रभाव' है और उन्हें राहत देने का कोई आधार नहीं बनता। 13 मई को मुख्यमंत्री के सरकारी आवास पर स्वाति मालीवाल के साथ कथित तौर पर मारपीट की थी।

अब्बास अंसारी की याचिका पर यूपी सरकार से मांगा जवाब

नई दिल्ली। चित्रकूट जेल कांड मामले में विधायक अब्बास अंसारी की ओर से दायर जमानत याचिका पर सुप्रीम कोर्ट ने उत्तर प्रदेश सरकार को नोटिस जारी कर जवाब मांगा है। हाई कोर्ट की लखनऊ बेंच ने अब्बास अंसारी की ओर से दायर जमानत याचिका को खारिज कर दिया था, जिसको अब्बास अंसारी ने सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी है। अब्बास अंसारी के साथ चित्रकूट जेल के अधिकारी और अब्बास अंसारी की पत्नी निकहत बानो को अभियुक्त बनाया गया था।

भारत का अमेरिका को दो टूक जवाब
रूस के साथ हमारे संबंध दीर्घकालिक

बहुध्रुवीय दुनिया में हर देश के पास विकल्प चुनने की है स्वतंत्रता

एजेंसी, नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की रूस यात्रा को लेकर अमेरिकी अधिकारियों की टिप्पणी का जवाब देते हुए भारत ने कहा है कि नई दिल्ली और मॉस्को के संबंध लंबे समय से हैं और बहुध्रुवीय दुनिया में हर देश के पास विकल्प चुनने की स्वतंत्रता है।

गौरतलब है कि हाल ही में प्रधानमंत्री मोदी रूस की आधिकारिक यात्रा पर गए थे, जिसके बाद शीर्ष अमेरिकी अधिकारी डोनाल्ड लू ने इस पर निराशा जाहिर की थी और कहा था कि वाशिंगटन इसे लेकर चिंतित है और भारत के साथ बातचीत कर रहा है। अब डोनाल्ड लू के इस बयान पर भारतीय विदेश मंत्रालय की प्रतिक्रिया आई है।

विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जयसवाल ने कहा कि हमें यह समझना चाहिए कि भारत का रूस के साथ एक दीर्घकालिक संबंध है, जो एक-दूसरे के हितों पर आधारित है। वर्तमान बहुध्रुवीय दुनिया में सभी देशों के पास उनकी पसंद की स्वतंत्रता है और हर किसी को ऐसी वास्तविकताओं के प्रति सचेत रहना और उनकी सराहना करनी चाहिए।

अमेरिकी राजदूत ने भी जताई थी आपत्ति

डोनाल्ड लू से पहले भारत में अमेरिकी राजदूत एरिक गार्सेटी भी पीएम मोदी की यात्रा पर आपत्ति जता चुके हैं। इस संबंध में टिप्पणी करते हुए उन्होंने कहा था कि संघर्ष के समय में रणनीतिक स्वायत्तता जैसी कोई चीज नहीं होती। अमेरिकी राजदूत ने कहा कि मैं जानता हूं कि भारत को अपनी रणनीतिक स्वायत्तता पसंद है और मैं इस बात का सम्मान करता हूं, लेकिन संघर्ष के समय में रणनीतिक स्वायत्तता जैसी कोई चीज नहीं होती। संकट के क्षणों में हमें एक-दूसरे को जानने की जरूरत है। मुझे इसकी परवाह नहीं है कि हम इसे क्या शीर्षक देंगे, लेकिन हमें यह जानना होगा कि हम भरोसेमंद दोस्त, भाई-बहन और जरूरत के समय सहयोगी हैं।

गुरदासपुर के अगवान गांव में भारत-पाक सीमा पर मिला ड्रोन

अशोक ठाकुर पठानकोट

पंजाब के गुरदासपुर में कलानौर थाना क्षेत्रांतर्गत भारत-पाक सीमा के पास गांव अगवान में खेत से एक ड्रोन बरामद हुआ है। जिस खेत से ड्रोन बरामद हुआ है उसका मालिक गांव का ही किसान बलदेव सिंह पुत्र करम सिंह है और उसने खेती के लिए खेत को गांव के ही एक अन्य किसान सुखविंद्र सिंह को ठेके पर दे रखा है।

वीरवार की सुबह करीब 9 बजे किसान सुखविंद्र सिंह रोजाना की तरह खेतों में गया तो उसने वहां खेत में पड़ा एक ड्रोन देखा। जिसके बाद मामले की जानकारी थाना कलानौर को दी गई। पुलिस मौके पर पहुंचकर आगे की कार्रवाई कर रही है। पुलिस द्वारा बताया गया कि जिस खेत से ड्रोन बरामद हुआ है, उस खेत में फसल बोई गई और पानी भरा है। काले रंग का ड्रोन पानी खेत में जमा पानी में पड़ा मिला। ड्रोन को कब्जे में लेकर मामले की जांच पड़ताल की जा रही है। (अनंत ज्ञान)

केंद्र द्वारा 2,698 करोड़ से हिमाचल में रेलवे परियोजनाओं का विस्तार : अनुराग ठाकुर

एजेंसी, नई दिल्ली

पूर्व केंद्रीय मंत्री व हमीरपुर लोकसभा क्षेत्र से सांसद अनुराग ठाकुर ने मौजूदा वित्त वर्ष में हिमाचल में रेलवे परियोजनाओं के विस्तार के लिए केंद्र द्वारा हिमाचल प्रदेश को 2,698 करोड़ रुपए की राशि देने पर प्रधानमंत्री मोदी, वित्त मंत्री निर्मला सीतारमन व रेलमंत्री अश्वनी वैष्णव का आभार प्रकट करते हुए कहा कि इससे देवभूमि हिमाचल के रेलवे नेटवर्क को सुदृढ़ करने व मौजूदा परियोजनाओं को शीघ्र पूरा करने में मदद मिलेगी।

अनुराग ने कहा कि प्रधानमंत्री ने हिमाचल प्रदेश में भी बेहतर कनेक्टिविटी सुनिश्चित करने के लिए कोई कसर नहीं छोड़ी है। चाहे रोड हो रेल हो या हवाई सेवा हो पिछले 10 वर्षों में हिमाचल को अनेक सौगातें मोदी सरकार ने दी है। मोदी सरकार के एक दशक के कार्यकाल में हर बजट में हिमाचल में रेलवे के लिए विशेष ध्यान रखा गया है और इस बार भी केंद्रीय बजट 2024-25 में रेलवे विस्तार के लिए हिमाचल प्रदेश को 2,698 करोड़ रुपए की राशि का आवंटन किया गया है।

फोर्टिस मोहाली के डॉक्टरों ने वाटर वेपर थैरेपी से व्यक्ति का किया इलाज

जगदीश शर्मा, चंडीगढ़

बढ़े हुए प्रोस्टेट (बीपीएच) से पीड़ित एक 73 वर्षीय व्यक्ति, जिसके कारण उनकी किडनी खराब हो गई थी, जिसके लिए एक्यूरीनरी कैथेटर भी डाला गया था। ऐसे हालात के मरीज को फोर्टिस हॉस्पिटल में वॉटर वेपर थैरेपी (रेजम) के माध्यम से एक नया जीवन दिया गया। प्रोस्टेट के लिए मिनिमल इनवेसिव सर्जिकल उपचार का नवीनतम रूप है, जो फोर्टिस हॉस्पिटल, मोहाली में उपलब्ध है।

वाटर वेपर थैरेपी (रेजम) एक दर्द रहित डे-केयर प्रक्रिया है जो उच्च जोखिम वाले रोगियों या युवा रोगियों को दी जाती है, जो अपनी प्रजनन क्षमता को संरक्षित करना चाहते हैं। दीर्घकालिक प्रभाव पारंपरिक प्रक्रिया के समान हैं। रोगी को स्ट्रोक भी हुआ था और वह हृदय रोग भी पीड़ित थे, जिसके लिए उनकी कार्डियक स्टेंटिंग की गई थी। मरीज ने फोर्टिस अस्पताल, मोहाली के यूरोलॉजी, एंड्रोलॉजी और रोबोटिक सर्जरी विभाग के कंसलटेंट डॉ. रोहित से संपर्क किया। गहन जांच के बाद, रोगी का वाटर वेपर थैरेपी (रेजुम) की योजना बनाई गई।

मुख्यमंत्री धामी ने जन समस्याओं के त्वरित समाधान के दिए निर्देश

जगदीश शर्मा, देहरादून

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने वीरवार को सचिवालय में सीएम हेल्पलाइन-1905 की समीक्षा करते हुए अधिकारियों को निर्देश दिए कि जन समस्याओं के त्वरित समाधान के लिए सचिव एवं विभागाध्यक्ष सीएम हेल्पलाइन की नियमित समीक्षा करें।

उन्होंने कहा कि अधिकारी सुनिश्चित करें कि शिकायत जिस अधिकारी के स्तर की है, उनका समाधान उनके स्तर पर ही हो जाए। अनावश्यक रूप से शिकायतें उच्च स्तर पर न आए। मुख्यमंत्री ने निर्देश दिए कि सीएम हेल्पलाइन की समीक्षा बैठक में इसका भी विवरण दिया जाए कि जनपदों के प्रभारी सचिवों द्वारा जनपदों में विभिन्न समस्याओं के समाधान के लिए कितनी बैठकों का आयोजन किया और किन महत्वपूर्ण समस्याओं का समाधान करवाया। उन्होंने निर्देश दिए कि सभी जिलाधिकारी यह सुनिश्चित करें कि बीडीसी और तहसील दिवसों का आयोजन नियमित रूप से हो और इनमें जनपद स्तरीय अधिकारी भी अनिवार्य रूप से प्रतिभाग करें।

मतदान केंद्रों पर कब्जा करने की 900 से अधिक शिकायतें मिलीं

नई दिल्ली। सरकार ने वीरवार को बताया कि हाल में हुए संसदीय चुनाव और विधानसभा चुनावों के दौरान मतदान केंद्रों पर कब्जा करने की 925 शिकायतें मिलीं, जिनमें से सबसे अधिक 875 शिकायतें पश्चिम बंगाल से प्राप्त हुईं। विधि और कानून राज्य मंत्री अर्जुन राम मेघवाल ने चुनाव आयोग (ईसी) द्वारा साझा किए गए आंकड़ों का हवाला देते हुए राज्यसभा को बताया कि मतदान केंद्रों पर कब्जा करने के मामलों में 14 लोगों को गिरफ्तार किया गया है।

सभी बूथों पर लाइव आयोजित करें 'मन की बात' : भाजपा

जगदीश शर्मा, चंडीगढ़

चंडीगढ़ भाजपा अध्यक्ष जतिंद्र पाल मल्होत्रा के मार्गदर्शन में सेक्टर 37 स्थित पंजाब भाजपा कार्यालय में जिला डॉ. भीमराव अंबेडकर के सभी मंडलों के बूथ अध्यक्षों, मंडल अध्यक्षों और शक्ति केंद्र प्रमुखों की बैठक हुई। बैठक में प्रदेश महासचिव डॉ. हुकम चंद, प्रदेश सचिव संजीव राणा और जिला अध्यक्ष रवि रावत ने सभी से कहा कि 28 जुलाई को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आगामी कार्यक्रम 'मन की बात' का सभी बूथों पर लाइव आयोजन सुनिश्चित किया जाए।

गुजरात में भारी बारिश से आठ की मौत

महाराष्ट्र में बाढ़ जैसे हालात; पुणे में भी चार की मौत कई- जगह स्कूल बंद, फ्लाइट्स रद्द

एजेंसी, नई दिल्ली

गुजरात में पिछले 3-4 दिन से हो रही तेज बारिश से वडोदरा, सूरत, भरूच और आणंद समेत कई जिलों में बाढ़ जैसे हालात बन गए हैं। वडोदरा में 24 घंटे में 13.5 इंच बारिश हुई है।

राज्य में बारिश से संबंधित घटनाओं में कुल 8 लोगों की मौत हुई है। निचले इलाकों से 826 लोगों को सुरक्षित जगहों पर शिफ्ट करना पड़ा है। कई जगहों पर स्कूलों-कॉलेजों की भी छुट्टी कर दी गई है। एनडीआरएफ और एसडीआरएफ की टीमें भी तैनात की गई हैं। ट्रेन सर्विसेस भी बाधित हुई हैं। इसके अलावा महाराष्ट्र के भी कई जिलों में बाढ़ जैसे हालात बन गए हैं। एनडीआरएफ को अलर्ट पर रखा गया है। पुणे, ठाणे, रायगढ़ और पालघर में स्कूल बंद कर दिए हैं। पुणे में ही बारिश संबंधित घटनाओं में 4 लोगों की मौत हो गई है। मुंबई में जलभराव के कारण लोकल ट्रेनें 20 से 25 मिनट की देरी से चल रही हैं। मुंबई आने और मुंबई से जाने वाली एयर इंडिया की कुछ फ्लाइट्स भी कैंसिल हुई है। एयरलाइंस ने कहा विजिबिलिटी घटने के कारण सेवाएं प्रभावित हुई हैं। यात्रियों को रिफंड किया जाएगा। मौसम विभाग ने कहा कि मुंबई में देर रात से सुबह तक 100एमएम से ज्यादा बारिश हुई है।

कमला हैरिस नहीं हैं शासन करने के योग्य : डोनाल्ड ट्रंप

एजेंसी, वाशिंगटन

अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति और रिपब्लिकन पार्टी के राष्ट्रपति पद के उम्मीदवार डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि उपराष्ट्रपति कमला हैरिस देश में शासन करने के योग्य नहीं हैं। हैरिस के संभावित उम्मीदवार बनने के बाद पहली बार अपनी चुनावी रैली को संबोधित करते हुए ट्रंप ने डेमोक्रेटिक प्रतिद्वंद्वी पर यह तीखा हमला किया।

राष्ट्रपति जो बाइडन (81) ने बीते सप्ताहांत में राष्ट्रपति पद की चुनावी दौड़ से अपना नाम वापस लिए जाने के बाद कमला हैरिस के नाम का अनुमोदन किया था। हैरिस (59) अब संभावित डेमोक्रेटिक उम्मीदवार हैं और अगस्त में 'डेमोक्रेटिक नेशनल कन्वेंशन' में उन्हें आधिकारिक तौर पर पार्टी की ओर से राष्ट्रपति पद की उम्मीदवार घोषित किया जाएगा। ट्रंप ने कहा कि कमला हैरिस अमेरिकी इतिहास की सबसे उदार निर्वाचित राजनीतिज्ञ हैं। वह एक अति-उदारवादी राजनीतिज्ञ हैं। वह बर्नी सैंडर्स से भी ज्यादा उदार हैं। ट्रंप ने आरोप लगाया कि अगर वह कभी सत्ता में आईं तो वह इस देश को बहुत तेजी से नष्ट कर देंगी। हम ऐसा नहीं होने देंगे। उन्होंने कहा कि हैरिस सीमा की सरकार थीं, लेकिन वह कभी सीमा पर नहीं गईं।

नेस्ले इंडिया का मुनाफा 6.9 फीसदी बढ़कर 746.6 करोड़ रुपए पहुंचा

एजेंसी, नई दिल्ली

दैनिक उपयोग की घरेलू वस्तुओं की कंपनी नेस्ले इंडिया लिमिटेड का अप्रैल-जून तिमाही में शुद्ध लाभ 6.9 प्रतिशत बढ़कर 746.60 करोड़ रुपए हो गया।

नेस्ले इंडिया ने शेयर बाजार को दी सूचना में बताया कि कंपनी का पिछले साल अप्रैल-जून तिमाही में शुद्ध लाभ 698.34 करोड़ रुपए रहा था। समीक्षाधीन तिमाही में नेस्ले इंडिया की उत्पादों की बिक्री से आय 3.75 प्रतिशत बढ़कर 4,792.97 करोड़ रुपए हो गई। पिछले वर्ष इसी तिमाही में यह 4,619.50 करोड़ रुपए थी। अप्रैल-जून तिमाही में कुल व्यय 2.7 प्रतिशत बढ़कर 3,844.01 करोड़ रुपए हो गया। कुल आय 3.64 प्रतिशत बढ़कर 4,853.07 करोड़ रुपए हो गई।

चीन कर रहा हिंद महासागर में घुसपैठ: अमेरिकी सांसद

वाशिंगटन। अमेरिकी सांसद यंग किम ने दावा किया कि चीन हिंद महासागर के प्रमुख क्षेत्रों में घुसपैठ कर रहा है। इस जल क्षेत्र में स्वतंत्र रूप से आवागमन के अधिकार में बाधा डाल रहा है। उन्होंने साथ ही दक्षिण एशियाई देशों में चीन के बढ़ते निवेश पर भी चिंता जाहिर की। इस क्षेत्र में भू-राजनीतिक परिदृश्य में बदलाव आ रहा है।

गूगल मैप्स ने भारत में नई सुविधाएं पेश कीं

नई दिल्ली। प्रौद्योगिकी कंपनी गूगल ने अपने गूगल मैप्स पर कई नई सुविधाएं की पेशकश की है। इनमें इलेक्ट्रिक वाहन (ईवी) चार्जिंग स्टेशन की सूचना, फ्लाईओवर कॉलआउट और चार-पहिया वाहन चालकों के लिए संकरी सड़क के उपयोग को कम करने के लिए एआई-संचालित रूटिंग क्षमता शामिल है।

अमरनाथ यात्रा कड़ी सुरक्षा के बीच 3,089 श्रद्धालुओं का एक और जत्था रवाना, पिछले साल का तोड़ा रिकॉर्ड

26 दिन में 4.25 लाख भक्तों ने किए बाबा बर्फानी के दर्शन

एजेंसी, जम्मू

अमरनाथ यात्रा शांतिपूर्ण ढंग से आगे बढ़ रही है। पिछले 26 दिनों में अमरनाथ यात्रा करने वाले तीर्थयात्रियों की संख्या 4.25 लाख को पार कर गई है।

3,089 श्रद्धालुओं का एक और जत्था वीरवार को कड़ी सुरक्षा के बीच जम्मू से कश्मीर के लिए रवाना हुआ। बीते साल पूरी अवधि के दौरान केवल 3.50 लाख यात्रियों ने अमरनाथ यात्रा की थी। इस साल केवल 26 दिनों में 4.25 लाख तीर्थयात्री पवित्र गुफा मंदिर के दर्शन कर चुके हैं और पिछले साल रिकॉर्ड तोड़ दिया है। वीरवार को 3,089 यात्रियों का जत्था दो सुरक्षा काफिलों में जम्मू के भगवती नगर यात्री निवास से घाटी के लिए रवाना हुआ। अधिकारियों ने बताया कि दोनों सुरक्षा काफिले सुबह 3:25 बजे घाटी के लिए रवाना हुए। पहला सुरक्षा काफिला 43 वाहनों में 1 हजार 286 तीर्थयात्रियों को लेकर उत्तरी कश्मीर के बालटाल बेस कैंप के लिए रवाना हुआ। दूसरा सुरक्षा काफिला 63 वाहनों में 1 हजार 803 तीर्थयात्रियों को लेकर दक्षिण कश्मीर के नुनवान (पहलगाम) बेस कैंप के लिए रवाना हुआ।

अधिकारियों ने बताया कि उनमें से 1,803 तीर्थयात्रियों ने पारंपरिक 48 किलोमीटर लंबे पहलगाम मार्ग को जबकि 1,286 ने छोटे लेकिन दुर्गम 14 किलोमीटर बालटाल मार्ग को चुना है। इस वर्ष की यात्रा 52 दिनों के बाद 19 अगस्त को श्रावण पूर्णिमा और रक्षाबंधन त्योहार के साथ संपन्न होगी।

न्यूज ब्रीफ

तुषारा चोट के कारण टी-20 सीरीज से बाहर

पालेकल। श्रीलंका के तेज गेंदबाज नुवान तुषारा अभ्यास के दौरान हाथ में चोट लगने के कारण भारत के खिलाफ तीन मैच की टी20 अंतरराष्ट्रीय सीरीज से बाहर हो गए हैं। इस 29 वर्षीय खिलाड़ी के बुधवार को अभ्यास सत्र के दौरान बाएं हाथ के अंगूठे में चोट लग गई थी। श्रीलंका ने तुषारा की जगह एक अन्य तेज गेंदबाज दिलशान मदुशंका को टीम में शामिल किया है। तुषारा की चोट श्रीलंका के लिए बड़ा झटका है क्योंकि यह तेज गेंदबाज शानदार फॉर्म में था। उन्होंने पिछले महीने टी-20 विश्व कप में श्रीलंका की तरफ से सर्वाधिक आठ विकेट लिए थे। उनका इकोनॉमी रेट भी 5.62 था। तुषारा चोटिल होने के कारण इस सीरीज से बाहर होने वाले श्रीलंका के दूसरे तेज गेंदबाज हैं। उनसे पहले दुष्मंथा चमीरा को अस्वस्थ होने के कारण टीम से बाहर होना पड़ा था।

गंभीर के लिए पंत-सैमसन का चयन करना चुनौती

कोलंबो। भारतीय क्रिकेट टीम के नवनियुक्त मुख्य कोच गौतम गंभीर के लिए श्रीलंका के खिलाफ शनिवार से यहां शुरू होने वाले तीन टी-20 अंतरराष्ट्रीय मैचों के लिए ऋषभ पंत और संजू सैमसन में से किसी एक का चयन करना चुनौतीपूर्ण होगा। छोटे प्रारूप से संन्यास लेने वाले रोहित शर्मा और विराट कोहली को छोड़कर टी-20 विश्व कप विजेता टीम के अधिकतर खिलाड़ी श्रीलंका दौरे पर आए हैं और ऐसे में पंत और सैमसन में से किसी एक का चयन करना आसान नहीं होगा क्योंकि यह दोनों ही आक्रामक विकेटकीपर बल्लेबाज हैं। भारतीय बल्लेबाजी क्रम में भले ही दो स्थान खाली हैं, लेकिन फिर भी इन दोनों में से किसी एक को बल्लेबाज के रूप में उतारना भी आसान नहीं होगा। पंत ने टी-20 विश्व कप में 171 रन बनाए, जबकि सैमसन को एक भी मैच खेलने का मौका नहीं मिला, जबकि वह टीम का हिस्सा थे। भारत और श्रीलंका के बीच यह सीरीज भारतीय टीम के लिए इसलिए महत्वपूर्ण बन गई है क्योंकि गंभीर की मुख्य कोच के रूप में यह पहली सीरीज है, जबकि टीम के नए कप्तान सूर्यकुमार यादव हैं। गंभीर के पिछले रिकार्ड को देखते हैं तो यह निश्चित है कि टीम संयोजन में उनकी बात को अधिक तवज्जो दी जाएगी।

एंडी मरे ओलंपिक टेनिस एकल से हटे

पेरिस। दो बार के ओलंपिक टेनिस स्वर्ण पदक विजेता एंडी मरे ने वीरवार को पेरिस खेलों की एकल स्पर्धा से हटने का फैसला किया और वह डैन इवांस के साथ केवल युगल स्पर्धा में हिस्सा लेंगे। ब्रिटेन के 37 साल के मरे ने कहा कि ये ओलंपिक उनके करियर का अंतिम टूर्नामेंट होंगे। उन्होंने इस महीने विंबलडन की एकल स्पर्धा से भी हटने का फैसला किया था और युगल स्पर्धा में भी अपने बड़े भाई जैमी के साथ एक ही मैच खेला था।मरे ने कहा, ''मैंने डैन के साथ युगल स्पर्धा पर ध्यान लगाने के लिए एकल से हटने का फैसला किया है। हमारा अभ्यास शानदार रहा है और हम एक दूसरे के साथ अच्छा खेल रहे हैं।'' मरे के हटने की घोषणा ओलंपिक टेनिस स्पर्धा के ड्रा से कुछ देर पहले ही हुई। मरे ने लंदन 2012 और रियो डि जिनेरियो 2016 की एकल स्पर्धा स्वर्ण पदक जीते थे, जिससे वह दो स्वर्ण पदक जीतने वाले एकमात्र टेनिस खिलाड़ी हैं।

अंकिता व्यक्तिगत स्पर्धा में 11वें स्थान पर

पेरिस। पदार्पण कर रही तीरंदाज अंकिता भक्त ने वीरवार को यहां अनुभवी दीपिका कुमारी को पीछे छोड़ते हुए पेरिस ओलंपिक महिला व्यक्तिगत रिकर्व क्वालीफिकेशन में भारतीयों में सर्वश्रेष्ठ 11वां स्थान हासिल किया, इससे देश ने चौथे स्थान पर रहकर टीम स्पर्धा में क्वार्टर फाइनल स्थान हासिल किया। अंकिता (26 साल) 666 अंक से भारतीय महिला तीरंदाजों में सर्वश्रेष्ठ रैंकिंग पर रहीं, उनके बाद भजन कौर 559 अंक से 22वें और दीपिका कुमारी 658 अंक से 23वें स्थान पर रहीं। टीम स्पर्धा में भारत ने 1983 अंक से चौथा स्थान हासिल किया जिसमें दक्षिण कोरिया 2046 अंक से शीर्ष पर रहा। चीन उप विजेता जबकि मेक्सिको तीसरे स्थान पर रहा। टीम तालिका में शीर्ष चार टीम सीधे क्वार्टर फाइनल के लिए क्वालीफाई करती हैं, जबकि पांचवें से 12वें स्थान पर रहने वाली टीम राउंड 16 मुकाबले खेलेंगी। भारत का सामना क्वार्टर फाइनल में फ्रांस और नीदरलैंड के बीच मुकाबले के विजेता से होगा।

पेरिस ओलंपिक आज से | भारत के 117 खिलाड़ी पेरिस ओलंपिक खेलों में अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने को तैयार

पदकों की संख्या दोहरे अंकों में पहुंचाना भारत का लक्ष्य

एजेंसी, पेरिस

मंच सज चुका है और दुनिया भर के खिलाड़ियों की तरह भारत के 117 खिलाड़ी भी शुक्रवार से शुरू होने वाले पेरिस ओलंपिक खेलों में अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने के लिए तैयार हैं, जहां उनका लक्ष्य पदकों की संख्या को दोहरे अंक में पहुंचाना होगा। भारत ने तोक्यो ओलंपिक में सात पदक जीते थे जो उसका ओलंपिक खेलों में अभी तक सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन है और भारतीय खिलाड़ी इसमें सुधार करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। भले ही उन पर इसके लिए अपेक्षाओं का बोझ भी है, लेकिन कुश्ती को छोड़कर किसी भी अन्य खेल के खिलाड़ी अपनी तैयारी को लेकर किसी तरह की शिकायत नहीं कर सकते हैं।

खिलाड़ियों को चाहे विदेश में अभ्यास करवाना हो या उन्हें सर्वश्रेष्ठ सुविधा उपलब्ध करानी हो, किसी भी तरह से कोई कसर नहीं छोड़ी गई है और अब परिणाम देना खिलाड़ियों का काम है, लेकिन इस हकीकत से भी मुंह नहीं मोड़ा जा सकता है कि तोक्यो ओलंपिक के सात पदकों की संख्या की बराबरी करना भी आसान नहीं होगा क्योंकि भाला फेंक में मौजूदा ओलंपिक चैंपियन नीरज चोपड़ा को छोड़कर कोई भी अन्य खिलाड़ी पदक का प्रबल दावेदार नहीं है।

भारत के 117 सदस्यों के दल में तीन खेलों एथलेटिक्स (29), निशानेबाजी (21) और हॉकी (19) के आधे खिलाड़ी शामिल हैं। इन 69 खिलाड़ियों में से 40 खिलाड़ी पहली बार ओलंपिक में भाग ले रहे हैं। अन्य खेलों में भी कमोबेश यही स्थिति है और इस तरह से देखा जाए तो भारत को आगे बढ़ाने की जिम्मेदारी पदार्पण करने वाले खिलाड़ियों पर होगी। भारतीय दल में हालांकि कुछ अनुभवी खिलाड़ी भी शामिल हैं, जिन्हें अपना खेल का स्तर बढ़ाना होगा। इन खिलाड़ियों में बैडमिंटन खिलाड़ी पीवी सिंधु, टेनिस खिलाड़ी रोहन बोपन्ना, टेबल टेनिस के दिग्गज शरत कमल और हॉकी गोलकीपर पीआर श्रीजेश भी शामिल हैं जो निश्चित तौर पर अपना अंतिम ओलंपिक खेल रहे हैं। भारत की पदक की उम्मीदें नीरज तथा चिराग शेट्टी और सात्विक साइराज रंकीरेड्डी की फॉर्म में चल रही बैडमिंटन जोड़ी पर टिकी हैं।

सात्विक और चिराग की जोड़ी जिस तरह से अच्छा प्रदर्शन कर रही है उसे देखते हुए वह निश्चित तौर पर पदक की प्रबल दावेदार है। सिंधु भी लगातार तीसरा पदक जीतने के लिए प्रतिबद्ध है। उनकी हाल की फॉर्म अच्छी नहीं रही और उन्हें मुश्किल ड्रॉ भी मिला है। यही नहीं भारतीय टीम को ऑस्ट्रेलिया, बेल्जियम, अर्जेंटीना, न्यूजीलैंड और आयरलैंड के साथ मुश्किल ग्रुप में रखा गया है। पिछले ओलंपिक खेलों में कांस्य पदक जीतने वाली भारोत्तोलक मीराबाई चानू पिछले कुछ समय से चोट और खराब फॉर्म से जूझ रही हैं।

पिछले ओलंपिक खेलों में कांस्य पदक विजेता मीराबाई चानू से इस बार भारत को गोल्ड की उमीद।

पदकों की हैट्रिक बनाने को पीवी सिंधु तैयार

पेरिस। भारतीय बैडमिंटन स्टार पीवी सिंधु लगातार तीसरे ओलंपिक खेलों में पदक जीतकर इतिहास रचने के लिए किसी भी तरह की कसर नहीं छोड़ रही हैं और उन्होंने अपना यह लक्ष्य हासिल करने के लिए पिछले कुछ महीनो में अलग-अलग तरीकों से कड़ा अभ्यास किया है। सिंधु ने रियो ओलंपिक में रजत और टोक्यो ओलंपिक में कांस्य पदक जीता था। अगर वह पेरिस ओलंपिक में पोडियम पर पहुंचने में सफल रहती है तो फिर वह पदकों की हैट्रिक पूरी करने वाली भारत की पहली खिलाड़ी बन जाएंगी। सिंधु पिछले कुछ समय से अच्छी फॉर्म में नहीं चल रही है, लेकिन उन्होंने कहा कि पिछले आठ महीने प्रकाश पादुकोण के साथ बिताने से उनका आत्मविश्वास बढ़ा है और वह लगातार तीसरा पदक जीतने के लिए तैयार है।

आत्मविश्वास बढ़ाने के लिए अपने गोलों की क्लिप देखता हूं : सुखजीत

नई दिल्ली। दो साल पहले भारतीय हॉकी टीम में पदार्पण करने वाले फॉरवर्ड सुखजीत सिंह पेरिस में ओलंपिक में पदार्पण को लेकर कतई नर्वस नहीं हैं और आत्मविश्वास बढाने के लिए अपने अंतरराष्ट्रीय गोलों की क्लिप देखते रहते हैं। सुखजीत भारतीय टीम में शामिल उन पांच खिलाड़ियों (अभिषेक, राजकुमार पाल, जरमनप्रीत सिंह, संजय) में से हैं [illegible] लिए पेरिस उनका पहला ओलंपिक [illegible] टोक्यो ओलंपिक की कांस्य पदक विजेता भारतीय टीम 27 जुलाई को न्यूजीलैंड के खिलाफ अपने अभियान का आगाज करेगी।

27 जुलाई को न्यूजीलैंड के खिलाफ अपने अभियान का करेगी आगाज

पेरिस ओलंपिक स्पेन की जीत से शुरुआत, अर्जेंटीना पहला मैच हारा

एजेंसी, पेरिस

यूरोपीय चैंपियन स्पेन ने उज्बेकिस्तान को 2-1 से हराकर ओलंपिक खेलों की फुटबॉल प्रतियोगिता में अपने अभियान की सकारात्मक शुरुआत की, लेकिन लियोनेल मेस्सी के बिना खेल रहे विश्व चैंपियन अर्जेंटीना को पहले मैच में हार का सामना करना पड़ा। उज्बेकिस्तान ने स्पेन को कड़ी चुनौती दी और इसलिए दर्शकों का उन्हें भरपूर समर्थन भी मिला।

पेरिस ओलंपिक खेलों का पहला गोल स्पेन के राइट बैक मार्क पबिल ने 29वें मिनट में किया। एल्डोर शोमुरोदोव ने पहले हाफ के आखिर में पेनल्टी के जरिए अपना 41वां अंतरराष्ट्रीय गोल करके बराबरी की, जिसका उज्बेकिस्तान के प्रशंसकों ने जमकर जश्न मनाया। स्पेन की तरफ से सर्जियो गोमेज ने 62वें मिनट में निर्णायक गोल किया।

इन खेलों में मेस्सी के बिना खेल रहे कोपा अमेरिका चैंपियन अर्जेंटीना को अपने पहले मैच में मोरक्को से 2-1 से हार झेलनी पड़ी। मोरक्को की तरफ से दोनों गोल स्ट्राइकर सौफियाने रहीमी ने किए। अन्य मैचों में इजरायल ने कड़ी सुरक्षा के बीच खेले गए मैच में माली को 1-1 से बराबरी पर रोका, जबकि मेजबान फ्रांस ने अमेरिका को 3-1 से हराया।

महिला एशिया कप के फाइनल में भारत-पाक में हो सकती है टक्कर

एजेंसी, नई दिल्ली

श्रीलंका में चल रहे महिला एशिया कप 2024 में रोजाना कई रोमांचक मैच खेले जा रहे हैं। भारत की पुरुष टीम के बाद अब महिला टीम भी शानदार प्रदर्शन करती नजर आ रही है। टीम इंडिया ने एशिया कप के सेमीफाइनल में जगह बना ली है। भारतीय टीम ने ग्रुप स्टेज के आखिरी मैच में नेपाल को 82 रन से शिकस्त देकर पहले सेमीफाइनल में एंट्री ली। दूसरी ओर पाकिस्तान की टीम ने भी सेमीफाइनल में जगह बना ली है। पाकिस्तान ने यूएई को 10 विकेट से हराकर सेमीफाइनल में जगह बनाई है।

हालांकि अभी सेमीफाइनल की बाकी दो टीमें डिसाइड नहीं हुई हैं। इसके लिए बांग्लादेश-मलेशिया और श्रीलंका थाईलैंड के बीच मुकाबला चल रहा है। दरअसल, भारत और पाकिस्तान दोनों ही टीमें सेमीफाइनल के लिए तो क्वालीफाई करने में कामयाब रही, साथ ही फैंस में इस बात की खुशी है कि वुमेंस एशिया कप 2024 का खिताबी मुकाबला इंडिया और पाकिस्तान के बीच हो सकता है। जी हां, वुमेंस एशिया कप 2024 के सेमीफाइनल में ग्रुप-ए से भारत और पाकिस्तान ने तो ग्रुप-बी से श्रीलंका और बांग्लादेश ने नॉकआउट स्टेज में कदम रखा है।

वुमेंस एशिया कप 2024 का पहला सेमीफाइनल भारत और बांग्लादेश के बीच दांबुला में 26 जुलाई यानी खेला जाना है। इसी दिन दूसरे सेमीफाइनल में पाकिस्तान और श्रीलंका की भिड़ंत होगी। अगर भारत और पाकिस्तान की टीमें अपने-अपने सेमीफाइनल मुकाबले जीत लेती है तो फाइनल में फैंस को एक बार फिर इंडिया वर्सेस पाकिस्तान भिड़ंत देखने को मिलेगी।

पेरिस ओलंपिक के पहले मैच में ब्रिटेन की हर्से से भिड़ेंगी मनिका

एजेंसी, पेरिस

भारत की शीर्ष टेबल टेनिस खिलाड़ी और राष्ट्रमंडल खेलों के पदक विजेता मनिका बत्रा महिला एकल के शुरुआती दौर में ब्रिटेन की अन्ना हर्से से भिड़ेंगी, जबकि अनुभवी पुरुष खिलाड़ी अचंता शरत कमल स्लोवेनिया के डेनी कोजुल के सामने होंगे। बुधवार को ड्रा की घोषणा हुई। मनिका को 18वीं वरीयता मिली है और यह उनका लगातार तीसरा ओलंपिक है। वह 2021 तोक्यो ओलंपिक में एकल में राउंड 32 में पहुंचने वाली भारत की पहली महिला टेबल टेनिस खिलाड़ी बनी थीं।

पुरुष एकल में हरमीत देसाई का सामना पहले दौर में जोर्डन के अबो यमन से होगा जबकि 25 साल की श्रीजा अकुला (16वीं वरीय) महिला वर्ग में स्वीडन की खिलाड़ी क्रिस्टिना कालबर्ग के खिलाफ अपना अभियान शुरू करेंगी। राष्ट्रमंडल खेलों के चैंपियन शरत कमल भारत के टेबल टेनिस दल की अगुवाई कर रहे हैं, जिसमें 41 साल का यह खिलाड़ी ओलंपिक में पांचवीं दफा खेलने उतरेगा।

पेरिस ओलंपिक के दूसरे दौर में एक-दूसरे से भिड़ सकते हैं जोकोविच और नडाल

एजेंसी, पेरिस

शीर्ष वरीयता प्राप्त नोवाक जोकोविच पेरिस ओलंपिक खेलों की टेनिस प्रतियोगिता के पुरुष एकल के दूसरे दौर में अपने चिर प्रतिद्वंद्वी राफेल नडाल से भिड़ सकते हैं। वीरवार को जारी किए गए ड्रॉ के अनुसार जोकोविच अपने अभियान की शुरुआत ऑस्ट्रेलिया के मैथ्यू एबडेन के खिलाफ करेंगे, जबकि नडाल का सामना हंगरी के मार्टन फुकसोविक्स से होगा। इन मैच में जीत दर्ज करने वाले खिलाड़ी दूसरे दौर में एक दूसरे का सामना करेंगे। ओलंपिक की टेनिस प्रतियोगिता उसी स्थल पर खेली जाएगी जहां फ्रेंच ओपन होता है। नडाल ने अपने 22 ग्रैंड स्लैम खिताब में से 14 खिताब फ्रेंच ओपन के रूप में जीते हैं। उन्होंने 2008 में बीजिंग में एकल, जबकि 2016 में रियो में मार्क लोपेज के साथ मिलकर युगल वर्ग में स्वर्ण पदक जीता था। फ्रेंच ओपन चैंपियन कार्लोस अल्काराज का सामना पहले दौर में लेबनान के खिलाड़ी हैदी हबीब से होगा।

महिला एशिया कप सेमीफाइनल | बांग्लादेश टीम के पास धीमी गति के गेंदबाजों की भरमार

बांग्लादेश के खिलाफ प्रबल दावेदार होगा भारत

एजेंसी, दाम्बुला

भारतीय महिला क्रिकेट टीम शुक्रवार को यहां एशिया कप सेमीफाइनल में बांग्लादेश के खिलाफ जीत की प्रबल दावेदार के तौर पर मैदान में उतरेगी, जिसमें शेफाली वर्मा की निगाहें आक्रामक प्रदर्शन करने पर लगी होंगी, जबकि स्मृति मंधाना भी बड़ा स्कोर बनाने के लिए बेताब होंगी।

शेफाली ने अभी तक 158 रन बनाए हैं जिससे वह टूर्नामेंट में दूसरी सबसे ज्यादा रन बनाने वाली खिलाड़ी हैं। निगार सुल्ताना की टीम के खिलाफ शेफाली को अच्छी शुरूआत करानी होगी, क्योंकि विपक्षी टीम के पास धीमी गति के गेंदबाजों की भरमार है। भारतीय महिला टीम ने सभी तीनों मुकाबलों में प्रतिद्वंद्वी टीम को मात दी है। उसने पाकिस्तान के खिलाफ सात विकेट से, संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) के खिलाफ 78 रन से और नेपाल के खिलाफ 82 रन के अंतर से जीत हासिल की।

संभावित टीमें

भारत: हरमनप्रीत कौर (कप्तान), ऋचा घोष (विकेटकीपर), उमा छेत्री (विकेटकीपर), स्मृति मंधाना (उपकप्तान), शेफाली वर्मा, दीप्ति शर्मा, पूजा वस्त्राकर, अरुंधति रेड्डी, जेमिमा रोड्रिग्स, रेणुका ठाकुर, दयालन हेमलता, आशा शोभना, राधा यादव, श्रेयंका पाटिल, सजना सजीवन।

बांग्लादेश: निगार सुल्ताना जोटी (कप्तान), शोर्णा अख्तर, नाहिदा अख्तर, मुर्शिदा खातून, शोरिफा खातून, रितु मोनी, रूबिया हैदर झेलिक, सुल्ताना खातून, जहांआरा आलम, दिलारा अख्तर, इश्मा तंजीम, राबिया खान, रुमाना अहमद, मारुफा अख्तर, सबिकुन नाहर जेस्मीन।